Annual Report

वार्षिक प्रतिवेदन

(2022–2023)

Indian Institute of Management Kashipur

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

अनुक्रमणिका

हमारे बारे में	2
ध्येय एवं लक्ष्य	3
प्रमुख विशेषताएँ	4
शासी मण्डल	6
अध्यक्ष की ओर से	8
निदेशक की ओर से	11
शैक्षणिक कार्यक्रम	20
व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	22
व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एनालिटिक्स) कार्यक्रम	29
कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम	37
कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम	42
डॉक्टरेट कार्यक्रम	48
छात्रवृत्ति	51
ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट रिपोर्ट 2021–23	53
ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट रिपोर्ट 2020–22	59
कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम	65
कस्टमाइजेड प्रबंधन विकास कार्यक्रम	66
ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम	67
अंतर्राष्ट्रीय संबंध	71
उत्कृष्टता केंद्र	72
सार्वजनिक नीति और सरकार में उत्कृष्टता केंद्र	73
नवाचार और उद्यमिता विकास फाउंडेशन	75
डिजाइन इनोवेशन सेंटर	83
लर्निंग रिसोर्स	85
आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर	92
संकाय और शिक्षाविद	93
अनुसंधान प्रकाशन और उद्धरण	96
शोध सेमिनार	102
छात्र गतिविधियाँ	108
आयोजन	138
आंतरिक शिकायत समिति की रिपोर्ट	140
कार्य	142
संधारणीय और हरित पहल	143
करियर	145
ऑडिट रिपोर्ट और बैलेंस शीट	147

हमारे बारे में

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर एक विशिष्ट सार्वजनिक बिजनेस स्कूल है, जो ग्यारह वर्षों से भारत में कॉर्पोरेट क्षेत्र और प्रबंधन शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान की स्थापना छात्रों की सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता को परिष्कृत करते हुए गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य के साथ की गई है। यह नवीन और विशिष्ट शिक्षण विधियों का उपयोग करते हुए, संधारणीय नेतृत्व का अभ्यास करके एवं समाज में सार्थक योगदान प्रदान कर, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने की आकांक्षा रखता है। आईआईएम काशीपुर ने कई सफल व्यवसायी नेतृत्वकर्ता एवं नौकरी निर्माता दिए हैं।

संस्थान को प्रकृति की विलक्षण सुंदरता से नवाजा गया है, जो शैक्षणिक दृढ़ता के लिए एक संपूर्ण अनुभव प्रदान करता है। उत्तराखंड में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क से सिर्फ 25 किमी दूर स्थित इसका 200 एकड़ का विशाल परिसर, हिमालय की गोद में बसे काशीपुर के शांत शहर में उत्साह और खुशियाँ फैलाता है। संस्थान के पास हरे–भरे एवं शांत वातावरण के साथ एक सुंदर झील सहित अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा है। यह संस्थान भारत के सबसे घने औद्योगिक जिलों में से एक के समीप स्थित है। यह रणनीतिक भौगोलिक स्थिति संस्थान के लिए एक सुविधाजनक बिंदु प्रदान करती है, जब यह उद्योग विशेषज्ञों एवं लाइव प्रोजेक्ट्स के साथ नियमित संवाद स्थापित कर अपने आदर्श वाक्य करके सीखना को चरितार्थ करती है।

संस्थान का आदर्श वाक्य

संस्थान का आदर्श वाक्य है 'करके सीखना'

परिकल्पना

एक प्रतिष्ठित संस्थान बनना जो प्रबंधन अनुसंधान एवं शिक्षा को बढ़ावा देता है और बदलती दुनिया में सकारात्मक सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करता है।

आधार मूल्य

1. सहशासन
2. सभी हितधारकों के साथ सक्रिय जुड़ाव
3. हरित चेतना
4. पारदर्शिता

उद्देश्य

संस्थान प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में व्यावहारिक और अंतःविषय अनुसंधान एवं प्रथाओं के माध्यम से ज्ञान सृजित तथा प्रसारित करने का प्रयास करता है। संस्थान सामाजिक रूप से जागरूक, सक्षम और नैतिक व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं एवं शोधकर्ताओं को विकसित करता है, जो समावेशी होने के साथ–साथ क्षेत्रीय विकास और अंतर्राष्ट्रीयकरण दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए महत्वपूर्ण सोच, नवाचार और उद्यमिता की क्षमता रखते हैं।

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23
भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

मुख्य विशेषताएं

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
विद्यार्थियों की कुल संख्या 257

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनालिटिक्स) (एमबीएए)
विद्यार्थियों की कुल संख्या 90

एक्सीक्युटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ईएमबीए)
विद्यार्थियों की कुल संख्या 40

एक्सीक्युटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनालिटिक्स) (ईएमबीएए)
विद्यार्थियों की कुल संख्या 95

डोकटोरल प्रोग्राम (पीएचडी)
विद्यार्थियों की कुल संख्या 52

- कुल कार्यक्रम 5
- विद्यार्थियों की संख्या 534
- प्लेसमेंट में 120 संगठनों ने भाग लिया
- पैकेज शीर्ष 10 प्रतिशत सुरक्षित औसत। सीटीसी 28.5 एलपीए
- पैकेज शीर्ष 30 प्रतिशत सुरक्षित औसत। सीटीसी 24.5 एलपीए
- पैकेज शीर्ष 20 प्रतिशत सुरक्षित औसत। सीटीसी 25.9 एलपीए
- एनआईआईआरएफ रैंकिंग 23

शासी मण्डल

शासी मण्डल के रुप में 31 मार्च 2023 को

श्री संदीप सिंह
अंतरिम अध्यक्ष
लेखक एवं स्वतंत्र निदेशक

श्री पी.के. बनर्जी
जेएस (एमजीटी और एमसी और छात्रवृत्ति)
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

सुश्री विभा मल्होत्रा
निदेशक, भारतीय उद्योग परिसंघ

डॉ. सुखबीर सिंह संधू
मुख्य सचिव, उत्तराखंड सरकार
उत्तराखंड सरकार के प्रतिनिधि

श्री नृप सिंह नपलच्याल
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
आईएएस (सेवानिवृत्त)

श्री. विश्ववीर आहूजा
पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ, आरबीएल बैंक

श्री अरविन्द महाजन
IMPACT के संस्थापक सदस्य,
और प्रसिद्ध प्रबंधन सलाहकार

प्रो. बी महादेवन
उत्पादन एवं संचालन संकाय, प्रबंधन क्षेत्र,
आईआईएम बैंगलोर

प्रो. माला श्रीवास्तव
प्रोफेसर, आईआईएम काशीपुर

प्रो कुलभूषण बलूनी
निदेशक, आईआईएम काशीपुर
(पदेन सदस्य)

श्रीमती सविता महाजन
पूर्व डिप्टी डीन,
इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस

प्रो कीर्ति शारदा
संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र में संकाय,
आईआईएम अहमदाबाद

डॉ. एम. रामासुब्रमण्यन
सी.ए.ओ., आईआईएम काशीपुर,
एवं बीओजी के सचिव

प्रो. कुणाल के गांगुली
प्रोफेसर, आईआईएम काशीपुर

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय हितधारकों,

वर्ष 2022–23 के अंतर्गत आईआईएम काशीपुर की प्रभावशाली उपलब्धियों और महत्वपूर्ण प्रगति को साझा करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है।

शिक्षा जगत परिदृश्य ने पूरे वर्ष भर विकट चुनौतियाँ प्रस्तुत कीं। इन बाधाओं के बावजूद, आईआईएम काशीपुर ने बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अपने आपको तेजी से ढालने के उल्लेखनीय लचीलेपन को प्रमाणित किया है। निरंतर सीखने, अत्याधुनिक अनुसंधान एवं समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए हमारी एक अटूट प्रतिबद्धता है और मैं प्रतिस्पर्धी भावना को बनाए रखने के लिए आईआईएम काशीपुर समुदाय के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

> “मैं शोध में हो रहे उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखकर विशेष रूप से प्रसन्न हूँ। अनुभवात्मक शिक्षा, उद्योग कार्यशालाओं और अनूठे पाठ्यक्रम संरचनाओं पर बल, उद्योग आधारित पेशेवरों को तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।”

जैसा कि प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कई प्रकाशनों और उद्धरणों में पर्याप्त वृद्धि से परिलक्षित होता है, मैं शोध में हो रहे उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखकर विशेष रूप से प्रसन्न हूँ। अनुभवात्मक शिक्षा, उद्योग कार्यशालाओं और अनूठे पाठ्यक्रम संरचनाओं पर बल, उद्योग आधारित पेशेवरों को तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

लैंगिक विविधता में सराहनीय उपलब्धियाँ, सभी छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान करने के हमारे समर्पण को दर्शाती हैं। कॉर्पोरेट प्रतिस्पर्धाओं में हमारे छात्र–छात्राओं की सफलता और 2023 बैच के हालिया प्लेसमेंट ने, एक अग्रणी प्रबंधन संस्थान के रूप में हमारी स्थिति को और मजबूत किया है।

कार्यकारी शिक्षा, ऑनलाइन कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग में संस्थान का विस्तारण, उभरते शैक्षिक परिदृश्य के साथ हमारी अनुकूलनशीलता को प्रदर्शित करता है। निदेशक की मेरिट सूची की शुरुआत एवं एनआईआरएफ रैंकिंग में निरंतर सुधार, उत्कृष्टता की ओर किए जा रहे हमारे उद्यम को रेखांकित करती है। आईआईएम काशीपुर, एनआईआरएफ 2021 में 33वें स्थान से बढ़कर एनआईआरएफ 2022 में प्रशंसनीय 23वें स्थान पर पहुंच गया है। यह बड़ी छलाँग आईआईएम काशीपुर समुदाय द्वारा, शैक्षणिक और परिचालन उत्कृष्टता की अनवरत खोज की साक्षी है।

मैं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार का उनके सहयोग के लिए आभारी हूँ। मैं आईआईएम काशीपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्यों के प्रति, निर्णय–निर्धारण में उनकी सक्रिय एवं निरंतर भागीदारी के लिए अपना आभार व्यक्त करता हूँ। मैं स्थानीय समुदाय, उद्योगपतियों और नागरिक समाज के सदस्यों की भागीदारी और समर्थन के लिए उनका भी आभार प्रकट करता हूँ।

जैसा कि हम इन उपलब्धियों का उत्सव मना रहे हैं, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे समुदाय के निरंतर समर्पण से , आईआईएम काशीपुर और भी अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचेगा।

सादर,

संदीप सिंह
अंतरिम अध्यक्ष, आईआईएम काशीपुर।

नौवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि

13 मई 2022

श्री संजीव सान्याल, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य, 13 मई 2022 को आयोजित हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर के नौवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि थे।

374 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इसमें 273 विद्यार्थी 'एमबीए प्रोग्राम' से, 58 विद्यार्थी 'एमबीए (एनालिटिक्स) प्रोग्राम' से, 12 विद्यार्थी 'डॉक्टरेट प्रोग्राम' से और 31 विद्यार्थी 'कार्यकारी एमबीए प्रोग्राम' से थे।

आगंतुक पुस्तिका में श्री संजीव सान्याल की टिप्पणी

"कहना चाहिए कि विकासशील परिसर को देखना अद्भुत है, जहाँ और अधिक निर्माण करने की योजना है। आशा है आप इस हरियाली और कुछ वन्य जीवन के अहसास को बरकरार रख सकेंगे। आशा है कि दोबारा वापस आऊँगा।"

निदेशक की कलम से

आईआईएम काशीपुर बड़े पैमाने पर राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है। भारत के शीर्ष प्रबंधन शिक्षा स्थलों में से एक के रूप में, यह उद्योग में समकालीन कार्यप्रणालियों से तारतम्य बिठाने एवं तकनीकी संचालित प्रबंधकों को तैयार करने के लिए लगातार विकसित हुआ है। अब यह निरंतर सीखने, प्रदर्शन–केंद्रित मूल्यों एवं नवीन शिक्षण विधियों पर अपना अपूर्व ध्यान केंद्रित करते हुए अपने दृष्टिकोण को व्यापक बना रहा है।

आईआईएम काशीपुर उभरते प्रबंधन क्षेत्रों में व्यावहारिक एवं अंतःविषयी अनुसंधान तथा कार्यप्रणालियों के माध्यम से ज्ञान को सृजित एवं प्रसारित करने का प्रयास करता है। संस्थान समावेशी होने एवं क्षेत्रीय विकास और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए सामाजिक रूप से जागरूक, सक्षम और नैतिक व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं तथा महत्वपूर्ण सोच, नवाचार और उद्यमशीलता में सक्षम शोधकर्ताओं को विकसित करना चाहता है।

जब आईआईएम काशीपुर ने 2011 में अपना परिचालन शुरू किया, तो एक ऐसा संस्थान बनाने की कल्पना की गई थी जो शैक्षणिक दृढ़ता को बढ़ावा देने के अलावा, उभरते उद्योग के रुझानों के साथ जुड़ा हो, सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाए एवं उद्यमिता और समावेशी विकास का अग्रदूत बने। अब हम इसे दोगुना कर रहे हैं एवं संस्थान और इसके हितधारकों के लिए समग्र विकास शुरू कर रहे हैं।

यह गर्व की बात है कि मैं वर्ष 2022–23 के दौरान हमारी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कर रहा हूँ।

अपेक्षाकृत कम समय में, आईआईएम काशीपुर ने उत्कृष्ट प्राध्यापक प्रतिभा को आकर्षित किया है एवं विशेष रूप से अनुसंधान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। आईआईएम काशीपुर लगातार शिक्षण विधियों में नवीनता ला रहा है। राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते, हमारे मौलिक उत्तरदायित्व ज्ञान के सृजन एवं इसके प्रसार की सीमा में निहित हैं। आईआईएम काशीपुर दृढ़ता, सहयोगात्मक एवं अंतःविषयी अनुसंधान करने के लिए प्राध्यापक सदस्यों और डॉक्टरेट अध्येताओं को बढ़ावा देता है तथा उनका समर्थन करता है। हमारे प्राध्यापक सदस्यों के पास प्रभावशाली शोध प्रकाशित करने का निरंतर ट्रैक रिकॉर्ड है; शैक्षणिक वर्ष 2022–23 भी कोई अपवाद नहीं रहा।

हमारे प्राध्यापक और डॉक्टरेट अध्येताओं ने सहकर्मी–समीक्षित पत्रिकाओं में 77 शोध लेख प्रकाशित किए। आईआईएम काशीपुर 2022–23 में एक प्रतिष्ठित फाइनेंशियल टाइम्स टॉप 50 जर्नल (जर्नल ऑफ बिजनेस एथिक्स) में एक अन्य प्रकाशन से जुड़ा था। इसके अलावा, हमने ए* और ए श्रेणी के स्कोपसइंडेक्स्ड जर्नल में 34 पेपर प्रकाशित किए हैं, जैसे एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, बिहेवियर एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, बिजनेस स्ट्रैटेजी एंड द एनवायरनमेंट, कंप्यूटर एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर इन ह्यूमन बिहेवियर, एम्पिरिकल इकोनॉमिक्स, यूरोपियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग, आईईईई ट्रांजेक्शन्स ऑन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरकल्चरल रिलेशंस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशंस एंड प्रोडक्शन मैनेजमेंट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन रिसर्च, इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ फाइनेंशियल एनालिसिस, जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इंडस्ट्रियल मार्केटिंग, जर्नल ऑफ बिजनेस एथिक्स, जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी अकाउंटिंग एंड इकोनॉमिक्स, जर्नल ऑफ डेटाबेस मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ फोरकास्टिंग, जर्नल ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, जर्नल ऑफ सर्विस थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस, प्रोडक्शन प्लैनिंग एण्ड प्रैक्टिस, सिस्टम्स रिसर्च बिहेवियरल साइंस, ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च पार्ट ई: लॉजिस्टिक्स एण्ड ट्रांसपोर्टेशन रिव्यू, आदि।

हम गुणवत्तापूर्ण प्रकाशनों के संबंध में अधिक ऊँचाइयाँ हासिल करने को लेकर आशावादी हैं। यह स्पष्ट है कि पिछले कुछ वर्षों में आईआईएम काशीपुर के अनुसंधान प्रकाशनों के उद्धरणों में सारगर्भित वृद्धि हुई है। स्कोपस डेटाबेस के अनुसार, उद्धरणों की संख्या जो 2021 में 621 थी, 2022 में बढ़कर 1426 हो गई है। हमारे शोध प्रकाशन (कैलेंडर–वर्ष के आधार पर) जो 2018 में 26 थे, 2022 में बढ़कर 71 हो गए हैं एवं उद्धरण जो 2018 में 131 थे, 2022 में बढ़कर 1426 हो गए हैं। जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

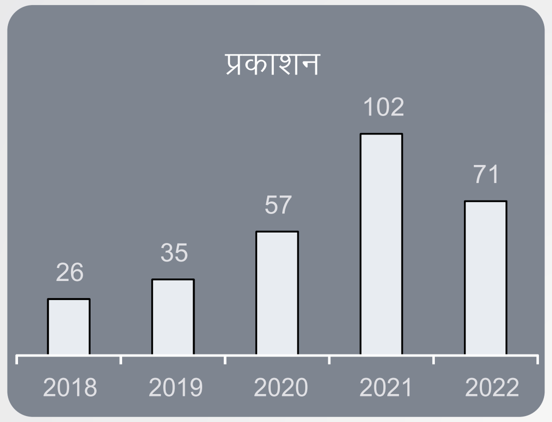

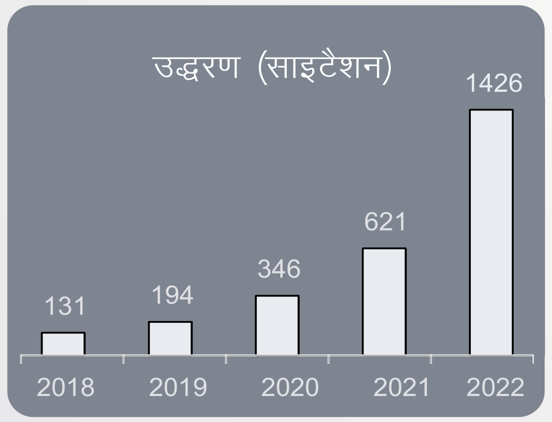

प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में हमारे डॉक्टरेट अध्येताओं के प्रकाशन में हो रही वृद्धि, इस शोध पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान दे रही है। यह हमारे डॉक्टरेट अध्येताओं के लिए अच्छा संकेत है, जिन्हें अन्य आईआईएम सहित प्रसिद्ध संस्थानों में नियुक्ति मिल रही है। इस वर्ष हमने अपने परिसर में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। दिसंबर 2022 में संस्थान के 'रणनीति क्षेत्र' और 'फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट' के नेतृत्व में, 'हंटर सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप, स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल' यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से 'लोग, पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमिता में उभरते रुझान' पर तीन दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। । एक कड़ी समीक्षा प्रक्रिया के बाद, 26 पेपर/पत्र प्रस्तुति के लिए स्वीकार किए गए। हमने भी, डॉक्टरेट अध्येताओं के लिए एक 'पत्र संवर्द्धन कार्यशाला' का आयोजन किया, जिसमें 40 अध्येताओं ने भाग लिया एवं स्थानीय उद्यमियों के लिए एक 'उद्यमिता मानसिकता कार्यशाला' का आयोजन किया, जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में 'संपादकों से मिलें' सत्र भी रखा गया था, जिसमें प्रसिद्ध पत्रिकाओं के संपादकों ने भाग लिया।

अनुसंधान प्रयास, अनुसंधान संस्कृति पर अत्यधिक निर्भर होते हैं और हम गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा देते हैं, परखते हैं एवं उसका मूल्यांकन करते हैं। आईआईएम काशीपुर ने अपने सभी प्रस्तावों को अद्यतन करते हुए एकीकृत रेटिंग प्रौद्योगिकी, विश्लेषणात्मक प्रौद्योगिकी, तथ्य विज्ञान, प्रारूप विचार, समीक्षात्मक सोच, उद्यमिता, पर्यावरण और संधारणीय व्यवसाय पद्धतियों, उद्योग कार्यशालाओं एवं अनुभवात्मक अध्ययन की पहल पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित किया है। यहाँ हम उद्योग कार्यशालाओं और अनुभवात्मक शिक्षण पहलों पर प्रकाश डालना चाहेंगे, ताकि यह दर्शाया जा सके कि हम अपने छात्रों की कौशल प्रवृत्ति को बेहतर बनाने एवं समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी का अहसास दिलाने के लिए कॉर्पोरेट, सरकारी और गैर–सरकारी विशेषज्ञता का लाभ कैसे उठाते हैं।

शैक्षणिक और व्यावहारिक ज्ञान के बीच अंतर को पाटने के लिए एमबीए कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में प्रतिष्ठित उद्योग पेशेवरों द्वारा उद्योग कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। ब्लॉकचेन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता–आधारित मार्केटिंग और प्रबंधन परामर्श जैसे समसामयिक विषयों को अमेरिकन एक्सप्रेस, एक्सेंचर, ईएंडवाई तथा इंफोसिस के उद्योग पेशेवरों द्वारा व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य से पढ़ाया जाता है। उद्योग कार्यशालाएँ उद्योग–तत्पर छात्रों को तैयार करने और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ मजबूत संबंध बनाने में हमारे लिए महत्वपूर्ण रही हैं।

आईआईएम काशीपुर की पाठ्यक्रम संरचनाएँ और घटक, अधिकांश अन्य प्रबंधन विद्यालयों की तुलना में अलग हैं। यहाँ हम अनुभवात्मक शिक्षा पर बल देते हैं, जो समानता, सामाजिक समावेशन और बृहत्तर सामाजिक प्रासंगिकता के सिद्धांतों को महत्व देने, प्रोत्साहित करने और अपनाने के तरीकों में अनूठी है तथा जिसका ध्येय है 'एक प्रतिष्ठित संस्थान बनना जो प्रबंधन अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देता है एवं जो बदलते वैश्विक परिदृश्य में सकारात्मक सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करने के लिए नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करता है।'

2021–23 का स्नातक एमबीए बैच 64 रोचक परियोजनाओं पर 55 संगठनों के साथ जुड़ा हुआ था। कार्यक्रम संरचना के अनुसार सभी संगठनों को तीन समूहों में विभाजित किया गया था: 'पर्यावरण और सामाजिक व्यवसाय पद्धतियाँ', 'ग्रामीण क्षमता को मुक्त करना' एवं 'एमएसएमई विकास'। क्लाइंट लोकेशन/ग्राहक स्थान पूरे उत्तराखंड राज्य में फैले हुए थे, जिनमें निकटतम काशीपुर/रुद्रपुर और सबसे दूरस्थ जोशीमठ, रुद्रप्रयाग एवं पीपलकोटी थे।

क्लाइंट लोकेशन/ग्राहक स्थानों पर क्षेत्रीय दौरे से छात्रों को सामाजिक रूप से अंतर्निहित व्यावसायिक समस्याओं पर अनुभवजन्य अवलोकन करने का अवसर मिला, जिससे उन्हें मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने परिचालन, विपणन, सामान्य प्रबंधन और वित्त परियोजनाओं पर काम किया। ग्राहकों की ओर से भी प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक रही। फाउंडेशन फॉर ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट, आधार एसोसिएशन, माउंट वैली डेवलपमेंट एसोसिएशन, नाबार्ड, माउंटस्ट्राइब और हिमशक्ति ग्लोबल जैसे अधिकांश क्लाइंट/उपभोगताओं ने छात्रों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया और अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए उनके साथ फिर से जुड़ने में अपनी रुचि व्यक्त की।

हमारे तीन वर्षों के अनुभवात्मक शिक्षण से सीखते हुए, आईआईएम काशीपुर का प्रयोजन अब व्यवसायों सहित जमीनी स्तर पर हितधारकों के साथ हमारे संबंधों एवं पहुँच को मजबूत करने और अन्य बिजनेस स्कूलों के प्राध्यापक सदस्यों को इस एमबीए कार्यक्रम के उन्नत संघटक के तहत प्रशिक्षित करने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र शुरू करने का है।

इसी तरह एमबीए (एनालिटिक्स) में शोध प्रबंध संघटक इस कार्यक्रम का एक विभेदक है। छात्र वास्तविक जीवन की समस्याओं पर प्राध्यापक सदस्यों के मार्गदर्शन में उद्योग नेतृत्वकर्ताओं के साथ काम करते हैं और इस वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम में एनालिटिक्स और डेटा विज्ञान का उपयोग करके अनुसंधान–आधारित समाधान विकसित करने का प्रयास करते हैं। यह एक तरफ छात्रों को उद्योग कुशल बनने को तैयार करता है और साथ ही नए छात्रों को एनालिटिक्स का उपयोग करके वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में विशेष अनुभव प्राप्त करने के लिए भी तैयार करता है, जिससे वे उद्योग में सफलता के लिए तत्पर अद्वितीय एमबीए (एनालिटिक्स) स्नातक बन पाते हैं।

हाल के वर्षों में, अधिक महिला छात्राएँ प्रबंधन अध्ययन में प्रवेश ले रही हैं। महिलाओं को कैरियर /आजीविका–निर्माता के रूप में स्वीकार करने का सामाजिक परिवर्तन, प्रबंधन शिक्षा में भी दिखना शुरू हो गया है तथा सभी कार्यक्रमों में महिला छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। आईआईएम काशीपुर यह सुनिश्चित करने के लिए अपना प्रयास कर रहा है कि उन्हें अपने सपनों को साकार करते हुए, स्वयं को अभिव्यक्त करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का समान अवसर मिले। आईआईएम काशीपुर ने लैंगिक विविधता की दिशा में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और हमें गर्व है कि हम आईआईएमस में महिला छात्राओं के उच्चतम अनुपात में से एक का दावा कर सकते हैं।

प्रमुख एमबीए कार्यक्रम में महिला प्रतिभागियों के मामले में प्रभावशाली वृद्धि देखी गई है, जो 2019–21 में 11 प्रतिशत बैच संरचना से बढ़कर 2020–22 में 18 प्रतिशत और 2021–23 में 22.5 प्रतिशत हो गई है। एमबीए (एनालिटिक्स) के 2020–22 बैच में सराहनीय 49 प्रतिशत महिला छात्राएँ पंजीकृत हुईं, जो 2021–23 बैच में बढ़कर 55 प्रतिशत हो गईं, जिससे यह मिथक टूट गया कि बहुत कम महिला उम्मीदवार मात्रात्मक–उन्मुख आजीविका की तलाश कर रही हैं। इस उपलब्धि के लिए अधिकांश जमीनी कार्य संस्कृति के विकास, संवेदनशीलता और जागरूकता के निर्माण पर आधारित हैं और ये प्रयास एक सार्थक परिणाम के रूप में परिणत हुए हैं।

2022–23 में IIM काशीपुर ने निदेशक की मेरिट सूची जारी की। यह मानद योग्यता सूची, क्यूम्यलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए) पर आधारित है जिसमें एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) बैचों के उत्तीर्ण होने

वाले शीर्ष 5 प्रतिशत सम्मिलित हैं।

हमारे छात्रों ने अपनी कॉर्पोरेट उपस्थिति को सक्रिय रूप से बढ़ाते हुए 2020–22 में विभिन्न कॉर्पोरेट और बिजनेस–स्कूल प्रतियोगिताओं में प्रभावशाली जीत दर्ज की है। हमारे छात्रों ने 42 से अधिक कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं और 72 बिजनेस–स्कूल प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

"आईआईएम काशीपुर की कहानी उत्कृष्टता, नेटवर्किंग और प्रभावशाली प्लेसमेंट रिकॉर्ड के कई अध्यायों तक विस्तारित है। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2023 की कक्षा ने पिछले वर्षों की तुलना में शानदार प्लेसमेंट हासिल किया है। 2022–23 में हमने 120 से अधिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी देखी, जिन्होंने 2023 के स्नातक एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) बैच को 320 से अधिक ऑफर दिए। बैच के लिए औसत सीटीसी 18.11 एलपीए है, जिसकी वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत है। बैच के लिए औसत सीटीसी 17.2 एलपीए है, जिसमें साल–दर–साल 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।"

कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं के मामले में हमारी एक टीम को राष्ट्रीय विजेता घोषित किया गया; एमबीए (एनालिटिक्स) से अकिला और एमबीए प्रोग्राम से श्वेताभ सिन्हा, जो आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड द्वारा आयोजित एबीएफआरएल शो स्टॉपर के राष्ट्रीय विजेता थे। साथ ही दो राष्ट्रीय प्रथम रनरअप, सात राष्ट्रीय फाइनलिस्ट, सत्रह राष्ट्रीय सेमीफाइनलिस्ट और पंद्रह कैंपस राउंड विजेता थे। बिजनेस–स्कूल प्रतियोगिताओं के मामले में, इक्कीस राष्ट्रीय विजेता, सोलह राष्ट्रीय प्रथम उपविजेता, ग्यारह राष्ट्रीय द्वितीय उपविजेता, अट्ठाईस राष्ट्रीय फाइनलिस्ट और दो राष्ट्रीय सेमीफाइनलिस्ट थे।

आईआईएम काशीपुर की कहानी उत्कृष्टता, नेटवर्किंग और प्रभावशाली प्लेसमेंट रिकॉर्ड के कई अध्यायों तक विस्तारित है। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2023 की कक्षा ने पिछले वर्षों की तुलना में शानदार प्लेसमेंट हासिल किया है। 2022–23 में हमने 120 से अधिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी देखी, जिन्होंने 2023 के स्नातक एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) बैच को 320 से अधिक ऑफर दिए। बैच के लिए औसत सीटीसी 18.11 एलपीए है, जिसकी वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत है। बैच के लिए औसत सीटीसी 17.2 एलपीए है, जिसमें साल–दर–साल 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बैच के शीर्ष 10 प्रतिशत ने 28.5 एलपीए की औसत सीटीसी हासिल की, जबकि शीर्ष 20 प्रतिशत और 30 प्रतिशत ने क्रमशः 25.9 एलपीए और 24.5 एलपीए की औसत सीटीसी हासिल की।

भर्ती अभियान के दौरान, आईआईएम काशीपुर ने अपने सम्मानित भर्तीकर्ताओं की सूची में कई नए और प्रतिष्ठित संगठनों को शामिल किया। हाशीकॉर्प, ईएक्सएल एनालिटिक्स, रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड, नोमुरा और एमटीआर ग्रुप जैसे प्रमुख नाम कई अन्य भर्तीकर्ताओं के रूप में शामिल हुए। 2021 की तुलना में प्री–प्लेसमेंट ऑफर और प्री–प्लेसमेंट की संख्या 2023 में लगभग दोगुनी होकर 67 हो गई है, जिससे पता चलता है कि हमारे छात्र ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के दौरान अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस उपलब्धि के साथ ही आईआईएम काशीपुर ने भारतीय प्लेसमेंट रिपोर्टिंग मानकों के अनुसार ग्रीष्मकालीन और अंतिम प्लेसमेंट रिपोर्ट दोनों के लिए एक स्वतंत्र ऑडिट कर, एक और मील का पत्थर स्थापित किया।

आईआईएम काशीपुर ने दो साल के अंतराल के बाद दीर्घकालिक आदान–प्रदान में भाग लिया। जबकि ईएसडीईएस बिजनेस स्कूल, फ्रांस के दो छात्रों ने आईआईएम काशीपुर में एक सेमेस्टर बिताया, आईआईएम काशीपुर के नौ छात्रों ने तीन यूरोप के और एक दक्षिण कोरिया के बिजनेस स्कूल में दाखिला लिया। ग्लोबल आउटरीच एजेंडे को आगे बढ़ाने के तहत हम विदेशों के कई संस्थानों के साथ सहभागिता के विभिन्न चरणों में हैं।

"आईआईएम काशीपुर ने ऑनलाइन लघु और दीर्घकालिक प्रमाणपत्र कार्यक्रम और दो वर्षीय कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) की सुविधा प्रदान करके कार्यकारी शिक्षा का विस्तार किया है, जो अप्रैल 2022 में 90 प्रतिभागियों के प्रवेश के साथ शुरू हुआ था।"

यह ध्यान में रखते हुए कि व्यावसायिक शिक्षा क्षेत्र को अपने विकास के लिए नए रणनीतिक संचालकों की आवश्यकता है, आईआईएम काशीपुर ने विशेष रूप से कार्यकारी प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन शिक्षा वितरण एवं कार्यकारी अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम सेवाएँ प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। दूसरी ओर, कार्यरत विशेषज्ञों द्वारा पुनः कौशल और उन्नयन की माँग में वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, हम अधिक अनुकूलनीय शिक्षा कार्यप्रणालियों का अनुसरण कर रहे हैं एवं पाठ्यक्रम प्रारूप तथा कार्यक्रम प्रबंधन में महत्वपूर्ण बदलाव कर रहे हैं।

आईआईएम काशीपुर ने ऑनलाइन लघु और दीर्घकालिक प्रमाणपत्र कार्यक्रम और दो वर्षीय कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) की सुविधा प्रदान करके कार्यकारी शिक्षा का विस्तार किया है, जो अप्रैल 2022 में 90 प्रतिभागियों के प्रवेश के साथ शुरू हुआ था। इस विकास के साथ, आईआईएम काशीपुर एमबीए (एनालिटिक्स) (फरवरी 2020 में लोकार्पण) के साथ–साथ कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम को प्रस्तावित करने वाला देश का पहला प्रबंधन स्कूल है। एक्जीक्यूटिव एमबीए (एनालिटिक्स) एक मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें ऑनलाइन और ऑन–कैंपस मॉड्यूल शामिल हैं। इसका उद्देश्य उम्मीदवारों को तकनीकी कौशल, व्यवसाय के बुनियादी सिद्धांतों, प्रबंधन पद्धतियों, नेतृत्व एवं रणनीति तथा व्यवसाय विश्लेषण के लिए विशिष्ट समकालीन कौशल में प्रशिक्षित करना है। यह कार्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं और रुझानों के आधार पर एक सतर्कतापूर्ण रिवर्स–इंजीनियर्ड पाठ्यक्रम का दावा करता है, जो शिक्षार्थियों को कार्यस्थल में सीखी गई हर चीज को त्वरित कार्यान्वित करने में सक्षम बनाता है।

हम 2014 से अपने देहरादून परिसर में दो वर्षीय कार्यकारी एमबीए की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। हमारा देहरादून परिसर विभिन्न संस्थान हितधारकों के साथ संस्थागत संबंध स्थापित करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें केंद्रीय स्वायत्त निकायों एवं संगठनों विशेष रूप से देहरादून और उसके आसपास स्थित संगठन भी शामिल हैं।

2022–23 में, आईआईएम काशीपुर ने पंद्रह अल्पावधि ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रस्तावित किए तथा प्रबंधन के विभिन्न पक्षों पर तेरह नए कार्यक्रम प्रारंभ किए। हमने रणनीति एवं नेतृत्व, संचालन और आपूर्ति प्रबंधन, सामान्य प्रबंधन तथा वरिष्ठ प्रबंधन में चार एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी प्रस्तावित किए हैं। इसने संगठित दृष्टिकोण अपनाते हुए अपनी–अपनी क्षमताओं के आधार पर सभी प्राध्यापकों की भागीदारी सुनिश्चित की। ऑनलाइन कार्यकारी कार्यक्रमों के अलावा, आईआईएम काशीपुर ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार के संगठनों

जैसे उद्योग निदेशालय उत्तराखंड, राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी, डीआरडीओ और आईओसीएल के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू करने और इस नीति में प्रस्तावित कार्यक्रमों को अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के साथ जोड़ने की योजना बना रहे हैं।

हम इस बात पर प्रकाश डालना चाहते हैं कि आईआईएम काशीपुर में की जा रही सरकारी पहल और कार्यक्रमों ने स्पष्ट प्रभाव डालना शुरू कर दिया है। आईआईएम काशीपुर ने भारत की वास्तविक स्थिति और उसके स्थलों से संबंधित एक ध्येय एवं लक्ष्य तैयार करके यह सुनिश्चित किया है कि संस्थान के लिए सरकारी कार्यक्रम और पहल आवश्यक होंगी। हमारे उत्कृष्टता केंद्र, डिजाइन इनोवेशन सेंटर, फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्राइज डेवलपमेंट तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट, इस संस्थान को स्थानीय समुदाय और संगठनों तक पहुँचने में सक्षम बनाकर हमारे ध्येय एवं लक्ष्य को पूरा कर रहे हैं।

सरकार के इस अनूठे अभियान में योगदान देने के लिए, हमारे उत्कृष्टता केंद्रों को सरकार से भरपूर उदार अनुदान और निधि प्राप्त होती है। हम विभिन्न सरकारी अभिकरणों के प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं तथा निरंतर उनके समर्थन और प्रोत्साहन की आशा करते हैं। आज आईआईएम काशीपुर किसी आईआईएम में एकमात्र डिजाइन इनोवेशन सेंटर एवं एक कृषि–व्यवसाय, प्रौद्योगिकी और पर्यटन केंद्रित इनक्यूबेटर – फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) के स्थित होने का दावा कर सकता है – जो कि स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय एवं उत्तराखंड सरकार के साथ साझेदारी रखता है।

संस्थान का डिजाइन इनोवेशन सेंटर, प्रारूप चिंतन और रचनात्मक समस्या–समाधान संस्कृति विकसित करके सक्रिय रूप से नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। 2022–23 में, इस केंद्र ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर उत्तर–पश्चिम हिमालयी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यशालाएँ और कार्यक्रम आयोजित किए।

> “पिछले छह वर्षों के दौरान, FIED ने 140 से अधिक स्टार्ट–अप स्थापित किए हैं, जिनसे लगभग 320 करोड़ रुपये की निधि प्राप्त हुई, साथ ही इन स्टार्टअप्स ने 1,200 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार पैदा किए हैं और पाँच लाख से अधिक किसानों को प्रभावित किया है।”

पिछले छह वर्षों के दौरान, FIED ने 140 से अधिक स्टार्ट–अप स्थापित किए हैं, जिनसे लगभग 320 करोड़ रुपये की निधि प्राप्त हुई, साथ ही इन स्टार्टअप्स ने 1,200 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार पैदा किए हैं और पाँच लाख से अधिक किसानों को प्रभावित किया है। एफआईईडी इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स की सफलता की कुछ कहानियों में बिजक, लूपवर्म और ग्रीनपोड लैब्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 700 से अधिक छात्रों ने संस्थान द्वारा प्रस्तावित विभिन्न उद्यमिता–संबंधित कार्यक्रमों और आयोजनों में भाग लिया।

2022–23 में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के RABI कार्यक्रम के तहत, FIED द्वारा प्रशिक्षित 28 एग्रीटेक स्टार्टअप्स में से ग्यारह स्टार्टअप्स को सामूहिक रूप से 1.65 करोड़ रुपये के अनुदान संवितरण के लिए अनुशंसित किया गया।

FIED ने जनवरी–मार्च 2023 तक उत्तराखंड के सभी जिलों में उद्योग निदेशालय, उत्तराखंड द्वारा समर्थित अठारह स्टार्ट–अप बूट कैंप आयोजित किए। अब तक

इन बूट कैंपों ने स्वास्थ्य देखभाल, ई–कॉमर्स, हरित ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण, स्मार्ट डिवाइसेस आदि जैसे विषयों पर स्थानीय युवाओं से 200से अधिक स्टार्ट–अप सुझाव आमंत्रित किए। FIED शीर्ष दस स्टार्ट–अप सुझावों को उनकी स्थापना में सहायता करेगा।

FIED ने फरवरी 2023 में उत्तिष्ठ नामक तीन दिवसीय ‘मेगा एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम’ कार्यक्रम का आयोजन किया। 100 से अधिक कृषि–आधारित स्टार्टअप और उभरते उद्यमों की भागीदारी के साथ, उत्तिष्ठ उत्तराखंड और उत्तर भारत में सबसे महत्वपूर्ण उद्यमिता कार्यक्रमों में से एक साबित हुआ है। इस कार्यक्रम में एक निवेशक सम्मेलन भी हुआ, जहाँ पिनकैप, अल्फा वैल्यू कंसल्टिंग, ओमनिवोर और योर–नेस्ट के 15 से अधिक निवेशकों ने 35 से अधिक स्टार्ट–अप पिचों का आकलन किया। इस आयोजन में काशीपुर और आसपास के क्षेत्रों से 8,000 से अधिक लोग आए एवं उत्तराखंड हिमालय क्षेत्र में स्थित स्टार्टअप और उद्यमों द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न उत्पादों से परिचित हुए।

आईआईएम काशीपुर की स्थापना के समय से, हमारे भूतपूर्व छात्रों द्वारा विभिन्न उद्योगों में 50 से अधिक स्टार्ट–अप स्थापित किए गए हैं, जिनमें से कुछ हैंरु लामामिया प्राइवेट लिमिटेड, इकिगई, फिटसोल सप्लाई चेन, इनफिनिट सस्टेनेबल फैशन आदि।

हमें आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एफआईईडी को दिसंबर 2022 में आईआईएम काशीपुर के परिसर में अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर स्थापित करने के लिए नीति आयोग – भारत सरकार के अटल इनोवेशन मिशन द्वारा अनुदान दिया गया। यह आईआईएम काशीपुर को आईआईएम समुदाय में एकमात्र ऐसा आईआईएम बनाता है जिसे अटल इनोवेशन मिशन द्वारा समर्थित यह प्रतिष्ठित सामुदायिक इनक्यूबेसन परियोजना प्राप्त हुई है। इससे आईआईएम काशीपुर को आने वाले पाँच वर्षों में 150 से अधिक समुदाय–स्वामित्व वाले स्टार्ट–अप को शुरू करने की हमारी क्षमताओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एफआईईडी और डीआईसी के नेतृत्व में नवाचार क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने का हमारा इरादा इस तथ्य से सुस्पष्ट है, कि हमने शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा जारी उच्च शिक्षा संस्थानों की इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल रेटिंग में अच्छा प्रदर्शन किया है। साल भर की गतिविधि और उद्यमिता में संस्थानों के प्रदर्शन के आधार पर, आईआईएम काशीपुर ने नवंबर 2022 में घोषित 2021–22 के लिए आईआईसी रेटिंग में 3.5 स्टार हासिल किया हैं। यह रेटिंग भाग लेने वाले छह आईआईएम में से सबसे ज्यादा है एवं भाग लेने वाले छह आईआईएम और भाग लेने वाले 22 आईआईटी में दूसरे स्थान पर है।

यह मान्यता स्टार्टअप बूट कैंप, इनक्यूबेशन प्रोग्राम, आरटी–यूपीएस के लिए प्रशिक्षण और उद्यमिता कार्यक्रम जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में आईआईएम काशीपुर के निरंतर प्रयासों को उजागर करती है।

संस्थान के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट (COEPPG) ने राष्ट्रीय महिला आयोग की वित्तीय सहायता से 10–11 दिसंबर 2022 के दौरान ‘महिलाओं के लिए न्याय प्रदान करना, भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट से सबक’ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का उद्देश्य समय पर न्याय प्रदान करने के लिए फास्टट्रैक विशेष अदालतों (एफटीएससी) की प्रभावशीलता पर मंथन करना था। विभिन्न संस्थानों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, न्यायपालिका और कानूनी पेशे से जुड़े दो सौ से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें शिक्षक, शोधकर्ता, अधिवक्ता, छात्र और न्यायाधीश शामिल थे, उन्होंने त्वरित न्याय और अवांछनीय त्वरित न्याय के बीच स्पष्ट अंतर करते हुए FTSC के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की।

पहले की ही तरह, COEPPG ने उत्तराखंड अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग द्वारा प्रकाशित उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2022–23 (खंड ख) में योगदान दिया। इस वर्ष केंद्र ने पर्यटन और आतिथ्य, शिक्षा, पर्यावरण सेवाओं, आईटी और आईटीईएस, स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण सेवाओं जैसे विकास चालकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सेवा क्षेत्र पर समीक्षा प्रस्तुत की। COEPPG ने नवंबर से दिसंबर 2022 तक बर्मिंघम (यूएसए) में अपने पहले फुलब्राइट सीनियर स्कॉलर, अलबामा विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन के प्रोफेसर डॉ. अखलाक हक की मेजबानी की।

शिक्षा मंत्रालय ने 25 फरवरी से 5 मार्च 2023 तक नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2023 (एनडीडब्ल्यूबीएफ 2023) में राष्ट्रीय शिक्षा नीति मंडप में भाग लेने के लिए

आईआईएम काशीपुर को आमंत्रित किया। मंडप ने हमारे नवाचारों, प्रकाशनों की प्रस्तुतिध्प्रदर्शन करके और हमारे कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदेश को आगे बढ़ाने में, आईआईएम काशीपुर को एक सक्रिय भागीदार बनने में योगदान करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है, कि IIM काशीपुर की रैंकिंग NIRF (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) 2021 में 33 से बढ़कर NIRF 2022 में 23 हो गई है। यह 2021 की रैंकिंग से 10 स्थान ऊपर की छलाँग है और यह सकारात्मक है क्योंकि पिछले दो वर्षों से संस्थान की रैंकिंग 33 पर स्थिर थी। 2021 में, संस्थान ने रैंकिंग में लगातार गिरावट के पिछले वर्षों के रुझानों का पालन न करके और अपनी स्थिति को स्थिर करने के बाद अपनी रैंकिंग में सुधार कर लिया है। जबकि हम इसके लिए अपने सामूहिक प्रयासों को श्रेय देते हैं, मुझे यह बताना चाहिए कि आईआईएम काशीपुर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स संस्थान की स्थापना के बाद से बड़ी सक्रिय भूमिका निभा रहा है और हम उन्हें इस सफलता का श्रेय देते हैं।

> “IIM काशीपुर की रैंकिंग NIRF (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) 2021 में 33 से बढ़कर NIRF 2022 में 23 हो गई है।”

अधिकांश सफल संस्थानों में, भूतपूर्व छात्र संस्थान के विकास में एक अभिन्न भूमिका निभाते हैं और यहां आईआईएम काशीपुर में, हम आने वाले वर्षों में इस संसाधन का लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा संस्थानों को छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करती है ताकि सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को बढ़ाया जा सके। इस दिशा में, आईआईएम काशीपुर ने अपने संसाधनों का उपयोग करते हुए वित्तीय वर्ष 2022–2023 में 240 एकल–अधिभोग छात्रावास कमरों का निर्माण शुरू किया। परिणामस्वरूप, हम जुलाई 2023 से शुरू होने वाले अगले शैक्षणिक वर्ष से एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों में प्रवेश को 340 छात्रों से बढ़ाकर 480 छात्रों तक कर रहे हैं। इसके अलावा, परिसर में 12 स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण शुरू हो गया है, जिनके सितंबर 2023 तक तैयार हो जाने की संभावना है। इसके साथ ही हमने संस्थान की बुनियादी सुविधाओं को विस्तारित करने के लिए, संस्थान के कॉर्पस फंड से 2022–2023 में लगभग 60 करोड़ रुपये जमा किए हैं। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्शाती है कि संस्थान अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है। और यह सब हितधारकों के समर्पण और सामूहिक प्रयासों के द्वारा संभव हो पाया है।

भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष (वित्तीय वर्ष) 2019–20 से पूंजी/राजस्व अनुदान प्रदान करना बंद करने के बाद, आईआईएम काशीपुर वार्षिक राजस्व और पूंजीगत व्यय लागत को पूरा करने के लिए अपने स्व–उत्पन्न राजस्व का उपयोग करने के लिए बाध्य है। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, संस्थान ने पिछले वर्ष के 62.52 करोड़ रुपये के आंकड़े की तुलना में 78.06 रुपये करोड़ रु. का राजस्व उत्पादन किया। इन आय में से, वित्त वर्ष 2022–23 में 'संस्थान राजस्व सृजन (आईआरजी) 67.71 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2021–22 की तुलना में 22.39 प्रतिशत बढ़ गया। कुल मिलाकर, संस्थान ने वित्त वर्ष 2022–23 में 21.15 करोड़ रुपये के सकल अधिशेष का उत्पादन किया, जो कि वित्त वर्ष 2021–22 में 18.14 करोड़ की आय से 16.4: अधिक था। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान कॉर्पस फंड के राजस्व अधिशेष और पूंजीगत व्यय को जोड़ने के बाद, वित्त वर्ष 2022–23 के अंत में कॉर्पस 149.60 करोड़ रुपये से घटकर 146.96 करोड़ रुपये हो गया।

'राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2022 में आईआईएम काशीपुर की रैंकिंग 33 से बढ़कर 23 हो गई है'

वार्षिक रिपोर्ट दर्शाती है कि संस्थान संपूर्ण विकास के सही मार्ग पर है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार से हमें जो सहयोग मिला है वह सराहनीय है। मैं सभी के प्रति अपनी सराहना और आभार व्यक्त करता हूं। मैं संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और सदस्यों, डीन, कार्यक्रम अध्यक्षों, गतिविधि प्रमुखों, संकाय, साथियों, प्रशासन के सभी साथियों, वित्त, संपदा, कार्य, छात्र और भूतपूर्व छात्रों जिन्होंने संस्थान के समग्र विकास के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है, को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

> “कुल मिलाकर, संस्थान ने वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान 21.15 करोड़ रुपये का सकल अधिशेष उत्पन्न किया, जो वित्त वर्ष 2021–22.11 में उत्पन्न 18.14 करोड़ रुपये के अधिशेष से 16.4 प्रतिशत अधिक है।”

'कुल मिलाकर, संस्थान ने वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान 21.15 करोड़ रुपये का सकल अधिशेष उत्पन्न किया, जो वित्त वर्ष 2021–22.11 में उत्पन्न 18.14 करोड़ रुपये के अधिशेष से 16.4 प्रतिशत अधिक है।

मुझे इस बात पर प्रकाश डालना चाहिए कि जिला और स्थानीय प्रशासन, काशीपुर नगर निगम, काशीपुर स्थित उद्योगपति, व्यवसायी और विभिन्न मंचों से जुड़े नागरिक समाज के सदस्य आईआईएम काशीपुर का समर्थन करने और संस्थान की गतिविधियों में भाग लेने में गहरी रुचि रखते हैं। जहाँ भी संभव हो हम उनकी गतिविधियों का समर्थन भी करते हैं।

निष्कर्ष के तौर पर, आईआईएम काशीपुर समाज को वापस लौटाने और ऐसे भविष्य का सह–निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो मानवता की सेवा करे। हम संस्था निर्माण में समाज के विभिन्न वर्गों के हितधारकों के प्रति उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनकी सराहना करते हैं और उनका हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

कुलभूषण बलूनी
प्रोफेसर एवं निदेशक

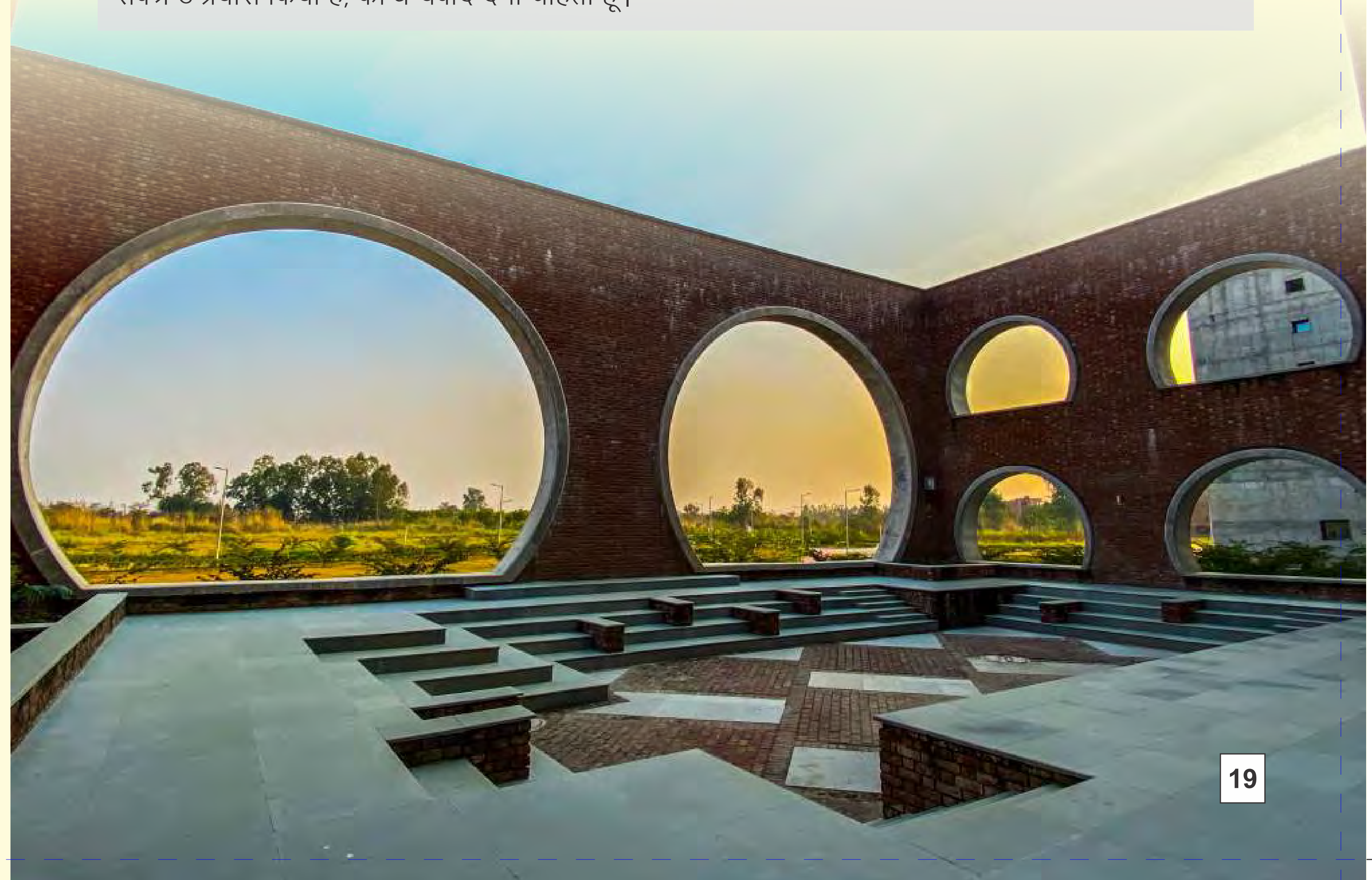

शैक्षणिक कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर का लक्ष्य सामाजिक रूप से जिम्मेदार नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करना है जो विभिन्न प्रकार्यों, संस्कृतियों और भौगोलिक क्षेत्रों में काम कर सकें। यह संस्थान पाँच कार्यक्रम प्रदान करता है मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स (एमबीएए), एक्जीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ईएमबीए), एक्जीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स (ईएमबीएए) और डॉक्टरेट (पीएचडी) कार्यक्रम।

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) कार्यक्रम का उद्देश्य तेजी से प्रौद्योगिकी उन्मुख तथा तथ्य–संचालित वैश्विक ढाँचे को आकार देने के लिए प्रबंधकों और भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है। इस कठिन पाठ्यक्रम का उद्देश्य ज्ञान के प्रति जुनून पैदा करना और उस ज्ञान को वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में लागू करने की क्षमता को विकसित करना है। यह संस्थान अपने प्रतिभागियों को नेतृत्व रूपरेखा के लिए ज्ञान, कौशल एवं दृष्टिकोण अर्जित करने के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करता है, ताकि वे सहजता से लगातार बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में अपना मार्ग–निर्धारण कर सकें। यह कार्यक्रम सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर बल देता है तथा प्रतिभागियों में नेतृत्व और अखंडता के मूल्यों को विकसित करता है। इस कार्यक्रम में अनुभवात्मक शिक्षा का उद्देश्य आईआईएम काशीपुर और सामाजिक क्षेत्र के बीच अंतर को पाटना है, ताकि सामाजिक विकास और स्थिरता से संबंधित मुद्दों में संस्थागत हितधारकों को शामिल किया जा सके।

आईआईएम काशीपुर में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एनालिटिक्स (एमबीएए) कार्यक्रम द्विवर्षीय पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है एवं इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी उन्मुख तथा तथ्य–संचालित वैश्विक ढाँचे को आकार देने के लिए प्रबंधकों और भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है। इस पाठ्यक्रम को स्नातक कक्षा की विश्लेषणात्मकता और निर्णय लेने की कौशल विशेषज्ञता को सक्षम बनाने के लिए गठित किया गया है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को विभिन्न उद्योगों के सिद्धांत एवं अनुभव की मजबूत नींव के आधार पर अनुप्रयोग अभिसंस्करण से सुसज्जित करता है।

एक्जीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ईएमबीए) आईआईएम काशीपुर के देहरादून परिसर में सप्ताहांत के दौरान आयोजित होने वाला, एक विशेष द्वि–वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए अभिकल्पित किया गया है। एक्जीक्यूटिव एमबीए को डिजिटल निपुणता का समावेशन कर तथा सामाजिक स्थितियों, उद्योग के रुझानों और वैश्विक प्रथाओं के प्रति अनुस्थापन को सशक्त करके एंटरप्रेन्योरियल और इंट्राप्रेन्योरियल रुझानों के साथ संरेखित करने के लिए भी पुनर्गठित किया गया है। यह कार्यक्रम एक्जीक्यूटिव एमबीए के विश्व स्तर पर स्वीकृत मानदंडों के अनुरूप है, जो प्रतिभागियों के मूल्य–संवर्धन तथा उद्योगों, विभागों और भौगोलिक क्षेत्रों में उनकी स्वीकार्यता को बढ़ाता है। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के लिए सीखने की व्यक्तिगत यात्रा को प्रारूपित करने के लिए ऐच्छिक और वैकल्पिक विषयों का एक समृद्ध मिश्रण है।

एक्जीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स (ईएमबीएए) कार्यक्रम, उन कार्यरत अधिकारियों और उद्यमियों के लिए गठित किया गया है जो प्रबंधन शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। यह कार्यक्रम कार्यरत अधिकारियों को अपने संबंधित व्यवसायों में संलग्न रहने के साथ–साथ, अपने ज्ञान आधार को उन्नत करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है। ईएमबीएए में एक कठिन पाठ्यक्रम शामिल है, जो प्रतिभागियों को विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरणों से परिचित कराता है एवं उनके साथियों, प्राध्यापकों और संगठनों के साथ रचनात्मक सहयोग के लिए अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम विषय–वस्तु और दृढ़ता में नियमित एमबीएए के समकक्ष है।

डॉक्टरेट कार्यक्रम एक पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है, जिसे अनुसंधान, शिक्षण और आशाजनक शैक्षणिक करियर के निर्माण हेतु पेशेवरों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गठित किया गया है। यह कार्यक्रम बुद्धिजीवियों को प्रोत्साहित करता है एवं उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान करने के लिए उनके कौशल को निखारता है। डॉक्टरेट कार्यक्रम का अद्यतन प्रारूप इसे वर्तमान वैश्विक शैक्षणिक रुझानों के साथ संरेखित करता है। यह कार्यक्रम अत्याधुनिक अंतःविषयी अनुसंधान प्रवृत्तियों एवं भविष्यगत शिक्षण और प्रबंधन भूमिकाओं को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण पर बल देता है। यह सिद्धांत, अवधारणाओं और अनुसंधान

पद्धति के तीन बुनियादी सिद्धांतों के आधार पर वितरण द्वारा प्राप्त किया जाता है। यह कार्यक्रम संबंधित क्षेत्रों द्वारा प्रस्तावित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और लेखन कौशल विकसित करते हुए इस अत्यधिक विशिष्ट कार्यक्रम को प्रायोजित करने के लिए क्षेत्रों को पूर्ण लचीलेपन की अनुमति देता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स (एमबीएए)
- एक्जीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ईएमबीए)
- एक्जीक्यूटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स (ईएमबीएए)
- डॉक्टरेट कार्यक्रम (पीएचडी)

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम

आईआईएम काशीपुर द्विवर्षीय पूर्णकालिक आवासीय 'मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)' कार्यक्रम की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें प्रासंगिकता का उपयोग करके प्रदान की जाने वाली विश्व स्तरीय प्रबंधन शिक्षा की सभी मुख्य विशेषताएँ हैं। एमबीए, संस्थान का प्रमुख कार्यक्रम होने के नाते इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रमुख साधन है। एमबीए दो वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है। यह दृढ़ पाठ्यक्रम, ज्ञान के प्रति जुनून और उस ज्ञान को वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में क्रियान्वित करने की क्षमता को उन्नत करने हेतु है। यह कार्यक्रम सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर बल देता है एवं नेतृत्व और अखंडता के मूल्यों को विकसित करता है।

यह कार्यक्रम, उत्कृष्ट प्राध्यापक सदस्यों जो कि लगातार छात्रों के साथ जुड़े रहते हैं द्वारा संचालित, रोचक पाठ्यक्रमों एवं गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम संरचना इस तरह से अभिकल्पित की गई है कि छात्रों को आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार, अनुभवजन्य शिक्षण एवं उद्यमशीलता पर बल देते हुए, उन्हें लीक से हटकर सोचने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह उन्हें उच्च स्तर की उत्कृष्टता हासिल करने की चुनौती देने के साथ–साथ, उन्हें भविष्य के व्यवसायी नेतृत्वकर्ता बनने के अवसर भी प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम: एमबीए कार्यक्रम को छह सत्रों में विभाजित किया गया है: पहले वर्ष में तीन सत्र और दूसरे वर्ष में तीन सत्र। प्रत्येक सत्र लगभग बारह सप्ताह की अवधि का होता है। पहले वर्ष में, सभी मुख्य पाठ्यक्रम सम्मिलित होते हैं, जिन्हें प्रबंधन सिद्धांत के एक सामान्य आधार हेतु अभिकल्पित किया गया है। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के दौरान, प्रतिभागियों को कक्षा में जो कुछ भी सिखाया गया है, उसका व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य बनाने एवं दूसरे वर्ष में वैकल्पिक और स्व–अध्ययन पाठ्यक्रमों के माध्यम से गहन अंतर्दृष्टि विकसित के लिए स्वयं को तैयार करने का अवसर मिलता है।

शैक्षणिक वर्ष 2022–23 में एमबीए में मुख्य पाठ्यक्रम

सत्र I

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
व्यवसाय सांख्यिकी	1.0	25
वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5
वित्तीय बाजार	0.5	12.5
सूक्ष्मअर्थशास्त्र	1.0	25
विपणन प्रबंधन I	1.0	25
संगठनात्मक व्यवहार	0.5	12.5
कार्यशाला–व्यवसाय के लिए कम्प्यूटेशनल उपकरण	0.5	12.5
कार्यशाला–लिखित और मौखिक संचार	0.5	12.5
कार्यशाला–महत्वपूर्ण सोच/पारस्परिक कौशल	0.5	12.5
सत्र– I कुल क्रेडिट	**6**	**150**

सत्र II

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
निर्णय मॉडलिंग	1.0	25
संगठनात्मक डिजाइन	0.5	12.5
प्रबंधन सूचना प्रणाली	1.0	25
कॉर्पोरेट वित्त	1.0	25
विपणन प्रबंधन II	0.5	12.5
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1.0	25
समष्टि अर्थशास्त्र और लोक नीति	1.0	25
उद्यमशील संगठन और समाज	0.5	12.5
व्यवसाय के कानूनी पहलू	0.5	12.5
कार्यशाला–महत्वपूर्ण सोचध्पारस्परिक कौशल	0.5	12.5
सत्र– II कुल क्रेडिट	**7.5**	**187.5**

अवधि III

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
नेतृत्व	0.5	12.5
विपणन अनुसंधान	0.5	12.5
व्यवसाय के लिए विश्लेषण	0.5	12.5
संगठनों में लोग प्रबंधन	1.0	25
प्रबंधन लेखांकन	1.0	25
सामरिक प्रबंधन	1.0	25
नेतृत्व संचार	0.5	12.5
डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन	0.5	12.5
व्यावसायिक नैतिकता	0.5	12.5
अनुभवात्मक अधिगम I (पर्यावरण और सतत व्यावसायिक प्रथाएँ +हिमालय इनबाउंड / नमामि गंगे) / (एमएसएमई विकास सामाजिक उद्यमिता) / (ग्रामीण क्षमता को अनलॉक करना, मुक्त करना + उन्नत भारत संलयन)	0.5	12.5
सत्र III कुल क्रेडिट	**6.5**	**162.5**

वैकल्पिक पेशकश: दूसरे वर्ष में, विभिन्न क्षेत्रों में वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं, जैसा कि नीचे दिखाया गया है

शैक्षणिक वर्ष 2022–23 में एमबीए में ऐच्छिक पेशकश

संचार
- सोशल मीडिया अभियानों के लिए सामग्री विकास रणनीति
- कॉर्पोरेट संचार और संकट/ जोखिम प्रबंधन
- मीडिया और मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन
- प्रबंधन के लिए फिल्में

अर्थशास्त्र
- उन्नत मौद्रिक अर्थशास्त्र
- कृषि व्यवसाय उद्यमिता
- प्रबंधकों के लिए एप्लाइड इकोनोमेट्रिक्स [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस–लिस्टेड]
- निर्णयों के लिए व्यवहारिक अर्थशास्त्र
- आर्थिक उन्नति, विकास और भारतीय अर्थव्यवस्था
- स्थिरता/संधारणीयता का प्रबंधन
- व्यापार विश्लेषिका और निर्यात–आयात व्यवसाय [क्रॉस–लिस्टेड एनालिटिक्स के साथ]

वित्त और लेखा
- व्यवहारिक वित्त
- व्यवसाय मूल्यांकन
- वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन
- डिजिटल वित्त
- उद्यमी वित्तीय प्रबंधन
- वित्तीय विश्लेषण [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस सूचीबद्ध]
- वित्तीय डेरिवेटिव
- वित्तीय मशीन लर्निंग
- वित्तीय जोखिम मापन और प्रबंधन
- वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन
- निश्चित आय बाजार
- निवेश प्रबंधन
- विलय और अधिग्रहण [रणनीति के साथ क्रॉस–सूचीबद्ध]
- निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग

विपणन
- उन्नत मीडिया मार्केटिंग
- डिजाइन थिंकिंग के अनुप्रयोग
- बिजनेस टू बिजनेस मार्केटिंग
- उपभोक्ता व्यवहार
- डिजिटल मार्केटिंग
- मार्केटिंग एनालिटिक्स [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस–लिस्टेड]
- विपणन रणनीति
- मूल्य निर्धारण प्रबंधन
- उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन
- खुदरा प्रबंधन
- ग्रामीण विपणन
- बिक्री एवं वितरण पबंधन
- सेवा प्रबंधन – विपणन को एकीकृत करना और संचालन प्रबंधन परिप्रेक्ष्य [संचालन के साथ क्रॉस–सूचीबद्ध]

संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन
- कार्यस्थल पर विविधता और समावेशन
- डिजिटल कार्यस्थलों में प्रदर्शन को बढ़ावा देना
- एचआर एनालिटिक्स [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस–लिस्टेड]
- औद्योगिक संबंध और श्रम
- संगठनात्मक परिवर्तन का प्रबंधन
- बातचीत और संघर्ष प्रबंधन
- सत्ता और राजनीति
- संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रतिभा प्रबंधन

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 | भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप लर्निंग [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस–लिस्टेड]
- बिग डेटा प्रबंधन [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- डेटा साइंस और मशीन लर्निंग [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस–लिस्टेड]
- डेटा विजुअलाइजेशन [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस सूचीबद्ध]
- उपक्रम संसाधन योजना प्रणालियाँ [संचालन के साथ क्रॉस–सूचीबद्ध]
- व्यवसाय के लिए फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज
- सूचना और नेटवर्क सुरक्षा
- सूचना प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रबंधन
- सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन
- सोशल मीडिया और वेब एनालिटिक्स [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस–लिस्टेड]

संचालन प्रबंधन और निर्णय विज्ञान
- उन्नत डेटा विश्लेषण [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस–लिस्टेड]
- उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण
- रसद प्रबंधन
- प्रौद्योगिकी का प्रबंधन
- संचालन रणनीति
- परियोजना प्रबंधन
- गुणवत्ता प्रबंधन और सिक्स सिग्मा
- रणनीतिक सोर्सिंग प्रबंधन

रणनीति क्षेत्र
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
- प्रबंधन परामर्श
- उभरते बाजारों के लिए रणनीतियाँ

उद्योग कार्यशालाएँ: वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के अलावा, प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में उद्योग कार्यशालाओं का अनुभव भी प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम के दूसरे वर्ष में आयोजित की जाने वालीं इन उद्योग कार्यशालाओं का लक्ष्य, प्रतिभागियों को उद्योग व्यवसायियों के साथ निर्देशित बातचीत के माध्यम से उन नवीनतम डेटा–संचालित व्यावसायिक पद्धतियों की एक झलक प्रदान करना है, जो उद्योग और अर्थव्यवस्था में परिनियोजित होती हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित उद्योग कार्यशालाएँ

सत्र IV

क्षेत्र	कोर्स का नाम
रणनीति और परामर्श	भारत क्षेत्र में परामर्श उद्योग
आई टी	डेटा विज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग
आई टी	ब्लॉकचेन के साथ व्यापार
विपणन	ग्राहक मूल्य की खोज कैसे करें
आई टी	डिजिटल व्यवसाय परिवर्तन

सत्र V

क्षेत्र	पाठ्यक्रम का नाम
आई टी	आईटी परामर्श
आई टी	उन्नत विश्लेषिकी रणनीति और परामर्श: डिजिटल परिवर्तन को सक्षम
वित्त	निवेश बैंकिंग और पूँजी बाजार

सत्र VI

क्षेत्र	पाठ्यक्रम का नाम
एचआर	उद्योग में एचआर एनालिटिक्स उपयोग के मामले
एचआर	री–न्यू वर्क स्किल्स टू को दृविन दी नेक्स्ट नॉर्मलू
आईटी/एनालिटिक्स	व्यावसायिक समस्याओं के समाधान में सांख्यिकी और मशीन लर्निंग का अनुप्रयोग
मार्केटिंग	एआई–संचालित प्रिसिजन मार्केटिंग
आईटी/एनालिटिक्स	डेटा एनालिटिक्स: एक प्रैक्टिशनर का परिप्रेक्ष्य

प्रवेशः आईआईएम काशीपुर में प्रवेश विभिन्न मापदंडों के तहत उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित होता है। इन मापदंडों में कैट स्कोर, लिखित विश्लेषण परीक्षण एवं उम्मीदवार का व्यक्तिगत साक्षात्कार (डब्ल्यूएटी और पीआई) शामिल होता है जो कि उम्मीदवार की प्रोफाइल/विवरणिका के आधार पर तय होता है। डब्ल्यूएटी और पीआई प्रक्रिया नौ आईआईएम, जो हैं आईआईएम बोधगया, आईआईएम जम्मू, आईआईएम काशीपुर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम राँची, आईआईएम सिरमौर, आईआईएम संबलपुर, आईआईएम त्रिची और आईआईएम उदयपुर के साथ एक सामान्य प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित की जाती है।

भारत भर के 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से एमबीए 2022–24 बैच के लिए 257 उम्मीदवारों को आईआईएम काशीपुर में प्रवेश दिया गया था। इस वर्ष महिला छात्राओं की संख्या 61 से बढ़कर 75 हो गयी है। एमबीए बैच 2022–24 के लिए दाखिला लेने वाली महिला छात्राओं की संख्या पिछले बैच की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक थी। यह आईआईएम काशीपुर के एमबीए के सभी बैचों में महिला छात्राओं की सबसे अधिक संख्या है। एमबीए 2022–24 का बैच विभिन्न संस्कृतियों और जातियों से संबंधित उत्साही और प्रतिभाशाली छात्रों का मिश्रित समूह है। यह बैच देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों से निकले नए स्नातकों एवं अग्रणी राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का हिस्सा रहे अनुभवी पेशेवरों का एक स्वस्थ मिश्रण है।

एमबीए 2021–23 बैच में बैच विविधता

(आँकड़े 8 जुलाई 2022 तक)

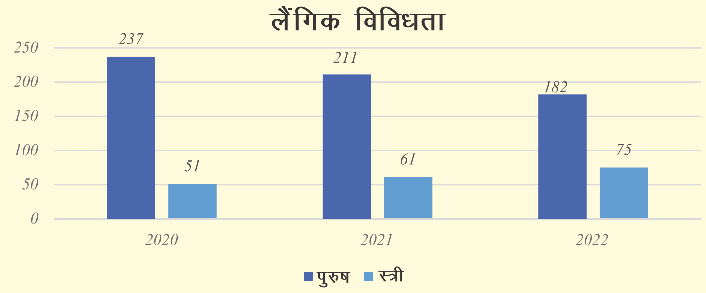

श्रेणी–वार वर्गीकरण

वर्ग	छात्रों की संख्या
सामान्य	86
एनसी–ओबीसी	67
एससी	45
एसटी	24
डीएपी	-
ईडब्ल्यूएस	29

अध्ययन विषय विविधता

अध्ययन–विषय	छात्रों की संख्या
इंजीनियरिंग	99
गैर–इंजीनियरिंग	158

कार्य अनुभवः एक वर्ष से अधिक कार्य अनुभव के साथ कुल 132 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया था, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 150 थे। कुल मिलाकर, बैच के 51.36% विद्यार्थियों के पास एक वर्ष से अधिक का अनुभव है। हालाँकि, दो वर्ष से अधिक कार्य अनुभव वाले विद्यार्थियों की संख्या में लगभग 5% की बढ़ोत्तरी हुई।

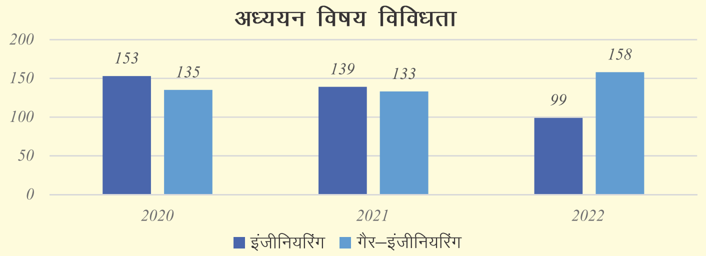

कार्य अनुभव ब्रेक–अप

कार्य अनुभव	छात्रों की संख्या
फ्रेशर्स	109
6 से 12 माह	16
12–24 माह	41
24 माह से अधिक	91

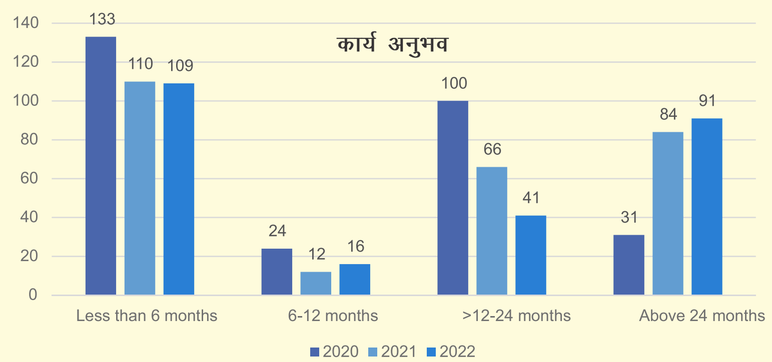

शुल्क संरचना

एमबीए 2022–24 बैच के लिए शुल्क संरचना (रुपये में)

वर्ष	प्रवेश शुल्क	पाठ्यक्रम शुल्क	कुल शुल्क	रिफंडेबल जमानती राशि	कुल योग
प्रथम वर्ष	25,000	7,37,500	7,62,500	20,000	7,82,500
दूसरा वर्ष	--	7,50,500	7,50,500	9,000	7,59,500
कुल	**25,000**	**14,88,000**	**15,13,000**	**29,000**	**15,42,000**

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनालिटिक्स) प्रोग्राम

आईआईएम काशीपुर में 'मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स' एक द्विवर्षीय गहन और पूरी तरह से आवासीय कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से उन प्रतिभागियों के लिए गठित किया गया है जो बड़ी डेटा क्रांति में शामिल होना चाहते हैं तथा डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं के रूप में उभरना चाहते हैं।

यह पाठ्यक्रम छात्रों को वर्तमान व्यावसायिक परिदृश्य में बेहतर निर्णय लेने के लिए जटिल डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाने के लिए एक व्यापक शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक विषयों का विवेकपूर्ण समन्वय, जटिल व्यावसायिक समस्याओं से निपटने के लिए छात्रों के आवश्यक कौशल को विकसित करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यावसायिक और सामाजिक चुनौतियों को परिभाषित करने, पैटर्न की पहचान करने, अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, व्यावसायिक रणनीतियों को विकसित करने एवं बेहतर प्रबंधन निर्णय लेने के लिए, विश्लेषणात्मक उपकरणों तथा तकनीकों का उपयोग करते हुए त्रुटिहीन संचार कौशल के साथ–साथ अच्छे प्रबंधकीय और विश्लेषणात्मक कौशल को अर्जित करके भविष्योन्मुख व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करना है।

द्विवर्षीय एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम को छह सत्रों में विभाजित किया गया है। पहले वर्ष में, प्रबंधन और विश्लेषणात्मक कोर पाठ्यक्रमों का एक आदर्श समन्वय पढ़ाया जाता है जो छात्रों को प्रबंधन और विश्लेषणात्मक अवधारणाओं की नींव बनाने में मदद करता है। दूसरे वर्ष में, छात्रों को रचनात्मक विश्लेषण–संचालित व्यावसायिक समाधानों को समझने और बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के विश्लेषण–उन्मुख वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से 'एनालिटिक्स' का अधिक उन्नत ज्ञान मिलता है। इस कार्यक्रम में एक शोध प्रबंध घटक भी शामिल है जो कार्यक्रम के दूसरे वर्ष के तीन सत्रों में विस्तारित है। यह घटक एक छात्र को उसकी रुचि के क्षेत्र को गहराई से पहचानने और तलाशने, अनुसंधान प्रश्नों को परिभाषित करने और फिर अनुसंधान करने की उसकी क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए उपयुक्त अनुसंधान उपकरणों का उपयोग करने में मदद करता है, जिससे इस प्रक्रिया के दौरान ही उसे मूल्यवान कौशल प्राप्त हो जाता है।

अभ्यासकर्ता कक्षा में पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से उद्योग संबंधी अपने दृष्टिकोण को सामने लाते हैं। इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्रों के पास उद्योग संबंधी अनुभव, व्यावसायिक समस्याओं से निपटने में व्यावहारिक अनुभव और चुनने के लिए वैकल्पिक विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला का उचित समन्वय होगा।

शैक्षणिक वर्ष 2022–23 में एमबीए (एनालिटिक्स) में मुख्य पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष एमबीए (एनालिटिक्स) पाठ्यक्रम

सत्र I

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
संगठनात्मक व्यवहार	0.5	12.5
व्यवसाय सांख्यिकी	1	25
वित्तीय लेखांकन	0.5	2.5
वित्तीय बाजार	0.5	12.5
सूक्ष्मअर्थशास्त्र	1	25
विपणन प्रबंधन I	1	25
गणितीय आधार	1	25
कार्यशाला– लिखित एवं मौखिक संचार	0.5	12.5
कुल अवधि	6	150

सत्र II

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
निर्णय मॉडलिंग	1	25
प्रबंधन सूचना प्रणाली	1	25
कॉर्पोरेट वित्त	1	25
विपणन प्रबंधन II	0.5	12.5
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1	25
व्यवसाय के कानूनी पहलू	0.5	12.5
बिजनेस कंप्यूटिंग- I	1	25
बिजनेस एनालिटिक्स का परिचय	1	25
कुल अवधि	7	175

सत्र III

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
संगठनों में लोग प्रबंधन	1	25
रणनीति प्रबंधन	1	25
बिजनेस कंप्यूटिंग II	1	25
अनुसंधान विधियों पर संगोष्ठी	1	25
डेटा विजुअलाइजेशन	1	25
डेटा प्रबंधन और बिग डेटा	1	25
कुल अवधि	6	150

द्वितीय वर्ष एमबीए (एनालिटिक्स) पाठ्यक्रम

सत्र IV

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
प्रबंधकों के लिए अनुप्रयुक्त अर्थमिति	1	25
डेटा साइंस और मशीन लर्निंग	1	25
सोशल मीडिया और वेब एनालिटिक्स	1	25
ऐच्छिक 1/2 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
ऐच्छिक 3/4 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
निबंध– भाग ए	1	25
कुल अवधि	6	150

सत्र V

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण	1	25
एआई और डीप लर्निंग	1	25
उन्नत डेटा विश्लेषण	1	25
ऐच्छिक 5/6 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
ऐच्छिक 7/8 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
निबंध– भाग बी	1	25
कुल अवधि	6	150

सत्र VI

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
ऐच्छिक 9/10 (नीचे ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका देखें)	0.5	12.5
ऐच्छिक 11/12/13/14 (ऐच्छिक प्रस्ताव तालिका नीचे देखें)	0.5	12.5
निबंध–अंतिम	2	50
कुल अवधि	5	125
दूसरे वर्ष की कुल क्रेडिट आवश्यकता = 17		
कुल दो–वर्षीय क्रेडिट आवश्यकता = 36		

शैक्षणिक वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित ऐच्छिक

सत्र IV

क्षेत्र	ऐच्छिक प्रकार	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
एनालिटिक्स ट्रैक	एनालिटिक्स ऐच्छिक	इन्फोग्राफिक्स और उन्नत विजुअलाइजेशन तकनीकों का उपयोग करके एनालिटिक्स	0.5
आईटी और सिस्टम	एनालिटिक्स ऐच्छिक	स्वचालित डेटा संग्रह	0.5
एनालिटिक्स ट्रैक	एनालिटिक्स ऐच्छिक	फीचर इंजीनियरिंग	0.5
ओएम और डीएस	एनालिटिक्स ऐच्छिक	बहुभिन्नरूपी डेटा विश्लेषण	1
अर्थशास्त्र	एनालिटिक्स ऐच्छिक	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के व्यवसाय के लिए विश्लेषण	1
ओएम और डीएस	प्रबंधन वैकल्पिक	उद्योग 4.0–व्यवसाय संचालन में परिवर्तन	1
ओएम और डीएस	प्रबंधन वैकल्पिक	तार्किक प्रबंधन	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन वैकल्पिक	एक विघटनकारी दुनिया में संगठनात्मक परिवर्तन का प्रबंधन	1
विपणन	प्रबंधन वैकल्पिक	बिक्री एवं वितरण प्रबंधन	1
विपणन/ओएम और डीएस	प्रबंधन वैकल्पिक	सेवाएँ प्रबंधन	1
रणनीति	प्रबंधन वैकल्पिक	उभरते बाजारों के लिए रणनीतियाँ (एसईएम)	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन वैकल्पिक	प्रतिभा और योग्यता प्रबंधन	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन वैकल्पिक	व्यवसाय मूल्यांकन	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन वैकल्पिक	वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन	1
विपणन	प्रबंधन वैकल्पिक	उपभोक्ता वित्तीय प्रबंधन	1
आईटी और सिस्टम	प्रबंधन वैकल्पिक	ई–कॉमर्स	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन वैकल्पिक	रोजगार संबंध प्रबंधन	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन वैकल्पिक	उद्यमशील वित्तीय प्रबंधन	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन वैकल्पिक	वित्तीय डेरिवेटिव	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन वैकल्पिक	निवेश प्रबंधन	1
आईटी और सिस्टम	प्रबंधन वैकल्पिक	आईटी परामर्श	1
ओएम और डीएस	प्रबंधन वैकल्पिक	गुणवत्ता प्रबंधन और सिक्स सिग्मा	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन वैकल्पिक	संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रतिभा प्रबंधन	1

सत्र V

क्षेत्र	ऐच्छिक प्रकार	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट्स
लेखांकन और वित्त	एनालिटिक्स ऐच्छिक	वित्तीय विश्लेषिकी	1
ओबी और एचआर	एनालिटिक्स ऐच्छिक	एचआर एनालिटिक्स	1
ओबी और एचआर	एनालिटिक्स ऐच्छिक	एचआर एनालिटिक्स	1
विपणन	एनालिटिक्स ऐच्छिक	विपणन विश्लेषिकी	1
ओएम और डीएस	एनालिटिक्स ऐच्छिक	उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	1
अर्थशास्त्र एवं ओएम और डीएस	एनालिटिक्स ऐच्छिक	कैजुअल मशीन लर्निंग	1
ओएम और डीएस	एनालिटिक्स ऐच्छिक	आर का उपयोग करके निर्णय लेनारू एक केस स्टडी दृष्टिकोण	1
लेखांकन और वित्त	एनालिटिक्स ऐच्छिक	वित्तीय अर्थमिति	1
आईटी और सिस्टम	एनालिटिक्स ऐच्छिक	छवि विश्लेषण	0.5
आईटी और सिस्टम	एनालिटिक्स ऐच्छिक	रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन	0.5
विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक	उन्नत मीडिया मार्केटिंग	1
अर्थशास्त्र	प्रबंधन ऐच्छिक	अनुप्रयुक्त समय श्रृंखला अर्थमिति	1
अर्थशास्त्र	प्रबंधन ऐच्छिक	निर्णयों के लिए व्यवहारिक अर्थशास्त्र	1
संचार	प्रबंधन ऐच्छिक	कॉर्पोरेट संचार और संकट प्रबंधन	1
आईटी और सिस्टम/ओएम और डीएस	प्रबंधन ऐच्छिक	उद्यम संसाधन योजना	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन ऐच्छिक	वित्तीय जोखिम मापन और प्रबंधन	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन ऐच्छिक	निश्चित आय बाजार	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन ऐच्छिक	डिजिटल कार्यस्थलों में प्रदर्शन को बढ़ावा देना	1
अर्थशास्त्र	प्रबंधन ऐच्छिक	उन्नति, विकास और भारतीय अर्थव्यवस्था	1
आईटी और सिस्टम	प्रबंधन ऐच्छिक	सूचना और नेटवर्क सुरक्षा	0.5
आईटी और सिस्टम	प्रबंधन ऐच्छिक	आईटी परियोजना प्रबंधन	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन ऐच्छिक	कॉर्पोरेट रचनात्मकता के लिए नए युग के नवाचार का नेतृत्व करना	0.5
संचार	प्रबंधन ऐच्छिक	मीडिया और मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन	1
लेखांकन और वित्तध्रणनीति	प्रबंधन ऐच्छिक	विलय और अधिग्रहण	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन ऐच्छिक	सत्ता, राजनीति और संगठन	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन ऐच्छिक	निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग	1
ओएम और डीएस	प्रबंधन ऐच्छिक	सामरिक सोर्सिंग प्रबंधन	1
विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक	डिजाइन थिंकिंग के अनुप्रयोग	1
विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक	डिजिटल विपणन	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन ऐच्छिक	कार्यस्थल पर विविधता और समावेशन	1
रणनीति	प्रबंधन ऐच्छिक	प्रबंधन परामर्श	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन ऐच्छिक	कार्य की नई दुनिया में प्रदर्शन प्रबंधन और मूल्यांकन	1
विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक	उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन	1
ओएम और डीएस	प्रबंधन ऐच्छिक	परियोजना प्रबंधन	1

सत्र VI

क्षेत्र	वैकल्पिक प्रकार	पाठ्यक्रम का नाम	क्रेडिट
आईटी और सिस्टम	एनालिटिक्स ऐच्छिक	सुदृढीकरण शिक्षण का उपयोग करते हुए उन्नत एआई	0.5
आईटी और सिस्टम	एनालिटिक्स ऐच्छिक	एआई अनुप्रयोग	0.5
आईटी और सिस्टम	एनालिटिक्स ऐच्छिक	क्लाउड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	0.5
एनालिटिक्स ट्रैक	एनालिटिक्स ऐच्छिक	एक्सप्लेनेबल ए.आई	0.5
ओएम और डीएस	एनालिटिक्स ऐच्छिक	निर्णय लेने में फजी सेट और फजी लॉजिक	1
एनालिटिक्स ट्रैक	एनालिटिक्स ऐच्छिक	हेल्थकेयर एनालिटिक्स और रणनीति	0.5
आईटी और सिस्टम	एनालिटिक्स ऐच्छिक	स्पार्क के साथ एमएल अनुप्रयोग	0.5
एनालिटिक्स ट्रैक	एनालिटिक्स ऐच्छिक	खेल विश्लेषिकी	0.5
ओएम और डीएस	एनालिटिक्स ऐच्छिक	आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी	1
एनालिटिक्स ट्रैक	एनालिटिक्स ऐच्छिक	पर्यटन विश्लेषिकी और उसके अनुप्रयोग	0.5
अर्थशास्त्र	प्रबंधन ऐच्छिक	उन्नत मौद्रिक अर्थशास्त्र	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन ऐच्छिक	व्यवहार वित्त	1
विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक	बिजनेस–टू–बिजनेस मार्केटिंग	1
ओबी और एचआर	प्रबंधन ऐच्छिक	संघर्ष और बातचीत प्रबंधन	1
संचार	प्रबंधन ऐच्छिक	सोशल मीडिया अभियानों के लिए कंटेन्ट विकास रणनीति	0.5
ओबी और एचआर	प्रबंधन ऐच्छिक	अंतर–सांस्कृतिक नेतृत्व	0.5
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन ऐच्छिक	डिजिटल वित्त	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन ऐच्छिक	वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन	1
अर्थशास्त्र	प्रबंधन ऐच्छिक	फूड–टेक और एग–टेक उद्यमिता	1
आईटी और सिस्टम	प्रबंधन ऐच्छिक	आईटी उत्पाद प्रबंधन	1
विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक	विपणन रणनीति	1
संचार	प्रबंधन ऐच्छिक	प्रबंधन के लिए फिल्में	1
ओएम और डीएस	प्रबंधन ऐच्छिक	संचालन रणनीति	1
विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक	खुदरा प्रबंधन	1
लेखांकन और वित्त	प्रबंधन ऐच्छिक	ट्रेडिंग रणनीतियाँ	1
विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक	बूटस्ट्रैप मार्केटिंग	1
रणनीति	प्रबंधन ऐच्छिक	अंतरराष्ट्रीय व्यापार	1
ओएम और डीएस	प्रबंधन ऐच्छिक	संचालन एवं प्रौद्योगिकी प्रबंधन	1
विपणन	प्रबंधन ऐच्छिक	मूल्य निर्धारण प्रबंधक	1

प्रवेशः आईआईएम काशीपुर ने दिसंबर 2022 में एमबीए (एनालिटिक्स) के तीसरे बैच की प्रवेश प्रक्रिया का शुरू की। एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम के लिए प्रवेश नीति के अनुसार, कैट और जीमैट वैध स्कोरकार्ड धारकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम में प्रवेश विभिन्न मापदंडों पर उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित होता है। इन मापदंडों में सम्मिलित हैं, कैट/जीमेट स्कोर और व्यक्तिगत साक्षात्कार (PI) में उम्मीदवारों का प्रोफाइल।

- इस वर्ष एमबीए (एनालिटिक्स) के लिए कुल 4343 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि पिछले वर्ष प्राप्त आवेदनों की संख्या 2027 थी।
- भारत के 21 राज्यध्केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते कुल 90 विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया। हालाँकि, बैच की वर्तमान संख्या 89 क्योंकि एक छात्र ने पहले सत्र के बाद पढ़ाई छोड़ दी।
- पिछले वर्ष की तुलना में छात्राओं की संख्या 33 से बढ़कर 74 हो गई है।

एमबीए (एनालिटिक्स) बैच 2022–24 के लिए दाखिला लेने वाली छात्राओं की संख्या पिछले बैच तुलना में लगभग 124ः अधिक थी।

एमबीए (एनालिटिक्स) 2022–23 में बैच विविधता

(आँकड़े 8 जुलाई 2022 तक)

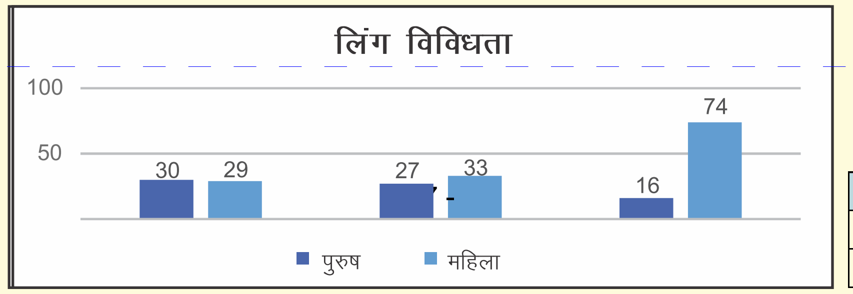

लिंग विविधता

लिंग	विद्यार्थियों की संख्या
पुरुष	16
महिला	74

एमबीए (एनालिटिक्स) 2022–24 बैच में अध्ययन–विषय विविधताः बैच के 90 में से 29 विद्यार्थी गैर–इंजीनियर्स हैं, जो कि बैच संख्या का 32: हैं। एमबीए (एनालिटिक्स) प्रोग्राम में इस विचार पर तकनीकी फोकस पर किया जा रहा है।

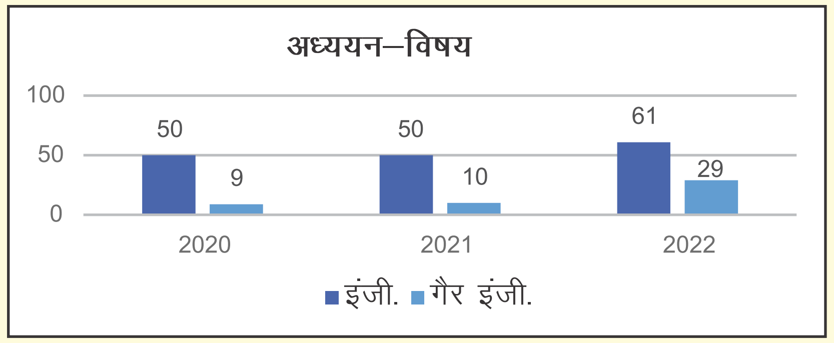

अध्ययन–विषय

अध्ययन–विषय	छात्रों की संख्या
इंजीनियरिंग	61
गैर–इंजीनियरिंग	29

प्रवेशित अभ्यर्थियों की श्रेणी–वार

श्रेणी	उम्मीदवारों की संख्या
सामान्य	38
एनसी–ओबीसी	21
एससी	13
एसटी	6
डीएपी	4
ईडब्ल्यूएस	8
कुल	**90**

कार्य अनुभवः एक वर्ष से अधिक के कार्य अनुभव वाले कुल 66 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया था, जबकि पिछले वर्ष विद्यार्थियों की संख्या 43 थी। कुल मिलाकर, बैच के 73.3% विद्यार्थियों पास एक वर्ष से अधिक का अनुभव है।

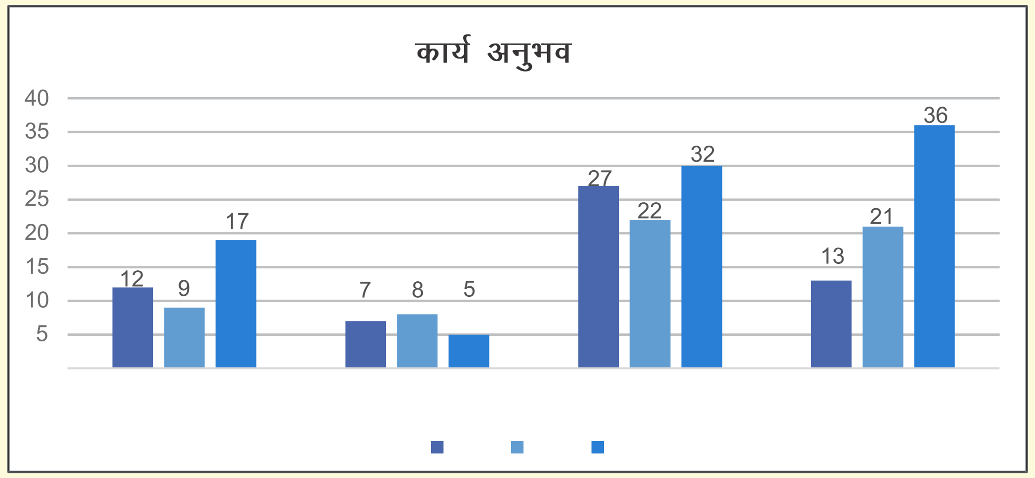

कार्य अनुभव ब्रेक–अप

कार्य अनुभव (माह में)	छात्रों की संख्या
नवागत	17
12 माह से कम	5
12–24 माह	32
24 माह से अधिक	36

शुल्क संरचना

एमबीए (एनालिटिक्स) 2022–24 बैच के लिए शुल्क संरचना (रुपये में)

मद	सत्र 1	सत्र 2	सत्र 3	सत्र 4	सत्र 5	सत्र 6	कुल योग
प्रवेश	25,000	-	-	-	-	-	25,000
पाठ्यक्रम शुल्क	2,91,000	2,91,000	2,91,000	2,91,000	2,91,000	2,91,000	17,46,000
जमानती राशि	20,000	-	-	9,000	-	-	29,000
कुल	**3,36,000**	**2,91,000**	**2,91,000**	**3,00,000**	**2,91,000**	**2,91,000**	**18,00,000**

कार्यकारी एमबीए प्रोग्राम

कार्यकारी एमबीए (ईएमबीए), प्रबंधन में दो वर्षीय एक गहन स्नातकोत्तर कार्यक्रम है जो विशेष रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए बनाया गया है। यह एक विशेष कार्यक्रम है जो आज के तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यवसायी वातावरण में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए, अभ्यासरत अधिकारियों को ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। यह एक परिशुद्ध, पूर्णतः कक्षा–आधारित कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम सप्ताहांत के दौरान आयोजित किया जाता है क्योंकि इसका उद्देश्य अधिकारियों को उनकी पेशेवर गतिविधि में बिना हस्तक्षेप किए, अपने प्रबंधकीय कौशल को शीघ्रता से उन्नत करने का अवसर प्रदान करना है। प्रतिभागी अपने विविध अनुभवों को कक्षा में साझा करते हैं एवं वास्तविक दुनिया और लाइव परियोजनाओं पर काम करते हैं। यह कार्यक्रम सक्रिय रूप से, प्रतिभागियों को कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को अपने कार्यस्थल पर लागू करने में, सक्षम बनाने के तरीकों का अन्वेषण करता है। संक्षेप में, यह कार्यक्रम अधिकारियों को निर्बाध रूप से बड़ी और अधिक सफल नेतृत्व भूमिकाओं के लिए तैयार करता है।

उद्देश्यः कार्यक्रम के कुछ विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं

- विद्यमान एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए डिजिटल निपुणता की आदत विकसित करना।
- स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए उद्यमशीलता की भावना पैदा करना।
- विशेष रूप से व्यवसाय में व्यावसायिक संचार बढ़ाने के लिए अनुप्रयोग।
- उनके संगठनात्मक विकास में आत्मविश्वास और योग्यता के द्वारा अधिक से अधिक योगदान देना।

हाइलाइट

- डिजिटल निपुणता
- भविष्य के कौशल
- वर्धित मूल्य कोर्स पैक
- कैपस्टोन सिमुलेशन
- पाठ्यक्रम में लचीलापन अधिकारियों के लिए

प्रवेशः ईएमबीए कार्यक्रम के लिए प्रवेश नीति के अनुसार, कैट और जीमैट वैध स्कोरकार्ड धारकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। ईएमबीए में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार के पास निम्नलिखित अनिवार्य होना चाहिए:

- यूजीसीएआईयू द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त स्नातक की डिग्री, जहाँ न्यूनतम अंक हैं– सामान्य के लिए 50 प्रतिशत एनसी–ओबीसी के लिए 47 प्रतिशत और एससी/एसटी/डीएपी के लिए 45 प्रतिशत
- स्नातक के बाद न्यूनतम तीन वर्ष का प्रबंधकीय/उद्यमी/व्यावसायिक अनुभव।

ईएमबीए कार्यक्रम में प्रवेश विभिन्न मापदंडों पर उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित होता है। इन मापदंडों में सम्मिलित हैं, कैट/जीमैट स्कोर, या IIM काशीपुर द्वारा आयोजित एग्जीक्यूटिव मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (EMAT) में प्राप्त अंक और व्यक्तिगत साक्षात्कार में उम्मीदवारों का प्रदर्शन।

ईएमबीए 2022–24 बैच में 40 उम्मीदवारों को प्रवेश दिया गया। यह बैच अनुभवी पेशेवरों का एक स्वस्थ समन्वय है, जो देश भर के उन प्रतिष्ठित संस्थानों से निकल कर आए हैं और जो राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय अग्रणी कंपनियों का हिस्सा रहे हैं।

कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम की पाठ्यक्रम संरचना

सत्र I	सत्र II
व्यावसायिक आँकड़े	व्यावसायिक सिमुलेशन
कार्यकारी संचार	कॉर्पोरेट संचार रणनीति
वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण	डिजाइन कार्य संगठन
विपणन प्रबंध–I	प्रबंधन लेखांकन
संगठनात्मक व्यवहार	प्रबंधकीय अर्थशास्त्र
	विपणन प्रबंधन–II

सत्र III	सत्र IV
आलोचनात्मक सोच और पारस्परिक कौशल	कॉर्पोरेट वित्त
निर्णय मॉडलिंग	कॉर्पोरेट नियम
डिजिटल विपणन	डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन
मैक्रो–इकोनॉमिक विश्लेषण और लोक नीति	संगठनों में लोगों का प्रबंधन करना
प्रबंधन सूचना प्रणाली	संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

सत्र V
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग
कैपस्टोन सिमुलेशन
उद्यमशील संगठन और समाज
परियोजनाओं का निर्माण और रिपोर्टिंग
नेतृत्व
बातचीत, मध्यस्थता और सुलह
कूटनीतिक प्रबंधन

ईएमबीए में क्षेत्रवार सांकेतिक वैकल्पिक पाठ्यक्रम

सामान्य प्रबंधन	वित्त एवं लेखांकन
प्रतिस्पर्धी परिदृश्य	अग्रिम वित्तीय विवरण विश्लेषण
कॉर्पोरेट एथिक्स गवर्नेंस	व्यवसाय मूल्यांकन
वैश्विक व्यापार के लिए अंतर–सांस्कृतिक कौशल	वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन
उद्यमशीलता	उद्यमशील वित्तीय प्रबंधन
सामाजिक उद्यमिता	वित्तीय व्यवहार
	वित्तीय डेरिवेटिव और जोखिम प्रबंधन
	निवेश प्रबंधन
	वित्तीय बाजारों में व्यापारिक रणनीतियाँ
	उद्यम पूँजी और निवेश बैंकिंग
	व्यक्तिगत वित्त
	निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग
	वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन

संचालन प्रबंधन और निर्णय विज्ञान	संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंध
व्यवसाय प्रक्रिया प्रबंधन क्राफ्टिंग रिसर्च आउटपुट उद्योग 4.0– व्यवसाय संचालन रूपांतरण प्रौद्योगिकी का प्रबंधन संचालन रणनीति परियोजना प्रबंधन गुणवत्ता प्रबंधन और सिक्स सिग्मा सेवा संचालन प्रबंधन अन्वेषणात्मक डेटा विश्लेषण अनुप्रयुक्त सर्वेक्षण डेटा विश्लेषण आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी उद्योग 4.0: व्यवसाय संचालन रूपांतरण व्यवसाय संचालन में प्रौद्योगिकी प्रबंधन	व्यवसाय नैतिकता क्षतिपूर्ति और लाभ रोजगार संबंध एचआर एनालिटिक्स श्रम कानून और औद्योगिक संबंध बातचीत और संघर्ष प्रबंधन संगठनात्मक परिवर्तन और विकास निष्पादन प्रबंधन सत्ता और राजनीति प्रतिभा अधिग्रहण प्रबंधन डिजिटल परिवर्तन के लिए पुनर्विचार समूह
रणनीति	**सूचना प्रौद्योगिकी**
व्यापार प्रतिदर्श अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक प्रबंधन के लिए आधार नवाचार और कॉर्पोरेट उद्यमिता उभरते बाजारों के लिए रणनीतियाँ	एडवांस मशीन लर्निंग व्यवसाय बुद्धिमत्ता और व्यवसाय विश्लेषिकी डेटा साइंस और मशीन लर्निंग डेटा विजुअलाइजेशन डिजिटल बिजनेस और फ्रंटियर टेक्नोलॉजी व्यवसाय विश्लेषिकी का आधार आईटी परियोजना प्रबंधन वेब और सोशल मीडिया एनालिटिक्स पाठ विश्लेषण
विपणन	**संचार**
बी2बी मार्केटिंग डिजाइन थिंकिंग का अनुप्रयोग डिजिटल विपणन मूल्य प्रबंधन उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन ग्रामीण विपणन बिक्री और वितरण रणनीतिक ब्रांड प्रबंधन	व्यवसाय प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय व्यापार मीडिया प्रबंधन मूवी प्रबंधन
अर्थशास्त्र	
कृषि व्यवसाय विकास और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अर्थशास्त्र उद्यमिता का अर्थशास्त्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थशास्त्र स्थिरता का प्रबंधन रणनीतिक लागत प्रबंधन	

ईएमबीए 2022–24 बैच में बैच विविधता

अध्ययन विषय विवधता

अध्ययन विषय	प्रवेशित विद्यार्थी
इंजिनियरिंग	25
गैर–इंजिनियरिंग	15

लैंगिक विविधता

लिंग	विद्यार्थियों की संख्या
पुरुष	38
महिला	2

कार्य अनुभव

कार्य अनुभव	विद्यार्थियों की संख्या
नवागत	–
12 माह से कम	–
12–24 माह	–
24 माह से अधिक	40

उद्योग अनुभव

उद्योग	छात्र
आईटी	6
ऑटोमोबाईल	1
बैंकिंग	4
ई–कॉमर्स	1
एफएमसीजी	6
मैन्युफैक्चरिंग	3
इंफ्रास्ट्रक्चर	2
मीडिया	1
फार्मा	3
गॉव्ट./पीएसयू	1
अन्य	12

श्रेणी–वार वर्गीकरण

वर्ग	प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या
सामान्य	35
एनसी–ओबीसी	4
एससी	1
एसटी	–
डीएपी	–
ईडब्ल्यूएस	–
कुल योग	40

कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर के द्विवर्षीय कार्यकारी एमबीए (एनालिटिक्स) (ईएमबीएए) कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यावसायिक नेतृत्वकर्ता बनने के लिए तैयार करना है जो संगठनात्मक प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए एनालिटिक्स की शक्ति का उपयोग कर सकते हैं। यह कार्यक्रम बहु–विषयक शैक्षणिक एवं व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों को एनालिटिक्स, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के उभरते और अंतःविषय क्षेत्रों में प्रशिक्षित करता है।

यह कार्यक्रम संरचना उन कार्यकारी अधिकारियों और उद्यमियों के लिए गठित की गई है जो प्रबंधन शिक्षा में आगे बढ़ने का अवसर चाहते हैं, लेकिन जिनके लिए प्रबंधन में पूर्णकालिक कार्यक्रम में प्रवेश लेना कठिन दिखाई पड़ता है। ईएमबीएए कार्यकारी अधिकारियों को अपने संबंधित व्यवसायों में संलिप्त रहने के साथ ही साथ, अपने ज्ञान के आधार को उन्नत करने हेतु लचीलापन प्रदान करने के लिए गठित किया गया है।

ईएमबीएए में एक दृढ़ पाठ्यक्रम शामिल है, जो प्रतिभागियों को विभिन्न विश्लेषणात्मक उपकरणों से परिचित कराता है एवं उनके साथियों, प्राध्यापकों और उनके संगठनों के साथ रचनात्मक सहयोग के लिए अवसर प्रदान करता है। ईएमबीएए कार्यक्रम विषयवस्तु और दृढ़ता में नियमित एमबीएए के समकक्ष है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपने ज्ञान के आधार को उन्नत करने एवं अपने कौशल तथा दक्षताओं को निखारने के लिए एक मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ें और अंततः अपने संगठनों में नेतृत्वकर्ता की भूमिका का निर्वहन कर सकें।

ईएमबीएए का अभिनव दृष्टिकोण, आवश्यकता–आधारित पाठ्यक्रम, डेटा–संचालित दृष्टिकोण और अनुभवी प्राध्यापक एक एकीकृत शिक्षण अनुभव प्रदान करते हैं जो उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखते हुए, प्रतिभागियों के प्रबंधकीय कैरियर पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम है।

छह सत्रों में विभाजित इस 24 महीनों के कार्यक्रम में 900 घंटे का संपर्क–समय मिलता है। अकादमिक इनपुट दो प्रकार के पाठ्यक्रमों के माध्यम से दिया जाता है: मुख्य पाठ्यक्रम और वैकल्पिक पाठ्यक्रम। कक्षाएँ सप्ताहांत में ऑनलाइन आयोजित की जाती हैं और प्रत्येक सत्र से पहले एक कैंपस इमर्शन और शिक्षण मॉड्यूल होता है।

पहले तीन सत्रों में मुख्य पाठ्यक्रम शामिल हैं, जबकि चौथे, पाँचवें और छठे सत्र में मुख्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रम शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को विश्लेषण और प्रबंधन अवधारणाओं से परिचित कराते हैं एवं उन्हें समर्थ बनाते हैं। इस मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उम्मीदवारों को तकनीकी कौशल, व्यवसाय के बुनियादी सिद्धांतों, प्रबंधन पद्धतियों, नेतृत्व एवं रणनीति और बिजनेस एनालिटिक्स के लिए विशिष्ट समकालीन कौशल में प्रशिक्षित करना है। इसके अलावा, यह प्रतिभागियों को उद्योग 4.0 में सफल होने के लिए आवश्यक अंतःविषयी कौशल से सँवारता करता है।

ऐसे कई अधिकारी हैं जो नौकरी छोड़े बिना प्रबंधन योग्यता प्राप्त करके अपनी शिक्षा प्रोफाइल को उन्नत करना चाहते हैं। ईएमबीएए इस आवश्यकता को पूरा करने में मदद करता है। इस प्रकार इस कार्यक्रम के अध्ययन–लक्ष्य, प्रबंधन शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में मौजूद रहने एवं महत्वपूर्ण सोच और नवाचार में सक्षम व्यावसायिक नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने के अभियान के साथ जुड़ा हुआ है।

इस कार्यक्रम के अध्ययन–लक्ष्य अभिव्यक्ति के विभिन्न तत्वों के साथ संरेखित हैं। लक्ष्य अभिव्यक्ति के तत्वों के साथ लक्ष्यों का मानचित्रण नीचे प्रस्तुत किया गया है।

लक्ष्य कथन के तत्वों के साथ लक्ष्यों का मानचित्रण

सीखने के लक्ष्य	लक्ष्य कथन के साथ संरेखण
आधुनिक व्यावसायिक पद्धतियाँ और संदर्भ के बारे में ज्ञान का प्रदर्शन।	अनुप्रयुक्त एवं अंतःविषयी अनुसंधान और प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में अभ्यास
व्यावसायिक प्रक्रियाओं का विश्लेषण करना और आलोचनात्मक दृष्टिकोण से उनका मूल्यांकन करना।	आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और उद्यमशीलता
पाठ्यक्रम की सीखों को प्रयोग में लाना, समझना और विश्लेषण–संचालित व्यावसायिक समाधान बनाना।	आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और उद्यमशीलता
प्रबंधन और विश्लेषणात्मक अवधारणाओं के ज्ञान को प्रदर्शित करना।	अनुप्रयुक्त एवं अंतःविषयी अनुसंधान और प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में अभ्यास
वास्तविक दुनिया की समस्या–समाधान के लिए आलोचनात्मक सोच प्रदर्शित करना।	आलोचनात्मक सोच, नवाचार, और उद्यमशीलता

कार्यक्रम संरचनः कार्यक्रम को छह सत्रों में विभाजित किया गया है, प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष प्रत्येक में तीन–तीन सत्र।

ईएमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम की पाठ्यक्रम संरचना

ईएमबीए (एनालिटिक्स) – प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम

सत्र I

सत्र	क्रेडिट	घंटे	टिप्पणी
संगठनात्मक व्यवहार	1	25	प्रबंधन कोर
वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
वित्तीय बाजार	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
सूक्ष्मअर्थशास्त्र	1	25	प्रबंधन कोर
सांख्यिकी I	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
गणितीय आधार	1	25	एनालिटिक्स कोर
एक्सेल और एसक्यूएल का परिचय	1	25	एनालिटिक्स कोर
प्रोग्रामिंग इन आर	1	25	एनालिटिक्स कोर
अवधि कुल	6.5	162.5	एमसी = 3, एसी = 35

सत्र II

सत्र	क्रेडिट	घंटे	टिप्पणियाँ
विपणन प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
उद्यमिता	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन	0.5	12.5	प्रबंधन कोर
निर्णय मॉडलिंग	1	25	एनालिटिक्स कोर
सांख्यिकी II	1	25	एनालिटिक्स कोर
प्रबंधन सूचना प्रणाली	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
पायथन के साथ बिजनेस एनालिटिक्स का परिचय	1	25	एनालिटिक्स कोर
अवधि कुल	6.5	162.5	एमसी = 3, एसी = 3.5

सत्र III

सत्र	क्रेडिट	घंटे	टिप्पणियाँ
संगठनों में लोग प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
रणनीति प्रबंधन	1	25	प्रबंधन कोर
कॉर्पोरेट वित्त	1	25	प्रबंधन कोर
मार्केटिंग रिसर्च	0.5	12.5	एनालिटिक्स कोर
डेटा विजुअलाइजेशन	1	25	एनालिटिक्स कोर
डेटा साइंस और मशीन लर्निंग	1	25	एनालिटिक्स कोर
अर्थमिति	1	25	एनालिटिक्स कोर
अवधि कुल	6.5	162.5	एमसी = 3, एसी = 3.5
प्रथम वर्ष कुल	19.5	487.5	एमसी = 9, एसी = 10.5
कोर = 19.5, ऐच्छिक = शून्य			

ईएमबीए (एनालिटिक्स) – द्वितीय वर्ष ऐच्छिक

क्षेत्र	वैकल्पिक पाठ्यक्रम का नाम	कोर्स का प्रकार
संचालन प्रबंधन	सिक्स सिग्मा	प्रबंधन ऐच्छिक
	आर का उपयोग करके निर्णय लेना एक केस स्टडी दृष्टिकोण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	एडवांस्ड ऑपरेशंस रिसर्च	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	बहुभिन्नरूपी डेटा विश्लेषण	एनालिटिक्स कोर
	परियोजना प्रबंधन	प्रबंधन ऐच्छिक
	आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	डेटा माइनिंग फॉर बिजनेस एनालिटिक्स यूजिंग आर	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
आईटी और सिस्टम	प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	सोशल मीडिया और वेब एनालिटिक्स	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप लर्निंग	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	डेटा प्रबंधन और बिग डेटा	एनालिटिक्स कोर
	बिजनेस के लिए आईटी	एनालिटिक्स कोर
	एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम्स	मैनेजमेंट कोर
	सोशल नेटवर्क एनालिटिक्स	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	बिजनेस इंटेलिजेंस और बिजनेस एनालिटिक्स	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	ब्लॉकचेन के माध्यम से बिजनेस इनोवेशन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	एडवांस्ड एआई यूजिंग रीइनफोर्समेंट लर्निंग	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन क्लाउड	एनालिटिक्स ऐच्छिक
	स्पार्क के साथ एमएल एप्लीकेशन	एनालिटिक्स ऐच्छिक
ओबी और एचआरएम	भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संगठनात्मक उत्कृष्टता	प्रबंधन ऐच्छिक
	मेकिंग टीम्स वर्क	प्रबंधन ऐच्छिक
	डिजिटल नेतृत्व	प्रबंधन ऐच्छिक
	विघटनकारी विश्व में परिवर्तन का प्रबंधन: सिमुलेशन के माध्यम से सीखना	प्रबंधन ऐच्छिक
अर्थशास्त्र	सस्टेनेबिलिटी एनालिटिक्स,	एनालिटिक्स ऐच्छिक

	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विश्लेषिकी	विश्लेषिकी ऐच्छिक
वित्त और अकाउंटिंग	वित्तीय डेरिवेटिव	विश्लेषिकी वैकल्पिक
	व्यवसाय मूल्यांकन	प्रबंधन वैकल्पिक
	वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन	विश्लेषिकी वैकल्पिक
	वित्तीय जोखिम मापन और प्रबंधन	विश्लेषिकी वैकल्पिक
	निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग	विश्लेषिकी वैकल्पिक
रणनीति	उभरते बाजारों के लिए रणनीतियाँ (एसईएम)	प्रबंधन वैकल्पिक
विपणन	डिजिटल मार्केटिंग	प्रबंधन वैकल्पिक
	सामाजिक विपणन	प्रबंधन वैकल्पिक
	व्यवसाय–से–व्यवसाय विपणन	प्रबंधन वैकल्पिक
	उपभोक्ता व्यवहार विश्लेषण	ऐच्छिक / प्रबंधन वैकल्पिक
	मार्केटिंग एनालिटिक्स	एनालिटिक्स ऐच्छिक

प्रवेशः ईएमबीएए 2022–24, के पहले बैच के लिए कुल 338 आवेदन प्राप्त हुए थे और जिसमें से 95 प्रतिभागियों ने प्रवेश लिया। 95 प्रतिभागियों में से, 76 प्रतिभागी पुरुष थे और 19 महिलाएँ प्रतिभागी थीं।

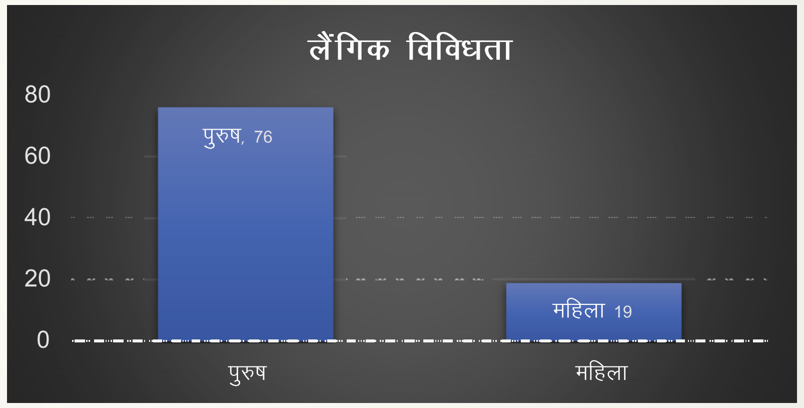

स्नातक स्तर की पढ़ाई के अनुसार शैक्षिक योग्यता ब्रेकअप : अधिकांश प्रतिभागी (73 प्रतिशत) इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं। शेष 27 प्रतिशत प्रतिभागी अलग–अलग शैक्षणिक पृष्ठभूमि से हैं, जैसा कि चार्ट में दर्शाया गया है।

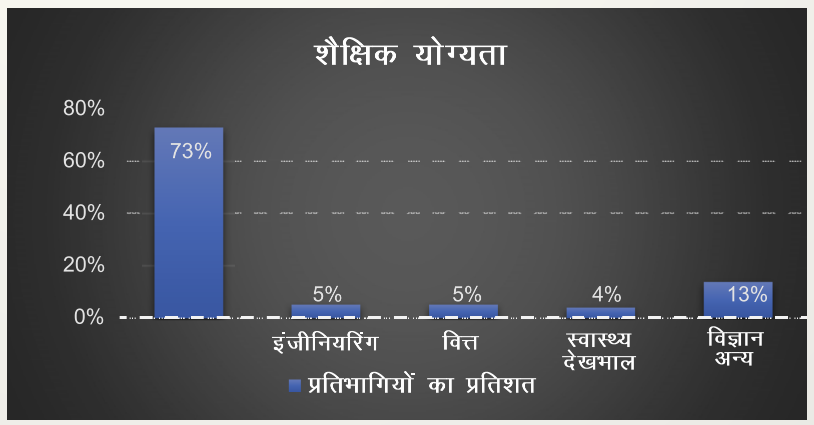

'अन्य में शामिल हैं – कृषि, कला, अर्थशास्त्र, आतिथ्य, प्रबंधन, विपणन, मीडिया और लोक प्रशासन

कार्य अनुभवः तीन वर्ष का अनुभव इस कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए मूल मानदंड है। आधे से अधिक प्रतिभागियों के पास पाँच से दस वर्ष के बीच का कार्य अनुभव है एवं औसत कार्य अनुभव नौ वर्ष है। नीचे दी गई तालिका उसी को दर्शाती है।

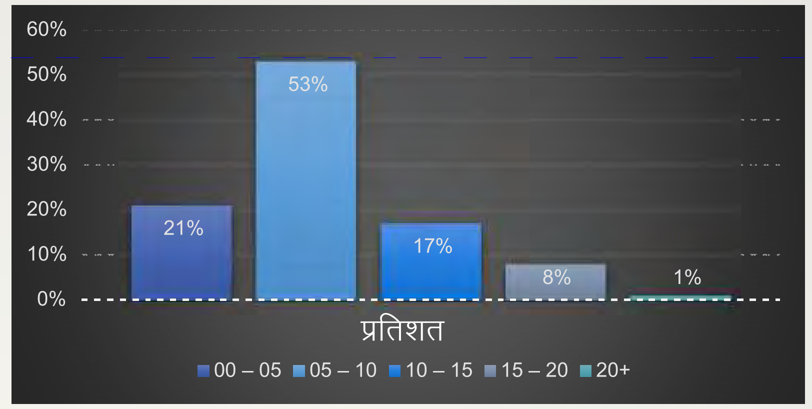

अनुशासनः अधिकांश प्रतिभागी आईटी/आईटीईएस से हैं। हमारे पास आईटीध्आईटीईएस के अलावा परामर्श, वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और अन्य ज्ञानक्षेत्रों के प्रतिभागी भी हैं।

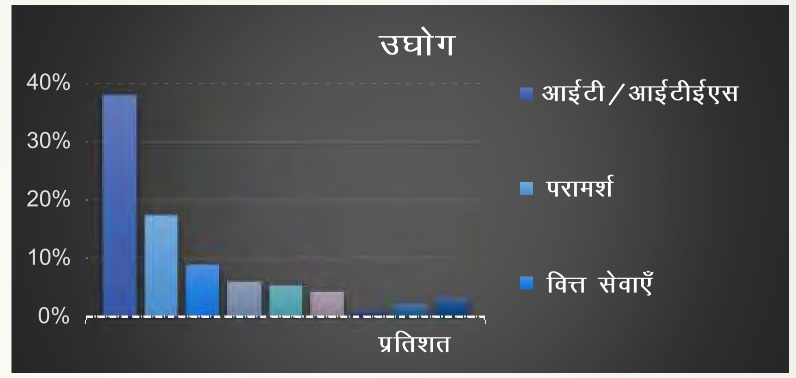

डॉक्टरेट कार्यक्रम

डॉक्टरेट कार्यक्रम एक पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है, जिसे पेशेवरों की शैक्षणिक और अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गठित किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान और शोध करने के लिए विद्वानों को आवश्यक कौशल प्रदान करना है। डॉक्टरेट कार्यक्रम उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि, बौद्धिक जिज्ञासा और विद्वतापूर्ण योगदान देने के लिए आवश्यक अनुशासित उम्मीदवारों की माँग करता है।

यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मानक के गुणवत्तापूर्ण कार्य प्रकाशन के माध्यम से, व्यक्तियों को उनके अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

- अध्येताओं को प्रबंधन के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करना, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन हो और वास्तविक दुनिया की प्रबंधन समस्याओं का समाधान खोजा जा सके।
- प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल मुद्दों की पहचान करने और उन पर शोध करने के लिए अध्येताओं को आवश्यक समझ और कौशल से सँवारना।
- प्रबंधन अनुसंधान और शिक्षण में करियर के लिए संभावित अध्येताओं के बीच विशेषज्ञता विकसित करना और इस तरह देश में उच्च गुणवत्ता वाले प्रबंधन प्राध्यापकों की कमी को दूर करना।

पाठ्यक्रम कार्य में डॉक्टरेट अध्येताओं को 28 क्रेडिट, यानि न्यूनतम 700 घंटे पूरे करने की आवश्यकता होती है। पहले वर्ष के अंत में (यानि, सत्र 3 के अंत में) और दूसरे वर्ष के अंत में (यानि, सत्र 6 के अंत में) क्वालीफाइंग सीजीपीए 10–पॉइंट स्केल पर कम से कम 6.5 होना चाहिए।

प्रवेशरू आईआईएम काशीपुर का डॉक्टरेट कार्यक्रम व्यवसाय प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में एक परिशुद्ध अनुसंधान कार्यक्रम है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अध्येताओं को प्रबंधन के क्षेत्र में स्वतंत्र अनुसंधान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है।

डॉक्टरेट कार्यक्रम उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि, बौद्धिक जिज्ञासा और विद्वतापूर्ण योगदान देने के लिए आवश्यक अनुशासन वाले उम्मीदवारों की माँग करता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय मानक के गुणवत्ता प्रकाशन के माध्यम से व्यक्तियों को उनके अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पिछले वर्ष 225 आवेदनों की तुलना में इस वर्ष डॉक्टरेट कार्यक्रम के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या 254 थी। आवेदनों की बड़ी संख्या को देखते हुए (गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करते हुए), हमने अंततः शैक्षणिक क्षेत्रों में 13 अध्येताओं को शामिल किया। विवरण नीचे दिया गया है।

लिंग विविधताः तेरह अध्येताओं में से चार महिलाएँ हैं, जो भर्ती किए गए अध्येताओं के 34ः प्रतिनिधित्व करती हैं।

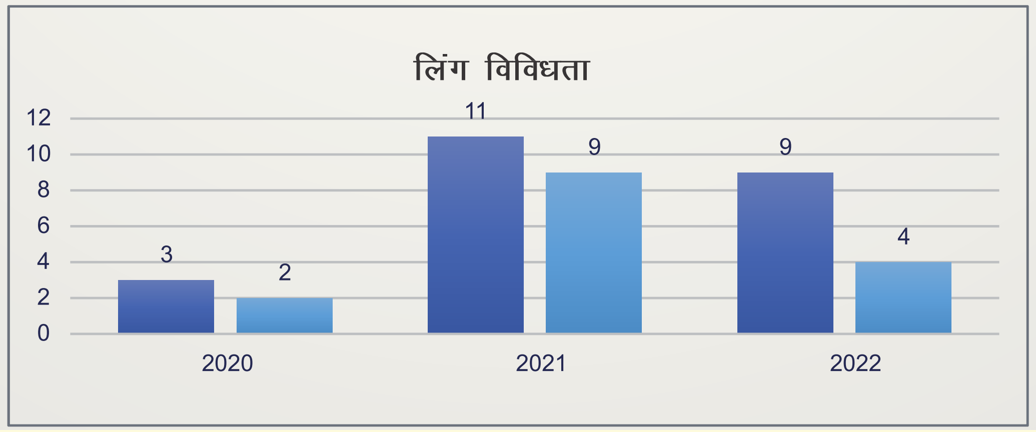

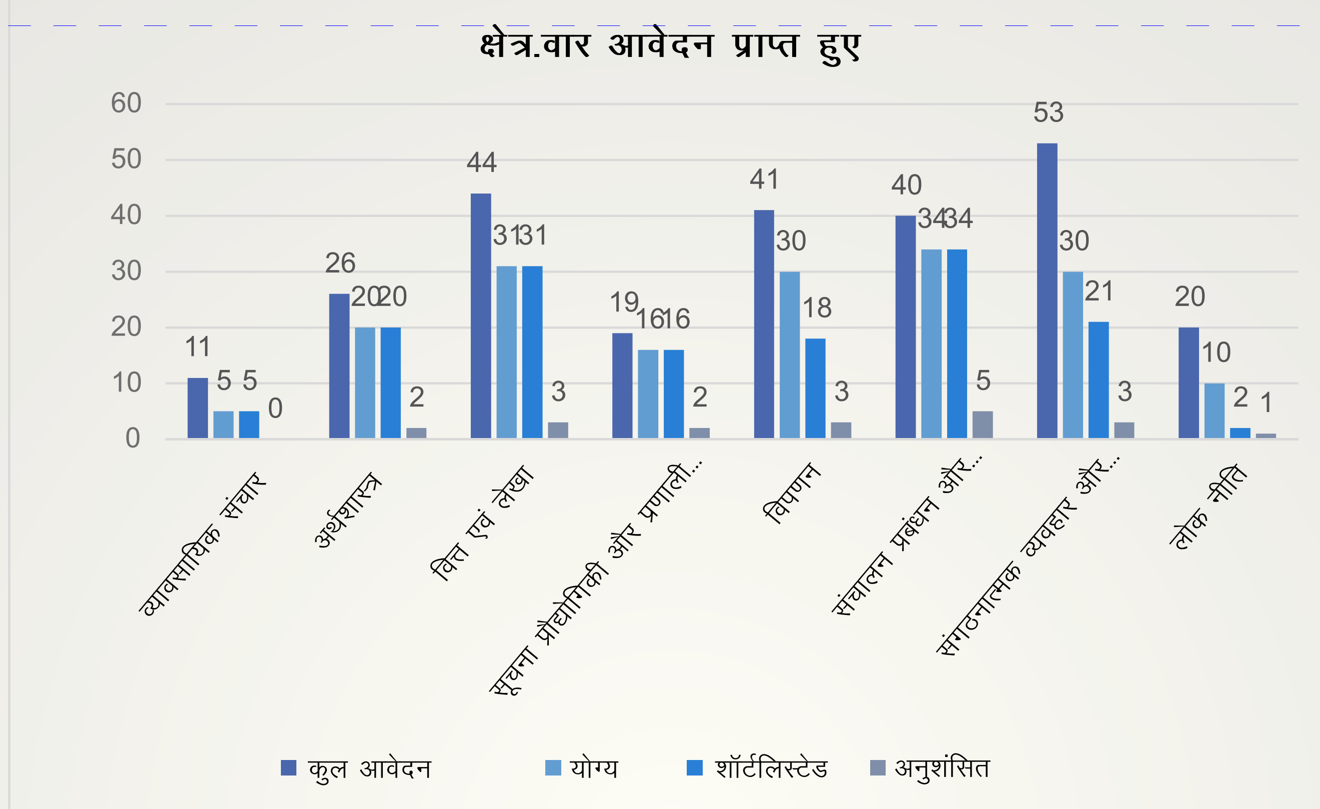

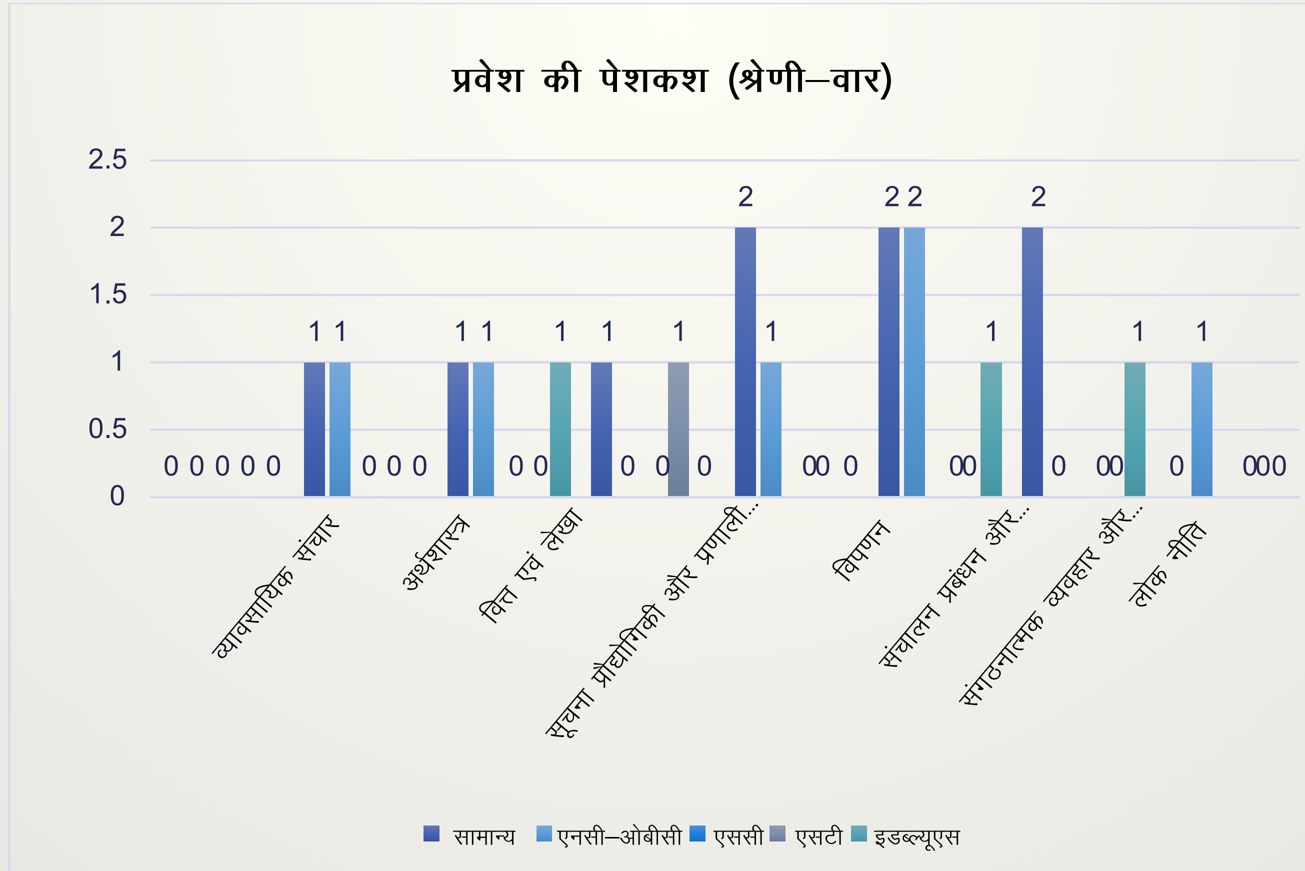

- एक वर्ष से अधिक कार्य अनुभव वाले ग्यारह विद्वानों को प्रवेश दिया गया।
- प्रवेशित अध्येता योग्यता परीक्षा CAT, GATE, GRE, IIMB, JRF (NET) और IIMB टेस्ट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उत्तीर्ण परीक्षा

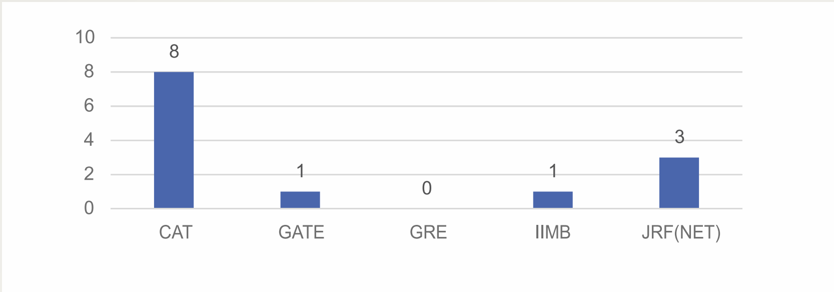

लिंग विविधता

लिंग	छात्रवृत्ति
पुरुष	33
महिला	19

डॉक्टरेट कार्यक्रम – 31 मार्च 2023 तक अध्येताओं की संख्या

क्षेत्रवार वितरण

वर्ग	उपस्थित विद्वान
संचालन एवं निर्णय विज्ञान	10
संगठनात्मक व्यवहार और एचआरएम	10
विपणन	6
वित्त और लेखा	8
सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली	4
रणनीति	3
अर्थशास्त्र	7
संचार	2
लोक नीति और प्रशासन	2

श्रेणी–वार विवरण

वर्ग	उपस्थित विद्वान
सामान्य	33
एनसी ओबीसी	9
एससी	4
एसटी	–
डीएपी	–
ईडब्ल्यूएस	6
कुल योग	52

प्रबंधन में कार्यकारी फेलो कार्यक्रम

एक्जीक्यूटिव फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईएफपीएम) कार्यक्रम 2018 से बंद कर दिया गया है। हालाँकि, अभी हम इस कार्यक्रम को जारी रख रहे हैं क्योंकि नामांकित अध्येताओं ने अभी तक स्नातक नहीं किया है।

प्रबंधन में कार्यकारी फेलो कार्यक्रम

क्षेत्रवार वितरण

वर्ग	उपस्थित विद्वान
संचालन और निर्णय विज्ञान	5
संगठनात्मक व्यवहार और एचआरएम	3
विपणन	6
वित्त और	2
सूचना प्रौद्योगिकी और सिस्टम	6
रणनीति	2
अर्थशास्त्र	2
व्यावसायिक संपर्क	3

लैंगिक विविधता

लिंग	विद्वानों
पुरुष	25
महिला	4

छात्रवृत्ति

संस्थान–प्रायोजित छात्रवृत्तियाँ

अपने प्रयासों में कि कोई भी अभ्यर्थी वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण संस्थान में एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित न रहे, आईआईएम काशीपुर प्रतिवर्ष योग्य प्रतिभागियों को उदार वित्तीय सहायता प्रदान करता है। निर्धारण वर्ष 2011–20 में, आईआईएम काशीपुर ने प्रतिभागियों की पारिवारिक आय और शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर 10 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता की स्थापना की। हालाँकि, निर्धारण वर्ष 2020–21 से, संस्थान ने एमबीए और एमबीएए कार्यक्रमों के पात्र प्रतिभागियों को ट्यूशन फीस की पूर्ण छूट प्रदान करने का निर्णय लिया। निम्नलिखित तीन प्रकार की संस्थागत छात्रवृत्तियाँ एमबीए और एमबीएए प्रतिभागियों के लिए उपलब्ध होती हैं:

- आवश्यकता–आधारित छात्रवृत्ति
- आवश्यकता–सह–योग्यता आधारित छात्रवृत्ति
- योग्यता–आधारित छात्रवृत्ति

2022–23 में कुल 66 छात्र (52 एमबीए और 14 एमबीएए) को संस्थान प्रायोजित छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हुईं।

विवरण के लिए नीचे दी गई तालिका देखें.

छात्रवृत्ति	एमबीए 2022–24 बैच	एमबीए 2021–23 बैच	एमबीएए 2022–24 बैच	एमबीएए 2021–23 बैच	कुल
आवश्यकता–आधारित छात्रवृत्ति	11	10	4	3	**28**
आवश्यकता–सह–योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	11	14	1	1	**27**
योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	3	3	4	1	**11**

भारत सरकार की छात्रवृत्ति

भारत सरकार की निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ छात्रों के लिए उपलब्ध हैं:

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा की केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना प्रदान की गई।
- एसटी छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति, मंत्रालय जनजातीय मामलों द्वारा प्रदान की जाती है।
- अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित योग्यता–सह–साधन आधारित छात्रवृत्ति योजना, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की जाती है।

भारत सरकार के अधीन विभिन्न मंत्रालय/विभाग द्वारा प्रस्तावित केंद्रीय छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत कुल 46 छात्रों को 2022–23 में अनुदान प्राप्त हुआ। विस्तृत जानकारी नीचे दिखाई गई है।

छात्रवृत्ति योजनाएँ	ताजा	नवीनीकरण
अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा की केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना	10	9
एसटी छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति	12	5
अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित योग्यता–सह–साधन आधारित छात्रवृत्ति योजना	4	6
कुल	**26**	**20**

अन्य सरकारी छात्रवृत्ति योजनाएँ

अन्य सरकारी छात्रवृत्ति योजनाएँ	ताजा	नवीनीकरण
डॉ. पंजाबराव देशमुख सारथी छात्रवृत्ति (महाराष्ट्र सरकार)	1	–
पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग (तमिलनाडु सरकार)	4	1
इंदिरा गांधी एकल बालिका छात्रवृत्ति (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग)	1	–
कुल	**6**	**1**

अन्य छात्रवृत्ति योजनाएँ

संस्थान द्वारा प्रायोजित और भारत सरकार की छात्रवृत्ति के अलावा, निम्नलिखित संगठन भी योग्य छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।

अन्य छात्रवृत्ति योजनाएँ	नवीन	नवीनीकरण
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक स्कॉलरशिप	11	-
भारतीय वायु सेना परोपकारी संघ (आईएएफबीए) छात्रवृत्ति	-	1
कुल	**11**	**1**

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट रिपोर्ट 2021–23

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट रिपोर्ट 2021–23 मुख्य अंश

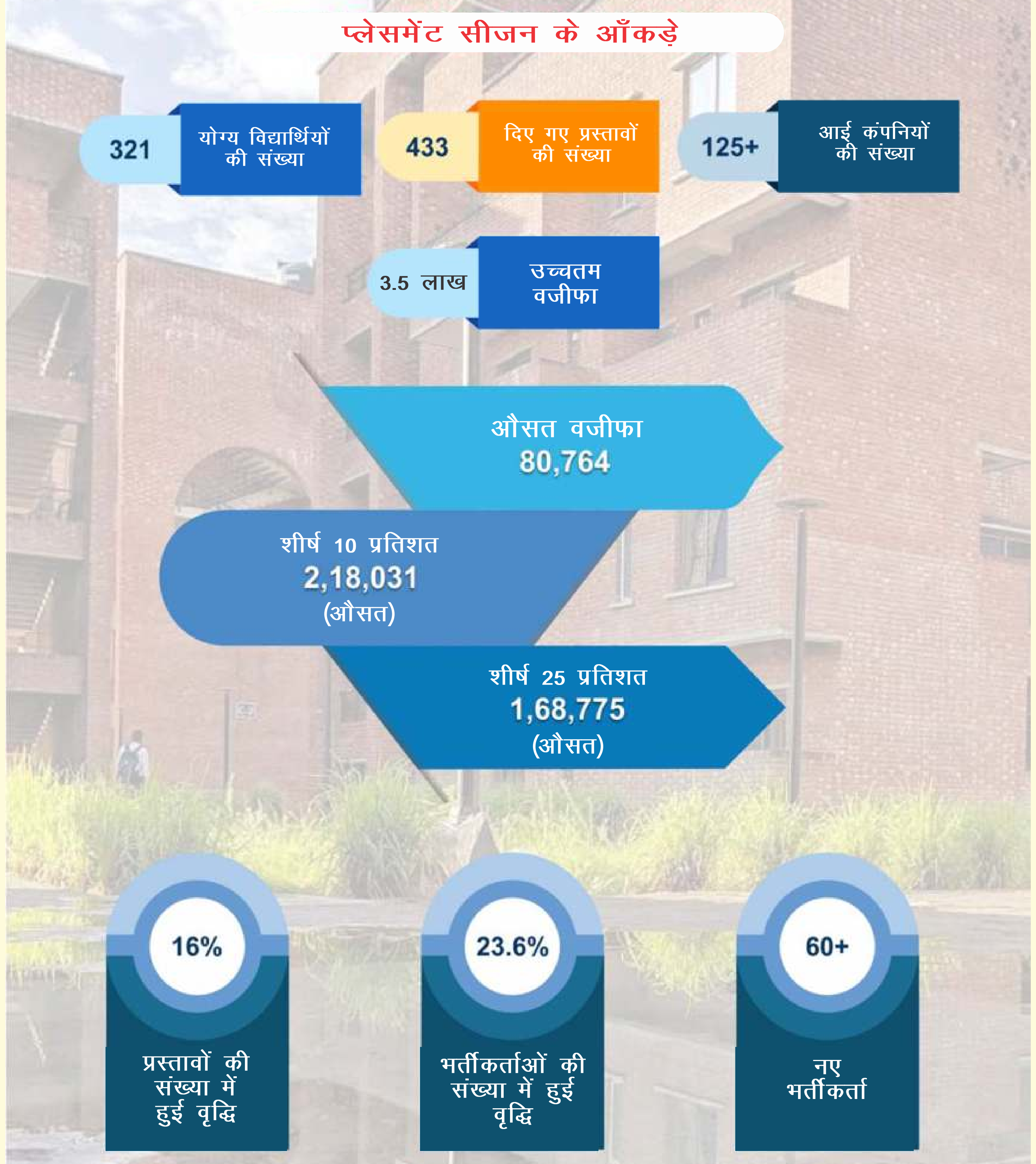

वर्तमान के सभी आँकड़े भारतीय रुपये में हैं एवं दो माह की अवधि के लिए हैं।

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट रिपोर्ट 2021–23 मुख्य अंश

डोमेन अनुसार प्लेसमेंट

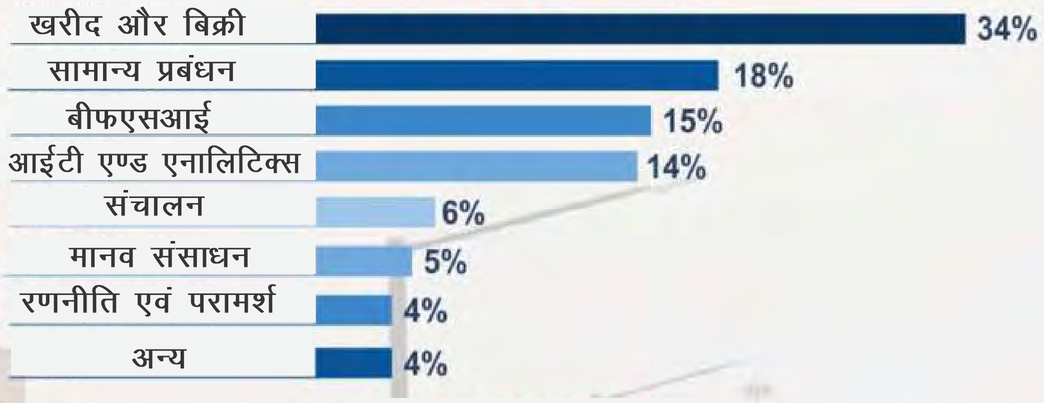

बैच सूचक

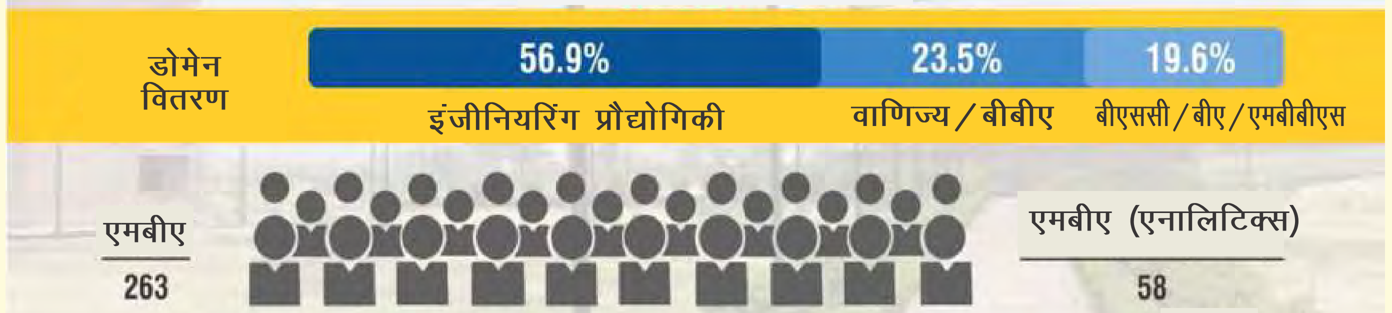

व्यावसायिक पृष्ठभूमि

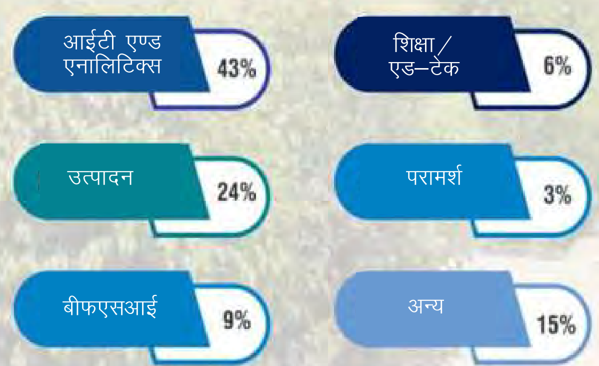

एमबीए आयु वर्ग

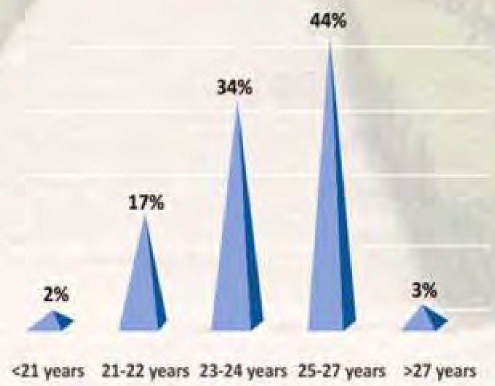

लैंगिक विविधता

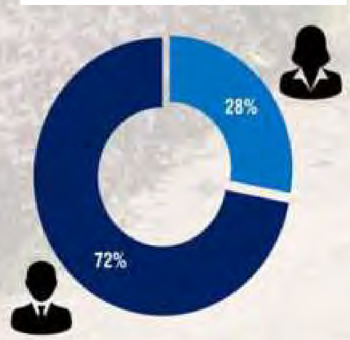

कार्य अनुभव

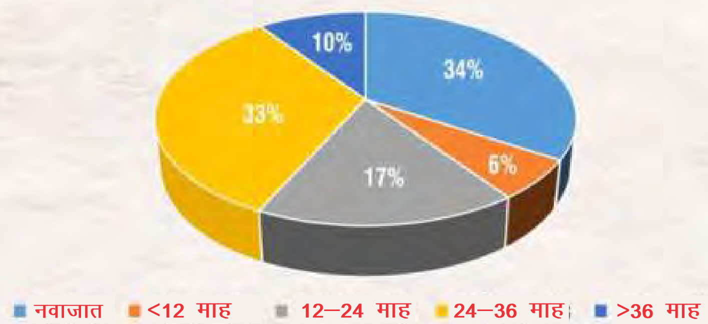

समर प्लेसमेंट 2021–23 डोमेन हाइलाइट्स

आईटी और एनालिटिक्स

विद्यार्थियों को भारतीय अर्बन, बिजअप, क्लीयरएग्जाम, कॉग्निजेंट, डिजीडीजेडएन, आईओसीएल, जस्टडायल, लेंडेनक्लब, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, माइक्रोसॉफ्ट, मिस्टरफिक्सप्रो, न्यूमोसिटी टेक्नोलॉजीज, एसईपी, शॉर्टहिल टेक और ट्राइडेज जैसे संगठनों में बिग डेटा सर्विस मैनेजमेंट, बिजनेस सॉल्यूशन इनेबलर, डेटा एनालिटिक्स एंड प्रोसेस इम्प्रूवमेंट, मार्केट रिसर्च एंड बिजनेस प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, प्रोडक्ट क्वालिटी एनालिस्ट, प्रोडक्ट क्वालिटी एनालिस्ट, प्रोसेस इंप्रोवाइजेशन एंड ऑटोमेशन इंटर्न, सीनियर रिसर्च एनालिस्ट और क्वालिटी एंड डेटा मैनेजमेंट एनालिस्ट जैसी भूमिकाएँ मिलीं।

14% विद्यार्थी

विपणन

एआईएमएस कंसल्टिंग सर्विसेज, अर्चनोमेश टेक्नोलॉजीज, आशीर्वाद पाइप्स, बीरू लाइव, बजाज आलियांज, साइनोटेक, डिजिटल मार्वलेड, ड्रूम, फ्लिपकेक, ग्रो जंक्शन, एचपी, इंक्वर, जियो क्रिएटिव लैब्स, केएसए एंटरप्राइजेज, लिक्विड एशिया, लॉजी.एएल, माइंडफुल सोल्स, माई होम ग्रुप, निस्वे, ऑफबिजनेस, ओरिगो कमोडिटीज, आउटलुक ग्रुप, प्यूमा, रोडबाउंस, सीड सीएसआर, सिम्प्लेक्स सर्विसेज, सर्वेस्पैरो, टैलेंट लिटमस, टाटा स्टील, द हाउस ऑफ आर्टिसंस, रिविगो जैसे संगठनों ने बी2बी मार्केटिंग, बी2सी मार्केटिंग ब्रांड मैनेजमेंट, बिजनेस डेवलपमेंट, कैम्पैन मैनेजमेंट, डिजिटल मार्केटिंग एण्ड मार्केटिंग स्ट्रैटेजी, की अकाउंट मैनेजमेंट, प्री सेल्स, रिटेल मार्केटिंग सोशल मीडिया मार्केटिंग और भी बहुत सी विविध भूमिकाओं के प्रस्ताव दिए।

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट 2021–23 डोमेन हाइलाइट्स

34% विद्यार्थी

वित्त

विद्यार्थियों ने आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील, आशीर्वाद पाइप्स, ब्लूमबर्ग, डिजिट इंश्योरेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्वेस्ट इंडिया, लेंडेनक्लब, लिक्विड एशिया, आरबीआई, टाटा कैपिटल और यस बैंक जैसे संगठनों में एसेट मैनेजमेंट, इक्विटी रिसर्च, फाइनेंशियल मॉडलिंग, फाइनेंशियल रिसर्च, इंटरनेशनल बैंकिंग, इन्वेस्टमेंट एनालिस्ट, रिस्क असेसमेंट, ट्रेजरी, रिटेल क्रेडिट स्ट्रैटेजी एनालिस्ट और सीनियर बिजनेस एसोसिएट जैसी कई प्रोफाइल में भूमिकाएँ हासिल कीं।

15% विद्यार्थी

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट 2021–23 डोमेन हाइलाइट्स

सामान्य प्रबंधन

अग्रणी संगठन जैसे एप्लाइड मैटेरियल्स इंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडोफिल इंडस्ट्रीज, लिक्विड लोन, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, माइक्रोसॉफ्ट, नाउपरचेज, न्यूमोसिटी टेक्नोलॉजीज, ऑफ बिजनेस, आरबीएल बैंक, रेवोस, स्किलिंग इंडिया, सुरेती आईएमएफ, टाटा कैपिटल, टेकट्री आईटी सिस्टम्स, टीवीएस क्रेडिट, यस बैंक ने बिजनेस डेवलपमेंट एण्ड कॉर्पोरेट अड्वाइजरी, ग्रोथ एण्ड स्ट्रैटेजी ऐनालिस्ट, न्यू प्रोडक्ट इनिशियेटिव, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट मैनेजमेंट एण्ड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में भूमिकाओं के प्रस्ताव दिए।

18% विद्यार्थी

संचालन

आईआईएम काशीपुर, इंटरमॉडल लॉजिस्टिक्स इंटर्न लॉजिस्टिक इंटर्न, ऑपरेशंस मैनेजमेंट इंटर्न, ऑपरेशंस प्लानिंग, सर्विस डिलीवरी इंटर्न, सर्विस क्वालिटी और स्ट्रैटेजिक प्लानिंग इंटर्न जैसी भूमिकाओं में प्रमुख संगठनों जैसे आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील, ईकॉम एक्सप्रेस, फ्रेट टाइगर, आईओसीएल, कल्पतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड, माइल्स एजुकेशन, नेस्ले, आउटलुक ग्रुप, टैलेंट लिटमस, श्याओमी, जेवर्सल के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बना हुआ है।

6% विद्यार्थी

रणनीति एवं परामर्श

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट 2021–23 डोमेन हाइलाइट्स

विद्यार्थियों को दी जाने वाली रणनीति और परामर्श भूमिकाओं की संख्या में वृद्धि हुई। सीआईबीसी कंसल्टिंग, इंडोफिल, लिक्विड एशिया, प्यूमा और कई अन्य कंपनियों ने इस साल समर इंटर्न के लिए भर्ती की। प्रस्तावित की गई कुछ प्रमुख भूमिकाएँ कॉर्पोरेट अड्वाइजरी इंटर्न, नई बाजार रणनीति और वित्तीय सलाहकार, रणनीतिक सलाहकार, प्रबंधन सलाहकार समेत कई थीं।

4% विद्यार्थी

मानव संसाधन

एचआर डोमेन में सीजीआई, अर्न्स्ट एंड यंग, ग्रो जंक्शन, आईओसीएल, मिडिल अर्थ, शॉर्टहिल्स टेक, स्किलिंग इंडिया की भागीदारी देखी गई, जिसमें कंपनसेशन मैनेजमेंट, एचआर अड्वाइजरी, स्ट्रैटीजिक परफॉरमेंस, स्ट्रैटीजिक परफॉरमेंस एण्ड ग्लोबल इनिशिएटिव इंटर्न और एचआर जनरेलिस्ट जैसी कुछ भूमिकाएँ प्रस्तावित की गईं।

5% विद्यार्थी

प्रतियोगिताओं में सम्मान

आईआईएम काशीपुर के छात्रों ने केस स्टडी प्रतियोगिताओं के प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में एक बार फिर बाजी मारी है।

हमारे पास 4 राष्ट्रीय विजेता, 1 राष्ट्रीय उपविजेता, 1 अंतर्राष्ट्रीय फाइनलिस्ट, 9 राष्ट्रीय फाइनलिस्ट और 18 राष्ट्रीय सेमी–फाइनलिस्ट हैं, जिन्होंने एयरटेल आईक्रिएट 2021, फ्लिपकार्ट वायर्ड 5.0, हीरो कैंपस चौलेंज 7.0, एचपी सॉल्व, एलश्ओरियल सस्टेनेबिलिटी चौलेंज 2021, ऑप्टम स्ट्रैटेथॉन, रिलायंस टी.यू.पी 7.0, वीओआईएस वैंटेज 2021, वेलस्पन डिसरप्टर और भी अन्य, जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में स्थान हासिल किया है।

राष्ट्रीय विजेता

- Bottoms Up 2.0
- The Analytics Conundrum!
- Virtusa Business Cipher Challenge

अंतर्राष्ट्रीय फाइनलिस्ट

- Data Hackathon: Dubai Taxi Corporation & Middlesex Insights Lab

राष्ट्रीय फाइनलिस्ट

- Credit Research Challenge 2021
- GMC
- Bottoms Up 2.0
- Virtusa Business Cipher Challenge
- Welspun Disruptor

- Airtel iCreate 2021
- Flipkart Wired 5.0
- Gameplan
- Hero campus challenge 7.0
- HP Solve
- L'Oréal Sustainability Challenge 2021
- Optum Stratethon Season 3
- Reliance T.U.P 7.0
- Resolvr 2021 The Smart Cube
- Welspun Disruptor
- VOIS Vantage 2021

OUR RECRUITING PARTNERS

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट रिपोर्ट 2020–22 मुख्य अंश

फाइनल प्लेसमेंट 2020–22 के मुख्य अंश

प्लेसमेंट सीजन के आँकड़े

322	योग्य विद्यार्थियों की संख्या
365	दिए गए प्रस्तावों की संख्या
150+	आई कंपनियों की संख्या
53	पीपीओ / पीपीआइएस की संख्या
15.21 LPA	एलपीए–औसत सीटीसी
14.82 LPA	एलपीए–माध्य सीटीसी

उच्चतम सीटीसी
28.82 एलपीए

शीर्ष 10%
23.44 एलपीए
(औसत)

शीर्ष 20%
21.51 एलपीए
(औसत)

शीर्ष 30%
20.06 एलपीए
(औसत)

47% – पीपीओ / पीपीआइएस की संख्या में हुई वृद्धि

26.6% – भर्तीकर्ताओं की संख्या में हुई वृद्धि

60+ – नए भर्तीकर्ता

फाइनल प्लेसमेंट रिपोर्ट 2020–22 मुख्य अंश

क्षेत्रवार प्लेसमेंट

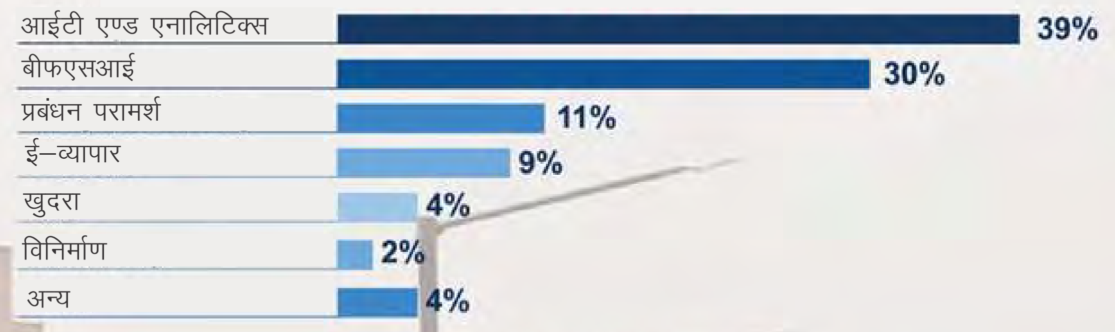

बैच सूचक

व्यावसायिक पृष्ठभूमि

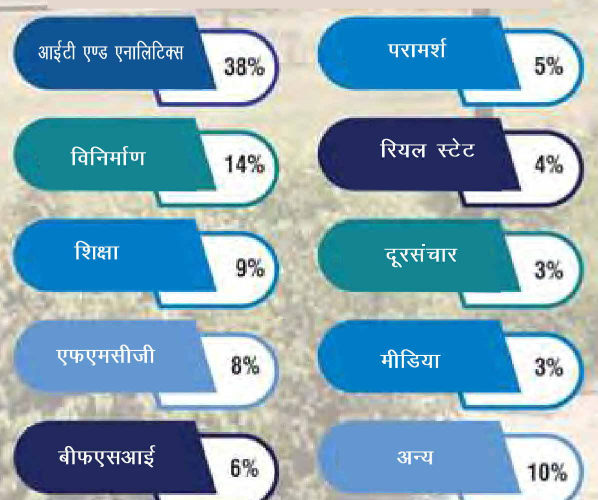

आयु वर्ग

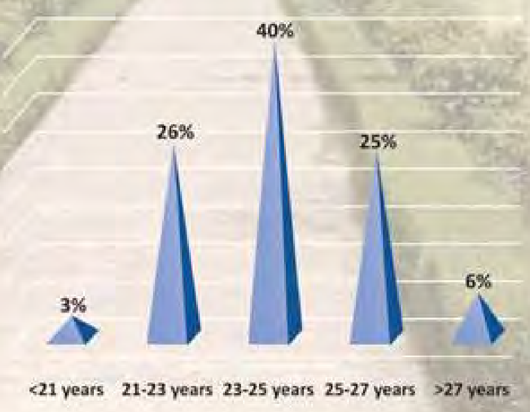

लैंगिक विविधता

कार्य अनुभव

फाइनल प्लेसमेंट 2020–22 डोमेन हाइलाइट्स

आईटी और एनालिटिक्स

प्रतिष्ठित नाम जैसे, एक्सेंचर, एकोलाइट डिजिटल, एग्रोस्टार, बेन कैपेबिलिटी सेंटर, कैपजेमिनी, कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस, कोंगा, फैक्ट्रि.एआई, फेडेक्स, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, लेटेंटव्यू एनालिटिक्स, मेरिलिटिक्स, माइंडट्री, ऑप्टम, प्यूमा स्पोर्ट्स, टीए डिजिटल, ट्रेडेंस एनालिटिक्स, वर्चुसा ने बीएफएस एनालिटिक्स, बीआई एनालिटिक्स, बिग–डेटा सर्विसेज मैनेजमेंट, बिजनेस इंटेलिजेंस, रिसर्च, प्रोग्राम मैनेजर, बिजनेस सॉल्यूशन एनेबलर, क्लाउड बिजनेस एनालिस्ट, डेटा एनालिटिक्स कंसल्टेंट, फाइनेंशियल एनालिटिक्स, आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, ऑपरेशनल एनालिटिक्स, प्रोडक्ट क्वालिटी एनालिस्ट, सीनियर बिजनेस एनालिस्ट, सीनियर रिसर्च एनालिस्ट और टेक्निकल प्रोजेक्ट मैनेजर जैसे प्रोफाइल प्रस्तावित किए।

उच्चतम सीटीसी 23.6 एलपीए

21% विद्यार्थी

विपणन

उच्चतम सीटीसी 28.8 एलपीए

मार्केट लीडर जैसे एक्यूवेट सॉफ्टवेयर, अदानी विल्मर, बीपीसीएल, बायजूस, सीएल एजुकेट, फ्रंटिजन बिजनेस सर्विसेज, एचसीएल, एचडीएफसी बैंक, होलसिम ग्रुप, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, आईक्वांटी, खिमजी रामदास, ऑफबिजनेस, फार्मा ऐस, आरबीएल बैंक, रिलायंस रिटेल, श्री मालानी ग्रुप, स्पेशलिटी पॉलीफिल्म्स, टीवीएस क्रेडिट, एक्स्ट्राअस कॉर्प आदि ने एग्री–मार्केटिंग, बी2बी मार्केटिंग, बी2सी मार्केटिंग, टेरिटरी बिजनेस हेड, एरिया मैनेजर, रिसर्च एसोसिएट, मार्केटिंग मैनेजर, एंटरप्राइज सेल्स स्पेशलिस्ट, डिप्टी ब्रांच हेड, ग्रोथ मैनेजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डिजिटल मार्केटिंग एसोसिएट, एसोसिएट एंगेजमेंट पार्टनर, एंटरप्राइज सेल्स मैनेजर, ब्रांड मैनेजर, मार्केट रिसर्च स्पेशलिस्ट, डिजिटल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, प्राइसिंग मैनेजर, चौनल मैनेजर, मार्केटिंग इंटेलिजेंस, कॉर्पोरेट सेल्स मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर–रिटेल ब्रांच, रिटेल मार्केटिंग, रूरल मार्केटिंग, सेल्स डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव और स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग जैसे प्रतिष्ठित प्रोफाइल प्रस्तावित किए।

17% विद्यार्थी

वित्त

उच्चतम सीटीसी 20.8 एलपीए

विद्यार्थियों को एसोसिएट कंसल्टेंट, सीनियर एसोसिएट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनालिस्ट, कॉर्पोरेट बैंकिंग, क्रेडिट एनालिस्ट, इक्विटी रिसर्च, फाइनेंशियल अड्वाइजरी, फाइनेंश कन्ट्रोलर, फाइनेंशियल एनालिटिक्स, फाइनेंशियल स्ट्रैटजी, इन्टर्नल ऑडिटर, इंटरनेशनल बैंकिंग, इनवेस्टमेंट एनालिस्ट, एसोसिएट रिसर्च एण्ड इनवेस्टमेंट, फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट, मरजर्स एण्ड ऐक्विजिशन, प्राइवेट एक्विटी, रिलेशनशिप मैनेजर, रिटेल बैंकिंग, सीनियर बिजनेस एसोसिएट– फाइनेंशियल सर्विसेज, रिसर्च एनालिस्ट, ट्रेजरी एण्ड वेल्थ मैनेजमेंट जैसी भूमिकाएँ मिलीं, जो आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील, एक्सिस बैंक, बजाज आलियांज, बैंक ऑफ अमेरिका, कैपजेमिनी, केयर रेटिंग्स, क्रेड एवेन्यू, डेसीमल प्वाइंट एनालिटिक्स, डेलॉइट यूएसआई, डिजिट इंश्योरेंस, इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईसीआरए लिमिटेड, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, केपीएमजी, आरबीएल बैंक, टाटा कैपिटल, ट्रेसविस्टा, टीवीएस क्रेडिट, विवृति कैपिटल, यस बैंक जैसे प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा प्रस्तावित थीं।

15% विद्यार्थी

फाइनल प्लेसमेंट 2020—22 डोमेन हाइलाइट्स

सामान्य प्रबंधन

आईआईएम काशीपुर अमेजॅन, एक्सिस बैंक, बजाज आलियांज, कैपजेमिनी, सीएल एजुकेट, डार्विनबॉक्स, डेल टेक्नोलॉजीज, डिजिटल जलेबी, हॉकिन्स कुकर्स लिमिटेड, एचसीएल, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इंडियामार्ट, जेके लक्ष्मी सीमेंट, आरबीएल बैंक, रिलायंस रिटेल, टाटा टेक्नोलॉजीज, श्याओमी आदि जैसे प्रमुख संगठनों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बना रहा, जिन्होंने सामान्य प्रबंधन भूमिकाओं जैसे प्रबंधन प्रशिक्षु, वरिष्ठ प्रबंधन प्रशिक्षु, कार्यक्रम प्रबंधक, मुख्य खाता प्रबंधक, कंपनी सचिव, परियोजना प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, उप प्रबंधक और वैश्विक संचालन स्नातक के प्रस्ताव दिए।

उच्चतम सीटीसी 20.8 एलपीए

19% विद्यार्थी

संचालन

बैंक ऑफ अमेरिका, बजाज आलियांज, बिड़लासॉफ्ट, कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस, कोगोपोर्ट, डीएमआई फाइनेंशियल्स, फ्लिपकार्ट, एचसीआई, एचएसबीसी, एलएंडटी, लेंडेनक्लब, नाउपरचेज, टाटा स्टील (बीएसएल), श्याओमी ने एवीपी – ऑपरेशंस, ऑपरेशंस कोऑर्डिनेटर, ऑपरेशनल प्लानिंग, ऑपरेशंसमैनेजमेंट ट्रेनी, प्रोक्युर्मन्ट एनालिसिस, प्रोडक्ट ऑपरेशंस, सर्विस डिलीवरी, मैनेजर, सर्विस क्वालिटी मैनेजर एण्ड स्ट्रैटीजिक आपरेशनल प्लैनिंग असोशिएट जैसी भूमिकाओं के प्रस्ताव दिए।

उच्चतम सीटीसी 27.3 एलपीए

8% विद्यार्थी

रणनीति एवं परामर्श

उच्चतम सीटीसी 20.8 एलपीए

ब्लैकब्रिक्स एडवाइजर्स, कैपजेमिनी, कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस, डेलॉइट यूएसआई, डीएस ग्रुप, इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक, ईवाई, हैशेडिन, एचसीआई, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इंफोसिस, कांतार एनालिटिक्स, लॉयल्टी जगरनॉट, 09 सॉल्यूशंस, पोर्टर.इन, द मैथ कंपनी जैसे शीर्ष संगठनों ने रणनीति और परामर्श क्षेत्र में अवसर प्रदान करते हुए एसोसिएट बिजनेस कंसल्टिंग, एसोसिएट एंगेजमेंट पार्टनर, कन्सल्टैन्ट, सीनियर बिजनेस असोशिएट, सीनियर फंक्शनल कन्सल्टैन्ट, वर्कफोर्स अड्वाइजरी कन्सल्टैन्ट, कॉर्पोरेट अड्वाइजरी, कॉर्पोरेट स्ट्रैटजी, फाइनेंशियल कन्सल्टैन्ट, फंक्शनल कन्सल्टैन्ट, लीडरशिप एण्ड ग्रुप स्ट्रैटजी, एमटी–स्ट्रैटीजिक अलाइअन्स एण्ड स्ट्रैटीजिक कन्सल्टिंग जैसी भूमिकाओं का प्रस्ताव दिया।

12% विद्यार्थी

मानव संसाधन

उच्चतम सीटीसी 20 एलपीए

एचआर डोमेन में डेलॉइट यूएसआई, ईवाई, गार्टनर, हायर टेल, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इंफोसिस, मॉर्गन स्टेनली और अन्य की भागीदारी देखी गई। उन्होंने एचआर जनरेलिस्ट, एचआर एनालिस्ट, सीनियर एसोसिएट लीड टैलेंट एक्विजिशन, एक्जीक्यूटिव टैलेंट एक्विजिशन, मैनेजमेंट ट्रेनी एचआर, एचआर बिजनेस पार्टनर, सीनियर एनालिस्ट एचआर, एचआर एडवाइजरी, इन्डस्ट्रीअल रिलेशन्स मैनेजमेंट, स्ट्रैटीजिक परफॉरमेंस एण्ड काम्पन्सैशन मैनेजमेंट जैसे मुख्य प्रोफाइल प्रस्तावित किए।

8% विद्यार्थी

प्रतियोगिताओं में सम्मान

आईआईएम काशीपुर के छात्रों ने केस स्टडी प्रतियोगिताओं के प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में एक बार फिर बाजी मारी है। हमारे पास 4 राष्ट्रीय विजेता, 1 राष्ट्रीय उपविजेता, 1 अंतर्राष्ट्रीय फाइनलिस्ट, 9 राष्ट्रीय फाइनलिस्ट और 18 राष्ट्रीय सेमी–फाइनलिस्ट हैं, जिन्होंने एयरटेल आईक्रिएट 2021, फ्लिपकार्ट वायर्ड 5.0, हीरो कैंपस चौलेंज 7.0, एचपी सॉल्व, एलश्ओरियल सस्टेनेबिलिटी चौलेंज 2021, ऑप्टम स्ट्रेटैथॉन, रिलायंस टी.यू.पी 7.0, वीओआईएस वैंटेज 2021, वेलस्पन डिसरप्टर और भी अन्य, जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में स्थान हासिल किया है।

राष्ट्रीय विजेता

- Bottoms Up 2.0
- The Analytics Conundrum!
- Virtusa Business Cipher Challenge

अंतर्राष्ट्रीय फाइनलिस्ट

- Data Hackathon: Dubai Taxi Corporation & Middlesex Insights Lab

राष्ट्रीय फाइनलिस्ट

- Credit Research Challenge 2021
- GMC
- Bottoms Up 2.0
- Virtusa Business Cipher Challenge
- Welspun Disruptor
- Airtel iCreate 2021
- Flipkart Wired 5.0
- Gameplan
- Hero campus challenge 7.0
- HP Solve
- L'Oréal Sustainability Challenge 2021
- Optum Stratethon Season 3
- Reliance T.U.P 7.0
- Resolvr 2021 The Smart Cube
- Welspun Disruptor
- VOIS Vantage 2021

OUR RECRUITING PARTNERS

कार्यकारी / प्रबंधन विकास कार्यक्रम

क्षमताओं का निर्माण और कौशल को निखारना एक आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। कॉर्पोरेट प्रबंधन की लगातार बदलती गतिशीलता के साथ, नवीनतम कौशल प्रवृत्तियों के साथ तालमेल रखना आज के समय की माँग बन गई है। कॉर्पोरेट जगत में प्रासंगिक बने रहने एवं प्रतिस्पर्धा में अग्रणी होने के लिए, आईआईएम काशीपुर द्वारा संचालित कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम सीखने और स्वयं को उन्नत करने का अवसर प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों की विषयवस्तु भविष्योन्मुख बाजार रुझानों की एक मजबूत विश्लेषणात्मक और तकनीकी समझ के आधार पर तैयार की गई है। यह कार्यक्रम गतिशील प्रबंधन कौशल प्रवृतियाँ प्रदान करता है, जो प्रतिभागियों को नेतृत्व करने एवं अपने कार्यस्थल के लिए एक संपत्ति साबित होने का अवसर देता है।

आईआईएम काशीपुर व्यावसायिक चुनौतियों को समझता है एवं कंपनियों और व्यक्तियों को आगे रहने में मदद करने के लिए शिक्षण समाधान प्रदान करता है। आईआईएम काशीपुर के कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम वर्तमान व्यावसायिक गतिशीलता के संयोजन में गठित किए गए हैं तथा उन्हें क्रियाशील शिक्षण सामग्री में अनुवादित करते हैं। केस स्टडीज, रोल–प्ले और सिमुलेशन के आधार पर संवादात्मक पद्धति का उपयोग, मुक्त परिचर्चा और अनुभवात्मक शिक्षण के साथ–साथ प्रत्येक के लिए पृथक अनुशिक्षण, प्रतिभागियों के लिए सर्वोत्तम व्यावसायिक शिक्षा प्रदत्त करने में सहायता करता है।

आईआईएम काशीपुर की ताकत इसकी विविध प्राध्यापकीय विलक्षणता एवं सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लगभग एक दशक पुराने अनुभव में निहित है। इन कार्यक्रमों को समसामयिक और अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए एवं आवश्यकता पड़ने पर कॉर्पोरेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी प्राध्यापकीय समूह में शामिल किया गया है। एमडीपी कार्यक्रम या तो किसी संगठन की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप गठित किए गए इन–हाउस/इन–कंपनी कार्यक्रम हैं या ऐसे मुक्त कार्यक्रम हैं, जहाँ विभिन्न संगठनों के प्रतिभागी नामाँकन करते हैं। संस्थान पिछले 10 वर्षों से राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों के प्रबंधकों के लिए इन कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

संक्षेप में, संस्थान द्वारा संचालित कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम ज्ञान की खोज के नए दरवाजे खोलता है, जो पारस्परिक आदान–प्रदान के माध्यम से आईआईएम काशीपुर के प्राध्यापकों और उद्योग/कॉर्पोरेट जगत को एक साथ जोड़ता है। नतीजतन, आईआईएम काशीपुर नेतृत्वकर्ताओं को न केवल भविष्य को आकार देने के लिए उपकरण प्रदान करता है, बल्कि वर्तमान के ज्ञान से भी समृद्ध करता है, जो प्रभावी ढंग से काम करता है।

कस्टमाइज्ड प्रबंधन विकास कार्यक्रम

संस्थान विभिन्न स्तरों पर अपने अधिकारियों के लिए कस्टमाइज्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संगठनों से अनुरोध स्वीकार करता है एवं ग्राहक संगठनों की व्यावसायिक और विकासात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप अनूठा कार्यक्रम प्रदान करता है। ग्राहक संगठनों की आवश्यकताओं के अनुरूप, जहाँ भी आवश्यक हो, नियमित एमडीपी से मानक मॉड्यूल भी संयुक्त और कस्टमाइज्ड किए जाते हैं।

इन कार्यक्रमों की अवधि सम्मिलित किए गए विषयों की विविधता, परिमाण और जटिलता के आधार पर तीन से पाँच दिनों तक होती है। वर्ष 2022–23 में, आईआईएम काशीपुर ने निम्नलिखित एमडीपी आयोजित किए।

कार्यक्रम का नाम	ग्राहक संगठन
उन्नत निर्णय निर्धारण के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम, बैच 3	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
मध्यमा–1, मध्य–कैरियर कार्यक्रम।	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
उत्तराखंड निदेशालय के जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के अधिकारियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम।	उत्तराखंड उद्योग निदेशालय
अनुसंधान में रचनात्मकता और नवाचार प्रबंधन पर विकास कार्यक्रम।	रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ)
रक्षा उत्पादन अकादमी (एनएडीपी) द्वारा नामित आयुध निर्माणशाला के अधिकारियों के लिए मध्य–कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमसीटीपी) स्तर– III	राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी (एनएडीपी)
व्यवसाय रणनीति और वित्तीय प्रदर्शन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम।	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)

ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम

काम और व्यक्तिगत जीवन के बीच धुंधली होती सीमाओं, हाई–स्पीड इंटरनेट के आगमन और सक्षम प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों की नई सामान्य स्थिति में, प्रतिभागियों को उनके सुविधा–क्षेत्र को छोड़े बिना ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा सकती है। कार्यकारी शिक्षा में अग्रणी होने के नाते, आईआईएम काशीपुर ने इस क्षेत्र में प्रवेश किया है और 2017 से ऑनलाइन कार्यक्रम की सुविधा प्रदान कर रहा है। आईआईएम काशीपुर ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने और उद्योग में कार्यात्मक क्षेत्रों और विषयों की एक श्रृंखला में गतिशील कैरियर बनाने के लिए प्रतिभागियों को तैयार करने का प्रयास करता है।

ये कार्यक्रम प्रतिभागियों को एकीकृत तरीके से व्यवसायों को प्रबंधित करने के लिए सशक्त वैचारिक और विश्लेषणात्मक कौशल से युक्त करते हैं। इसका उद्देश्य सामाजिक रूप से संवेदनशील तरीके से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने की दृष्टि से एक समग्र प्रबंधक विकसित करने पर बल देना है।

इस प्रकार हमारे ऑनलाइन कार्यक्रम ऐसे पेशेवरों की आवश्यकताओं को पूरा करने का विचार रखते हैं, जिनके पास नए कौशल अर्जित करने, किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता बनाने, कैरियर में उन्नति के लिए अपने पेशेवर प्रोफाइल को अपडेट करने और अपने ज्ञान के आधार को व्यापक बनाने में मदद करने के लिए समय की कमी है। हमारे ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के लिए लॉजिस्टिक्स, प्रौद्योगिकी और वितरण बुनियादी ढाँचे से संबंधित मुद्दों का समाधान, उन अन्य संगठनों के साथ संविदात्मक समझौतों द्वारा किया जाता है जो ये कार्य करने में सक्षम हैं। वर्तमान में, बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड – एक टाइम्स प्रोफेशनल लर्निंग डिवीजन (टाइम्स टीएसडब्ल्यू), ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न, और एरिना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटेज), बिक्री–विपणन और कार्यक्रम संचालन आदि के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं। वर्तमान में आईआईएम काशीपुर दो प्रकार के ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रदान करता है।

आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तावित एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र

एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम

कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम

एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम

कार्यकारी कार्यक्रम उन कौशलों को प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जो आज के कॉर्पोरेट माहौल में पनपने के लिए आवश्यक हैं और इसका उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक उपकरणों जैसे केस स्टडीज, सिमुलेशन और अभ्यास, जो पाठ्यक्रम के ज्ञान को सर्वोत्तम ढंग से प्रकट करे, के द्वारा प्रतिभागियों के प्रबंधकीय कौशल को विकसित करना है ताकि वे इसका उपयोग करके आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल से अवगत रहें। ये कार्यक्रम आईआईएम काशीपुर परिसर में प्रोफेसरों के साथ मुखाभिमुख सत्र की संतुलित मात्रा के साथ, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके समकालिक कक्षा शिक्षण की मिश्रित विधि द्वारा प्रदान किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों की अवधि 150 से 200 घंटे के बीच होती है।

ये कार्यक्रम डायरेक्ट–टू–डिवाइस (डी2डी) मोड में पेश किए जाते हैं, जहाँ कई संगठनों के सक्षम प्रतिभागी एक पाठ्यक्रम में शामिल होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों की अवधि एक वर्ष है और एक प्रतिभागी अपने शहर में स्थित स्टूडियो की सुविधा से या यहाँ तक कि कार्यालय या अपने घर की सुविधा से सत्र में भाग ले सकता है। प्रतिभागियों को व्यावसायिक आवश्यकताओं की माँग और ऐसे विशिष्ट कार्यक्रम के पाठ्यक्रम की कठोरता के अनुरूप, निर्धारित चयन मानदंडों के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।

उचित परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद प्रमाणीकरण किया जाता है। शैक्षणिक सामग्री को आधुनिकतम शिक्षणशास्त्र का अनुसरण करते हुए, आईआईएम काशीपुर के संकाय सदस्यों द्वारा एवं बाहरी पेशेवर विशेषज्ञों के सामयिक सहयोग के साथ प्रारूपित और वितरित किया जाता है। इन कार्यक्रमों में छोटी अवधि के कैंपस दौरों का एक अंतर्निहित घटक भी शामिल होता है।

इन दौरों का उद्देश्य प्रतिभागियों को हमारे संकाय सदस्यों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करना है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने प्रत्येक कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से भाग नहीं लिया हो। ये दौरे हमारे प्रतिभागियों के लिए यादगार घटनाएँ बन जाते हैं क्योंकि वे भरपूर वनस्पतियों और जीवों के साथ शांत परिसर जीवन का अनुभव करते हैं। इन कार्यक्रमों में नामांकित प्रतिभागी आईआईएम काशीपुर कार्यकारी भूतपूर्व छात्र पद के लिए पात्र हैं।

आईआईएम काशीपुर द्वारा 2022–23 में प्रस्तावित एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम

कार्यक्रम का नाम	के सहयोग से कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया
रणनीति और नेतृत्व में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 3	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
सामान्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 3	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 2	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 3	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)

आईआईएम काशीपुर द्वारा 2022–23 में लोकार्पित किया गया एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/कार्यकारी कार्यक्रम (कार्यक्रम अभी शुरू होने बाकी हैं)

कार्यक्रम का नाम	के सहयोग से कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया
रणनीति और नेतृत्व में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 4	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम, बैच 1	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में कार्यकारी कार्यक्रम, बैच 4	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
सामान्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 3	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)

वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23
भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तुत कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम, एक मिश्रित कार्यक्रम है जिसमें ऑनलाइन और ऑनकैंपस दोनों मॉड्यूल शामिल हैं। ऑनलाइन मॉड्यूल के लिए निर्देश की प्राथमिक विधि लाइव व्याख्यान के माध्यम से होती है, जो प्रतिभागियों के डेस्कटॉप/लैपटॉप या कक्षाओं में इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन वितरित की जाती है। ये व्याख्यान आईआईएम काशीपुर के प्रतिष्ठित संकाय और उद्योग के पेशेवरों/विशेषज्ञों द्वारा दिए जाते हैं।

इन कार्यक्रमों को मुख्य रूप से कक्षा अभ्यास, प्रस्तुति, गृह–अभ्यास, सिमुलेशन और केस स्टडीज के संयोजन के माध्यम से पढ़ाया जाता है। पाठ्यक्रम सामग्री को इस तरह व्यवस्थित किया गया है कि प्रतिभागियों को विभिन्न व्यावसायिक पहलुओं पर सामग्री के अनुप्रयोग का परिचय मिले। पूरे पाठ्यक्रम में समय–समय पर मूल्यांकन किए जाते हैं। ये एक प्रश्नोत्तरी, प्रदत्त–कार्य, अभ्यास, या वस्तुनिष्ठ/व्यक्तिपरक मूल्यांकन के रूप में हो सकते हैं।

मूल्यांकन को, पाठ्यक्रम के साथ निरंतर छात्र का जुड़ाव सुनिश्चित करने और सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार किया गया है। जो छात्र आवश्यक उपस्थिति के मानदंडों के साथ इसे सफलतापूर्वक पास कर लेते हैं, वे समापन प्रमाणपत्र के लिए पात्र होते हैं, अन्यथा उस प्रतिभागी को भागीदारी प्रमाणपत्र जारी किया जाता है जो पाठ्यक्रम के पूरा होने के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है। इन कार्यक्रमों की अवधि 60 से 100 घंटे के बीच होती है।

ऑन–कैंपस मॉड्यूल आईआईएम काशीपुर परिसर की कक्षाओं में वितरित किए जाते हैं। पाठ्यक्रम की माँग के अनुसार ऑन–कैंपस मॉड्यूल की अवधि दो से पाँच दिन हो सकती है।

2022–23 में आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रस्तावित कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम निम्नलिखित हैं

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम – सह प्रायोजक
वित्तीय तथ्य विश्लेषकी में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 6	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 12	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 7	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
डिजिटल मार्केटिंग और एनालिटिक्स में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 6	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 13	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
सिक्स सिग्मा के साथ संचालन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 4	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उत्पादों और ब्रांड प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 1	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 1	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)

परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 2	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाइ)
रणनीतिक ब्रांड प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	एरिना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटेज)
रणनीतिक विपणन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	एरिना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटेज)
परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 3	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाइ)
अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाइ)
रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
उन्नत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)

निम्नलिखित कार्यकारी विकास/प्रमाणपत्र कार्यक्रम, 2022–23 में आईआईएम काशीपुर द्वारा लॉन्च किए गए हैं (कार्यक्रम अभी शुरू होने बाकी हैं)

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तावित कार्यक्रम, के सहयोग से
परियोजना प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 4	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
रणनीतिक प्रबंधन में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 14	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
वित्तीय डेटा विश्लेषण में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 7	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
अनुप्रयुक्त वित्तीय जोखिम विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 8	ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
रणनीतिक विपणन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 15	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
वरिष्ठ पेशेवरों के लिए रणनीतिक विपणन प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
संगठनात्मक रूपांतरण के लिए डिजिटल रणनीति में कार्यकारी प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 1	टाइम्स प्रो (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
मानव संसाधन विश्लेषण में कार्यकारी विकास कार्यक्रम,बैच 1	एरिना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटेज)
प्रतिभा प्रबंधन में कार्यकारी विकास कार्यक्रम, बैच 1	एरिना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटेज)
अनुप्रयुक्त वित्त में कार्यकारी विकास कार्यक्रम,बैच 1	एरिना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटेज)

अंतरराष्ट्रीय संबंध

प्रबंधन अध्ययन के लिए वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में, हम दुनिया भर में फैले अपने संगठनों को व्यवहार में अधिक सहयोगात्मक और समग्र बनाने का प्रयास करते हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, संस्थान हमारे भागीदारों के साथ विविध क्षेत्रों में सहयोग करने को प्रतिबद्ध है, जो हमारे संबंधित ध्येय, उद्देश्य और लक्ष्यों में मूल्य संवर्द्धन करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति मुख्य रूप से दुनिया भर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी बनाने और उसे बेहतर रखने में अपनी भूमिका निभाती है।

इस समिति का मुख्य उद्देश्य विभिन्न सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार करते हुए शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग के माध्यम से शिक्षाविदों एवं संस्कृति का निर्बाध आदान–प्रदान सुनिश्चित करना है। यह कई क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से, साझेदार संस्थानों में प्रस्तावित किए गए कार्यक्रमों सहित निम्नलिखित गतिविधियों के द्वारा हासिल किया गया है।

- त्रैमासिक और छात्रों का अल्पकालिक आदान–प्रदान
- संकाय का आदान–प्रदान
- संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों का विकास

प्रमुख छात्र विनिमय कार्यक्रम में, आईआईएम काशीपुर के छात्र किसी भागीदार विश्वविद्यालय में अपनी एक तिमाही पूरी कर सकते हैं। इसका लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ छात्रों को अपने साझेदार संस्थानों में भेजना है, जहाँ नामांकित होने से पहले छात्रों का कई मापदंडों पर मूल्यांकन किया जाता है। इसके अलावा, आईआईएम काशीपुर अपने सहयोगी संस्थानों के छात्रों के आदान–प्रदान की मेजबानी करता है, जो एक सांस्कृतिक और शैक्षणिक रूप से गहन कार्यक्रम है। वर्ष 2022–23 में, इसने ईएसडीईएस ल्योन बिजनेस स्कूल (फ्रांस) से आईआईएम काशीपुर में दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम के लिए दो छात्रों की सफलतापूर्वक मेजबानी की। इसने हमारे अंतरराष्ट्रीय साझेदार विश्वविद्यालयों के साथ आईआईएम काशीपुर के नौ छात्रों के लिए दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम की भी सुविधा प्रदान की।

हम अपने साझेदार संस्थानों द्वारा एक अल्पकालिक विनिमय कार्यक्रम (आमतौर पर एक या दो सप्ताह तक) को भी प्रोत्साहित करते हैं, जो एक विशेष कार्यक्रम है। आईआईएम काशीपुर का लक्ष्य आगामी वर्षों में अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता संस्थान बनना है। इस यात्रा में, इसका लक्ष्य दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों के साथ सहयोग के माध्यम से अपनी उपस्थिति का विस्तार करना है। आईआईएम काशीपुर के साथ हर सहयोग, छात्रों को और अधिक महत्वपूर्ण रूप से बड़े पैमाने पर समाज के लिए, मूल्य विकसित करने का प्रयास करता है।

सहयोगी संस्थाएँ

अल्बा ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल	लिनिअस विश्वविद्यालय
मैड्रिड का स्वायत्त विश्वविद्यालय	सोलब्रिज इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस
ब्रुनेल विश्वविद्यालय	सूचो विश्वविद्यालय
कोलर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी
सीटीबीटी बिजनेस स्कूल	टुरिबा यूनिवर्सिटी
ईएसडीईएस स्कूल ऑफ बिजनेससैलफोर्ड विश्वविद्यालय	सेलफोर्ड यूनिवर्सिटी
एंटरप्राइजेज (आईसीपीई) के प्रमोशन के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, स्लोवेनिया	यूनिवर्सिडैड डी लीमा

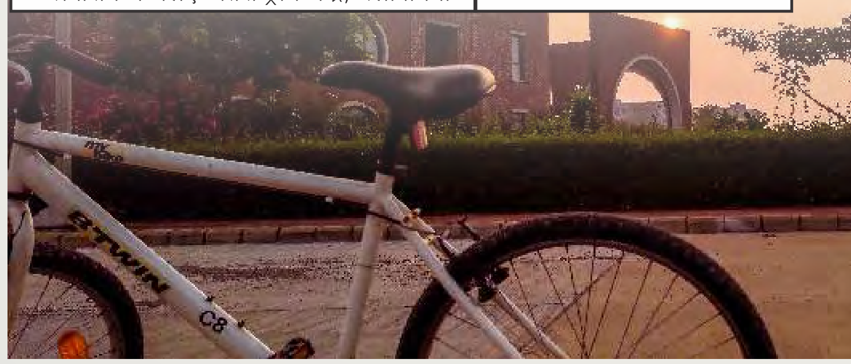

दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम

2022–23 में, अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति ने हमारे प्रमुख भागीदार विश्वविद्यालय जैसे ैक्ै ल्योन (फ्रांस), वूसोंग विश्वविद्यालय (दक्षिण कोरिया), अल्बा ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस (ग्रीस), टुरिबा विश्वविद्यालय (लातविया) आदि के साथ नौ छात्रों के लिए दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम सुविधा प्रदान की।

हमने आईआईएम काशीपुर में, ESDES ल्योन (फ्रांस) के दो छात्रों की दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम के लिए भी मेजबानी की।

उत्कृष्टता केंद्र

संस्थान ने तीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं जिनकी परिकल्पना छात्रवृत्ति, शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श के प्रतिच्छेदन के रूप में एवं छात्रों के साथ–साथ सरकारी और निजी संस्थाओं के सेवार्थ एक सफल अंतः विषयी दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए की गई है। उत्कृष्टता के ये केंद्र अंतः विषयी कार्यक्रमों और अनुसंधान की सुविधा प्रदान करते हैं। वर्तमान में तीन उत्कृष्टता केंद्र हैंः सार्वजनिक नीति और सरकार पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी), डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) और फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी)। प्रत्येक केंद्र संस्थान के रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम बनाते हुए अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार, उद्यमशीलता की भावना और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है।

सार्वजनिक नीति और सरकार में उत्कृष्टता केंद्र

सार्वजनिक नीति और सरकार पर उत्कृष्टता केंद्र (COEPPG) संस्थान द्वारा नीति निर्माताओं, सरकारी संगठनों, नागरिक समाज, उद्योग एवं अध्येताओं के अनुसंधान के लिए शैक्षणिक समुदाय, सार्वजनिक नीति अध्ययन और क्षमता निर्माण गतिविधियों के बीच एक सेतु के रूप में सेवा प्रदान करने एक मंच के रूप में स्थापित उत्कृष्टता का केंद्र है। 2014 में अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र ने आपदा प्रबंधन, संधारणीय प्रबंधन (ग्रीन एमबीए), न्यायिक सेवा वितरण, मुक्त अभिगम के माध्यम से कानूनी शिक्षा, कॉर्पोरेट क्षेत्र में लैंगिक विविधता और महिलाओं के विरुद्ध हिंसा का उन्मूलन जैसे कई विशिष्ट क्षेत्रों में प्रमुख परियोजनाएँ एवं कार्यक्रम शुरू किए हैं। विषयगत सार्वजनिक नीति विश्लेषणों के आधार पर क्रियात्मक अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं सलाहकार सेवाओं को मिलाकर केंद्र ने विश्व बैंक, आईसीएसएसआर, शास्त्री इंडो–कैनेडियन इंस्टीट्यूट, राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ–साथ केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं की एक श्रंखला निष्पादित की है।

सार्वजनिक नीति में डॉक्टरेट कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान एक अध्येता को सार्वजनिक नीति में डॉक्टरेट कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया। उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से डॉक्टरेट फेलोशिप (जेआरएफ/एसआरएफ) मिलेगी। इस अध्येता ने जुलाई 2022 में अपना पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू किया था।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

2022–23 के दौरान 6 से 10 अक्टूबर 2022 तक, ने उद्योग निदेशालय, उत्तराखंड सरकार के लिए एक प्रबंधन विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। निदेशालय द्वारा नामांकित सोलह प्रतिभागियों में संयुक्त/सहायक/उप निदेशक या महाप्रबंधक स्तर के पदों पर स्थापित वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित थे। एमडीपी का समग्र उद्देश्य सामूहिक विकास, व्यवसाय सुविधा, अन्तर्वैयक्तिक कौशल एवं अधिकारियों के कार्यों से संबंधित अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करना है।

आईसीएसएसआर इम्प्रेस रिसर्च

केंद्र ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) की 'सामाजिक विज्ञान में प्रभावशाली नीति अनुसंधान' (IMPRESS) नामक योजना के तहत 'भारत में महिलाओं के विरुद्ध डायन–शिकार हिंसा' सामाजिक–कानूनी नीति अनुशंसाओं और प्रतिक्रिया में एक अध्ययन' पर एक प्रमुख शोध परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस परियोजना ने डायन–शिकार की जाँच संरचनात्मक हिंसा के रूप में की, जो अदृश्य और सामान्य बनी हुई है। इस अध्ययन में इस मुद्दे को एक नीति विश्लेषण परिप्रेक्ष्य के साथ संबोधित किया गया था जिसमें गरीबी, कानून, समाज, संस्कृति और रक्त–संबंध शामिल हैं और जो इन कानूनों की प्रभावकारिता से गहराई से जुड़े हुए हैं। प्रतिभागियों के साक्षात्कारों के जीवंत अनुभवों से कई रोचक किस्से सामने आए।

साक्षात्कारकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त शब्दों से इन मुद्दों की पहचान हुई। ये मुद्दे जीवित बचे लोगों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं, वकीलों और पुलिस अधिकारियों के अनुभवों को दर्शाते हैं जो डायन–शिकार के आसपास की घटनाओं से निकटता से जुड़े हुए हैं। प्रतिभागियों द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा और अभिव्यक्ति में मनोवैज्ञानिक प्रभाव, सामाजिक पतन, आशंकाएँ, भय, पीड़ा एवं अन्य भावनाएँ प्रतिबिंबित होती हैं। इन उभरते मुद्दों में, न्याय–प्रणाली की प्रक्रियाओं और कानूनों के प्रभाव एवं समुदाय के भीतर बचे लोगों के सामाजिक पुनर्वास को भी इस अध्ययन में महत्वपूर्ण स्थान मिला।

फुलब्राइट कार्यक्रम

केंद्र ने नवंबर–दिसंबर 2022 के महीने में अपने पहले फुलब्राइट वरिष्ठ अध्येता विद्वान को आयोजित किया। अमेरिकी सरकार द्वारा समर्थित, अलबामा विश्वविद्यालय बर्मिंघम (यूएसए) में लोक प्रशासन के प्रोफेसर डॉ. अखलाक हक, परिसर में रहे एवं दो पीएचडी कार्यक्रम पाठ्यक्रम को पढ़ाया जो हैं, (i) विकास और शहरी प्रशासन के लिए आईसीटी (ICTUG) और (ii) लोक नीति में लैंगिकता (GPP)। उन्होंने 12 से 16 दिसंबर 2022 तक शोध विद्यार्थियों और संकाय के लिए एक शोध लेखन कार्यशाला भी आयोजित की। उन्होंने संस्थान में ''तकनीकी अंतरनिर्भरता और सामाजिक तंत्र'' विषय पर एक विशेष सेमिनार दिया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

COEPPG ने राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली की वित्तीय सहायता से 10–11 दिसंबर 2022 को 'महिलाओं के लिए

न्याय प्रदान करना: भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट से सबक' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य समय पर न्याय प्रदान करने के लिए फास्ट–ट्रैक विशेष अदालतों (एफटीएससी) की प्रभावशीलता पर चर्चा करना था। विभिन्न संस्थानों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, न्यायपालिका और कानूनी पेशे के दो सौ से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें शिक्षक, शोधकर्ता, वकील, छात्र और न्यायाधीश शामिल थे, ने 'त्वरित' न्याय और 'अवांछनीय त्वरित न्याय के बीच स्पष्ट अंतर करते हुए एफटीएससी के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। चयनित प्रतिनिधियों ने सेमिनार में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए और कई आमंत्रित ज्ञानसम्पन्न व्यक्तियों ने सेमिनार के मुख्य विषय पर विषयगत वक्तव्य दिए। सेमिनार का उद्देश्य ऐसे जटिल मुद्दे का त्वरित समाधान प्रस्तुत करना नहीं था, बल्कि हितधारकों को प्रतिनिधियों के बीच विचारों के व्यापक आदान–प्रदान को प्रेरित करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। जिस सहमति पर हम पहुँच सके वह बहुत स्पष्ट थी – एफटीएससी की कार्यप्रणाली में सुधार करने और निर्णय लिए गए मामलों के सरल सांख्यिकीय सत्यापन से ऊपर उठने की आवश्यकता है। प्रतिनिधि संरचनात्मक, प्रक्रियात्मक और परिचालन संबंधी कठिनाइयों और एफटीएससी में वांछित सुधार की लागत के प्रति भी सचेत थे। इस अवसर पर पूर्व न्यायाधीश और उत्तराखंड न्यायिक एवं कानूनी अकादमी के निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा ने विस्तृत वक्तव्य दिया। भारत के विधि आयोग के पूर्व सदस्य और गुरु गोबिंद इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के डीन प्रोफेसर एम अफजल वानी ने समापन भाषण दिया।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

COEPPG ने 2022–23 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी) के साथ सहयोग करना जारी रखा। इस केंद्र को 8 अगस्त 2022 को नई दिल्ली में ''दूरसंचार/आईसीटी के नियामक और नीतिगत मुद्दों'' पर आईटीयू क्षेत्रीय मानकीकरण फोरम में एक अकादमिक प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। भारत के संचार मंत्रालय ने इस फोरम की मेजबानी की, जिसके बाद 9–12 अगस्त 2022 तक आईटीयू–टी स्टडी ग्रुप 3 रीजनल ग्रुप फॉर एशिया एंड ओशिनिया स्टडी ग्रुप 3 रीजनल ग्रुप (एसजी3आरजी–एओ) की बैठक हुई, इससे

पहले मानकीकरण अंतर को पाटने (बीएसजी) से संबंधित ''मानकीकरण में प्रभावशीलता'' पर संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन हुआ। प्रोफेसर बहारुल इस्लाम ने कार्यक्रम में ''इंफ्रास्ट्रक्चर शेयरिंग'' पर एक विषयगत सत्र प्रस्तुत किया।

इस केंद्र को, 22 मार्च 2023 को नई दिल्ली में भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा, दक्षिण एशिया के लिए आईटीयू क्षेत्र कार्यालय के उद्घाटन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। COEPPG ने 23 मार्च 2023 को आयोजित क्षेत्रीय इनोवेशन फोरम (RIF) में भी भाग लिया, जिसका उद्देश्य मल्टीस्टेकहोल्डर दर्शकों के एक समूह के बीच ज्ञान के आदान–प्रदान को सुविधाजनक बनाना एवं साझेदारी बनाने में सहायता प्रदान करना है, ताकि उद्यमिता–संचालित नवाचार और प्रतिस्पर्धी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का नेतृत्व करने वाली ग्लोबल इनोवेशन फोरम (जीआईएफ) जो 2023 प्रस्तावित है तक यह मुख्यधारा में आ सके। यह कार्यक्रम 'एएसपी क्षेत्रीय पहल 4: डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने के लिए नीति और नियामक वातावरण को सक्षम करना' पर बनाया गया था। यह डिजिटल नवाचार के अंतर को पाटने के लिए, पारिस्थितिकी तंत्र में सभी हितधारकों को एक साथ लाने का एक मंच था। अध्यक्ष, सीओईपीपीजी ने 'स्थानीयकरण नवाचाररू बहुभाषी इंटरनेट के लिए नवाचार, डिजिटल विभाजन को पाटने का एक अवसर' विषय पर अपना संबोधन दिया।

उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण

पहले की तरह ही, केंद्र ने उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण

2022–23 (खंड ख) में योगदान दिया, जो कि आर्थिक एवं सांख्यिकीय विभाग, उत्तराखंड द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है। इस वर्ष केंद्र ने पर्यटन एवं आतिथ्य, शिक्षा, पर्यावरण सेवाओं, आईटी और आईटीईएस, स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण सेवाओं जैसे विकास चालकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सेवा क्षेत्र पर समीक्षा का एक अंश प्रस्तुत किया। सेवा क्षेत्र के विस्तार और सेवाओं में निर्यात बढ़ाने के लिए एक रोड मैप की आवश्यकता थी। समीक्षा में अनुशंसा की गई कि सरकार को एक नियत स्तर तक के स्कूलों में आईसीटी के अनिवार्य उपयोग की नीति अपनानी चाहिए, क्योंकि उत्तराखंड में प्राथमिक विद्यालय के 60% छात्रों के पास अभी भी कंप्यूटर तक पहुँच नहीं है। उस उद्देश्य के लिए, अपेक्षित धन आवंटित किया जाना चाहिए और आवंटित धन का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए उचित सरकारी मशीनरी स्थापित की जानी चाहिए।

नवाचार और उद्यमिता विकास फाउंडेशन

फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (FIED), IIM काशीपुर का इनक्यूबेशन सेंटर, एक सेक्शन–8 कंपनी, उत्तराखंड में नवाचार और उद्यमिता का एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। FIED 20,000 वर्ग फुट के क्षेत्र में बनाया गया है, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की परियोजनाएँ संचालित कर रहा है। FIED अपने प्रयासों को मुख्य रूप से कृषि प्रौद्योगिकी और कृषि उद्यमिता में लगा रहा है, लेकिन पर्यटन, शिक्षा और सतत प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भी साथ–साथ काम कर रहा है। FIED, IIM काशीपुर परिसर के अंदर संचालित होता है,

लेकिन यह एक अलग इकाई है और इसका नेतृत्व इसकी प्रबंधन टीम करती है, जो कार्यों और जिम्मेदारियों के निष्पादन के लिए उत्तरदायी है। इस प्रबंधन टीम को आईआईएम काशीपुर के प्रतिष्ठित प्रोफेसरों से बनी संचालन समिति द्वारा निर्देशित किया जाता है। इसका लक्ष्य उत्तराखंड के उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का पोषित और मजबूत करना है।

इन्क्यूबेशन ऑफरिंग / ऊष्मायन प्रस्ताव

एफआईईडी (FIED) IIM काशीपुर के परिसर में अत्याधुनिक इन्क्यूबेशन सुविधाएँ प्रदान करता है।

इन्क्यूबेशन के तहत सुविधाएँ

समयावधि

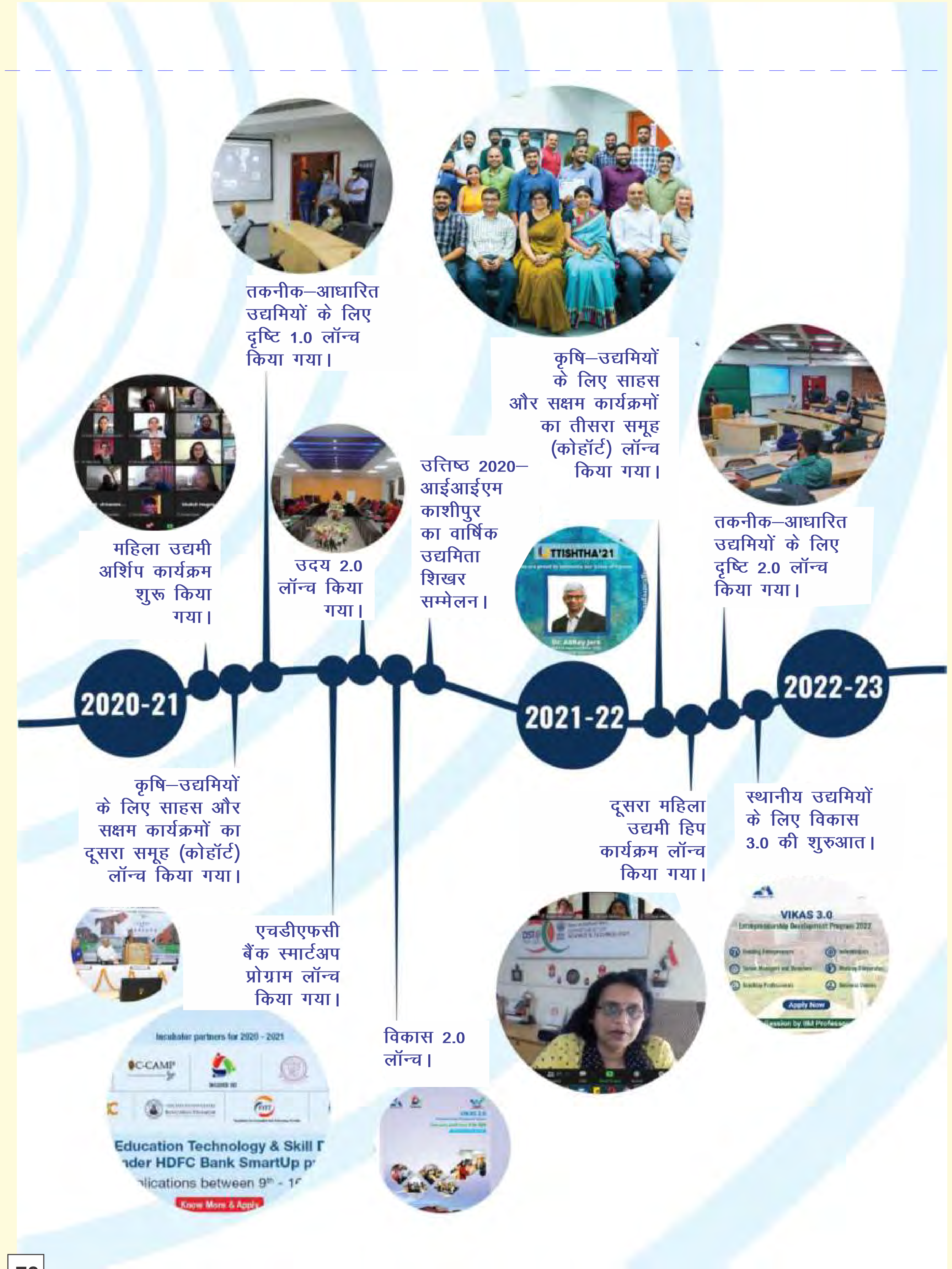

FIED गतिविधियाँ

RKVYRAFTAAR योजना के तहत कोहोर्ट 4.0 के साहस और सक्षम कार्यक्रम का शुभारंभ

IIM काशीपुर FIED ने RABI के तहत 'साहस' (5 लाख रुपये तक के अनुदान के साथ कृषि उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम) और 'सक्षम' (25 लाख रुपये तक के अनुदान के साथ कृषि इन्क्यूबेशन प्रोग्राम) कार्यक्रम का लोकार्पण किया। कोहोर्ट 4.0 का हिस्सा बनने के लिए उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश से कृषि–केंद्रित स्टार्टअप्स से आवेदन बुलाए गए। RABI कोहोर्ट 4.0 के कुछ प्रमुख बिन्दु इस प्रकार हैं:

- प्राप्त आवेदन: 175
- आरआईसी–1 के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदनों की संख्या: 48
- 2 महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयनित स्टार्टअप की संख्या: 28
- सीआईसी पोस्ट–आरआईसी–2 के लिए अनुशंसित स्टार्टअप की संख्या: 21
- सीआईसी द्वारा वित्त पोषण के लिए अनुशंसित कृषि–स्टार्टअप की संख्या: 11 (साहस–5: प्री–सीड स्टेज और सक्षम: 6–सीड स्टेज)
- 11 शॉर्टलिस्टेड स्टार्टअप्स को स्वीकृत कुल राशि: रु. 1,65,00,000

दृष्टि 3.0 स्टार्टअप्स को इन्क्यूबेशन सपोर्ट

FIED ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित अपना प्रमुख इनक्यूबेशन कार्यक्रम, दृष्टि 3.0 लॉन्च किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यावसायिक प्रशिक्षण और विशेषज्ञ सहायता के संयोजन से, उद्यमियों और स्टार्टअप को उनकी चुनौतियों को प्रभावी तरीके से हल करने में समृद्ध और सहायता करना है। FIED ने दृष्टि 3.0 प्रोग्राम के तहत शॉर्टलिस्ट किए गए छह स्टार्टअप्स को फिजिकल इनक्यूबेशन की पेशकश की है। दो स्टार्टअप अपने अस्तित्व में आ चुके हैं और उन्हें संरक्षक भी आवंटित कर दिए गए हैं। फिजिकल इनक्यूबेशन के अलावा, FIED लगातार दृष्टि 2.0 के साथ–साथ दृष्टि 3.0 के स्टार्टअप को अन्य इनक्यूबेटरों या उद्यम पूंजी फर्मों द्वारा प्रस्तावित किए गए विभिन्न अनुदान कार्यक्रमों से जोड़ रहा है।

एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 2.0

आईआईएम काशीपुर एफआईईडी, एमएसएमई मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त एक सूत्रधार संस्थान को एमएसएमई आइडिया हैकथॉन 2.0 के तहत स्वास्थ्य–तकनीक, कृषि–तकनीक, रसद और आपूर्ति श्रृंखला, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में मूल्यांकन करने के लिए 29 नवीन विचार प्राप्त हुए हैं। इन विचारों को एक प्रोटोटाइप के रूप में विकसित करने और पोषित करने के लिए मेजबान संस्थान को प्रति अनुमोदित विचार पर अधिकतम 15 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। अगले चरण के लिए एक विशेषज्ञ समिति द्वारा एमएसएमई को कुल 12 स्टार्ट–अप विचारों की अनुशंसा की गई है।

नई दिल्ली में एग्री कॉन्क्लेव में प्रतिनिधित्व

IIM काशीपुर FIED की पूरी RABI टीम ने, 17–18 अक्टूबर 2023 को IARI, नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा उद्घाटन किए गए दो दिवसीय कृषि स्टार्ट–अप कॉन्क्लेव और किसान सम्मेलन में भाग लिया। RABI परियोजना के तहत IIM काशीपुर FIED द्वारा समर्थित कुल 12 स्टार्टअप्स ने एग्री कॉन्क्लेव में विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से अपने अभिनव उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया।

विकास 3.0 कार्यक्रम का शुभारंभ

IIM काशीपुर FIED ने रोटरी इंटरनेशनल के सहयोग से उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों और उद्यमियों के लिए एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम शुरू किया। इस विकास कार्यक्रम में तीन महीने तक हर सप्ताहांत दो घंटे के लिए विकास प्रतिभागियों का साप्ताहिक प्रशिक्षण शामिल है। वर्ष 2022–23 के प्रशिक्षण अभ्यास में हर सप्ताह 30 विकास प्रतिभागियों ने भाग लिया और व्यवसाय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के विभिन्न पहलुओं को सीखा।

उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला

IIM काशीपुर FIED ने पृथ्वी दिवस, 1 अप्रैल 2022 पर एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। काशीपुर और उसके आसपास के 70 स्व–रोजगार व्यक्तियों को अपने उद्यमशीलता कौशल को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थियों, कर्मचारियों और प्रोफेसरों को प्रदर्शनी में अपने हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की। प्रतिभागियों को बाजार पर पकड़ बनाने, उत्पादों को संशोधित करने और मूल्य तय करने के बारे में जानकारी दी गई।

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह

IIM काशीपुर FIED ने 75वें आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के तहत 26 अप्रैल 2022 को 'किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी' अभियान का आयोजन किया।

इस एक दिवसीय जागरूकता अभियान ने किसानों, आईआईएम प्रोफेसरों और स्टार्टअप्स को पारस्परिक बातचीत का अवसर प्रदान किया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

उद्यमिता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

FIED ने हंटर सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप, स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ स्ट्रेथक्लाइड, यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से हितधारकों के बीच उद्यमिता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अति आवश्यक सम्मेलन का आयोजन किया। विशेष रूप से उद्यमिता के सिद्धांतों और पद्धतियों के लिए समर्पित यह सम्मेलन, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित और सशक्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ है। संस्थान में भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों के शोधकर्ताओं की भागीदारी देखी गई।

वार्षिक उद्यमिता कार्यक्रम 'उत्तिष्ठ 23'

FIED ने 24 से 26 फरवरी 2023 तक IIM काशीपुर परिसर में, IIM काशीपुर का वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन 'उत्तिष्ठ 23' आयोजित किया। इस कार्यक्रम में एक निवेशक बैठक भी शामिल थी, जहाँ देश भर के 15 निवेशकों ने 35 स्टार्ट–अप की 'पिचें' सुनीं। यह बैठक एग्री–टेक, एड–टेक से लेकर ग्रीन टेक्नोलॉजी तक विविध प्रकार के स्टार्टअप से

भरी हुई थी। पिनकैप, फिटसोल सप्लाई चेन सॉल्यूशंस, एचबीएफ लिमिटेड, अल्फा वैल्यू कंसल्टिंग, ओमनिवोर और योर्नेस्ट जैसे निवेशक स्टार्टअप विचारों और संस्थापकों द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए प्रयासों को देखकर हतप्रभ थे। 25 फरवरी को आयोजित प्रमुख कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दो बहुत युवा और प्रतिष्ठित उद्यमियों, चाय सुट्टा बार के श्री अनुभव दुबे और सनफॉक्स टेक्नोलॉजीज के श्री रजत जैन की उद्यमशीलता वार्ता थी। इस प्रमुख कार्यक्रम के कुछ अन्य महत्वपूर्ण वक्ता थे, श्री सुनील कौशिक– महाप्रबंधक, नाबार्ड, श्री शैलेन्द्र मिश्रा– क्षेत्रीय प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, श्री देवेन्द्र अग्रवाल– प्रबंध निदेशक, केवीएस ग्रुप ऑफ कंपनीज, श्री शादाब –प्रबंध निदेशक, लोहार इंजीनियरिंग। उत्तिष्ठ में हुए बिजनेस एक्सपो में देश के विभिन्न हिस्सों से आए 100 से अधिक स्टार्टअप ने भाग लिया एवं अपने उत्पादों और विचारों को एक बड़े और आकर्षक दर्शक–समूह के सामने प्रदर्शित किया। FIED में इनक्यूबेट किए गए कई स्टार्टअप ने भी अपने स्टॉल लगाए। इसके अलावा नाबार्ड द्वारा प्रवर्तित 10 एफपीओ ने भी एक्सपो के दौरान अपने स्टॉल लगाए।

पूरे उत्तराखंड में स्टार्ट–अप 'बूट कैंप'

उद्योग और स्टार्ट–अप विभाग उत्तराखंड ने, आईआईएम काशीपुर FIED को उत्तराखंड के 13 जिलों में दो–दो दिवसीय 18 स्टार्ट–अप बूट कैंप आयोजित करने के लिए एक परियोजना को स्वीकृति दी। ये बूट कैंप 10 सर्वश्रेष्ठ बिजनेस आइडिया लेकर आएँगे। FIED ने उत्तरकाशी, नरेंद्र नगर, पिथौरागढ़, टनकपुर, बागेश्वर, द्वाराहाट, हल्द्वानी, देहरादून, रूड़की, रुद्रपुर और रुद्रप्रयाग, कोटद्वार, श्रीनगर, कर्णप्रयाग, हरिद्वार, भीमताल और काशीपुर में 18 स्टार्ट–अप बूट कैंप आयोजित किए। इन 18 बूट कैंपों ने स्थानीय युवाओं से स्वास्थ्य देखभाल, ई–कॉमर्स, हरित ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण, स्मार्ट डिवाइस आदि विषयों पर अब तक 200 से अधिक स्टार्ट–अप विचार उत्पन्न किए हैं।

उद्यमिता संवर्धन के लिए हब और स्पोक मॉडल की शुरुआत

जिला उद्योग केंद्र, चंपावत (डीआईसी–चंपावत), फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान, टनकपुर ने एक त्रिपक्षीय समझौते के तहत उत्तराखंड में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए, एक 'हब एंड स्पोक' मॉडल बनाने में रुचि व्यक्त की है। उद्यमिता विकास के लिए हब एंड स्पोक मॉडल के तहत, आईआईएम काशीपुर एफआईईडी 'हब' की भूमिका निभाएगा और डॉ. ए. पी.जे. अब्दुल कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, टनकपुर जिला स्तर पर 'स्पोक' की भूमिका में होगा।

ACIC की स्थापना के लिए शॉर्टलिस्टिंग

FIED द्वारा, नीति आयोग को 'अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर (ACIC)' की स्थापना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। चुने गये संस्थानों को, IIM काशीपुर परिसर में ACIC की स्थापना के लिए 2.5 करोड़ रुपये का समान अनुदान प्राप्त होगा। आवेदकों के मूल्यांकन के आधार पर, IIM काशीपुर FIED को IIM काशीपुर के परिसर में 'अटल सामुदायिक नवाचार केंद्र' की स्थापना के लिए, एक आवेदक के रूप में चुना गया है। यह आईआईएम काशीपुर को, नीति आयोग–अटल इनोवेशन मिशन, भारत सरकार द्वारा समर्थित इस प्रतिष्ठित सामुदायिक ऊष्मायन परियोजना को प्राप्त करने वाला, आईआईएम बिरादरी के बीच एकमात्र आईआईएम बनाता है।

एमओयू पर हस्ताक्षर

IIM काशीपुर FIED ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और भारत में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए निम्नलिखित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं:

- जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर
- वेन्चर कैटलिस्ट

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना

स्टार्ट–अप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) का उद्देश्य अवधारणा के प्रमाण, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार में प्रवेश और व्यावसायीकरण के लिए स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इससे इन स्टार्टअप्स को उस स्तर तक पहुँचने में मदद मिलेगी, जहाँ वे 'एंजेल' निवेशकों या उद्यम पूँजीपतियों से निवेश जुटाने या वाणिज्यिक बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में सक्षम होंगे।

IIM काशीपुर FIED द्वारा स्टार्ट–अप इंडिया सीड फंड के तहत खाद्य प्रसंस्करण, एड–टेक, हरित ऊर्जा, कानूनी सलाह, कृषि मशीनीकरण और फिनटेक सहित विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले 10 स्टार्टअप को कुल 2,10,00,000 रुपये अधिकृत किए गए हैं।

वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान प्ड काशीपुर FIED द्वारा समर्थित स्टार्टअप

स्टार्टअप का नाम	उद्यमी	राज्य	क्षेत्र	उत्पाद
फार्मर इंडिया	पारस मेहरोत्रा	उत्तराखंड	कृषि एवं संबद्ध सेवाएँ	विदेशी सब्जियाँ
गायत्री बायोक्राफ्टस	चैतन्य दुबे	उत्तर प्रदेश	जैव प्रौद्योगिकी	पर्यावरण अनुकूल चमड़ा
W2G	आलोक कुमार	उत्तराखंड	अपशिष्ट से धन	कृषि और प्लास्टिक अपशिष्ट से वांछित उत्पाद
विमान एयरोस्पेस टेक्नोलॉजीज	मृदुल जैन	उत्तर प्रदेश	कीमती खेती	कृषि छिड़काव ड्रोन
बाबा एग्रोटेक	कमल पाण्डे	उत्तराखंड	खाद्य प्रसंस्करण	टिशू कल्चर–आधारित मशरूम उत्पाद
ऑस्पिस कॉनडिमेंटस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	प्रयाग घोष	उत्तर प्रदेश	खाद्य प्रसंस्करण	जड़ी–बूटियाँ, मसाले, मसाले
माइ पहाड़ी दुकान	हिमांशु दुआ	हिमाचल प्रदेश	आपूर्ति श्रृंखला	हिमालय क्षेत्र में स्थित और रसद छोटे व्यवसायों और किसानों की उपज के लिए एक ऑनलाइन बाजार
बायो क्राफ्ट इनोवेशन प्रा.. लिमिटेड	अनुभव मित्तल	उत्तराखंड	फसल कटाई के बाद	बांस के दाने का उत्पादन मूल्यवर्धन
किमलेया नेचुरल्स प्रा. लिमिटेड	डॉ. कविता नेगी	उत्तराखंड	कृषि एवं संबद्ध सेवाएँ	हर्बल कॉस्मेटिक, हर्बल चाय, आवश्यक तेल
प्राद्विक एडवांस एग्री सॉल्यूशंस एलएलपी	डॉ गौरव कृष्ण	उत्तर प्रदेश	जैव प्रौद्योगिकी	पुनर्वनरोपण के लिए संभावित वृक्ष ऊतक प्रजातियाँ अर्थात् सागौन (टेक्टोना ग्रैंडिस) का वाणिज्यिक उत्पादन
भ्रमन एजुकेशनल सर्विसेज प्रा. लिमिटेड	रितेश राज	उत्तराखंड	एडुटेक	अनुभवात्मक शिक्षण, विज्ञान और टिंकरिंग लैब्स

डिजाइन इनोवेशन सेंटर (नवाशय)

आईआईएम काशीपुर में डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), डिजाइन इनोवेशन सेंटर की स्थापना के लिए राष्ट्रीय पहल के तहत, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा देश भर में स्थापित बीस डीआईसी में से एक है। इस केंद्र का लक्ष्य मुख्य रूप से उत्तर–पश्चिम हिमालयी क्षेत्र और अन्य राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की समस्याओं को उजागर करके, संस्थान में एक डिजाइन और नवाचार संस्कृति को विकसित करना है। डीआईसी अपने साझेदारों को नवप्रवर्तनीय गतिविधियाँ शुरू करने एवं सहायता करने तथा देश में नवाचार के लिए उत्प्रेरक और सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करने के लिए, पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध बनाने की सुविधा प्रदान करता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जो प्रशिक्षण और समर्थन सहित नवाचार प्रक्रिया के सभी पहलुओं से विभिन्न हितधारकों को जोड़ता है और उन्हें सुविधा प्रदान करता है।

अपनी स्थापना के बाद से, डीआईसी समाज के हर क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करके नवाचार, डिजाइन सोच और रचनात्मक समस्या समाधान की संस्कृति विकसित करके नवाचार को सफलतापूर्वक बढ़ावा दे रहा है। उत्तर–पश्चिम हिमालयी क्षेत्र और अन्य राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए, नवाचार की होड़ को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियाँ (कार्यशालाएँ/शिखर सम्मेलन/प्रतियोगिताएँ) आयोजित की गई हैं। इस ध्येय को सहयोग करने के लिए, इस केंद्र के द्वारा डिजाइन थिंकिंग सिखाई जा रही है, जो विद्यालयों और शिक्षकों को 'विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव' को नया और बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। यह केंद्र विद्यार्थियों को उपयोगकर्ता की जरूरतों को समझने, समस्या को परिभाषित करने, समाधान सोचने, प्रोटोटाइप बनाने और परीक्षण करने में मदद करता है विद्यालय ऐसे समाधान बना सकते हैं जो अधिक आकर्षक और प्रभावी हों।

गतिविधियाँ/घटनाएँ

स्कूल में डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर कार्यशाला

यह कार्यशाला उत्तर–पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के स्कूलों के बीच 'डिजाइन थिंकिंग लेड इनोवेशन' को बढ़ावा देने के लिए, शिक्षा मंत्रालय की पहल के तहत 'हेल्प' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गई थी। यह भारत सरकार द्वारा, देश में शुरू की गई नवाचार की होड़ को बढ़ावा देने के लिए है। इस कार्यशाला में विद्यालय के कक्षा 8 से 10 तक के कुल 53 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

काशीपुर के एस.सी. गुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल में डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर कार्यशाला

डीआईसी 'नवाशय' ने एस.सी. गुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (आईएमटी) काशीपुर के विद्यार्थियों के लिए एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यशाला 'HELP' (हिमालयी शिक्षा शिक्षण कार्यक्रम) पहल के तहत आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला का उद्देश्य आने वाले व्यावसायिक स्नातकों को नवप्रवर्तन के लिए डिजाइन थिंकिंग को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य किसी भी शैक्षणिक संस्थान को वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से अपने डिजाइन थिंकिंग ज्ञान को समृद्ध करने में सहायता करना है। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के कुल 73 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अखिल भारतीय डीआईसी मीट, नई दिल्ली

आईआईएम काशीपुर के डीआईसी ने डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित डीआईसी हब और डीआईसी के प्रवक्ताओं की 'अखिल भारतीय डीआईसी मीट 2023' में भाग लिया। बैठक का आयोजन इस बात पर चर्चा करने के लिए किया गया था, कि कैसे डीआईसी अपने भागीदारों को नवाचार गतिविधियों को शुरू करने और सहायता करने के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध बनाने तथा देश में नवाचार के लिए उत्प्रेरक एवं सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करने की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। बैठक में डीआईसी आईआईएम काशीपुर ने आगंतुकों को नवीनतम विकास सहित स्थापना के बाद से विकसित विभिन्न प्रोटोटाइप के बारे में जानकारी दी, जिसमें मानव–वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए 'परित्राणय प्रकृति' नामक मानव–पशु संघर्ष प्रोटोटाइप परीक्षण का समाधान प्रदान करना शामिल है।

स्कूल शिक्षकों के लिए 'डिजाइन थिंकिंग लेड इनोवेशन' पर कार्यशाला

आईआईएम काशीपुर डीआईसी टीम द्वारा, HELP/हेल्प (हिमालयन एजुकेशन लर्निंग प्रोग्राम) के तहत 'स्कूलों में डिजाइन थिंकिंग लेड इनोवेशन' पर शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल, काशीपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

शिक्षण संसाधन केंद्र

आईआईएम काशीपुर की लाइब्रेरी (लर्निंग रिसोर्स सेंटर), एक विशाल भवन में स्थित है, जिसमें मुख्य रूप से प्रबंधन और संबद्ध विषयों से संबंधित 10,667 मुद्रित पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय में कई मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संसाधन हैं, जिनमें किताबें, जर्नल, डेटाबेस, ऑडियो–विजुअल सामग्री, सीडी / डीवीडी, ई–जर्नल, रिपोर्ट, केस स्टडीज, थीसिस आदि शामिल हैं। ज्ञान संसाधनों और नवीन सूचना सेवाओं के अपने आधुनिक संग्रह के साथ, पुस्तकालय शैक्षणिक समुदाय के लिए उनकी बौद्धिक गतिविधियों में एक आवश्यक भूमिका निभाता है।

हमारी लाइब्रेरी अत्याधुनिक तकनीकी अनुप्रयोगों वाली एक हाइब्रिड लाइब्रेरी है; इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, यह अपने ग्राहकों को CD-ROM डेटाबेस जैसी सेवाएँ प्रदान कर रहा है। ऑनलाइन डेटाबेस संस्थान के नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। उपयोगकर्ता ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुँच सकते हैं और अपने कंप्यूटर टर्मिनलों से लाइब्रेरी/पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय उपलब्धता का पता लगा सकते हैं। लाइब्रेरी उच्चतम पेशेवर मानकों पर आधारित विभिन्न सूचना सेवाएँ प्रदान करती है। लाइब्रेरी सूचना उत्पन्न करने, भंडारण, प्रसंस्करण और प्रसार के लिए सभी आधुनिक तकनीकों को अपनाती है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में, लाइब्रेरी अपने ग्राहकों को आधुनिक पुस्तकालय के सुचारू कामकाज के लिए आवश्यक वेब ओपेक सेवाएँ, इंटरलाइब्रेरी संसाधन साझाकरण, स्वचालित परिसंचरण, ईमेल अलर्ट सेवाएँ, साइबर लैब सेवाएँ और अन्य सेवाएँ प्रदान कर रही है।

लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर लिबसिस–10 (नवीनतम संस्करण) का उपयोग करके लाइब्रेरी को पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत किया गया है। निगरानी परिसंचरण और अन्य कार्यों के लिए आरएफआईडी प्रणाली पहले ही स्थापित की जा चुकी है। लाइब्रेरी हाई–स्पीड इंटरनेट और आईआईएम काशीपुर नेटवर्क के इंट्रानेट से जुड़ी है, जो आवंटित लाइब्रेरी बजट के भीतर ही शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक पिपासा को शांत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यह आईआईएम काशीपुर के सभी अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र बनी हुई है और ज्ञान के सृजन और प्रसार को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसने संदर्भ, परामर्श, सदस्यता और संचलन, दस्तावेज वितरण, संसाधन साझाकरण और सूचना सतर्क सेवाओं सहित विभिन्न सेवाएँ प्रदान की हैं।

संग्रह, विकास और प्रबंधन

संग्रह–निर्माण लाइब्रेरी/पुस्तकालय के आवश्यक कार्यों में से एक है, जो शैक्षणिक एवं शोध अध्येताओं और विद्यार्थियों का सहयोग करता है। लाइब्रेरी/पुस्तकालय संग्रह में किताबें, जर्नल, डेटाबेस, थीसिस, रिपोर्ट, मानक एवं प्रबंधन और उसके संबद्ध विषयों में अन्य पठन सामग्री सम्मिलित हैं – 31 मार्च 2023 तक लाइब्रेरी/पुस्तकालय का कुल संग्रह। लाइब्रेरी में विभिन्न सूचना संसाधनों की धारित–संख्या सारणीबद्ध प्रपत्र में दी गई है।

पुस्तकालय में सूचना संसाधनों की धारिता

विवरण	वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान जोड़ी गई सामग्री की संख्या	31 मार्च, 2023 तक की सामग्री
मुद्रित पुस्तकें	848	10667
ई पुस्तकें	6	5934
नियतकालिक के साजिल्द खंड	417	799
थीसिस	9	25
परियोजना रिपोर्ट	-	628
सीडी/डीवीडी	-	103
जर्नल प्रिंटऑनलाइन के लिए वर्तमान सदस्यता	12 (Print)	11132
पत्रिकाएँ	2	16
समाचारपत्र मुद्रण	-	10

* इसमें निरूशुल्क, थीसिस और शोध प्रबंध पर प्राप्त पुस्तकें भी सम्मिलित हैं।

पुस्तकालय सामग्री की खरीद

वर्ष 2022–23 के दौरान 12,65,428 रु. मूल्य की 848 नई पुस्तकें जोड़ी गईं (इसमें निःशुल्क प्राप्त पुस्तकें भी शामिल हैं)। इसके अलावा, 6 ई–पुस्तकें, 9 थीसिस और शोध प्रबंध भी पुस्तकालय संग्रह में जोड़े गए। इसके अलावा 12 प्रिंट जर्नल्स की भी सदस्यता लि गई।

आईआईएम, काशीपुर व्यवस्था के माध्यम से पूर्ण–पाठ ई–जर्नल एक्सेस आईआईएम काशीपुर भी असीमित उपयोग के लिए कई पूर्ण–पाठ ऑनलाइन ई–जर्नल डेटाबेस की सदस्यता ले रहा है, विवरण नीचे दिया गया है।

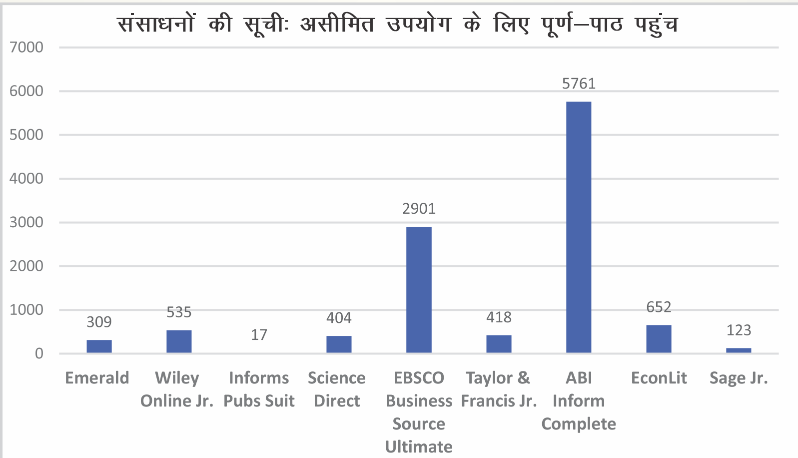

ग्रंथ सूची/तथ्यात्मक डेटाबेस

पुस्तकालय के पास असीमित उपयोग के लिए कई ग्रंथ सूची/तथ्यात्मक डेटाबेस तक पूर्ण पहुँच है। विवरण नीचे दिया गया है।

ग्रंथ–सूची डेटाबेस की सूची

शीर्षक	रुचि का क्षेत्र	संसाधन/शीर्षक सम्मिलित
ईबीएससीओ डेटाबेस	प्रबंधन और संबद्ध क्षेत्र	8555
स्कोपस	सहकर्मी–समीक्षा साहित्य का सबसे बड़ा सार और उद्धरण डेटाबेस	कोर संग्रह में कुल पत्रिकाएँ रू 27,933
वेब ऑफ साइंस	सहकर्मी–समीक्षित साहित्य का सबसे बड़ा सार और उद्धरण डेटाबेस	कुल जर्नल रू 34,888

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग आँकड़े

फुल–टेक्स्ट/पूर्ण–पाठ संसाधन

एमराल्ड का 'ऑनलाइन ई–शोध सिंधु 309 ई जर्नल्स कलेक्शन, विली ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस ऑफ कोर एण्ड कस्टम कलेक्शन, इनफॉर्मस पब सूट, साइंस डायरेक्ट, ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स अल्टीमेट, प्रेस रीडर, टेलर एण्ड फ्रांसिस ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस, स्कोपस, वार्क, सेज मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन स्टडीज सब्जेक्ट कलेक्शन, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज, इंडियास्टैट.कॉम, ईबीएससीओ डिस्कवरी सर्विसेज, एबीआइ इनफॉर्म कम्प्लीट, सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक, प्रोवेस फॉर इंटरएक्टिव क्वेरी, इकोनॉमिक आउटलुक, सीएमआईई–टीपी सीपीडीएक्स, वेब ऑफ साइंस, वेंचर इंटेलिजेंस पीई–वीसी डील्स, कैबेल जर्नल्स व्हाइटलिस्ट फॉर बिजनेस सेट ऑनलाइन, कम्पुस्टैट डेटाबेस, एमआईएमआई" (मीका इंडियन मार्केट इंटेलिजेंस), सुप्रीम कोर्ट केस, स्टेटिस्टा डेटाबेस, इकोनलिट फुल–टेक्स्ट डेटाबेस, का उपयोग विवरण लघुगणकीय पैमाने पर चित्र में प्रस्तुत किया गया है।

उपयोगकर्ता रिपोर्ट जनवरी–दिसंबर 2022

आइटम का विवरण (जर्नल डेटाबेस)	कुल उपयोग
एमेराल्ड	70683
विले	11656
इनफॉर्म्स पब सूट	1940
साइंस डायरेक्ट	43112
ईबीएससीओ बीएसयू	1742
प्रेस रीडर	170425
टेलर एण्ड फ्रांसिस	11673
स्कोपस	14181
डब्ल्यूएआरसी	152
सेज	6995
एफएसओडी	2696
ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज	419
इंडियास्टार डॉट कॉम	512
ईबीएससीओ डिस्कवरी सर्विसेज (ईडीएस)	1141
एबीआई इन्फॉर्म कम्प्लीट	7818
सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक	1802
वेब ऑफ साइंस	87148
प्रोएसस आइक्यू	2118
कैबेल्स	31438
कंज़्यूमर पिरामिड्स हाउसहोल्ड सर्वे	39375
इकोनॉमिक आउटलुक	215
ईबीएससीओ इकॉनलिट	182
स्टेटिस्टा	2311
वेंचर इंटेलिजेंस	98
सुप्रीम कोर्ट केसेस	383
कुल	510215

सतत आधार पर ई–पुस्तक संग्रह

लाइब्रेरी ने सेंगेज, ईबीएससीओ, ऑक्सफोर्ड हैंडबुक, पालग्रेव इनसाइक्लोपीडिया, सेज और स्प्रिंगर ई–बुक्स की सदस्यता ली हुई है, जिसमें सभी प्रमुख वैश्विक प्रकाशकों की प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे अर्थशास्त्र, वित्त, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, मानविकी, आदि से संबंधित 5934 (पाँच हजार नौ सौ चौंतीस) से अधिक दुर्लभ पुस्तकें शामिल हैं। । इस संग्रह में परपेचुअल बेसिस ई–पुस्तकों पर दुनिया के प्रसिद्ध लेखकों के मूल कार्यों का डिजीटल संस्करण शामिल है, जो इसके संग्रह में पूर्ण पहुँच और स्थायी एक्सेस के आधार पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

पुस्तकालय सेवाएँ

वेब ओपेकः पुस्तकों और पत्रिकाओं सहित पुस्तकालय के संपूर्ण संग्रह को वेब सक्षम ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से खोजा जा सकता है। उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर टर्मिनलों से पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय उपलब्धता का पता लगाने के लिए ओपेक तक पहुँच सकते हैं।

अंतर पुस्तकालय ऋण/संसाधन साझाकरणः यह पुस्तकालय में डेलनेट के माध्यम से अन्य प्रमुख पुस्तकालयों के साथ एक सहयोगात्मक व्यवस्था है, जो उन दस्तावेज को प्राप्त करने के लिए है जो आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं हैं। अध्येता और शोधकर्ता इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

सक्रिय सूचना सेवाएँः पुस्तकालय शैक्षणिक समुदाय को विशिष्ट सूचना सेवाएँ जैसे आगामी सम्मेलनों की जानकारी, सीएएस, एसडीआई आदि प्रदान करता है।

आज की सुर्खियाँः IIM काशीपुर पुस्तकालय सभी प्राध्यापक सदस्यों, अनुसंधान अध्येताओं, छात्रों और कर्मचारी सदस्यों को URL (लिंक) द्वारा प्रमुख अँग्रेजी समाचार पत्रों की सुर्खियाँ प्रदान करता है।

अन्य सेवाएँ

- दृश्य–श्रव्य सुविधा
- ग्रंथ सूची
- स्वचालित परिसंचरण
- ई–मेल अलर्ट सेवा
- अभिविन्यास कार्यक्रम
- स्वचालित परिसंचरण
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- साइबर लैब
- डेटाबेस खोज सेवा

पुस्तकालय उपयोगकर्ता रिकॉर्ड 2022–23

महीना	उपयोगकर्ता
अप्रैल, 2022	79
मई, 2022	92
जून, 2022	152
जुलाई, 2022	3583
अगस्त, 2022	884
सितंबर, 2022	1051
अक्टूबर, 2022	471
नवंबर, 2022	844
दिसंबर, 2022	983
जनवरी, 2023	372
फरवरी, 2023	602
मार्च, 2023	589

- संदर्भ सेवा
- एसएमएस अलर्ट सेवा

गतिविधियाँ/आयोजन

स्टेटिस्टा डेटाबेस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

30 जुलाई 2022 को स्टेटिस्टा कंपनी के सहयोग से एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया था। कंपनी के प्रतिनिधियों ने संस्थान के हितधारकों के लिए स्टेटिस्टा डेटाबेस की प्रभावकारिता और उपयोगिता पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

सीएमआईई डेटाबेस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सीएमआईई कंपनी के 'प्रोवेस आईक्यू' और 'इकोनॉमिक आउटलुक' पर 6 अगस्त 2022 को एक अन्य ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। कंपनी के प्रतिनिधियों ने संस्थान हितधारकों के लिए प्रोवेस आईक्यू और इकोनॉमिक आउटलुक घरेलू सर्वेक्षण डेटाबेस की उपयोगिता पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं।

हिंदी दिवस का आयोजन

हिंदी दिवस पर, संस्थान के पुस्तकालय ने 14 सितंबर 2022 को संस्थान के पुस्तकालय द्वारा हाल ही में खरीदी गई हिंदी पुस्तकों सहित अपना हिंदी संग्रह प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व का उत्सव मनाना एवं दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता को उजागर कर शैक्षणिक समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करना था।

पुस्तक दान अभियान

संस्थान ने 20 सितंबर 2022 को एक पुस्तक दान अभियान की पहल की। पिछले कुछ वर्षों के दौरान छात्रावासों से प्राप्त 35,00,000 रुपये की कुल 2815 पुस्तकें, काशीपुर के आसपास के संस्थानों को दान की गईं, जो प्रबंधन और संबद्ध विषयों में पाठ्यक्रम चलाते हैं एवं जिनका उद्देश्य छात्रों और प्राध्यापक सदस्यों को महँगी पुस्तकों से वंचित न होने में सहायता करना है।

पुस्तक दान अभियान मुहिम से निम्नलिखित संस्थानों को लाभ हुआः

- पाल कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, हलद्वानी
- एस.सी. गुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड लॉ कॉलेज, काशीपुर
- श्रीराम प्रबंधन एवं तकनीकी संस्थान, काशीपुर
- आईएमईसी प्रबंधन संस्थान, रुद्रपुर

पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

एक समृद्ध संग्रह बनाने की दृष्टि से, संदर्भित पुस्तकों के स्थान चयन के लिए 22–23 सितंबर 2022 तक एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बारह प्रतिष्ठित प्रकाशकों ने प्रबंधन और इससे संबद्ध विषयों में अपने नवीनतम प्रकाशनों को प्रदर्शित करने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लिया। उत्तराखंड, हिंदी और अंग्रेजी साहित्य की पुस्तकें भी अच्छी संख्या में प्रदर्शित की गईं।

प्राध्यापक सदस्यों, अनुसंधान अध्येताओं और छात्रों द्वारा कुल 252 पुस्तकों का चयन किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी को स्थानीय एवं राष्ट्रीय प्रिंट और डिजिटल मीडिया द्वारा व्यापक रूप से कवर किया गया था।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2023 में भागीदारी

आईआईएम काशीपुर ने 25 फरवरी से 5 मार्च 2023 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले (एनडीडब्ल्यूबीएफ) के 31वें संस्करण में भाग लिया। इस साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा भारत व्यापार संवर्धन संगठन के सहयोग से किया गया था, जहाँ 40 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशकों ने अपनी प्रकाशन–सामग्री का प्रदर्शन किया। संस्थान की लाइब्रेरी टीम ने नौ दिवसीय इस कार्यक्रम में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) मंडप में एक स्टॉल लगाया। समाज के सभी क्षेत्रों से लोग संस्थान के प्रमुख एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रमों सहित, संस्थान के प्रमुख प्रयोजनों के बारे में जानने के लिए स्टॉल पर एकत्र हुए।

संस्थान ने आयोजकों द्वारा स्थापित एनईपी इवेंट कॉर्नर पर पैनल चर्चा और सेमिनार आयोजित करके 'स्टार्ट–अप' एवं 'शिक्षण में नवाचार' में अपनी क्षमता और सफलता का प्रदर्शन किया।

आईआईएम काशीपुर टीम ने स्टार्टअप्स, संभावित निवेशकों द्वारा अपनाई गई नवीन पद्धतियों और इस क्षेत्र में हालिया रुझानों पर चर्चा करने के लिए, 28 फरवरी को 'नवाचार पारिस्थितिकी में उभरते रुझान' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

इंडिया ज्यूरिस के मैनेजिंग पार्टनर श्री समीर रस्तोगीय श्री प्रवीण सिन्हा, प्रबंध निदेशक, पिन कैपय श्री एस. मुस्तफा, संस्थापक कॉर्पोरेट वेंचर हब; श्री वरुण कुमार, IKAYU फूड्सय श्री राजीव सिक्का, इंडियन ऑयल अदानी गैस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व सीईओय और डॉ. स्नेहा दोहर, सहायक प्रोफेसर, जी.बी. पंत विश्वविद्यालय कार्यक्रम के प्रमुख पैनलिस्ट थे। चर्चा का संचालन आईआईएम काशीपुर में स्टार्ट–अप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) के प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर कुणाल ने किया।

टीम ने 2 मार्च 2023 को संस्थान के प्रोफेसर कुणाल गांगुली द्वारा संचालित 'कार्यकारी शिक्षा का बदलता चेहरा' विषय पर एक सेमिनार भी आयोजित किया। यह चर्चा उद्योग और व्यापार की रणनीतिक आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यकारी शिक्षा में हो रहे महत्वपूर्ण बदलाव के ऊपर केंद्रित थी। हमने 5 मार्च 2023 को 'शिक्षण प्रबंधन में नवाचारः पुस्तक की उभरती भूमिका' पर एक अन्य पैनल चर्चा का आयोजन भी किया।

आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर

इंटरनेट

संस्थान आईआईएमके उपयोगकर्ता समुदाय को अत्याधुनिक आईटी सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। उपरोक्त उद्देश्य को प्राप्त करने और शिक्षण में सुधार करने के लिए, इस वर्ष के दौरान कंप्यूटिंग सुविधाओं और सेवाओं में लगातार एवं महत्वपूर्ण रूप से सुधार किया गया है। नवनिर्मित भवनों को कैंपस LAN/लैन से जोड़ा गया है और आवश्यक आईटी बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं से युक्त किया गया है। इन आवासों पर अधिक विश्वसनीय कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए, सभी प्रथम चरण के आवासीय कर्मचारी क्वार्टरों को भी कैंपस LAN से जोड़ा जा रहा है। यह कनेक्टिविटी अतिरिक्तता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा वाई–फाई कनेक्टिविटी से इतर है।

नेटवर्क बैकबोन को सिंगल मोड फाइबर ऑप्टिक केबल कनेक्टिविटी के साथ डिजाइन किया गया है और इंटरनेट नेटवर्क फोर्टिगेट 1000D और सिस्को ME 3800X राउटर से समन्वित है। शैक्षणिक खंड आंतरिक रूप से वाई–फाई के साथ–साथ एक वायर्ड लैन/ LAN के माध्यम से जुड़ा हुआ है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) द्वारा प्रदान की गई एक समर्पित 1 जीबीपीएस लाइन, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) द्वारा प्रदान की गई 1 जीबीपीएस लाइन की एक बैकअप लाइन, इंटरनेट पर उपलब्ध संसाधनों तक चौबीसों घंटे पहुँच की सुविधा प्रदान करती है। छात्रावास ए, बी, सी, डी, ई और एफ ब्लॉक, प्राध्यापक निवास, शैक्षणिक खंड एवं भोजनालय परिसर 24x7 इंटरनेट, इंट्रानेट और ईपीबीएक्स से जुड़े हुए हैं।

कैम्पस लाइसेंसिंग

लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर के उपयोग को सुव्यवस्थित करने के लिए, IIM काशीपुर ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक कैंपस समझौता किया है। प्रबंधकीय निर्णय लेने और विश्लेषण के साथ–साथ सांख्यिकीय एवं अर्थमितीय विश्लेषण के लिए उपयोग किए जा रहे अन्य पैकेजों के साथ भी ऐसा ही किया गया है। 'गूगल वर्कस्पेस फॉर एजुकेशन प्लस' का उपयोग ईमेल सेवाओं के लिए किया जा रहा है।

सर्वर

आवश्यक सहायक उपकरणों के साथ दो टॉवर सर्वर और पाँच रैक सर्वर, विभिन्न प्रकार की सर्वर आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। सभी सर्वरों में Microsoft Windows Server 2012 R2 और Ubuntu सर्वर ऑपरेटिंग सिस्टम स्थापित हैं। पुस्तकालय उपयोग के लिए 'लिबसिस' लिनक्स सर्वर पर स्थापित है। स्टेटा सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर भी स्थापित किया गया है और इसका उपयोग अर्थमिति मॉडल का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। उपयोगकर्ता परिसर के बाहर भी वीपीएन के माध्यम से 'लाइब्रेरी डेटाबेस' तक पहुँच सकता है। SAP को विक्टोरिया विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया से लाइसेंस प्राप्त है और इसका उपयोग छात्रों को ईआरपी व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए किया जा रहा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

जूम और आईपी नेटवर्क का उपयोग करके उच्च–रिज़ॉल्यूशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से, दूरस्थ स्थानों पर व्यक्तियों /कंपनियों के साथ प्लेसमेंट–संबंधी गतिविधि, साक्षात्कार और बातचीत की सुविधा प्रदान की जाती है।

क्लासरूम/कक्षाएँ

क्लासरूम को सौंदर्यपूर्ण ढंग से डिजाइन किया गया है और बेहतर कक्षा अनुभव के लिए इन्हें हाई–स्पीड वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी एवं हाई–डेफिनिशन प्रोजेक्टर से सुसज्जित किया गया है। इसके अलावा, वाई–फाई और एवी सिस्टम की सुविधाएँ कक्षाओं A1, A2, B1, B2, B3, C1, C2, C3, D1, D2, E1, E2, F1 और F2 तक बढ़ा दी गई हैं।

वित्त और विश्लेषिकी प्रयोगशाला

आईआईएम काशीपुर ने एक अत्याधुनिक वित्त और विश्लेषिकी प्रयोगशाला स्थापित की है। इस प्रयोगशाला का उपयोग वित्तीय बाजारों में उन्नत अनुप्रयुक्त अनुसंधान का समर्थन करने एवं छात्रों को तथ्य विश्लेषिकी अवधारणाओं में गणितीय और वैचारिक सिद्धांतों तथा सर्वोत्तम पद्धतियों से युक्त करने के लिए किया जाता है।

ब्लूमबर्ग लैब

आईआईएम काशीपुर के परिसर में ब्लूमबर्ग एल.पी. के सहयोग से 12 ब्लूमबर्ग टर्मिनल हैं। ये टर्मिनल छात्रों को वास्तविक समय के वित्तीय बाजार डेटा गतिविधियों की निगरानी और विश्लेषण करने में सक्षम बनाते हैं तथा दुनिया भर के उद्योगों एवं अर्थव्यवस्थाओं के बारे में बहुमूल्य ज्ञान प्रदान करते हैं।

सॉफ्टवेयर

एसएपी, एसपीएसएस, टर्निटिन, एनविवो, माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंस, स्टेटा, मैक्सक्यूडीए, ई–व्यूज, लिंगो सुपर, एनएलओजीआईटी।

सॉफ्टवेयर और सुरक्षा

आईटी ने संस्थान परिसर में लगभग 1,000 प्राध्यापकों/कर्मचारियों/छात्रों की आवश्यकताओं को सँभाला है।

प्राध्यापक और शिक्षाविद

संस्थान के प्राध्यापक

क्षेत्र	प्राध्यापक
संचार	प्रो. बहारूल इस्लाम प्रो. स्मारक समरजीत
अर्थशास्त्र	प्रो कुलभूषण बलूनी प्रो. अतुलन गुहा प्रो. अभ्रदीप मैती प्रो. वैभव भमोरिया प्रो.जगदीश प्रसाद साहू प्रो ग्यासुद्दीन अंसारी
वित्त और लेखांकन	प्रो. के. एन. बधानी प्रो कुणाल प्रो. आशीष कुमार प्रो दिलीप कुमार प्रो धरानी प्रो सूरज कुमार प्रो अनामिका कुमार कुलभास्कर
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र	प्रो मयंक शर्मा प्रो. के वेंकटराघवन प्रो. हरीश कुमार प्रो राजीव कुमार प्रो. शौकत अली शाही प्रो हर्षित कुमार सिंह प्रो गौतम पाल
विपणन	प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती प्रो. मधुरिमा देब प्रो माला श्रीवास्तव प्रो कुमकुम भारती प्रो. उत्कर्ष प्रो. प्रीति नरवाल प्रो दीपक वर्मा
संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन	प्रो. राकेश कुमार अग्रवाल प्रो. देवजानी चटर्जी प्रो. ए वी रमन प्रो. मृदुल माहेश्वरी प्रो. राहुल अशोक कांबले प्रो. रामेश्वर शिवदास तुरे प्रो. कुणाल के गांगुली प्रो. सब्यसाची पात्रा प्रो. अलका आर्या प्रो. सुनील कुमार जौहर प्रो. देवेन्द्र कुमार पाठक प्रो. विवेक रॉय प्रो अभिषेक श्रीवास्तव प्रो रचिता गुप्ता
रणनीति	प्रो. सफल बत्रा प्रो विवेक कुमार प्रो. शोभा तिवारी

अतिथि प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक	शैक्षणिक योग्यता
प्रो. मधुकुट्टी एम मोनिप्पल्ली	पीएचडी, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूके
श्री अभिषेक गुप्ता	प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल, पीएमआई, यूएसएय पीजीडीएम, आईआईएम अहमदाबादय सीए, आईसीएआई
श्री बिपुल कुमार	पीएचडी, आईआईएम रांची
श्री एस. पार्थसारथी	पीजीडीएम, आईआईएम बैंगलोर
प्रो. वेंकटेश के	पीजीडी, आईआईएम बैंगलोर
प्रो. नितिन के वर्मा	पीएचडी, आईआईएम रांची (एनालिटिक्स और सूचना प्रणाली)
श्री आदित्य पुजारी	एमबीए ऑपरेशंस एंड सप्लाई चेन, के.जे. सोमैया मुंबई
सुश्री राम्या पट्टाभिरामन	सीए, आईसीएआई
श्री समीप जैन	प्रबंधन में पीजीपी, आईआईएम अहमदाबाद
श्री अरुण कृष्णन	एमबीए, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
श्री सैमुअल राजकुमार डी	एमबीए (सिस्टम्स एंड मार्केटिंग), त्यागराजार स्कूल प्रबंधन विभाग, मदुरै कामराजार विश्वविद्यालय, मदुरै
सुश्री संगीता गणेशन	एमबीए, त्यागराजार स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (टीएसएम), मदुरै
प्रो. जी नरेश	पोस्ट डॉक्टरल फेलो – चार्लटन कॉलेज ऑफ बिजनेस, मैसाचुसेट्स डार्टमाउथ विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, और मद्रास विश्वविद्यालय, भारत से पीएचडी
प्रो. असित बर्मा	पीएचडी, प्रबंधन शिव्रा के प्राध्यापक, मद्रास विश्वविद्यालय
प्रा. हर्ष वर्धन सामलिया	पीएचडी भारतीय सूचना, तकनीकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर
प्रो. विवेकानन्द	एमबीए, मोनाश यूनिवर्सिटी मेलबर्न
श्री तीर्थंकर चौधरी	कार्यकारी एमबीए (वित्त), आईआईएम, कलकत्ता
डॉ. नितिन वर्मा	पीएचडी, आईआईएम रांची (एनालिटिक्स और सूचना प्रणाली), एमबीए (एसपीजेआईएमआर), बी.टेक., एनआईटी, कुरुक्षेत्र
गुरुमूर्ति जी पट्टाभिरामन	एमएससी ऐक्चूएरीअल एकोनॉमिक्स, मद्रास स्कूल ऑफ एकोनॉमिक्स

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

प्रोफेसर वेंकटेश कृष्णमूर्ति	क्ैम्न, ऐक्स मार्सिले विश्वविद्यालय (2022)। पीजीडी, आईआईएम बैंगलोर (2001)। इलेक्ट्रॉनिक्स में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (1995), बैंगलोर विश्वविद्यालय
प्रो. आर. विवेकानन्द	मोनाश विश्वविद्यालय (ऑस्ट्रेलिया) से एमबीए, अर्थमिति और विपणन में विशेषज्ञता प्राप्तय ऐक्स मार्सिले विश्वविद्यालय (फ्रांस) से अनुसंधान में परास्नातकय ऐक्स मार्सिले विश्वविद्यालय, फ्रांस से पीएचडी कर रहे हैं।
श्री मौसम देब	एमबीए, आईआईएम बैंगलोर
श्री अरिजीत घोष	एमबीए, टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन
प्रो. प्रांतोष जे बनर्जी	एफपीएम, आईआईएम अहमदाबादूं।
श्री अजीत मिश्रा	एमबीए, एस.पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च
प्रो. श्रवण कुमार त्रिवेदी	एफपीएम (आईआईएम इंदौर), एमटेक (आईआईआईटी इलाहाबाद)
प्रोफेसर अखलाक हक	पीएचडी, शहरी और सार्वजनिक मामले, क्लीवलैंड स्टेट विश्वविद्यालय
प्रोफेसर आर्य कुमार सृष्टिधर चंद	पीएचडी, अर्थशास्त्र, सीए फोस्करी विश्वविद्यालय वेनिस, इटली, 3 (उत्कृष्टता के साथ)
प्रो. वी रंगनाथन	पीएचडी (अर्थशास्त्र), आईआईएम अहमदबाद, बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक और टेलीकॉम) आईआईटी मद्रास
प्रो. अमलान भूषण	पीएचडी, मैजिस्टर एक्सामिन/रिसर्च मास्टर्स, अर्थशास्त्र और प्रबंधन विभाग, लुंड विश्वविद्यालय, स्वीडन.डॉक्टरेट मानद उपाधि

Research Publications and Citations

Publications

Adil, M., Sadiq, M., Jebarajakirthy, C., Maseeh, H. I., Sangroya, D., and Bharti, K. (2022). Online service failure: Antecedents, moderators and consequences. *Journal of Service Theory and Practice, 32*(6), 797-842. doi:10.1108/JSTP-01-2022-0019

Ali, A., and Badhani, K. N. (2023). Downside risk matters once the lottery effect is controlled: Explaining risk–return relationship in the indian equity market. *Journal of Asset Management, 24*(1), 27-43. doi:10.1057/s41260-022-00290-0

Ali, A., and Badhani, K. N. (2023). Tail risk, beta anomaly, and demand for lottery: What explains cross-sectional variations in equity returns? *Empirical Economics,* doi:10.1007/s00181-022-02355-w

Ambatipudi, V., and Kumar, D. (2022). Economic policy uncertainty versus sector volatility: Evidence from india using multi-scale wavelet granger causality analysis. *Journal of Emerging Market Finance, 21*(2), 184-210. doi:10.1177/09726527221078352

Badola, A., and Agrawal, R. K. (2023). Forty-five years of international journal of intercultural relations: A bibliometric analysis. *International Journal of Intercultural Relations, 94* doi:10.1016/j.ijintrel.2023.101785

Baharul Islam, K. M. (2022). Literatures from northeast india: Beyond the centre-periphery debate. *Literatures from northeast india: Beyond the centre-periphery debate* (pp. 1-199) doi:10.4324/9781003272946

Bansal, M., Kumar, A., Bhattacharyya, A., and Bashir, H. A. (2023). Predictors of revenue shifting and expense shifting: Evidence from an emerging economy. *Journal of Contemporary Accounting and Economics, 19*(1) doi:10.1016/j.jcae.2022.100339

Bansal, M., and Pendyala, S. S. (2023). Institutionalization of firm's commitment to CSR—a mimetic isomorphism perspective. *Asian Journal of Business Ethics,* doi:10.1007/s13520-023-00167-4

Bashir, H. A., and Kumar, D. (2023). Investor attention, twitter uncertainty and cryptocurrency market amid the COVID-19 pandemic. *Managerial Finance, 49*(4), 620-642. doi:10.1108/MF-09-2021-0414

Bharti, K., Jabeen, F., Sadiq, M., and Khan, F. (2022). Does external attribution motivate pessimistic consumers to purchase organic cosmetics? *Australasian Marketing Journal,* doi:10.1177/14413582221127319

Bhattacharjee, B., Kumar, R., and Senthilkumar, A. (2022). Unidirectional and bidirectional LSTM models for edge weight predictions in dynamic cross-market equity networks. *International Review of Financial Analysis, 84* doi:10.1016/j.irfa.2022.102384

Chauhan, A., Bhandari, S., Singh, G., and Dhiman, N. (2022). A trade credit policy for economic quantity model with stock sensitive demand and shortages for deteriorating items. Paper presented at the *AIP Conference Proceedings,2481* doi:10.1063/5.0104111

Cheung, R. W. -., Agrawal, R. K., and Choudhry, S. (2022). Do virtues matter? accounting ethics education in hong kong. *International Journal of Ethics and Systems,* doi:10.1108/IJOES-11-2021-0207

Devi, Y., and Srivastava, A. (2022). Addressing sustainability during and post-COVID-19 pandemic crisis: A literature review and bibliometric analysis to explore the future avenues. *Benchmarking,* doi:10.1108/BIJ-04-2021-0223

Dharani, M., Hassan, M. K., Abedin, M. Z., and Ismail, M. A. (2022). Does a search attention index explain portfolio returns in india? *Borsa Istanbul Review, 22*(2), 226-239. doi:10.1016/j.bir.2021.04.003

Dharani, M., Hassan, M. K., Huda, M., and Abedin, M. Z. (2023). Covid-19 pandemic and stock returns in india. *Journal of Economics and Finance, 47*(1), 251-266. doi:10.1007/s12197-022-09586-8

Ghosh, A., and Deb, M. (2022). Universal emotional arc structure in advertisements and their favorability. *European Journal of Marketing, 56*(4), 1232-1267. doi:10.1108/EJM-12-2020-0912

Goswami, A. K., and Agrawal, R. K. (2023). It's a knowledge centric world! does ethical leadership promote knowledge sharing and knowledge creation? psychological capital as mediator and shared goals as moderator. *Journal of Knowledge Management, 27*(3), 584-612. doi:10.1108/JKM-09-2021-0669

Goswami, M., Agrawal, R. K., and Goswami, A. K. (2022). Examining factor structure and validity of psychological capital and its relationship with learning orientation. *South Asian Journal of Human Resources Management,* doi:10.1177/23220937221128430

Gumparthi, V. P., Ambatipudi, V., and Narang, A. S. (2022).I cannot let go of the passion: Comparing the interpersonal and intrapersonal conceptualizations of brand passion. *Business Perspectives and Research,* doi:10.1177/22785337221105701

Gupta, A., and Kumar, H. (2022). Multi-dimensional perspectives on electric vehicles design: A mind map approach. *Cleaner Engineering and Technology, 8* doi:10.1016/j.clet.2022.100483

Gupta, M., and Jauhar, S. K. (2023). Digital innovation: An essence for industry 4.0. *Thunderbird International Business Review,* doi:10.1002/tie.22337

Gupta, R., and Dharap, O. (2022). How is india skilling its youth? A comprehensive study. *Journal of Vocational Education and Training,* doi:10.1080/13636820.2022.2098171

Gupta, R., and Guha, A. (2023). What characteristics of the economy drive the growth of modern renewable energy? evidence from 52 countries' panel data. *Applied Economics Letters,* doi:10.1080/13504851.2023.2186352

Gupta, R., and Gupta, R. (2022). Lost in the perilous boulevards of gig economy: Making of human drones. *South Asian Journal of Human Resources Management,* doi:10.1177/23220937221101259

Gupta, R., Rathore, B., Srivastava, A., and Biswas, B. (2022). Decision-making framework for identifying regions vulnerable to transmission of COVID-19 pandemic. *Computers and Industrial Engineering, 169* doi:10.1016/j.cie.2022.108207

Gupta, R., and Shankar, R. (2023). Managing food security using blockchain-enabled traceability system. *Benchmarking,* doi:10.1108/BIJ-01-2022-0029

Gupta, R., Shankar, R., Lai, K. -., and Kumar, A. (2023). Risk profiling of food security impediments using decision maker's behavioural preference towards operational risk management. *Annals of Operations Research,* doi:10.1007/s10479-022-05148-7

Iqbal, N., Bouri, E., Liu, G., and Kumar, A. (2022). Volatility spillovers during normal and high volatility states and their driving factors: A cross-country and cross-asset analysis. *International Journal of Finance and Economics,* doi:10.1002/ijfe.2717

Jauhar, S. K., Jani, S. M., Kamble, S. S., Pratap, S., Belhadi, A., and Gupta, S. (2023). How to use no-code artificial intelligence to predict and minimize the inventory distortions for resilient supply chains. *International Journal of Production Rsearch,* doi:10.1080/00207543.2023.2166139

Jauhar, S. K., Zolfagharinia, H., and Amin, S. H. (2022). A DEA-ANN-based analytical framework to assess and predict the efficiency of canadian universities in a service supply chain context. *Benchmarking,* doi:10.1108/BIJ-08-2021-0458

Jois, A., and Chakrabarti, S. (2022). Adapting and validating global knowledge branding scales in the education services sector. *VINE Journal of Information and Knowledge Management Systems,* doi:10.1108/VJIKMS-01-2022-0028

Jois, A., Chakrabarti, S., and Audrain-Pontevia, A. -. (2022). Exploring the impact of the impact of consumer satisfaction on the co-creation of a global knowledge brand. *Journal of Consumer Satisfaction, Dissatisfaction and Complaining Behavior, 35*, 52-75

Joshi, C. S., and Raman, A. V. (2022). Perils and paradoxes of outsourcing: An ethnographic study exploring hopes and dissonances emanating from IT employment in india. *Management and Labour Studies, 47*(4), 448-469. doi:10.1177/0258042X221097808

Kaler, A., and Guha, A. (2022). The proposed deregulation of india's sugar sector: Will it benefit farmers? *Economic and Political Weekly, 57*(21), 58-64

Kulshrestha, A., Krishnaswamy, V., and Sharma, M. (2023). A deep learning model for online doctor rating prediction. *Journal of Forecasting,* doi:10.1002/for.2953

Kumar, D. (2022). Economic and political uncertainties and sustainability disclosures in the tourism sector firms. *Tourism Economics,* doi:10.1177/13548166221113434

Kumar, P., and Utkarsh. (2023). Effects of in-store information quality and store credibility on consumer engagement in green retailing. *Journal of Retailing and Consumer Services, 71*

Kumar, R., Sachan, A., and Mukherjee, A. (2023). Adoption of e-government services at different maturity levels: A qualitative study in india. *Digital Policy, Regulation and Governance, 25*(1), 15-39

Kumar, V., and Srivastava, A. (2022). Trends in the thematic landscape of corporate social responsibility research: A structural topic modeling approach. *Journal of Business Research, 150*, 26-37

Mahajan, A., and Trivedi, B. (2022). Conquering talent challenges – the troikaa way. *International Journal of Business and Globalisation, 31*(1), 78-91

Maiti, A. (2022). Heterogeneous impact of COVID-19 pandemic on individual income across industries. *Applied Economics Letters,* doi:10.1080/13504851.2022.2141438

Maiti, A. (2022). Impact of COVID-19 on individual income in tourism and hospitality industry in india: A difference-in-differences approach. *Tourism Economics,* doi:10.1177/13548166221140629

Manchanda, M., and Deb, M. (2022). Multi-homing in B2B services: A psychological perspective. *Journal of Business and Industrial Marketing, 37*(10), 2116-2140

Narayan, S., and Kumar, D. (2023). Systemic risk transmission from the united states to asian economies during the COVID-19 period. *Journal of Emerging Market Finance, 22*(1), 57-84

Narwal, P., and Rai, S. (2022). Individual differences and moral disengagement in pay-whatyou-want pricing. *Journal of Business Research, 149*, 528-547

Nayak, D., Singh, M., Pant, M., and Jauhar, S. K. (2023). *Efficient supplier selection in the era of industry 4.0* doi:10.1007/978-3-031-19711-6_9

Pandey, A., and Utkarsh. (2023). Determinants of positive financial behavior: A parallel mediation model. *International Journal of Emerging Markets,* doi:10.1108/IJOEM-01-2022-0124

Prajapati, D., Jauhar, S. K., Gunasekaran, A., Kamble, S. S., and Pratap, S. (2022). Blockchain and IoT embedded sustainable virtual closed-loop supply chain in Ecommerce towards the circular economy. *Computers and Industrial Engineering, 172* doi:10.1016/j.cie.2022.108530

Pratap, S., Jauhar, S. K., Daultani, Y., and Paul, S. K. (2023). Benchmarking sustainable Ecommerce enterprises based on evolving customer expectations amidst COVID-19 pandemic. *Business Strategy and the Environment, 32*(1), 736-752

Ramachandran, V., Balooni, K., and Bhamoriya, V. (2022). Social enterprises: Partners and catalysts in the enhancement of smallholder farming. *Journal of Social Entrepreneurship,* doi:10.1080/ 19420676. 2022.2091646

Rathore, B., Gupta, R., Biswas, B., Srivastava, A., and Gupta, S. (2022). Identification and analysis of adoption barriers of disruptive technologies in the logistics industry. *International Journal of Logistics Management, 33*(5), 136-169. doi:10.1108/IJLM-07-2021-0352

Roy, V., Prakash, C., and Charan, P. (2023). Under "my way or the highway"! the weaker partner's synergy on collaborative performance in humanitarian relief when experiencing power tactics. *International Journal of Operations and Production Management,* doi:10.1108/IJOPM-12-2021-0749

Sachdeva, L., Bharti, K., and Badhotiya, G. K. (2022). Modeling of career entry barriers for women in male dominated occupations: A case of indian railways. *Research in Transportation Business and Management, 45* doi:10.1016/j.rtbm.2022.100871

Samad, T. A., Ganguly, K. K., and Das, D. (2023). Towards a framework for development of crowd logistics: Paving the way for sustainable logistics. *Computers and Industrial Engineering, 176* doi:10.1016/j.cie.2023.109008

Sanguri, K., Patra, S., and Punia, S. (2023). Forecast reconciliation in the temporal hierarchy: Special case of intermittent demand with obsolescence. *Expert Systems with Applications, 218* doi:10.1016/j.eswa.2023.119566

Sanguri, K., Shankar, S., Punia, S., and Patra, S. (2022). Hierarchical container throughput forecasting: The value of coherent forecasts in the management of ports operations. *Computers an Industrial Engineering, 173* doi:10.1016/j.cie.2022.108651

Sharma, V. K., and Kumar, H. (2023). Enablers driving success of artificial intelligence in business performance: A TISM-MICMAC approach.*IEEE Transactions on Engineering Management,*, 1-11. doi:10.1109/ TEM.2023.3236768

Shiljas, K., Kumar, D., and Bashir, H. A. (2022). Nexus between twitter-based sentiment and tourism sector performance amid COVID-19 demic. *Tourism Economics,* doi: 10.1177/13548166221123102

Sindhu, P., and Bharti, K. (2023). Influence of chatbots on purchase invtention in social commerce. *Behaviour and Information Technology,* doi:10.1080/0144929X.2022.2163188

Sindhu, P., and Bharti, K. (2023). The effects of atmospherics and influencers on purchase intention in social commerce. *Journal of Database Management, 34*(1) doi:10.4018/JDM.317222

Singh, A. K., Pathak, D. K., and Patra, S. (2022). An integrated systems thinking approach for achieving sustainability in project-based organizations. *Systems Research and Behavioral Science,* doi:10.1002/sres.2892

Singh, G., Singh, D., and Rani, M. (2022). An entropic inventory model for imperfect product quality with multivariate demand and permissible delay in payment under inflationary environment. Paper presented at the *AIP Conference Proceedings, 2481* doi:10.1063/5.0104599

Singh, H., Chakrabarti, S., and Utkarsh. (2023). How do gratifications to read reviews and perceived reviewers' credibility impact behavioural intentions in fashion ecommerce? A mediating-moderating perspective. *Computers in Human Behavior, 143* doi:10.1016/j.chb.2023.107677

Singh, V. P., and Ganguly, K. K. (2022). A supporting framework for estimating trade-off between cost and availability at equipment level: Development and application in the aircraft MRO industry. *Production Planning and Control,* doi:10.1080/09537287.2022.2136549

Srivastava, A., Chakraborty, A., and Mateen, A. (2022). Role of power imbalance on channel coordination under greening investments. *OPSEARCH, 59*(4), 1522-1554.doi:10.1007/s12597-022-00589-x

Srivastava, A., Kumar, R. R., Chakraborty, A., Mateen, A., and Narayanamurthy, G. (2022). Design and selection of government policies for electric vehicles adoption: A global perspective. *Transportation Research Part E: Logistics and Transportation Review, 161* doi:10.1016/j.tre.2022.102726

Srivastava, S., Pant, M., Jauhar, S. K., and Nagar, A. K. (2022). Analyzing the prospects of blockchain in healthcare industry. *Computational and Mathematical Methods in Medicine, 2022* doi:10.1155/2022/3727389

Taneja, B., and Bharti, K. (2023). Medical device companies crisis communication response to stakeholders during COVID-19: Pre-crisis stage to new normal. *International Journal of Pharmaceutical and Healthcare Marketing,* doi:10.1108/IJPHM-12-2021-0118

Tripathy, A., Bhuyan, A., Padhy, R., and Corazza, L. (2022). Technological, organizational, and environmental factors affecting the adoption of electric vehicle battery recycling. *IEEE Transactions on Engineering Management,* doi:10.1109/ TEM.2022.3164288

Tripathy, A., Bhuyan, A., Padhy, R. K., Kumar Mangla, S., and Roopak, R. (2023). Drivers of lithium-ion batteries recycling industry toward circular economy in industry 4.0. *Computers and Industrial Engineering, 179* doi:10.1016/j.cie.2023.109157

Trivedi, S. K., Kumar, R., Dey, S., Chaudhary, A. K., and Zhang, J. Z. (2023). *COVID-19 patient recovery prediction using efficient logistic regression model* doi:10.1007/978-3-031-22018-0_13

Utkarsh. (2023). Tangible and intangible quality cues in service advertising: A construal level theory perspective. *Journal of Global Scholars of Marketing Science: Bridging Asia and the World, 33*(1), 90-106. doi:10.1080/21639159.2022.2062023

Vedula, S. B., and Agrawal, R. K. (2023). Mapping spiritual leadership: A bibliometricanalysis and synthesis of past milestones and future research agenda. *Journal of Business Ethics,* doi:10.1007/s10551-023-05346-8

Verma, D., Dewani, P. P., Behl, A., and Dwivedi, Y. K. (2023). Understanding the impact of eWOM communication through the lens of information adoption model: A meta analytic structural equation modeling perspective. *Computers in Human Behavior, 143* doi:10.1016/ j.chb.2023.107710

Yang, X., Gajpal, Y., Roy, V., and Appadoo, S. (2022). Tactical level operating theatre scheduling of elective surgeries for maximizing hospital performance. *Computers and Industrial Engineering, 174* doi:10.1016/j.cie.2022.108799

Citations

Over the years the citation of IIM Kashipur publications has increased significantly. According to Scopus Database, in 2022 there was a sharp increase in the number of citations which increased from 621 citations in 2021 to 1392 in 2022. It depicts the quality of the research published by our faculty members.

उद्धरण

पिछले कुछ वर्षों में आईआईएम काशीपुर प्रकाशनों में सकारात्मक वृद्धि हुई है। स्कोपस डेटाबेस के अनुसार: वर्ष 2022 में उद्धरणों की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई जो 2021 में 621 से बढ़कर 2022 में 1392 तक हो गई।

यह हमारे संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशित शोध की गुणवत्ता को दर्शाता है।

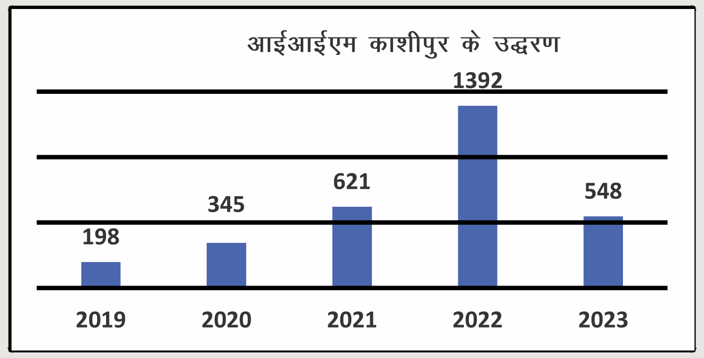

शोध संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	तारीख
सुश्री उषा थोराट, पूर्व डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक	भारत विकास कथा	17 मार्च 2023
प्रोफेसर अजय अधिकारी, लेखांकन विभाग, कोगोड स्कूल ऑफ बिजनेस, अमेरिकी विश्वविद्यालय	संधारणीय रिपोर्टिंग (ईएसजी): विकास, अनुसंधान, और अभ्यास अवसर	10 मार्च 2023
प्रो. अलका आर्य, एसोसिएट प्रोफेसर, संचालन प्रबंधन और निर्णय विज्ञान, आईआईएम काशीपुर	बहु–अवधि के लिए द्वि–चरणीय उत्पादन प्रणाली में उत्पादकता परिवर्तन नकारात्मक डेटा के साथ	17 फरवरी 2023
डॉ. स्टैंको पेलक, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय प्रिमोस्का विश्वविद्यालय, कंकरजेवा/कोपर, स्लोवेनिया	सीमांतता का भौगोलिक अनुसंधान और सीमांतीकरण प्रणाली	13 जनवरी 2023
फुलब्राइट स्कॉलर प्रो. अखलाक हक, राजनीतिक विज्ञान विभाग और सार्वजनिक प्रशासन	भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) और सार्वजनिक नीति निर्माण	6 जनवरी 2023
फुलब्राइट स्कॉलर प्रो. अखलाक हक, राजनीतिक विभाग विज्ञान और सार्वजनिक प्रशासन, अलबामा विश्वविद्यालय, बर्मिंघम	तकनीकी अंतरनिर्भरता और सोशल नेटवर्क	9 दिसंबर 2022
फुलब्राइट स्कॉलर प्रो. अखलाक हक, राजनीतिक विभाग विज्ञान और सार्वजनिक प्रशासन, अलबामा विश्वविद्यालय, बर्मिंघम	तकनीकी अंतरनिर्भरता और सोशल नेटवर्क	9 दिसंबर 2022
प्रो.अमिताभ रतूड़ी, प्रोफेसर एमेरिटस,संचालन विभाग, व्यवसाय विश्लेषिकी और सूचना प्रणाली, सिनसिनाटी विश्वविद्यालय	संचालन में अनुसंधान प्रतिमान और व्यवसाय प्रबंधन: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य	18 नवंबर 2022
प्रो. उत्कर्ष, एसोसिएट प्रोफेसर, विपणन क्षेत्र, आईआईएम काशीपुर	संबंधपरक लाभ का प्रभाव उपभोक्ताओं की अतिरिक्त भूमिका और भूमिका व्यवहाररू एक सामाजिक पहचान और सामाजिक विनिमय परिप्रेक्ष्य	14 नवंबर 2022
प्रो. आशीष कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, वित्त क्षेत्र, आईआईएम काशीपुर	कार्यशील पूंजी नीतियों और कॉर्पोरेट नकदी संग्रह की गतिशीलता के बीच अंतर–अस्थायी संबंध? उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं से साक्ष्य	11 नवंबर 2022
प्रो. अभ्रदीप मैती, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र क्षेत्र, आईआईएम काशीपुर	उद्योगों में व्यक्तिगत आय पर कोविड–19 महामारी का विषम प्रभाव	7 अक्टूबर 2022
प्रो. राहुल अशोक कांबले, एसोसिएट प्रोफेसर, संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन क्षेत्र, आईआईएम काशीपुर	स्विमिंग विद दी टाइड्स: भावनात्मक प्रबंधन के माध्यम से अनिश्चित कार्य का प्रबंध करना	30 सितंबर 2022
प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, संचालन प्रबंधन और निर्णय, विज्ञान क्षेत्र, आईआईएम काशीपुर	अनधिकृत ग्रे मार्केट सैलिंग पर अंकुश लगाने के लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी को अपनाना	23 सितंबर 2022
प्रो. ए वी रमन, एसोसिएट प्रोफेसर, संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन क्षेत्र, आईआईएम काशीपुर	रेस्टोरेंट वेटर–प्रीकैरिएटय महामारी से पहले और उसके बाद, शहरी भारत में एक गुणात्मक अध्ययन।	9 सितंबर 2022
प्रो. अमृत सदाचार, एसोसिएट प्रोफेसर, उपभोक्ता और डिजाइन विज्ञान विभाग, मानव विज्ञान महाविद्यालय, ऑबर्न विश्वविद्यालय	अनुसंधान विचार उत्पत्ति खुदरा उद्योग में रुझान और उपभोक्ता खरीदारी अनुभव पर आधारित	6 जून 2022

बाह्य वित्तपोषित परियोजना

शीर्षक / वित्तपोषण एजेंसी	संकाय	दिनांक	अवधि	राशि
व्यावसायिक उच्च शिक्षा में दिव्यांग महिलाएँ: जीवंत अनुभव और अधिकार आधारित नीति परिप्रेक्ष्य / राष्ट्रीय आयोग महिला	प्रो के एम बी इस्लाम	3 अक्टूबर 2022	एक वर्ष	₹ 11,77,000

श्रेणी

आईआईएम काशीपुर ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2022 रैंकिंग में भारत के शीर्ष 50 प्रबंधन संस्थानों / कॉलेजों में 23वीं रैंक हासिल करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

पुरस्कार और सम्मान

आईआईएम काशीपुर के, प्रो कुणाल गांगुली ने श्ओजोन परत और पृथ्वी पर जीवनश विषय पर अंतर्राष्ट्रीय स्कॉलरली लेख प्रतियोगिता जीती। यह प्रतियोगिता मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की 35वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी, जो पारिस्थितिकी और पर्यावरण संरक्षण (एससीईईपी), यूएनडीपी और जीईएफ के लिए उज्बेकिस्तान गणराज्य की राज्य समिति की संयुक्त परियोजना है।

सेमिनार / सम्मेलनों में संकाय / प्राध्यापकों की भागीदारी

संकाय / प्राध्यापक	दिनाँक(से)	दिनाँक(तक)	सेमिनार / सम्मेलन
प्रो. के एम बहारुल इस्लाम	8 अगस्त 2022	11 अगस्त 2022	'दूरसंचार / आईसीटी के विनियामक और नीतिगत पहलुओं' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के क्षेत्रीय मानकीकरण फोरम में 8 अगस्त 2022 को अकादमिक सदस्य के रूप में भाग लियाय साथ ही 9–12 अगस्त 2023 तक नई दिल्ली में 'मानकीकरण में प्रभावशीलता' पर एशिया और ओशिनिया (एसजी3आरजी –एओ) के लिए आईटीयू–टी अध्ययन समूह–3 क्षेत्रीय समूह की बैठक में भी भाग लिया।
प्रो. के एम बहारुल इस्लाम	14 सितंबर 2022	23 सितंबर 2022	एजुकेटर्स विदाउट बॉर्डर्स इंटरनेशनल द्वारा, काठमांडू, नेपाल में शिक्षकों के लिए आयोजित गुणवत्ता सुधार प्रशिक्षण कार्यक्रम में 14–22 सितंबर 2022 तक विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
प्रो. के एम बहारुल इस्लाम	1 अक्टूबर 2022	2 अक्टूबर 2022	1 अक्टूबर 2022 को आयोजित हुई, बुजुर्ग मनोवैज्ञानिक देखभाल (एनएसईपीएस) राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया

प्रो सफल बत्रा	16 अक्टूबर 2022	19 अक्टूबर 2022	FIED&RABI परियोजना के हिस्से के रूप में नई दिल्ली में आयोजित प्रधान मंत्री कृषि शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
प्रो अभिषेक श्रीवास्तव	15 दिसंबर 2022	23 दिसंबर 2022	सोसाइटी ऑफ ऑपरेशंस मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस और प्रोडक्शन एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस में भाग लिया
प्रो देवजनी चौटर्जी	8 जनवरी 2023	10 जनवरी 2023	ग्रामीण जल आपूर्ति में सार्वजनिक उपयोगिता दृष्टिकोणश पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए एटीआई का दौरा करने के लिए।
प्रो अभ्रदीप मैती	9 जनवरी 2023	13 जनवरी 2023	मुंबई में आईआईटी बॉम्बे में आयोजित एशियाई श्इकोनॉमेट्रिक सोसाइटी की बैठकश के सम्मेलन में भाग लिया
प्रो राजीव कुमार	12 जनवरी 2023	13 जनवरी 2023	श्मशीन लर्निंग विश्वसनीयता विश्लेषणश पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया आईएसआई कोलकाता में आयोजित एसआईएस और एप्लिकेशन
प्रो. अलका आर्य	31 जनवरी 2023	4 फरवरी 2023	आईएसआई दिल्ली में श्एप्लाइड ऑप्टिमाइजेशन और गेम थ्योरेटिक मॉडल फॉर डिसीजन मेकिंग पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीश में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया।
प्रो. के एम बहारुल इस्लाम	22 मार्च 2023	24 मार्च 2023	भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा नई दिल्ली में यूएन–आईटीयू क्षेत्र कार्यालय और इनोवेशन सेंटर के शुभारंभ में भाग लिया और क्षेत्रीय इनोवेशन फोरम और उद्घाटन सह–निर्माण में एक प्रस्तुति दी। इनोवेशन सेंटर की कार्यशाला 22–23 मार्च 2023 को नई दिल्ली में आयोजित की गई

जन, पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमिता में उभरते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आईआईएम काशीपुर और 'फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी)' ने 'हंटर सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल ग्लासगो, यूके' के सहयोग से 15–18 दिसंबर 2022 के बीच आईआईएम काशीपुर परिसर में 'जन, पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमिता में उभरते रुझान' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन, विशेष रूप से उद्यमिता के सिद्धांतों और व्यवहार के लिए समर्पित, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को पोषित और सशक्त करने की एक महत्वपूर्ण पहल था। इस सम्मेलन को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें कॉल फॉर पेपर राउंड में साठ से अधिक पत्र/पेपर प्रस्तुत किए गए। उसमें से 26 शोधपत्र समीक्षा प्रक्रिया के बाद प्रस्तुति के लिए स्वीकार किए गए। भारत के प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों जैसे आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम बैंगलोर, आईआईएम लखनऊ, आईआईएम कोझिकोड, एक्सएलआरआई जमशेदपुर एवं आईआईटी मंडी, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, कोचीन विज्ञान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिभागियों ने सम्मेलन में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, सम्मेलन में स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल, यूनाइटेड किंगडम और एशलैंड यूनिवर्सिटी, यूएसए से भी पत्र/पेपर आए।

सम्मेलन का उद्घाटन, इंटरनेशनल बिजनेस के प्रोफेसर प्रो. शिवकुमार वेंकटरामनी और चेयर इन बिजनेस एंटरप्राइज, एशलैंड यूनिवर्सिटी, ओहियो, यूएस के बर्टन डी. मॉर्गन द्वारा दिए मुख्य भाषण के साथ हुआ। अनुसंधान छात्रों के लिए पत्र/पेपर विकास और स्थानीय एसएमई उद्यमियों के लिए उद्यमशीलता मानसिकता पर दो कार्यशालाओं का नेतृत्व 'हंटर सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप, स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल, ग्लासगो, यूके' से डॉ. श्रीवास सहस्रनामम, डॉ. ल्यूक्रेजिया कैसुली और डॉ. सुजैन मावसन ने किया।

'संपादक से मिलिए' सत्र के दौरान, प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के निम्नलिखित संपादकों ने भाग लिया एवं डॉक्टरेट छात्रों को प्रस्तुतिकरण एवं समीक्षा प्रक्रिया पर सार्थक जानकारी प्रदान की:

- प्रोफेसर पॉल जोन्स – संपादक – इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरियल बिहेवियर एंड रिसर्च
- प्रोफेसर हरि बापूजी – संपादक – बिजनेस एंड सोसाइटी
- प्रोफेसर दिलानी जयवर्ण – परामर्श/सह–संपादक–इंटरनेशनल स्मॉल बिजनेस जर्नल एण्ड एंटरप्रेन्योरशिप एण्ड रीजनल डेवलपमेंट
- प्रोफेसर अब्दुल्ला गोक – सहयोगी संपादक – टेक्नॉलजी फोरकास्टिंग एण्ड सोशल चेंज
- प्रोफेसर श्रीवास सहस्रनाम – सह–संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरियल बिहेवियर एंड रिसर्च (सत्र के सभापति)
- प्रोफेसर रॉबर्ट ब्लैकबर्न – संपादक, इंटरनेशनल स्मॉल बिजनेस जर्नल
- प्रोफेसर दीमा रेफाई – संपादक, द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एण्ड इनोवेशन

पेपर प्रस्तुतियाँ निम्नलिखित पाँच सत्रों के साथ आयोजित की गई, प्रत्येक की सह–अध्यक्षता स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल और भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर के एक–एक प्राध्यापक द्वारा की गई।

सत्र	संबंधित क्षेत्र	प्रस्तुत पत्रों की संख्या	सत्र के सभापति (स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल)
सत्र 1	उद्यमिता में लैंगिक मुद्दे	4	डॉ. कतरीना निकोलोपोलू एवं प्रो. वैभव भमोरिया
सत्र 2	लोग एवं उद्यमिता	6	डॉ. ल्यूक्रेजिया कैसुली एवं डॉ शोभा तिवारी
सत्र 3	उद्यमिता का पारिस्थितिकीय विकास	5	डॉ. बर्नड वुर्थ एवं डॉ श्रीवास सहस्रनामम
सत्र 4	उद्यमिता एवं एसडीजी	5	डॉ श्रीवास सहस्रनाम एवं प्रो विवेक कुमार
सत्र 5	उद्यमिता में प्रचलन	6	डॉ श्रीवास सहस्रनाम एवं प्रोफेसर वेंकटरामनी शिवकुमार

सर्वश्रेष्ठ पत्र/पेपर का पुरस्कार भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ के श्री विवेक कुमार झा और डॉ. अनादि सरन पांडे को उनके पत्र/पेपर जिनका शीर्षक–विषय था ''द इन्फ्लुएंस ऑफ एंटरप्रेन्योरियल इकोसिस्टम्स ऑन सस्टेनेबल एंटरप्रेन्योरशिप एंड एसडीजी परफॉर्मेंस ऑफ नेशंस'' के लिए प्रदान किया गया।

छात्र गतिविधियाँ

विद्यार्थी परिषद

विद्यार्थी परिषद कॉलेज का सर्वोच्च शासी छात्र निकाय है, जो सभी गतिविधियों एवं छात्र निकायों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करते हुए कॉलेज में छात्रों के कल्याण के लिए उत्तरदायी है। यह छात्रों का, छात्रों द्वारा और छात्रों के लिए गठित एक संगठन है। यह छात्रों के जीवन के शैक्षणिक और सह–पाठ्यचर्या क्षेत्रों को एकीकृत करके, कक्षा के बाहर के अनुभव को संस्थान के शैक्षणिक लक्ष्यों से जोड़ता है और छात्रों की बौद्धिक, सार्वजनिक सेवा और नेतृत्व हितों को उनकी भविष्य की आकांक्षाओं के साथ समाविष्ट करता है। यह छात्रों के लिए जीवन की गुणवत्ता और सीखने को आसान बनाने और पूरक करने के लिए आईआईएम काशीपुर समुदाय के अंदर और बाहर छात्रों, संकाय, प्रशासकों और अन्य भागीदारों के साथ सहयोग करता है। इसके अलावा, यह छात्रों के लिए यथासंभव सक्रिय भागीदारी और चिंतन के माध्यम से सीखने के अवसर पैदा करता है।

- विद्यार्थी परिषद संस्थान के अंदर और बाहर दोनों जगह छात्रों के प्रथम प्रतिनिधि के रूप में कार्य करती है और यह सुनिश्चित करती है कि सभी गतिविधियाँ संस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप हों।
- संस्थान में शिक्षाविदों, सुविधाओं, बुनियादी ढाँचे, छात्रावास, भोजनगृह, सुरक्षा, बाहरी अनुबंधों आदि सहित छात्र जीवन में सुधार से संबंधित सभी मामलों के लिए प्रशासन में सभी अध्यक्षों, प्रमुखों और अन्य लोगों के साथ समन्वय।
- वे कॉलेज के अंदर और बाहर सभी छात्र गतिविधियों के लिए उत्तरदायी हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संस्थान की छवि और छात्रों के हित यथास्थिति बने रहें।
- वे छात्र निकायों और/या व्यक्तिगत छात्रों के बीच होने वाले किसी भी प्रकार के संघर्ष का समाधान एवं साथ ही उन सभी उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हैं, जो किसी अन्य छात्र निकाय के अंतर्गत नहीं आती हैं।
- वे संस्थान के भीतर छात्र समुदाय के बीच होने वाली सभी छात्र निकाय गतिविधियों के लिए भी उत्तरदायी हैं और उनके सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सभी छात्र निकायों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करते हैं।
- विद्यार्थी परिषद संस्थान द्वारा अनुदान दी गई धनराशि, बाहरी निकायों से प्रायोजन के रूप में प्राप्त या संस्थान में छात्रों से एकत्र किए गए धन के उचित उपयोग के लिए भी उत्तरदायी है और नियमित वित्तीय लेखापरीक्षा द्वारा यह सुनिश्चित करते हैं कि बजट के व्यय में एक निष्पक्ष प्रक्रिया का पालन किया जाए।

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23
भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

- महाविद्यालय में अनुशासन का उचित रख–रखाव।
- नियमित अंतराल पर छात्रों और छात्र संगठनों के मुद्दों को समझना एवं आवश्यक माध्यमों से उनका समाधान करना।
- वित्तीय लेखापरीक्षा और छात्र निकायों द्वारा व्यय का निरीक्षण एवं साथ–साथ छात्रों तथा छात्र निकायों की कार्य–समीक्षा करना।
- सभी छात्र निकायों की संरचना की समीक्षा करना और बदलते परिवेश के कारण आवश्यकतानुसार परिवर्तन करना।
- किसी भी छात्र निकाय में व्यक्तियों के चयन में निष्पक्ष प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के साथ–साथ पूरे वर्ष कॉलेज में गतिविधियों और कार्यक्रमों का समान वितरण सुनिश्चित करना।

2022–23 में छात्र निकाय संरचना

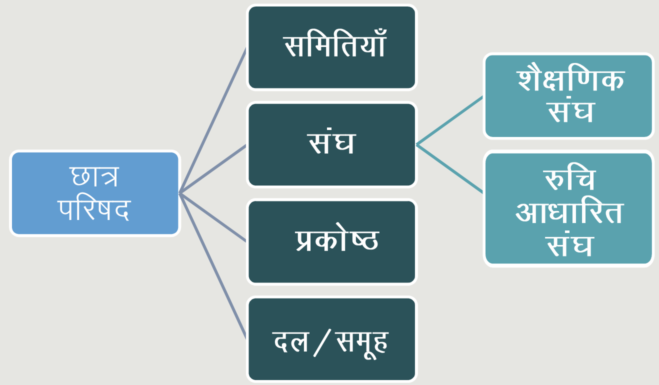

- विद्यार्थी परिषद को, वर्ष में एक बार सभी छात्र निकायों की संरचना की समीक्षा करनी चाहिए और उस छात्र निकाय के अध्यक्ष (यदि कोई हो) के समन्वय से, बदलते परिवेश के कारण आवश्यकतानुसार उनकी संरचना, कामकाज और प्रतिनिधित्व में बदलाव करना चाहिए। इसमें समितियों/संघों का विलय या नए छात्र निकाय का निर्माण शामिल हो सकता है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।
- विद्यार्थी परिषद, विशेष रूप से अध्यक्ष और महासचिव समितियों/संघों/ प्रकोष्ठों/ अन्तर्भागों और/ या व्यक्तिगत रूप से छात्रों के बीच उत्पन्न होने वाले, किसी भी प्रकार के संघर्ष का समाधान करने के लिए उत्तरदायी हैं।
- विद्यार्थी परिषद को, सभी छात्र गतिविधियों के लिए उत्तरदायी होने के नाते, कॉलेज के अंदर और बाहर दोनों जगह सभी छात्र गतिविधियों से अवगत होना चाहिए। इससे सभी आयोजनों की सूचना आयोजन समिति/ संघ/ प्रकोष्ठ/ अंतर्भाग द्वारा पहले से ही अध्यक्ष, महासचिव, सभापति और सह–अध्यक्ष को देना अनिवार्य हो जाता है। प्रतिवेदन में गतिविधियों की अवधारणा, गतिविधि के लिए आयोजन टीम की चयन प्रक्रिया और गतिविधि प्रस्ताव के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है।

समितियाँ

शैक्षणिक समिति

शैक्षणिक समिति के सदस्य आईआईएम काशीपुर की शैक्षणिक दृढ़ता को बनाए रखने के लिए उत्तरदायी हैं। इसके लिए समिति, कार्यशालाएँ, सहकर्मी शिक्षण सत्र, अतिथि व्याख्यान, प्राध्यापक वार्ता श्रृंखला और सोशल मीडिया अभियान जैसी विभिन्न पहल करती है। यह समिति, कक्षाओं में अनुशासन बनाए रखने और एक सशक्त शैक्षणिक संस्कृति के निर्माण में सहायता करती है।

उत्तरदायित्व

- कक्षाओं का सुचारू रूप से संचालन एवं छात्रों द्वारा शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करना
- एमबीए और एमबीए–एनालिटिक्स विभाग एवं प्राध्यापकों को बैच की अभिरुचियों को दर्शाना।
- विदेशी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय करना।
- सोशल मीडिया पहल के माध्यम से प्रज्ञता को बढ़ावा देना।
- छात्रों को वैकल्पिक विषयों के संबंध में सुविज्ञ निर्णय लेने में सहायता करना।

गतिविधियाँ / आयोजन

एमबीए श्रृंखलाः इस वर्ष की एमबीए श्रृंखला के दौरान दो सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में भारत के पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, राजदूत पंकज सरन ने भारत–दक्षिण एशिया संबंधों के बारे में चर्चा की। वहीं दूसरे सत्र में, भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के एचआर सदस्य डॉ. आर बालासुब्रमण्यम ने वैश्विक नागरिकता और सामाजिक क्षेत्र के विकास के लिए नेतृत्व–क्षमता के बारे में बात की।

गुरु निष्ठाः गुरु निष्ठा कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित प्रोफेसरों (महाध्यापकों) की मेजबानी करता है एवं छात्रों को उनके अनुभवों से महत्वपूर्ण जीवन सबक प्राप्त करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करता है। समिति ने इस वर्ष तीन सत्र आयोजित किए और इन सत्रों के लिए आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफेसर अरिंदम बनर्जी, ऑक्सफोर्ड

विश्वविद्यालय के ब्लावाटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट के नीति सलाहकार प्रोफेसर अमलान भूषण तथा आईआईएम बैंगलोर में रणनीति में सहायक प्रोफेसर प्रो. प्रतीक राज की मेजबानी की।

प्राध्यापक वार्ता शृंखलाः समिति ने छात्रों के लिए एक नई पहल, 'फैकल्टी टॉक सीरीज' (प्राध्यापक वार्ता शृंखला) शुरू की है, जो उन्हें एमबीए पाठ्यक्रम से इतर विभिन्न विषयों के बारे में संस्थान के प्राध्यापकों से सीखने का अवसर प्रदान करेगी एवं जिससे उन्हें विविध क्षेत्रों में विद्वत्तापूर्ण समझ विकसित करने के लिए नए दृष्टिकोण प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

सहकर्मी शिक्षण सत्रः शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों के साथ विभिन्न विषयों के लिए सहकर्मी शिक्षण सत्र की सुविधा।

मार्गदर्शनः अकादमी समिति ने भूतपूर्व छात्र संबंध समिति के सहयोग से एक श्मार्गदर्शनश सत्र आयोजित किया, जिसमें स्वर्ण पदक विजेता (बैच 2020–22) साक्षी पोद्दार ने कनिष्ठ छात्रों को उच्च अंक प्राप्त करने के लिए सुझाव साझा किए।

भूतपूर्व छात्र संबंध समिति

भूतपूर्व छात्र संबंध समिति (एआरसी) की स्थापना भूतपूर्व छात्रों, छात्रों, प्राध्यापकों और आईआईएम काशीपुर परिवार के अन्य सदस्यों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने के लिए की गई थी। इस समिति का लक्ष्य, संस्थान निर्माण के दौरान हमारे भूतपूर्व छात्र तंत्र के अनुभवों एवं विशाल उद्योग प्रदर्शन को बढ़ावा देना, पोषण करना और लाभ उठाना है।

भूतपूर्व छात्र संबंध समिति हमारे भूतपूर्व छात्रों के साथ सभी प्रकार की बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। हमारे भूतपूर्व छात्रों को उनकी यादें ताजा करने और उनकी मातृ–संस्था के साथ उनके संबंध को मजबूत करने में सहायता करने, समिति उन्हें प्रतिवर्ष अग्नित्रय (आईआईएम काशीपुर का वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम) के दौरान 'घर वापसी' के लिए हमारे परिसर में पुनः आमंत्रित करती है। इसके अलावा, समिति देश भर के विभिन्न शहरों में आयोजित 'सिटी मीट' जैसे असंख्य आयोजनों के माध्यम से हमारे भूतपूर्व छात्र परिवारों तक पहुँचने का लगातार प्रयास करती है। हमारे त्रैमासिक समाचार पत्र सारथी का उद्देश्य हमारे भूतपूर्व छात्रों को आईआईएम काशीपुर में होने वाली गतिविधियों से अवगत कराने में सहायता करना है। यह समिति एलुमनी मेंटरशिप प्रोग्राम, एल–स्पीक गेस्ट लेक्चर सीरीज, एल–प्रेप वेबिनार सत्र, पैनल चर्चा और एलुमनी अनप्लग्ड पॉडकास्ट श्रृंखला जैसी कई पहलों के माध्यम से मौजूदा बैचों को लाभान्वित करने के लिए भी प्रयासरत है।

एआरसी (भूतपूर्व छात्र संबंध समिति) हमारे भूतपूर्व छात्रों को अपने भूतपूर्व साथी छात्रों के साथ जुड़े रहने और अपनी मातृ–संस्था के साथ उनके सहयोग को बढ़ावा देने में सक्षम बनाने के लिए भूतपूर्व छात्र पोर्टल का प्रबंधन भी करती है। समिति वर्तमान में भूतपूर्व छात्र संघ की स्थापना सहित कई नई पहलों पर कार्य कर रही है।

गतिविधियाँ / आयोजन

भूतपूर्व छात्र संपर्क माहः भूतपूर्व छात्रों के बैचों से जुड़ा और उनके विवरण के साथ डेटाबेस को अद्यतन किया गया। एमबीए 2020–22, पीजीपी 2011–13 और ईएमबीए 2019–21 बैच के भूतपूर्व छात्रों से संपर्क साधने का प्रयास किया गया, जहाँ हमने 400 से अधिक भूतपूर्व छात्रों से संपर्क किया।

भूतपूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला (ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान): वक्ताओं के रूप में पाँच भूतपूर्व छात्रों की मेजबानी में छात्रों का प्रचलन में चल रहे विभिन्न विषयों जैसे अपनी एमबीए यात्रा का अधिकतम लाभ कैसे उठाएँ, केसिंग द जॉइंट, केस प्रतियोगिताओं की कठिन चुनौती को सुलझाना, पीपीआई यात्रा का रहस्योद्घाटन, परामर्श का मार्ग, एमबीए से एमबीबी तक की यात्रा एवं व्युत्पादन और जोखिम प्रबंधन पर ज्ञान संवर्द्धन किया।

भूतपूर्व छात्र संभाषण श्रृंखला (ऑफलाइन): 'वित्त का इक्विटी पक्ष', 'वित्तीय योजना और विश्लेषण', तथा 'वित्त क्षेत्र में संभावना एवं नौकरी के अवसर' पर 27 नवंबर 2022 को एक सत्र आयोजित किया गया था।

भूतपूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला (ऑफलाइन व्याख्यान): परिसर में दो भूतपूर्व छात्रों की मेजबानी में 'महामारी के बाद ऑनलाइन मार्केटिंग का प्रभाव' और 'क्या आप अपने एसआईपी में चीता या हाथी बनना चाहते हैं' विषयों पर एक सत्र का आयोजन किया गया।

पूर्व छात्र परामर्श कार्यक्रम चरण– I: निम्नलिखित विषयों पर सत्र आयोजित किए गएः

- वैल्यू स्ट्रीम मैपिंग / मूल्य–धारा मानचित्रण (संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन)
- उत्पाद प्रबंधन में कैसे प्रवेश करें (उत्पाद प्रबंधन)
- वित्त रहस्योद्घाटन एक अंदरूनी सूत्र का परिप्रेक्ष्य (वित्त)

भूतपूर्व छात्र अनप्लग्ड– वीडियो पॉडकास्ट श्रृंखलाः 2011–13 पीजीपी बैच के भूतपूर्व छात्र श्री जतिन कुमार के साथ एक वीडियो पॉडकास्ट आयोजित किया गया था। उन्होंने संस्थापक और सीईओ के रूप में 'प्रॉपर टी' के नेतृत्व संबंधी, अपनी उद्यमशीलता–यात्रा साझा की। एक अन्य वीडियो पॉडकास्ट, पीजीपी 2014–16 बैच के श्री दविंदर यादव द्वारा 'कैंपस टू कॉरपोरेटः जर्नी ऑफ ए प्रोडक्ट मार्केटर' विषय पर संचालित किया गया था। वह वर्तमान में सैमसंग में मुख्य प्रबंधक (ईपीपी) हैं। इया श्रृंखला का अगला एपिसोड श्री स्कंद कुमार गुप्ता, पीजीपी 2014–16 बैच, के साथ 'द एचआर क्रॉनिकल्सः रिक्रूटमेंट टू रिटेंशन' विषय पर आयोजित किया गया था। वह वर्तमान में विप्रो इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग में मानव संसाधन बिजनेस पार्टनर हैं।

भूतपूर्व छात्र परामर्श कार्यक्रम चरण–II : 52 भूतपूर्व छात्रों के साथ 120 से अधिक साक्षात्कार सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। ये साक्षात्कार छात्रों द्वारा प्रदान की गई डोमेन प्राथमिकता के आधार पर, उस क्षेत्र–विशेष से संबंधित भूतपूर्व छात्रों द्वारा आयोजित किए गए थे। प्रत्येक छात्र को साक्षात्कार और भूतपूर्व छात्र द्वारा प्रतिपुष्टि के लिए 30 मिनट का समय दिया गया था।

सिटी मीट्सः 20 नवंबर 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में एक 'सिटी मीट' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। एक अन्य 'सिटी मीट' 21 जनवरी 2023 को बैंगलोर में हुई थी।

सारथी न्यूजलेटर (सूचनापत्र)ः समिति ने अपने न्यूजलेटर (सूचनापत्र) सारथी के 13वें और 14वें अंक तैयार किए, जिसमें उद्योग की अंतर्दृष्टि, छात्रों की उपलब्धियां, पूर्व छात्रों की अनप्लग्ड, अल–फीचर्ड, बुकशेल्फ आदि के स्नैपशॉट शामिल थे।

सांस्कृतिक समिति

सांस्कृतिक समिति छात्रों के कॉलेज जीवन के दौरान ग्लिट्ज फैक्टर के लिए जिम्मेदार प्रमुख समितियों में से एक है। हमारा मानना है कि कॉलेज में एक छात्र का जीवन बंद दरवाजों के पीछे बिताए गए समय से नहीं बल्कि विभिन्न उत्सवों और सांस्कृतिक गतिविधियों से यादगार बनता है, जो उनके कॉलेज के अनुभव में रंग भरते हैं। सांस्कृतिक समिति का उद्देश्य छात्रों में सर्वश्रेष्ठता लाना है एवं यह एक सुविधाप्रदाता और उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है, जो

परिसर को पूरे वर्ष जोश और उत्साह से भरे रखती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं आयोजनों की एक विस्तृत श्रृंखला का दावा करते हुए, हम छात्रों के समग्र विकास और उनके साथियों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना का निर्माण करने में सहायता करते हैं। इस कठिन पाठ्यक्रम में, हम तनाव दूर करने में भी मदद करते हैं और सभी को घर से दूर एक घर उपलब्ध कराते हैं।

समिति का गठन साथियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करने, उच्च भागीदारी को बढ़ावा देने और छात्रों के समग्र विकास में योगदान देने की भावना से किया गया था। सांस्कृतिक समिति का मानना है कि, यह वह

रिश्ता ही है जो यहाँ कोई बनाता है और वह समय जो कोई अपने दोस्तों के साथ बिताता है, वही इस दो साल लंबी एवं कठिन यात्रा को और अधिक सहनीय और यादगार बना देता है।

विभिन्न समारोहों के आयोजन और हमारे महान राष्ट्र की विभिन्न संस्कृतियों का उत्सव मनाने से लेकर, आईआईएम काशीपुर के 72 घंटे लंबे वार्षिक उत्सव, अग्नित्रय (प्रबंधन, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों का एक समामेलन) जैसे आयोजन को सफल बनाने में, सांस्कृतिक समिति सभी आयोजनों के गहन प्रतिस्पर्धी रत्न के रूप में एक सूत्रधार, उत्प्रेरक और सहयोगी के रूप में कार्य करती है। पूरे वर्ष विभिन्न सांस्कृतिक त्योहारों का उत्सव मनाने के अलावा, टीम ने 'काशीपुर नाइट्स' – काशीपुर में सर्दियों की ठंडी रातों में अलाव के साथ संगीत और छात्रों द्वारा कुछ प्रस्तुतियाँ और सिग्नेचर डे / हस्ताक्षर दिवस, जैसे कुछ विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **अग्नित्रयः** आईआईएम काशीपुर में 72 घंटे का राष्ट्रीय स्तर का उत्सव।
- **प्रारम्भः** एमबीए के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा।
- **स्वादिष्ट–दिसंबरः** घरेलू रसोइयों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने की एक शाम।
- **बॉली बजः** बॉलीवुड के प्रति प्यार दिखाने और उनके पसंदीदा पात्रों के रूप में तैयार होने के लिए एक बॉलीवुड–थीम वाली पार्टी।
- **काशीपुर नाइट्सः** नृत्य संगीत और मस्ती से भरी सांस्कृतिक शाम।
- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, महिला दिवस।
- **हस्ताक्षर दिवसः** वरिष्ठ बैच के लिए यादगार वस्तुएँ एकत्र करने का दिन।
- स्वाँग जलसे की रात्रि।

- ओणम, दुर्गा पूजा, नवरात्रि, दीवाली, होली, मकर संक्राति और क्रिसमस दिवस जैसे कई अन्य सांस्कृतिक त्योहार मनाना।

इन्फ्रा–इट समिति

'इंफ्रास्ट्रक्चर और आईटी समिति' छात्रावास कार्यालय, संपदा विभाग और परियोजना कार्यालय की सहायता से परिसर के बुनियादी ढाँचे के कामकाज को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और छात्रों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करती है। समिति एक स्थिर इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करती है और संस्थान के सभी छात्र निकायों के साथ एक क्रॉसफंक्शनल प्लेयर के रूप में कार्य करती है। समिति व्यायामशाला के रखरखाव और सुधार की भी देखभाल करती है एवं भोजन की गुणवत्ता तथा मूल्य नियंत्रण के लिए परिसर के अंदर की सभी दुकानों और कैंटीन की निगरानी करती है।

गतिविधियाँ / घटनाएँ

- **बीहाइव रिमूवल / मधुमक्खी का छत्ता हटानाः** पूरे वर्ष परिसर में लगातार मधुमक्खी का छत्ता हटाने का अभियान चलाया।
- **ग्रिड आईआईएम काशीपुर में बाजार सुविधा का उन्नयनः** छात्र इस सुविधा का उपयोग उन वस्तुओं को सूचीबद्ध करने के लिए कर सकते हैं जिन्हें वे बेचना चाहते हैं और अन्य छात्रों द्वारा परिसर में बिक्री के लिए वस्तुओं को देख सकते हैं।
- **इमैक्यूलेटः** समिति ने हमारे अद्भुत छात्रावास, रखरखाव और कॉलेज के प्रशासनिक कर्मियों के समर्पण एवं वर्षों की उत्कृष्ट सेवा का सम्मान करने के लिए इस वर्ष इमैक्यूलेट को अपनी तरह के पहले कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया।
- सूचना पटल पर परिसर में होने वाले कार्यक्रमों के प्रचार के लिए केन्द्र बिन्दु के रुप में काम करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति भारत के बाहर की दुनिया में आईआईएम काशीपुर की छवि का प्रतिनिधित्व करती है एवं वैश्विक मंच पर साझेदारी बनाने और बनाए रखने की दिशा में लगातार काम कर रही है। आईआरसी टीम विश्व भर के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने एवं त्रैमासिक और अल्पकालिक छात्र विनिमय कार्यक्रम तथा प्राध्यापक विनिमय कार्यक्रम जैसी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के साथ–साथ, दुनिया भर में वैश्विक कार्यक्रमों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ बैठकों की योजना बनाने और समन्वय करने के लिए उत्तरदायी है।

समिति ने ब्रुनेल यूनिवर्सिटी (यूके), सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी (यूएसए), ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड (स्पेन), टुरिबा

यूनिवर्सिटी (लातविया), तेल अवीव विश्वविद्यालय (इजराइल), ईएसडीईएस स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट (फ्रांस), आदि जैसे दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ एक दर्जन से अधिक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करने में संस्थान को सफलतापूर्वक मदद की है। 2020–21 के अप्रत्याशित महामारी–प्रभावित शैक्षणिक वर्ष को छोड़कर, आईआईएम काशीपुर के छात्रों ने इन भागीदारों के साथ एक जीवंत और लगातार बढ़ते विनिमय कार्यक्रम का आनंद लिया है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की सुविधा प्रदान करके और वर्तमान वैश्विक मामलों पर चर्चा को बढ़ावा देकर, आईआरसी ऐसे विकासशील नेतृत्वकर्ताओं जो विश्व स्तर पर प्रदर्शन कर सकते हैं, के आईआईएम काशीपुर के ध्येय को योगदान देने में सफल रहा है ।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **इनकमिंग एक्सचेंज छात्रों की मेजबानीः** ईएसडीईएस स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, फ्रांस से पाँचवें सत्र के लिए आने वाले छात्रों (श्री आर्थर सूपा और श्री बेसिल प्रोथेरी) की मेजबानी की गई। उनका कार्यकाल 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2022 तक था।
- **आउटगोइंग दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रमः** टीम ने विदेशों में हमारे विभिन्न प्रमुख भागीदार विश्वविद्यालयों के साथ आईआईएम काशीपुर के 9 छात्रों के लिए दीर्घकालिक विनिमय कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की।
- 2022–24 के बैच के लिए दीर्घकालिक विनिमय प्रक्रिया शुरू की गई।
- संभावित नए साझेदार विश्वविद्यालयों जैसे सिरैक्यूज विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क के साथ इनकमिंग और आउटगोइंग दोनों ही विनिमय कार्यक्रमों के लिए बातचीत शुरू की गई।

मेस / भोजनगृह समिति

आईआईएम काशीपुर की मेस / भोजनगृह समिति एक स्वतंत्र, गैर–लाभकारी संगठन है जो छात्रों, शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों सहित पूरे वर्ष 700 से अधिक धारकों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है। टीम मेस / भोजनगृह की शुरू से अंत तक की गतिविधियों की देखरेख करके मेस / भोजनगृह के संगठन के प्रबंधन में व्यापक अनुभव प्राप्त करती है। छात्र मेस / भोजनगृह के हर पहलू को नियंत्रित करते हैं, जिसमें भोजन–सूची चुनना, खरीदारी करना, बजट बनाना, वित्तपोषण करना, कर्मियों का प्रबंधन करना और वस्तु–सूची शामिल है, जिससे टीम वास्तविक व्यवसाय को सँभालने के लिए पर्याप्त सक्षम हो जाती है।

समिति त्योहारों और कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न दावतों के आयोजन का नेतृत्व करने के लिए उत्तरदायी है, जिससे यह आईआईएम काशीपुर समुदाय का एक अभिन्न अंग बन जाती है। यह टीम लगातार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि उनके द्वारा प्रदान किया जाने वाला भोजन न केवल पौष्टिक हो बल्कि स्वादिष्ट भी हो। समिति के पास अनुभवी रसोइयों की एक समर्पित श्रृंखला, एक विश्वसनीय विक्रेता प्रबंधन व्यवस्था और कड़ी गुणवत्ता जाँच के साथ एक मजबूत प्रबंध प्रणाली है जो यह सुनिश्चित करने में सहायता करती है कि हर दिन उसके सभी हितधारकों को उच्च गुणवत्ता वाला स्वादिष्ट भोजन वितरित किया जाए। समिति का कामकाज किसी संगठन को चलाने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है और टीम के सदस्यों को समय की पाबंदी, त्वरित निर्णय लेने और समय प्रबंधन के मूल्यवान गुणों को विकसित करके वास्तविक प्रबंधन के संपूर्ण अनुभव के लिए तैयार करने में सहायता करता है।

गतिविधि / आयोजन

मेस मेनू डाईवरसिफिकेसन / भोजनगृह की भोजन–सूची का विविधीकरणः भोजन के विकल्पों को नवीन और रोमांचक बनाए रखने के लिए प्रतिमाह नई विविधता के साथ मेस मेनू / भोजनगृह की भोजन–सूची विकसित करना महत्वपूर्ण है। मौसमी, स्थानीय उपज और भोजनकर्ताओं की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए विभिन्न व्यंजनों के साथ प्रयोग करते समय, सम्मिश्रित व्यंजनों और स्वस्थ विकल्पों पर इस वर्ष के दौरान मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया। प्राप्त बैच प्रतिपुष्टि के आधार पर भोजन मेनू में व्यापक विविधता सुनिश्चित की गई।

क्षेत्रीय स्वादः मेस मेनू / भोजनगृह की भोजन–सूची में क्षेत्रीय स्वाद को शामिल करना भोजन करने वालों की विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के भोजन–प्रबंध को पूरा करने के लिए आवश्यक है। आईआईएम काशीपुर में, मेस / भोजनगृह छात्रों की विभिन्न खाद्य प्राथमिकताओं को समायोजित करने के लिए देश के विभिन्न भागों के व्यंजनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिससे उन्हें अपने घर का स्वाद मिलता है और जिससे संस्थान के भीतर व्यंजनों और संस्कृति के आदान–प्रदान को बढ़ावा मिलता है।

विशेष रात्रिभोजः त्योहारों और कार्यक्रमों में विशेष रात्रिभोज का आयोजन करना सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने और उसे बढ़ावा देने का एक शानदार तरीका है। इस वर्ष आईआईएम काशीपुर की मेस कमेटी / भोजनगृह समिति ने विभिन्न लाइव काउंटरों के माध्यम से चाट, स्ट्रीट स्टाइल पिज्जा, पान और कुल्फी की पेशकश के माध्यम से काशीपुर स्ट्रीट फूड का स्वाद बैच में लाकर दावतों को यादगार बना दिया। इस पहल ने छात्रों को विविधता का स्वाद चखाया और दोनों बैचों ने इसकी काफी सराहना की।

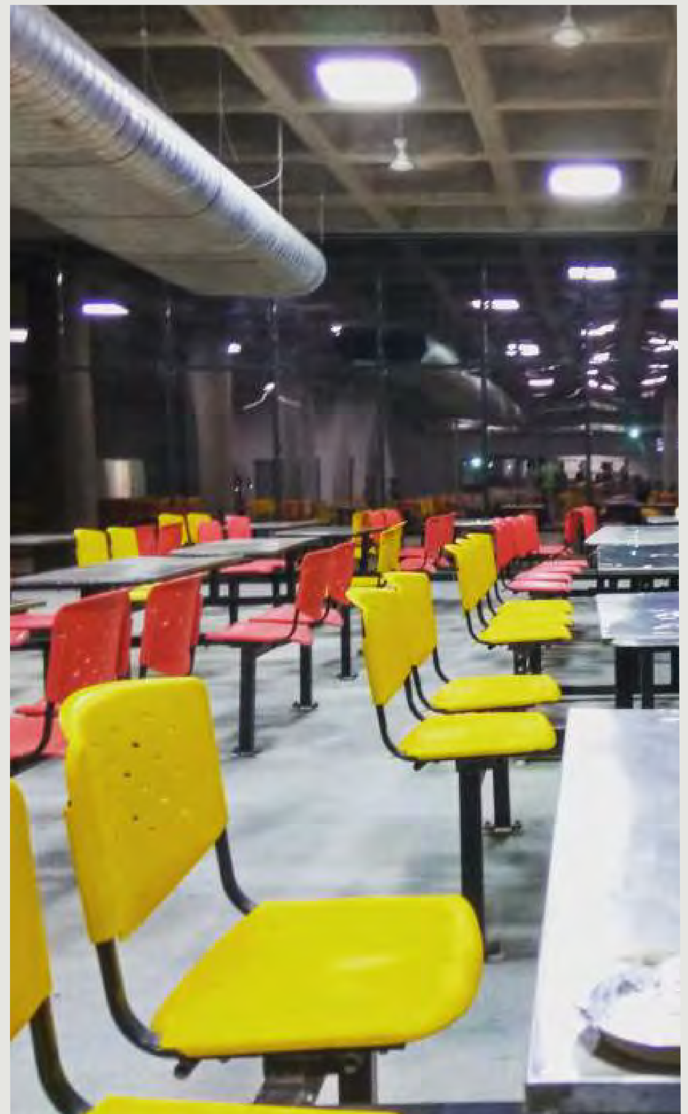

मीडिया और जनसंपर्क समिति

एमपीआरसी सभी हितधारकों की दृष्टि में ब्रांड आईआईएम काशीपुर की छवि के प्रबंधन एवं पोषण के लिए उत्तरदायी है। यह आईआईएम काशीपुर की ब्रांड इक्विटी को बढ़ाने की दिशा में काम करती है और संस्थान के सफल विकास को दर्शाती है। यह टीम संस्थान में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों और संस्थान द्वारा अन्य विभिन्न स्थानों पर

आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की मार्केटिंग रणनीति का प्रबंधन करती है। यह आईआईएम काशीपुर के ब्रांड की प्रभावी स्थिति और इसे बढ़ावा देने के लिए विभिन्न डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों को भी सँभालता है। हमारे कार्य में अभियान की योजना बनाना और संस्थान में होने वाले महत्वपूर्ण आयोजनों के लिए प्रेस विज्ञप्ति लिखना शामिल है। टीम का कार्य निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित है:

कंटेन्ट क्रीऐशन / विषय वस्तु निर्माण: कंटेन्ट क्रीऐशन टीम आमतौर पर संस्थान के बारे में सकारात्मक समाचार तैयार करती है, जिसे मीडिया रिलेशन टीम पत्रकारों के समक्ष प्रस्तुत करती है। यह कंटेन्ट / विषय वस्तु किसी लेख या ब्रांड प्रचार वीडियो के रूप में हो सकती है। इसमें वीडियो को संपादित करना और डिजाइन करना भी शामिल है।

मीडिया संबंध: यह टीम आईआईएम काशीपुर में होने वाले सभी कार्यक्रमों की टीवी कवरेज सहित प्रेस विज्ञप्ति और मीडिया को सँभालने का कार्य करती है। यह इंडियाटुडे, इकोनॉमिक टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स एवं अन्य राष्ट्रीय और स्थानीय समाचार पत्रों जैसे मीडिया हाउसों के साथ सुदृढ़ संबंध बनाए रखती है।

सोशल मीडिया: सोशल मीडिया टीम आईआईएम काशीपुर के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल का प्रबंधन करती है। वे इसका उपयोग संस्थान की सार्वजनिक प्रतिष्ठा का आकलन करने और उसे बढ़ाने के लिए करते हैं। वे सोशल मीडिया पर मौजूद लोगों के साथ बातचीत करते हैं, सोशल मीडिया पर प्रचार करते हैं और ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स से संपर्क करते हैं।

गतिविधियाँ / आयोजन

- संस्थान में आयोजित सभी कार्यक्रमों का कवरेज।
- सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया पर आईआईएम काशीपुर का मीडिया प्रचार।
- प्रमुख कार्यक्रमों अग्नित्रय, उत्तिष्ठ, समन्वय, TEDx, तेजस, एमबीए व्याख्यान श्रृंखला, निदेशक साक्षात्कार, आदि के लिए प्रचार अभियान।
- आईआईएम काशीपुर वेबसाइट की कंटेन्ट / विषयवस्तु का प्रबंधन।
- विभिन्न कॉन्क्लेव और टॉक सीरीज जैसे तेजस लीडरशिप टॉक सीरीज, वृद्धि, समन्वय और फ्राइडे सेमिनार सीरीज का प्रचार।
- विमर्श पॉडकास्ट, परिवर्तन सेल स्कूल मीट, अग्नित्रय लॉन्च वीडियो, अग्नित्रय आफ्टर मूवी और फेयरवेल जैसे वीडियो अभियान कुछ नाम हैं।

खेल समिति

खेल समिति आईआईएम काशीपुर में सभी खेल आयोजनों की योजना बनाती है और उन्हें क्रियान्वित करती है। यह खेल समिति उन खेल टीमों का चयन करने के लिए उत्तरदायी है, जो संबंधित टीमों के कप्तानों के साथ संस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह उपकरण के जीवनचक्र के अनुसार आईआईएम काशीपुर में सभी खेल सामग्रियों की खरीद, रखरखाव और निपटान का कार्य करती है। यह परिश्रमपूर्वक सभी रिकॉर्ड बनाए रखता है और संस्थान के लिए खेल बजट तैयार करता है। यह बी–स्कूलों द्वारा आयोजित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खेल आयोजनों की पहचान करने और आयोजनों में आईआईएम काशीपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले खेल दल की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी उत्तरदायी है।

शतरंज–ए–थॉन 2.0: यह टूर्नामेंट एमबीए1 बैच के लिए आयोजित किया गया था और इसमें एक ही पूल में प्रतिस्पर्धा करने वाले लड़कों और लड़कियों के साथ 30 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। ये खेल लिचेस प्लेटफॉर्म पर आयोजित किए गए थे, ताकि प्रतिभागी महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण अपने घरों से ही अपने उपकरणों पर ऑनलाइन गेम खेल सकें। यह टूर्नामेंट स्विस फॉर्मेट में आयोजित किया गया था, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी ने 6 गेम खेले और उसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले गए।

मिनी–मैराथन / छोटी दौड़: खेल दिवस पर, खेल समिति ने परिसर के बड़े हिस्से को कवर करते हुए एक मिनी–मैराथन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एमबीए और एमबीए (एनालिटिक्स) के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ–साथ पीएचडी छात्रों ने भी भाग लिया।

प्रारंभ: हम शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न खेल गतिविधियों के द्वारा सीनियर बैच और जूनियर बैच के बीच संबंध विकसित करने के लिए, सीनियर और जूनियर बैच के बीच खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। प्रत्येक खेल प्रतियोगिता में जीत पर एक अंक मिलता है और जिस भी बैच का संचयी स्कोर अधिक होगा, प्रारंभ कप उसी बैच का होगा।

संग्राम: 'संग्राम' खेल समिति का प्रमुख आयोजन है, जिसका उद्देश्य बैच के बीच सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। यह बैच के सेक्शन / वर्गों के बीच होने वाली प्रतिस्पर्धा है। यह गहन प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्रदान करता है और साथ ही छात्रों के आपसी रिश्तों को सुदृढ़ करता है क्योंकि यहाँ वे अपने संबंधित वर्गों के सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए एक साथ खेलते हैं।

केपीएल 9.0: छात्रों को अपने प्रबंधकीय कौशल का उपयोग करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाने का अवसर देना। काशीपुर प्रीमियर लीग (जिसे केपीएल भी कहा जाता है) इंडियन प्रीमियर लीग के प्रारूप पर आधारित एक वार्षिक खेल कार्यक्रम है, जिसे आईआईएम काशीपुर की खेल समिति द्वारा आयोजित किया जाता है। यह आयोजन आईपीएल द्वारा आयोजित नीलामी प्रक्रिया का अनुकरण करता है एवं आईआईएम काशीपुर के उभरते प्रबंधकों को अपने कौशल और ज्ञान को वास्तविक टीमों और वास्तविक पैसे के साथ अभ्यास करने की अनुमति देता है। केपीएल 9.0 संस्करण में 160 छात्रों ने खिलाड़ियों की नीलामी में भाग लिया। आयोजन के नौवें संस्करण के दौरान टीम की नीलामी के दिन से लेकर फाइनल के दिन तक, बिना किसी उतार–चढ़ाव के टीमों की ओर से प्रतिबद्धता और ऊर्जा अपने चरम पर रही।

अग्नित्रय 9.0 ने आईआईएम सिरमौर और आईआईएम जम्मू जैसे कॉलेजों के साथ 11 इंटर कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। टीमों ने 1,70,000 रुपये की पुरस्कार राशि के साथ अग्नित्रय 9.0 के आयोजन में भाग लिया। इन स्पर्धाओं में बैडमिंटन, बास्केटबॉल (पुरुष और महिला), शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, थ्रोबॉल, वॉलीबॉल, पूल (एकल और युगल) और टेबल टेनिस शामिल थे।

शैक्षणिक समिति

कॉन्सिलियम – परामर्श और योजना समिति

कॉन्सिलियम, आईआईएम काशीपुर की परामर्श और योजना समिति है, जिसका उद्देश्य आपके तर्कों और दृष्टिकोणों को समझने में मदद करने के लिए गहन विश्लेषण, तथ्य–समर्थित अनुसंधान और अग्रैसिव प्रेजन्टैशन की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इसका लक्ष्य उन संगठनों/संस्थाओं को महत्व देना है जिनके साथ वे काम करते हैं, उनकी व्यावसायिक प्रक्रियाओं के बारे में सीखकर, सुधार के अवसरों की पहचान करके और उन्हें बेहतर बनाने में मदद करने के लिए एक समग्र समाधान प्रदान करते हैं।

वित्त, विपणन, संचालन और मानव संसाधन इस पुस्तक में शामिल कुछ प्राथमिक ज्ञान–क्षेत्र हैं। वे उद्योग विशेषज्ञों के साथ निकट संपर्क बनाए रखते हुए विभिन्न प्रकार के आयोजनों और वेबिनार की योजना बनाते हैं एवं बैचों के लिए अतिथि सत्र की सुविधा प्रदान करते हैं। उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की दूरी को पाटने के लिए यह संगठन परामर्श पेशे से जुड़े प्रमुख सदस्यों के साथ लगातार बैठकें आयोजित करता है। यह इसे परामर्श क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले आवश्यक साँचे और रूपरेखा पर सदस्यों को शिक्षित करने को अपने लक्ष्य के ही एक भाग के रूप में भी देखता है।

क्लब का लक्ष्य अपने सदस्यों के समस्या समाधान के कौशल में सुधार करना और उन्हें जटिल समस्याओं का विश्लेषण करने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण प्रदान करना है। इसके अलावा, फेसबुक, लिंक्डइन और ट्विटर जैसी साइटों पर इसकी मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति है एवं यह न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के औद्योगिक व्यापारों में हो रहे नवीनतम रणनीतिक विकास के बारे में नियमित रूप से पोस्ट करता है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- **रणभूमि:** वार्षिक अखिल भारतीय केस स्टडी प्रतियोगिता।
- **एंडगेम:** नेशनल बिजनेस सिमुलेशन गेम।
- **कौन बनेगा सलाहकार:** रणनीति और परामर्श कौशल का परीक्षण करने के लिए एक ऑफलाइन कार्यक्रम।
- **कंसल्टिंग नाइट्स:** राष्ट्रीय स्तर की केस स्टडी प्रतियोगिता।
- **दूरदर्शिता श्रृंखला:** एक इंट्रा–कॉलेज कार्यक्रम।
- **कॉन्सिलियम इनसाइडर:** मासिक सूचनापत्र।
- **विवेचन:** अखिल भारतीय लेख लेखन प्रतियोगिता।
- **कॉन्सिलियम वार्तालाप:** रणनीति वार्ता श्रृंखला।
- परामर्श, रणनीति और अनुमान पर वेबिनार।
- व्यवसाय की सफलता के लिए रणनीतियों पर कार्यशाला।

HRHYTHM – एचआर क्लब

एचआर क्लब का उद्देश्य पूरे शैक्षणिक वर्ष में नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित करके मानव संसाधन प्रबंधन पद्धतियों को सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। क्लब का मुख्य सिद्धांत उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की दूरी को पाटना है। यह नियमित रूप से लेखों और ज्ञानरंजन के माध्यम से मानव संसाधन में बदलते रुझानों के बारे में कंटेन्ट पोस्ट करके अपने सोशल मीडिया हैंडल को अपडेट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/कृतिम बुद्धिमत्ता की शुरूआत जैसे उद्योग में लगातार बदलते रुझानों के साथ, एचआररिदम शीर्ष प्रबंधन में एचआर की स्थिति और संगठन में कर्मचारियों के विश्वास को बनाए रखने के बीच संतुलन बनाए रखते हुए, भविष्य के एचआर नेतृत्वकर्ताओं को ज्ञान प्रदान करने एवं पारस्परिक कौशल विकसित करने में

उनकी मदद करने का प्रयास करता है। यह इंटर और इंट्रा–कॉलेज कार्यक्रम आयोजित करता है, जहाँ प्रतिभागियों से वास्तविक जीवन की एचआर जटिलताओं को हल करने एवं एचआर डोमेन में वर्तमान रुझानों तथा आगामी कार्यप्रणालियों के बारे में अपनी राय देने की अपेक्षा की जाती है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- स्क्रिबल ड्रिबल
- एक एचआर के जीवन का एक दिन।
- प्रज्ञान – प्रमुख केस स्टडी प्रतियोगिता।
- इग्नाइट
- Hresilience
- नेत्रत्व
- DecipHR

ऑन योर मार्क – मार्केटिंग क्लब

OYM की स्थापना 16 जनवरी 2014 को छात्रों द्वारा मार्केटिंग के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित करने के लिए की गई थी। OYM का उद्देश्य मार्केटिंग के क्षेत्र से संबंधित सभी मामलों में IIM काशीपुर के छात्रों के लिए एक अनुकूल और पोषणकारी लोकाचार बनाना है।

इस क्लब का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच रुचि विकसित करना एवं व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा के सम्मिश्रण के माध्यम से उन्हें मार्केटिंग की स्पष्ट समझ बनाने में सहायता करना है। हम छात्रों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अपना करियर तलाशने में मदद करना चाहते हैं और इस प्रकार उनकी उद्योग भर्ती प्रक्रिया में आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं। यह क्लब संवादात्मक कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, प्रश्नोत्तरी,

प्रतियोगिताओं और केस स्टडीज जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को मार्केटिंग की स्पष्ट और व्यापक समझ बनाने में सहायता करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

गतिविधियाँ/आयोजन

- मार्कहोलिक केस–स्टडी प्रतियोगिता
- गुरिल्ला मार्फेयर
- उत्पाद पुनरुत्थान
- Meme–omento/eses–ओमेंटो
- डमचर एड
- पच प्लीज

संचालन और आपूर्ति प्रबंधन (ओएसएम) समिति

आईआईएम काशीपुर में ओएसएम क्लब लगातार संचालन, उत्पादन एवं विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, योजना संचालन, संचालन अनुसंधान और परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में काम करता है। यह क्लब छात्रों को समर्पित एक आदर्श माध्यम के रूप में कार्य करता है, जो उन्हें अपने कार्यक्षेत्र का ज्ञान प्राप्त करने और उस क्षेत्र से संबंधित उनकी रुचियों को आगे बढ़ाने में सहायता कर नए क्षितिज तलाशने में मदद करता है। क्लब ने कई इंट्रा/इंटर–कॉलेज कार्यक्रमों और संवादात्मक सत्रों को सफलतापूर्वक आयोजित करके, कॉरपोरेट्स और साथी संस्थानों के बीच अपनी सर्वोच्च उपस्थिति दर्ज की है एवं शिक्षण के प्रति प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता प्रदर्शित करने के साथ–साथ अपने कार्यक्षेत्र की प्रगति का प्रसार करने में अग्रणी धावक रहा है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- ऑप्स–कैस्केड (इंट्रा–कॉलेज टॉवर निर्माण चुनौती)।
- केपीएमजी सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट सर्टीफिकेशन।
- ऑप्सफीड – मासिक सूचनापत्र।
- ऑपरेटियस (अखिल भारतीय केस स्टडी प्रतियोगिता)
- टाटा मोटर्स लिमिटेड का औद्योगिक दौरा।
- ऑस्मोसिस (अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता)
- ऑप्स ब्लेज (अखिल भारतीय स्वाँग प्रतियोगिता)
- ऑपरेकल (अखिल भारतीय केस स्टडी प्रतियोगिता)
- ग्रांट थॉर्नटन (जीटी) द्वारा लीन सिक्स सिग्मा ब्लैक बेल्ट।

इकोनॉमिक्स क्लब / अर्थव्यवस्था समिति

आईआईएम काशीपुर का इकोनॉमिक्स क्लब आईआईएम काशीपुर के सात शैक्षणिक क्लबों में से एक है। यह क्लब छात्रों को अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नई संभावनाएँ तलाशने के लिए प्रोत्साहित करता है और जिज्ञासु दिमागों को सीखने, वाद–विवाद करने और दुनिया भर में हो रही आर्थिक नीतियों एवं विकास पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

इकोनॉमिक्स क्लब की स्थापना वर्ष 2019 में एक रुचि–आधारित क्लब के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था के क्षेत्र के बारे में ज्ञान प्रदान करना और चर्चाएँ आयोजित करना एवं व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों के साथ इसके महत्व तथा जुड़ाव को उजागर करना था। दिवंगत अमेरिकी अध्येता वॉरेन बेनिस ने कहा था कि "प्रबंधन में सफलता के लिए उतनी ही तेजी से सीखना आवश्यक है, जितनी तेजी से दुनिया बदल रही है"। इस धारणा को ध्यान में रखते हुए, क्लब ने इच्छुक प्रबंधकों के लिए अपने दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली "अर्थव्यवस्था" के बारे में जागरूक होना और उन्हें व्यावसायिक स्थितियों के साथ अधिक कुशलता से निपटने के लिए तैयार करना बेहद प्रासंगिक पाया है। अपनी स्थापना के बाद से, इकोनॉमिक्स क्लब ने धीरे–धीरे एक 'कोर अकादमिक क्लब' का दर्जा प्राप्त कर लिया है और क्लब–आधारित कई सफल गतिविधियों में शामिल रहा है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- अर्थशास्त्र
- इकोन्स का खेल
- इन्फोग्राफिक बनाने की प्रतियोगिता
- फिल्मोनॉमिक्स
- केंद्रीय बजट की भविष्यवाणी
- केंद्रीय बजट विश्लेषण
- सूचनापत्र

वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23
भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

वित्त क्लब

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर का फाइनेंस क्लब आईआईएम काशीपुर के दायरे में वित्त की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक छात्र–संचालित पहल है। इसकी स्थापना विभिन्न सम्मेलनों, आयोजनों, गतिविधियों, कार्यशालाओं और ज्ञान–साझाकरण सत्रों के माध्यम से छात्रों के वित्तीय ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। इन वर्षों में, क्लब ने आने वाले छात्रों की बदलती आवश्यकताओं और कौशल सेटों को अनुकूलित किया है और कक्षा के बाहर वित्तीय ज्ञान की एक मजबूत नींव स्थापित करने में मदद करने के लिए उन्हें अपने दायरे में शामिल किया है।

गतिविधियाँ / घटनाएँ

- प्रगति– आईआईएम काशीपुर का निवेश कोष
- सीएफए रिसर्च, ईएसजी, और एथिक्स चौलेंज
- नो योर कार्ट (केवाईसी) – बजट प्रबंधन, निर्णय लेने और उत्पाद–मूल्य जागरूकता कौशल को मजेदार तरीके से प्रदर्शित करने के लिए एक प्रतियोगिता।
- इक्विटी रिसर्च चौलेंज– एक प्रतियोगिता जिसमें अपनी पसंद के क्षेत्र का विश्लेषण करने के बाद एक विस्तृत इक्विटी रिसर्च रिपोर्ट जमा करनी होती है।
- एंटीक वैल्यूएशन चौलेंज– एक इंट्रा–कॉलेज इक्विटी वैल्यूएशन प्रतियोगिता, विशेष रूप से आईआईएम काशीपुर के छात्रों के लिए, जो उन्हें अपनी मूल्यांकन और अनुसंधान क्षमताओं का परीक्षण करने की अनुमति देता है।
- आचार संहिता और व्यावसायिक आचरण के मानकों से जुड़े विषयों को कवर करने के लिए सीएफए नैतिकता कार्यशाला का आयोजन किया गया
- इक्विटी अनुसंधान और वित्तीय मॉडलिंग कार्यशाला– इक्विटी अनुसंधान और वित्तीय मॉडलिंग के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित 5 दिवसीय कार्यशाला
- पैन इंडिया प्रतियोगिताएंरू एस्टिमेटस, ओपन आउटक्राई, और सिमुलेशन चौलेंज
- हाई स्टेक्स– हेजिंग और जोखिम प्रबंधन के लिए प्रतिभागियों के कौशल को शामिल करने वाला सिमुलेशन कार्यक्रम, जो काशीपुर प्रीमियर लीग (केपीएल) के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है।

टाइटन – आईटी और एनालिटिक्स क्लब

टाइटन क्लब एनालिटिक्स के प्रति उत्साही लोगों की एक पहल थी, जिसका उद्देश्य विभिन्न प्रतियोगिताओं, ज्ञान–साझाकरण सत्रों और इस क्षेत्र में उद्योग के नेताओं के साथ बातचीत के माध्यम से आईटी और एनालिटिक्स के बारे में छात्रों में रुचि पैदा करना था। आईटी और एनालिटिक्स में सीखने को बढ़ावा देने के लिए क्लब पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करता है। क्लब आईटी और एनालिटिक्स के क्षेत्र में विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन भी देता है। यह सोशल मीडिया सहभागिता के साथ–साथ ज्ञान–साझाकरण सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान विकसित करने में भी मदद करता है। इस क्लब का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इस क्षेत्र में अवसरों और दायरे से परिचित कराकर एनालिटिक्स में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना है।

गतिविधियाँ / घटनाएँ

- ब्रेनडेयर
- प्रोडेजी
- डेटाजोइड्स
- डेटा विजुअलाइजेशन पर इंटर–कॉलेज कार्यशाला
- प्रमाणन पाठ्यक्रम (उत्पाद प्रबंधन, झांकी, पावर बीआई और मार्केटिंग एनालिटिक्स)
- डेटासाइट्स
- सुसंगति
- डैशबोर्ड युद्ध
- डेटा क्रॉनिकल्स (न्यूजलेटर)
- ज्ञान साझाकरण सत्र– पायथन और बिजनेस कंप्यूटिंग का परिचय

इंटेरेस्ट बेस्ड DyCl / रुचि–आधारित समितियाँ

ईकोलॉजी क्लब / पारिस्थितिकी समिति

आईआईएम काशीपुर का इकोलॉजी क्लब एक समर्पित छात्र निकाय है, जो हमारे परिसर को एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित करने के लिए पर्यावरण–अनुकूल गतिविधियों और विचारों को अपनाने की दिशा में काम कर रहा है। यह कुछ समान विचारधारा वाले व्यक्तियों की एक पहल है, जिन्होंने एक साथ मिलकर उस स्थान पर प्रयास करना आवश्यक समझा, जहाँ वे रहते हैं। हम प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, सभी सामुदायिक जानवरों की देखभाल करने, पुनरूप्रयोग को बढ़ावा देने, जल निकायों को बहाल करने और विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हैं। हम आईआईएम काशीपुर को एक हरा–भरा और स्वच्छ परिसर बनाने के लिए परिसर में कई छात्र निकायों के साथ समन्वय करते हैं।

गतिविधियाँ / आयोजन

अभिरुचि पत्रः दीवाली मनाने और अपनों से जुड़ने के तरीकों को प्रोत्साहित करने से संबंधित एक ऑफलाइन कार्यक्रम। यह आयोजन प्रियजनों को पत्र लिखने के बारे में है। यह छात्रों को त्योहार के दिन प्रियजनों से जुड़ने और उन्हें याद करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताः एक ऑनलाइन अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता, जिसका उद्देश्य उन विविध क्षेत्रों पर प्रकाश डालना है जहाँ पर्यावरण–अनुकूल पद्धतियों को एक मजेदार सचित्र–चित्रण के माध्यम से दर्शाया जा सकता है। किसी मुद्दे में समुदाय के हित को शामिल करना, समुदाय के मुद्दों को उजागर करना और किसी मुद्दे के बारे में दृश्य, समावेशी और मनोरंजक तरीके से जागरूकता बढ़ाना।

कूड़े से खजानाः हमारे आस–पास के कचरे का उपयोग करके उसे उपयोगी या कलात्मक चीजें बनाने के बारे में एक ऑफलाइन कार्यक्रम। यह आयोजन छात्रों से समस्या–समाधान दृष्टिकोण के साथ–साथ रचनात्मक सोच की भी माँग करता है। सभी प्रतिभागियों ने कक्षा में निर्णायक समिति के सामने अपने द्वारा बनाया हुआ सामान प्रदर्शित किया और बताया कि जिस उत्पाद को उन्होंने बनाने की कोशिश की है उसकी उपयोगिता क्या है एवं इसे भविष्य में बड़े पैमाने पर कैसे विस्तारित किया जा सकता है।

एक्स्पिडिशन क्लब / अभियान समिति

'दुनिया एक किताब है और जो लोग यात्रा नहीं करते वे केवल एक पृष्ठ पढ़ते हैं।' – सेंट ऑगस्टाइन।

इस सटीक उद्धरण पर अनुसरण करते हुए, एक्सपीडिशन क्लब आईआईएम काशीपुर समुदाय को पहाड़ों की विशालता, दूर तक फैले महासागरों, शुष्क रेगिस्तानों और पर्यटन क्षेत्र में अवसरों की बहुलता से परिचित कराने का प्रयास करता है। हम खानाबदोशों और रोमांच चाहने वालों का एक समूह हैं, जिनमें यात्रा करने का समान जुनून है। क्लब के दिन– प्रतिदिन के कार्यों में विभिन्न प्रकार के आयोजनों और अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से, व्यापारिक समुदाय के बीच पर्यटन और स्वस्थता को बढ़ावा देना शामिल है। जैसा कि आईआईएम काशीपुर का लोगो तीन आधार रेखाओं 'लोग, ग्रह और लाभ' को दर्शाता है, इस क्लब का लक्ष्य हमारे प्रिय ग्रह पृथ्वी पर स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देना है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **गो नोमैड:** वार्षिक अखिल भारतीय व्लॉगिंग प्रतियोगिता।
- **वॉयजर ऑफ द ईयर:** किसी विशेष विषय पर अखिल भारतीय लेख लेखन प्रतियोगिता।
- **खोज:** यात्रा और पर्यटन पर आधारित इंट्रा–कॉलेज क्विज प्रतियोगिता।
- **धीमी साइकिल दौड़:** एक प्रतियोगिता जो बेहद धीमी गति से साइकिल चलाने पर केंद्रित है, जो मस्तिष्क और शरीर के बीच समन्वय की भावना लाने में सहायता करती है।

विदेशी भाषा और संस्कृति समिति

एफएलसीसी में, हम मानते हैं कि प्रत्येक संस्कृति और भाषा में सबको देने के लिए कुछ विशिष्ट है। हमारा क्लब छात्रों को नई भाषाओं और संस्कृतियों को खोजने, उनसे परिचित होने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए गठित किया गया है, जो वैश्विक व्यापार जगत में उनके भविष्य के कैरियर को लाभान्वित कर सकता है।

यह क्लब कई प्रकार की गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित करता है, जो भाषा कौशल और सांस्कृतिक जागरूकता को उन्नत करने में सहायता करते हैं। हम दुनिया भर के पेशेवरों के साथ विदेशी भाषा और सांस्कृतिक कार्यशालाएँ, केस और क्विज प्रतियोगिताएँ एवं वेबिनार आयोजित करते हैं। हम अन्य संस्कृतियों के त्योहारों, जैसे हैलोवीन (एक जापानी सांस्कृतिक कार्यक्रम) आदि का भी अवलोकन करते हैं, जो हमारे वैश्विक समुदाय की विविधता को दर्शाते हैं।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **हेलोवीन:** आईआईएम काशीपुर के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय संस्कृतियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए, यह मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहाँ छात्रों ने पोशाक प्रतियोगिताओं, रैंप वॉक और फेस पेंटिंग के माध्यम से अपने रचनात्मक कौशल को दर्शाया।
- **कुइज़ू:** 'अनस्टॉप' पर एक सांस्कृतिक प्रश्नोत्तरी, जिसमें छात्रों को विदेशी संस्कृति जैसे– कला, वास्तुकला, और अन्य पहलुओं, भाषाओं एवं व्यावसायिक पद्धतियों के बारे में उनके ज्ञान का परीक्षण किया गया।
- **विदेशी भाषा कार्यशाला:** क्लब ने छात्र विनिमय कार्यक्रम के तहत आए फ्रांस के छात्रों के सहयोग से, परिसर में छात्रों के लिए एक 'फ्रेंच भाषा कार्यशाला' का आयोजन किया। इस प्रकार, हमने फ्रेंच भाषा में बैच की रुचि को बढ़ावा दिया, क्योंकि उन्हें भाषा के रोजमर्रा के शब्द और वाक्यांश सीखने को मिले।
- **प्रोड्लांच:** 'अनस्टॉप' पर उत्पाद लोकार्पण प्रस्तुति प्रतियोगिता, एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता जिसने अंतरराष्ट्रीय बाजार में लॉन्च किए जाने वाले नए भारतीय उत्पादों की रणनीति और विपणन कार्यान्वयन पर संस्कृति के प्रभाव को प्रदर्शित किया।

- **डुओलिंगो:**

डुओलिंगो प्लेटफॉर्म पर एक महीने तक चलने वाली भाषा प्रतियोगिता, जो छात्रों को एक संवादमूलक वातावरण में किसी विदेशी भाषा को सीखने के लिए प्रेरित करती है। छात्र अपने समय की उपलब्धता के अनुसार, डुओलिंगो प्लेटफॉर्म पर अंतराल पुनरावृत्ति का उपयोग करके शब्दावली, व्याकरण, उच्चारण और श्रवण–कौशल सीखेंगे एवं अभ्यास करेंगे।

- **गैम्बिट:**

गैम्बिट आईआईएम काशीपुर का आधिकारिक गेमिंग क्लब / खेल समिति है, जहाँ हम पीसी गेम जैसे फीफा, सीएस आदि से लेकर पोकर नाइट्स और अन्य प्रतिस्पर्धी गेमिंग इवेंट की मेजबानी तक सभी शैलियों के खेलों का आयोजन

करते हैं। हम सभी गेमर्स / खिलाड़ियों (पेशेवर या शौकिया) और नॉन–गेमर्स / गैर खिलाड़ियों को साल भर आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में आनंद उठाने और अपने कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। हम मासिक रूप से नए गेम / खेल और गेमिंग / खेल समाचार की सुविधा प्रदान करते हैं। हम छात्रों को नए गेमिंग / खेल समुदायों और गेमिंग / खेल प्रतियोगिताओं से परिचित कराते हैं और उन्हें भविष्य के लिए फिर से जीवंत बनाते हैं। हमारी टैगलाइन / प्रचार–वाक्य है 'हम मरते नहीं!' हम पुनर्जीवित होते हैं!"

गतिविधियाँ / खेल

- पबजी न्यू स्टेट
- फीफा
- सीएस गो टूर्नामेंट
- वैलोरेना
- लीग डे फीफा काशीपुर
- गेमिंग नाइट्स

कैप्चर्ड: फोटोग्राफी क्लब

यह क्लब आईआईएम काशीपुर परिसर में होने वाली सभी गतिविधियों के कवरेज के लिए जिम्मेदार है। हम अपने प्रमुख कार्यक्रम अग्नित्रय और अन्य प्रसिद्ध कार्यक्रमों जैसे उत्तिष्ठ, टेडएक्स के साथ–साथ संग्राम और अन्य खेल आयोजनों को कवर करते हैं।

हम शानदार फोटोग्राफ और वीडियो के रूप में बाहरी दुनिया को आईआईएम काशीपुर की सुंदरता दिखाते हैं। यह क्लब कॉलेज के उभरते फोटोग्राफरों को फोटो ऑफ द मंथ और फोटो ऑफ द वीक के माध्यम से, क्लब के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रदर्शित करके एवं फोटोग्राफी कार्यशालाओं और फोटो वॉक्स जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करके उनका पोषण भी करता है। हम आईआईएम काशीपुर में बिताए पलों को खुशनुमा यादों में बदलते हैं, ऐसे दृश्य जिन्हें आईआईएम काशीपुर परिवार का कोई भी सदस्य दोबारा देख सकता है और जीवन भर याद रख सकता है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- पिक्सेलर– माह का फोटो।
- व्लॉगस्टीः व्लॉगिंग और फोटोग्राफी प्रतियोगिता।
- उत्सव की विशेषताएँ।
- परिसर के भीतर सभी छात्र निकायों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को कवर करना।

लिटरेरी क्लब / साहित्यिक समिति

आईआईएम काशीपुर में लिटरेरी क्लब / साहित्यिक समिति छात्रों के बीच सभी साहित्यिक–संबंधी ज्ञानक्षेत्रों जैसे पुस्तक पठन, वाद–विवाद, कविता पाठ, कथाकारिता, तात्कालिक भाषण, संचारण, रचनात्मक लेखन इत्यादि को बनाए रखने और बढ़ावा देने के लिए अस्तित्व में है। लिट क्लब पूरे वर्ष इन कौशलों को निखारने के उद्देश्य से कई आकर्षक गतिविधियों और कार्यक्रमों को रूपायित और संचालित करता है। साहित्यिक गतिविधियों के लिए आंतरिक संसाधनों का उपयोग करने के अलावा, क्लब विभिन्न बाहरी कॉलेजों, साहित्यिक कार्यक्रमों और समूहों के साथ सहयोग करता है ताकि क्लब की गतिविधियों का दायरा और बढ़ाया जा सके।

गतिविधियाँ / आयोजन

- इंट्रा कॉलेज कार्यक्रमरू काबुलीवाला की तरह कहें, एकता दिवस प्रदर्शनी, शब्दकोष, एमबीए वाद–विवाद प्रतियोगिता।
- **अखिल भारतीय कार्यक्रमः** डु कोयूर, राइट फ्रॉम द हार्ट, पर्सपेक्टिव, अभिव्यक्ति।
- पुस्तक समीक्षाएँ।
- एमबीए 2021–23 बैच के लिए वार्षिकी

परवाज

परवाज, आईआईएम काशीपुर का ड्रमैटिक्स क्लब / नाटक समिति है, जो किसी धारणा, मनोभाव, अभिव्यक्ति या भावना को इस तरह से निकालता है, निखारता है, पोषित करता है और प्रदर्शित करता है कि यह हमारे प्रिय दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ जाता है। क्लब कई कार्यक्रमों में प्रदर्शन करके और इंटरकॉलेज एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन करके, आईआईएम काशीपुर के दर्शकों का मनोरंजन करने की जिम्मेदारी लेता है। यह क्लब नवरस, नौ भावनाओं को दर्शकों तक महसूस कराने के लिए नुक्कड़ नाटक, नाटक मंचन, मूक–अभिनय आदि जैसे कई कार्यक्रम आयोजित करता है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- दशहरा नाटक।
- स्वतंत्रता दिवस पर नाटक।
- उद्घाटन समारोह प्रारम्भ।
- महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस।
- स्वच्छ।
- गणतंत्र दिवस।
- सीन क्या है।
- बोर्डरूम ड्रामा।
- **मंडे मिमिक्रीः** हम अपनी शैली में किसी प्रसिद्ध फिल्म के दृश्य की नकल करते हैं।
- **फ्राइडे फैक्ट्सः** ये थिएटर से जुड़े रोचक तथ्य हैं, जिन्हें हम कहानियों के रूप में पोस्ट करते हैं।

क्वेस्ट

क्वेस्ट आईआईएम काशीपुर का क्विज क्लबध्प्रश्नोत्तरी समिति है जिसका उद्देश्य छात्रों के प्रज्ञावान मस्तिष्क में

क्विजिंग प्रश्नोत्तरी संस्कृति को आत्मसात कराना है। क्वेस्ट आईआईएम काशीपुर के छात्रों के बीच एक स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी क्विजिंग प्रश्नोत्तरी संस्कृति को भी बढ़ावा देता है एवं उन्हें किसी भी कॉर्पोरेट एवं बी–स्कूल प्रतियोगिताओं के पहले दौर में सफल होने के लिए तैयार करता है। क्वेस्ट उन लोगों के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है जो व्यवसाय, मनोरंजन, सामान्य जागरूकता और साहित्य जैसी विभिन्न शैलियों में अपनी बुद्धि का प्रदर्शन करना चाहते हैं। इसके अलावा, हमारे क्विज और सत्र उन प्रतियोगिताओं का विश्लेषण करने पर केंद्रित हैं, जो सक्रिय व्यक्तियों का एक समूह बनाने में मदद करते हैं और छात्र 'क्विजिंग प्रश्नोत्तरी के लिए अपनी इच्छा को शांत करने' के लिए उन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। क्लब क्वेस्ट के सोशल मीडिया अकाउंट पर अभियान श्रृंखला भी चलाता है, जिससे इंस्टाग्राम, फेसबुक और लिंक्डइन पर जुड़ाव बढ़ा है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **फ्रेशर्स क्विजः** यह पहली क्विज है जो केवल एमबीए–1 छात्रों के लिए आयोजित की गई, जिसमें कोई विशिष्ट विषय नहीं था। जूनियर वर्ग के छात्र इसमें इकट्ठे हुए और इसका भरपूर आनंद उठाया।
- **अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष (IYOM) 2023ः** हमने फसल के बारे में जागरूकता बढ़ाने और भारत में उगाए, तैयार, बेचे एवं उपभोग किए जाने वाले बाजरा की विविधता को प्रदर्शित करने के लिए कृषि तथा किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से एक बाजरा प्रश्नोत्तरी आयोजित की।
- **KQL (काशीपुर क्विजिंग लीग)ः** यह विभिन्न क्षेत्रों पर आधारित चार क्विज / प्रश्नोत्तरी की एकवर्षीय लंबी श्रृंखला है। क्विज / प्रश्नोत्तरी सक्रिय दिमाग अपनी क्विजिंग / प्रश्नोत्तरी क्षमताओं का प्रदर्शन करने और सफलता की सीढ़ी पर शीर्ष स्थान पाने एवं श्रृंखला विजेताओं के रूप में उभरने का प्रयास करने के लिए एक ही मंच पर इकट्ठा होते हैं।
- **वातानाबे क्विजः** यह वातानाबे क्विज के सहयोग से 'क्विजिज' प्लेटफॉर्म पर आयोजित एक प्रश्नोत्तरी थी। यह एक वित्त प्रश्नोत्तरी थी।

REVERB – संगीत क्लब

हमारा लक्ष्य आईआईएम काशीपुर की संगीत प्रतिभा को प्रोत्साहन देना और छात्रों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है। अपनी स्थापना के बाद से रीवर्ब सभी संगीत गतिविधियों और संगीत कार्यक्रमों का पथप्रदर्शक रहा है, जिससे व्यस्त शैक्षणिक जीवन से कुछ राहत मिलती है। इस क्लब ने सभी संगीत प्रेमियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया चौनलों पर एक समर्पित संगीत समुदाय 'कैस्पियन मेलोबीज' शुरू किया है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ प्रतिभागी अपनी संगीत प्रतिभा को साझा करते हैं। छात्रों को जैम सत्रों का आनंद लेने और कॉलेज में संगीत संस्कृति को बढ़ावा देने में सक्षम बनाने के लिए, रीवर्ब द्वारा अत्याधुनिक उपकरणों के साथ एक विशेष संगीत कक्ष की व्यवस्था की गई है। यह क्लब संगीत प्रतियोगिताओं, संगीत–आधारित प्रश्नोत्तरी, जैम सत्र, सूचनात्मक पोस्ट आदि जैसे विभिन्न ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पूरे वर्ष सक्रिय रहता है, ताकि हमारे कॉलेज द्वारा प्रस्तुत कला–प्रज्ञा की भावना को पुष्ट किया जा सके। रीवर्ब का उद्देश्य संगीत के प्रति प्रेम का प्रसार करना और साथ ही छात्रों को नए और अभिनव तरीकों से संगीत के प्रति अपने जुनून को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **उद्घाटन समारोह 'प्रारंभ':** टीम रिवर्ब ने प्रारंभ के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति दी, जो खेल समिति द्वारा आयोजित किया गया था, जहाँ हमने दोनों बैचों की उत्साह को बढ़ाने के लिए गाना गाया।
- **पार्क्स कार्यक्रम:** प्रायोजक समिति ने पार्क्स के सहयोग से आयोजित अपने कार्यक्रम में एक संगीतमय प्रस्तुति देने के लिए रिवर्ब को आमंत्रित किया।
- **म्यूजिक अनफिल्टर्ड:** म्यूजिक अनफिल्टर्ड एक जैमिंग सत्र है, जो छात्रों को हमारे साथ जुड़ने और गाने के लिए आयोजित किया जाता है। जैम सेशन एक मजेदार कार्यक्रम है, जिसमें किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता शामिल नहीं होती है। यह कार्यक्रम छात्रों को एक मजेदार, सुखदायक और आनंददायक संगीतमय शाम में शामिल करने के लिए क्लब द्वारा आयोजित किया जाता है। छात्रों ने विभिन्न वाद्ययंत्रों अपनी प्रस्तुतियाँ दीं और धुनों पर गाने के लिए कराओके का इस्तेमाल किया।
- **रैप्सोडी:** रैप्सोडी एक ऑनलाइन संगीत श्रृंखला है, जहाँ छात्र अपने गाने के वीडियो साझा करते हैं और खुद को रीवर्ब के सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रदर्शित करते हैं।
- **सुरभि श्रृंखला:** यह एक इंस्टाग्राम पहल है, जहाँ हम पोस्टर की मदद से संगीत संबंधी तथ्य साझा करते हैं।

स्पेक्ट्रम

स्पेक्ट्रम–आईआईएम काशीपुर की विविधता और समावेशन समिति, आईआईएम काशीपुर के छात्रों की एक पहल है, जिसका उद्देश्य छात्रों के लिए समावेशी और न्यायसंगत वातावरण बनाए रखने की दिशा में काम करने के उद्देश्य से, विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाना एवं परिसर के समस्त छात्रों, भूतपूर्व छात्रों, संगी–साथियों और भावी सहयोगियों के लिए प्रगतिशील निगमों में करियर के लिए एमबीए समूह तैयार करने के ध्येय को पाना है, जो विविधता को महत्व देते हैं और विभिन्न नस्लों, जातीयताओं, राष्ट्रीयताओं, सामाजिक आर्थिक स्थितियों, धार्मिक पृष्ठभूमि , लिंग, लैंगिक पहचान, अभिव्यक्ति और यौन रुझान से संबंधित व्यक्तियों के बीच पारस्परिक सम्मान को अपनाने वाली संस्कृतियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं।

क्लब का उद्देश्य अपनी प्रबंधकीय विशेषज्ञता, कौशल एवं भावनात्मक बुद्धिमत्ता का उपयोग करके सार्थक तरीके से विविधता और समावेशन के बारे में जागरूकता तथा

संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। क्लब लंबे समय से गैर–सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक गैर–लाभकारी संगठनों और निगमों के साथ संबंध बनाने और संस्थान के विकास को पूरा करने के लिए संबंधों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **विविधता में एकता:** पॉश/ POSH, गौरव, लैंगिक विविधता आदि विषय पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, उसके बाद एक 'बिजनेस केस प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को 'वोकल फॉर लोकल' विषय के तहत स्थानीय देसी संस्कृति पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- **पॉश/ POSH कार्यशाला:** यह कार्यशाला 'कार्यस्थल पर पॉश का महत्व' विषय पर आयोजित की गई थी। छात्रों ने यौन उत्पीड़न की बारीकियों और कार्यक्षेत्र में इससे निपटने के तरीके के बारे में जानने के लिए भाग लिया।
- **महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस (15–दिवसीय चुनौती):** 'अंतर्राष्ट्रीय हिंसा दिवस' को चिह्नित करने के लिए 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2022 तक 'महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव पखवाड़ा' के रूप में कैंडल मार्च, महिलाओं की आवाज और ओपन माइक का आयोजन किया गया। साथ ही इस अवधि के दौरान जागरूकता फैलाने और महिलाओं के समक्ष आने वाली चुनौतियों को प्रकाश में लाने के लिए नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग और कैंडल मार्च जैसी कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- **रूढ़िवादिता को तोड़ना:** एक सोशल मीडिया अभियान जिसका उद्देश्य लोगों को उन रूढ़िवादी धारणाओं बारे में बताना है जिन्हें छात्र तोड़ रहे हैं और परिसर के अंदर समावेशिता को बढ़ावा दे रहे हैं।
- **दिल से दिल:** एक ऐसा कार्यक्रम जिसमें कोई व्यक्ति अंतरंग लेकिन आश्चर्यजनक तरीके से अपनी भावनाओं को मुक्त भाव से व्यक्त करने के लिए हस्तलिखित पत्र लिख सकता है या अपने दोस्तों और प्रियजनों को धन्यवाद दे सकता है, क्षमा कर सकता है या बधाई दे सकता है।
- **पॉश क्विज:** एक क्विज जिसका उद्देश्य परिसर के अंदर और कार्यस्थल पर पॉश के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है।
- **शब्दों की रस्साकसी:** टीम के साथियों, दोस्तों एवं सहभागियों के साथ और अधिक सीखने और जुड़ने के लिए एक रोचक कार्यक्रम। समय की आवश्यकता के अनुसार छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए 'विविधता और समावेशन' से जुड़े शब्दों पर बल दिया गया।

मोशन पिक्चर क्लब

मोशन पिक्चर क्लब का लक्ष्य विश्व सिनेमा से जुड़े मनोरंजक चौनलों के माध्यम से प्रबंधन शिक्षा को बढ़ावा देना है। क्लब छात्रों को उनके व्यस्त एमबीए शेड्यूल के बीच फिल्मों के माध्यम से आनंद लेने में भी मदद करता है। प्रबंधन से संबंधित फिल्मों की स्क्रीनिंग के माध्यम से, टीएमपीसी का लक्ष्य उन फिल्मों से मिलने वाली सीख के बारे में चर्चा उठाना है और हम एक क्लब के रूप में विभिन्न अंतर्दृष्टि भी प्रदान करते हैं, जो आईआईएम काशीपुर समुदाय के लिए मददगार हो सकती हैं। यह क्लब छात्रों को विश्व सिनेमा से प्रबंधन शिक्षा पर चर्चा करने के लिए एक मंच निर्मित करने में भी सहायता करता है। हम उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों, कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। उनके माध्यम से हम छात्रों को पाठ्येत्तर गतिविधियों में सक्रिय रुचि लेने और उनकी सर्वांगीण क्षमता को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

गतिविधियाँ / घटनाएँ

• **क्रिटिक डु फिलकः** एक साप्ताहिक मूवी समीक्षा–सह–सिफारिश पहल जहां विभिन्न शैलियों, भौगोलिक क्षेत्रों और भाषाओं की फिल्म समीक्षाएं टीएमपीसी के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट की जाती हैं। इसका उद्देश्य दुनिया भर में उपलब्ध विविध फिल्मों तक पहुंच प्रदान करना और उनके बारे में जागरूकता पैदा करना है।

• **लेख लेखन प्रतियोगिताः** फिल्मों के प्रबंधन विषय पर एक लेख लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। सबमिशन का मूल्यांकन फिल्म के विवरण के आधार पर किया गया था कि लेख फिल्म की सामग्री और प्रदान की गई थीम की प्रबंधन सीख से कैसे संबंधित है।

• **पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताः** क्लब ने एक पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें प्रतिभागियों को एक क्रॉस–ओवर मूवी पोस्टर डिजाइन करना था। इसमें प्रतिभागी को अपनी खुद की एक फिल्म का चरित्र चुनना और उसे किसी अन्य फिल्म के शीर्षक के साथ मिलाना शामिल है। जीतने का मानदंड रचनात्मकता और प्रासंगिकता होगा।

• **मासिक मूवी / मैच स्क्रीनिंगः** बैच के बीच उनके महत्व और प्रासंगिकता के आधार पर मूवी और स्पोर्ट्स मैचों की मासिक स्क्रीनिंग की जाती है।

• **डबस्मैशः** एक अभिनय–आधारित कार्यक्रम जहां प्रतिभागी प्रसिद्ध फिल्मों के यादृच्छिक दृश्यों का अभिनय करते हैं और अपनी छिपी हुई प्रतिभा दिखाते हैं।

टोस्टमास्टर्स क्लब

टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल एक गैर–लाभकारी शैक्षिक संगठन है जो क्लबों के विश्वव्यापी नेटवर्क के माध्यम से सार्वजनिक भाषण और नेतृत्व कौशल सिखाता है। एंगलवुड, कोलो. में मुख्यालय वाले इस संगठन की सदस्यता 143 देशों में 16,600 से अधिक क्लबों में 357,000 से अधिक है। 1924 से, टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल ने विविध पृष्ठभूमि के लोगों को अधिक आत्मविश्वासी वक्ता, संचारक और नेता बनने में मदद की है।

अनस्टॉप इग्नाइटर्स क्लब

अनस्टॉप (डी2सी) इग्नाइटर्स एक क्लब है जो प्रतिस्पर्धात्मकता, सीखने और विकास की संस्कृति को बढ़ावा देता है और इसका उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जो छात्रों को विभिन्न कॉर्पोरेट और बी–स्कूल कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने का अवसर प्रदान करता है। क्लब साल भर काम करता है और सभी क्लबों, समितियों और सेल को उनके कार्यक्रमों को अनस्टॉप प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध करने और उनके कार्यक्रमों को अनस्टॉप प्लेटफॉर्म के विशेष स्थान पर प्रचारित करने में मदद करता है जो कार्यक्रमों को पूरे भारत से प्रतिभागियों तक पहुंचने और लाने की अनुमति देता है। कॉर्पोरेट और बी–स्कूल प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के अनुभव को "इग्निशन" नामक हमारे न्यूजलेटर की मदद से पूरे बैच और अनस्टॉप समुदाय के साथ साझा किया जाता है।

अनस्टॉप सीधे तौर पर किसी भी कार्यक्रम के संचालन में शामिल नहीं है, हालांकि नए बैच के लिए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के दौरान अनस्टॉप आगामी बैच को समझने और प्लेटफॉर्म से परिचित होने में मदद करने के लिए एक बिजनेस क्विज आयोजित करता है। उसके बाद, पूरे शैक्षणिक वर्ष के लिए, अनस्टॉप सोशल मीडिया और अनस्टॉप प्लेटफॉर्म पर अपने कार्यक्रमों की पहुंच को बढ़ावा देने और बढ़ाने के लिए क्लबों, समितियों और कोशिकाओं के बीच सूची वितरित करता है।

XTATIC – डांस क्लब

'जब आप नृत्य करते हैं, तो आप अपने होने की विलासिता का आनंद ले सकते हैं।' – कोएल्हो

नृत्य हमें अपनी भावनाओं को इतने सुंदर तरीके से व्यक्त करने में मदद करता है जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। नृत्य कार्यशालाओं और छोटे मियां बड़े मियां, डेंजा दे पपेल जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करता है, हमारा दृष्टिकोण प्रदर्शन कलाओं के प्रति प्रेम पैदा करना, भागीदारी को प्रोत्साहित करना और अधिक लोगों को अपनी क्षमता दिखाने और दिल खोलकर नृत्य करने में मदद करना है!

हम, मनोरंजन करने वालों का समूह, विभिन्न अंतर–बी–स्कूल नृत्य प्रतियोगिताओं में आईआईएम काशीपुर का प्रतिनिधित्व करते हैं और कॉलेज के कार्यक्रमों और समारोहों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। हम एक सरल जीवन मंत्र का पालन करते हैं – यदि आप खुश हैं तो नाचते रहें और यदि आप निराश हैं तो नृत्य करना शुरू कर दें।

गतिविधियाँ / आयोजन

- छोटे मियाँ बड़े मियाँ
- **कार्यशालाएँः** बॉलीवुड, गरबा, और सालसा कार्यशालाएँ
- नृत्य प्रतियोगिताएँ

कल्याण समन्वयक / वेल्नस कोऑर्डिनेटर्स

कल्याण समन्वयक आईआईएम काशीपुर के छात्रों तथा परिसर के अंदर और बाहर स्थित चिकित्सा सुविधाओं के बीच संपर्क का काम करते हैं। यह दल / टीम यह सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई थी कि जिन छात्रों को चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता है, वे समय पर उन सेवाओं तक पहुँच सकें। हमारी टीम किसी भी स्वास्थ्य संबंधी तनाव या आपात स्थिति में छात्रों की सहायता और समर्थन के लिए हमेशा उपलब्ध है। हम सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सामान्य स्वास्थ्य कल्याण के संबंध में सलाह, समाधान और प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। हम एथलेटिक आयोजनों, जिम की गतिविधियों तथा छात्रों के लिए उत्पन्न होने वाली किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति में सहायता को तत्पर रहते हैं। ये समस्त क्रियाकलाप परिसर में और उसके आसपास होने वाली नियमित गतिविधियों का हिस्सा हैं।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **टीकाकरण अभियानः** पाठ्यक्रम के दौरान दो टीकाकरण अभियान आयोजित किए गए।
- 140 से अधिक लोगों ने कोविड–19 टीकाकरण कराया।
- 15 से अधिक लोगों ने सर्वाइकल कैंसर का टीका लगवाया।
- **हर घर ध्यानः** आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोग से हमने ध्यान का अभ्यास करने, सकारात्मकता को बढ़ावा देने और तनाव–मुक्त करने के लिए छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए एक घंटे के ध्यान सत्र का आयोजन किया।
- **स्वास्थ्य बीमा सत्रः** चिकित्सा बीमा से संबंधित विषयों जैसे कवरेज सीमा एवं कवरेज कब और कैसे प्राप्त करें, पर छात्रों के लिए एक अनौपचारिक सत्र का आयोजन किया गया। हमने मौके पर ही प्रश्नों का समाधान भी किया।
- **औषधालय व्यवस्थाः** दवा और अन्य चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करने के लिए एक स्थानीय विक्रेता के सहयोग से वेलनेस सेंटर (कल्याण केंद्र) के अंदर ही एक छोटा औषधालय स्थापित किया गया है। यह व्यवस्था हमें मरीजों को तत्काल ही विशिष्ट दवाएँ उपलब्ध कराने की सुविधा देती है और प्रतिदिन लगभग 15–20 मरीज इस व्यवस्था से लाभान्वित होते हैं।
- **दंत्य चिकित्सा शिविरः** हमने संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारी सदस्यों के लिए परिसर में एक निःशुल्क दंत्य जाँच शिविर का आयोजन किया। इसका संचालन ओरल इंप्लांटोलॉजिस्ट और कॉस्मेटिक ओरल सर्जन, डॉ. वरुण गर्ग ने किया तथा इस शिविर में 60 से अधिक मरीजों ने भाग लिया।

प्रकोष्ठ

क्रिएटिव स्टूडियो (सृजनात्मक शिल्पशाला)– डिजाइन सेल (प्रारूप प्रकोष्ठ)

क्रिएटिव स्टूडियो (सृजनात्मक शिल्पशाला) डिजाइनरों (रूपकारों) और विक्रेता प्रबंधकों का एक समन्वित प्रकोष्ठ है, जो बैच के एवं विभिन्न छात्र निकायों के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न व्यापारिक उत्पादों के डिजाइन (प्रारूप) और खरीद के लिए जिम्मेदार है। यह कॉलेज के सभी प्रमुख कार्यक्रमों जिसमें वार्षिक उत्सव, खेल गतिविधियाँ और कॉर्पोरेट कार्यक्रम शामिल हैं, के लिए विभिन्न डिजाइनिंग (रूपांकन) आवश्यकताओं (जैसे लोगो, पोस्टर, बैनर, ब्रोशर और वार्षिकी) को पूरा करता है। इस टीम के पास प्रोक्रिएट, फोटोशॉप, एडोब स्केच, फिल्मोरा, ब्लेंडर आदि में विशेषज्ञता है और यह छात्रों की सहायता के लिए कार्यशालाओं को प्रोत्साहित और आयोजित करके कॉलेज में एक रचनात्मक माहौल बनाने का प्रयास करती है। इसके अलावा हमारी टीम आईआईएम काशीपुर के आधिकारिक ऑनलाइन मर्चेंडाइज स्टोर का प्रबंधन करती है।

ऑनलाइन मर्चेंडाइज स्टोर में टी–शर्ट, हुडी, कैजुअल टी–शर्ट, मग, मास्क, पानी की बोतलें और बैज जैसे विभिन्न प्रकार के उत्पाद उपलब्ध हैं। इन सभी उत्पादों के डिजाइन (प्रारूप) एकमात्र क्रिएटिव स्टूडियो (सृजनात्मक शिल्पशाला) के दायरे में आते हैं। पिछले साल हमारी टीम ने 500 से अधिक आधिकारिक बैच हुडी और 250 से अधिक आधिकारिक बैच टी–शर्ट की खरीदफरोक्त का काम सँभाला था। इसके अलावा, डिजाइन (प्रारूप) और शिपमेंट को मूर्त रूप देने के लिए अच्छे विक्रेता और डिलीवरी पार्टनर (वितरण सहयोगी) ढूँढना एवं उनके साथ दीर्घकालिक संबंध बनाने पर काम करना, इस प्रकोष्ठ की अभिन्न जिम्मेदारी है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- विभिन्न छात्र निकायों और दोनों बैचों के लिए लोगो, टी–शर्ट, बैनर आदि डिजाइन करना।
- वार्षिकी, छात्र निकाय विवरण पुस्तिका एवं शैक्षणिक सूचनापत्र की रूपरेखा बनाना।
- एम–स्टोर के लिए सोशल मीडिया हैंडलिंग।
- डिजाइन (रूपांकन) पर INKTOBER–22 एवं अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- व्यापारिक आवश्यकताओं के लिए अन्य संघों / समितियों के साथ संपर्क करना।

परिवर्तन प्रकोष्ठ

परिवर्तन प्रकोष्ठ आईआईएम काशीपुर का सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ है, जो हमारे प्रबंधकीय कौशल और विशेषज्ञता का सर्वोत्तम उपयोग करके हमारे समाज में स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं शिक्षा में सुधार के लिए काम कर रहा है। हम हमेशा ऐसे कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करने में विश्वास करते हैं, जो कई अवसरों पर छात्रों के साथ–साथ बृहत्तकाय समाज के बीच जागरूकता बढ़ाते हैं और यह भावना पैदा करते हैं कि साझा करना ही देना है। हम गैर सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक गैर–लाभकारी संगठनों, सरकारी संस्थानों और निगमों के साथ सुदृढ़ संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गतिविधियाँ / आयोजन

काइट्सः KITES, काशीपुर में वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने की साल भर चलने वाली एक पहल है। हमने दो विद्यालयों (कक्षा 1 से 8) की जिम्मेदारी ली है और उन्हें पूरे वर्ष गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पुनरावर्ती सत्रों की योजना बनाई है। हम निकटवर्ती विद्यालयों में छात्रों को पढ़ाने के लिए संस्थान से स्वयंसेवकों की व्यवस्था करते हैं।

रक्तदान अभियानः परिवर्तन प्रकोष्ठ ने भारत विकास परिषद के सहयोग से आईआईएम काशीपुर परिसर में रक्तदान अभियान का आयोजन किया। इस अभियान में छात्रों और प्राध्यापक सदस्यों दोनों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

लेख लेखन प्रतियोगिताः छात्रों को कैरियर (आजीविका) विकल्पों पर साथियों के प्रभाव के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर विचार करने हेतु प्रेरित करने के लिए एक लेख लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के आलोचनात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना एवं इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

दीवाली प्रदर्शनीः 'ख्वाहिश' एनजीओ के सहयोग से, एक दीवाली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य उनकी देखरेख में कई किशोर बालकों के जीवन को प्रभावित करना है। प्रदर्शनी जबरदस्त तरीके से सफल साबित हुई, लगभग 30,000 रुपये की बिक्री हुई और इस प्रदर्शनी ने इसमें शामिल सभी प्रतिभागियों पर अमिट छाप छोड़ी।

स्किप ए मील (एक समय का भोजन छोड़ें): 'ख्वाहिश' एनजीओ के सहयोग से, परिवर्तन प्रकोष्ठ ने एक 'स्किप ए मील (एक समय का भोजन छोड़ें)' अभियान का आयोजन किया, जहाँ छात्रों ने स्वेच्छा से अपना एक समय का भोजन छोड़ा और बचाए गए संसाधनों का उपयोग वंचित बच्चों को पोषण प्रदान करने के लिए किया गया। इस निस्वार्थ पहल ने छात्रों की दयालु भावना को प्रदर्शित किया, जिससे 'ख्वाहिश' एनजीओ द्वारा समर्थित बच्चों के जीवन पर सार्थक प्रभाव पड़ा।

रन फॉर यूनिटी मैराथनः ताकत, एकता और विविधता के मूल्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'रन फॉर यूनिटी' नामक एक 3 किमी लंबी दौड़ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में छात्रों के साथ–साथ शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

स्वस्थता एवं आत्मरक्षण कार्यशाला: KITES की पहल के भाग के रूप में, निकटवर्ती विद्यालयों में एक स्वस्थता एवं आत्मरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को सशक्त बनाना एवं विभिन्न परिस्थितियों में उन्हें खुद का बचाव करने के लिए आवश्यक कौशल से समृद्ध करना है।

स्वच्छता अभियान: 'परिवर्तन' एनजीओ के सहयोग से, एक सफल सफाई अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप काशीपुर में मोटेश्वर महादेव मंदिर के आसपास से 210 किलोग्राम कचरा एकत्रित किया गया।

स्टेशनरी (लेखन सामग्री) वितरण अभियान: KITES की पहल के तहत, परिवर्तन प्रकोष्ठ ने एक स्टेशनरी (लेखन सामग्री) वितरण अभियान का आयोजन किया और जरूरतमंद छात्रों को किताबें, नोटबुक, पेन, पेंसिल आदि जैसे स्टेशनरी आइटम (लेखन सामग्री वस्तुएँ) वितरित किए।

तैयारी कक्ष

तैयारी प्रकोष्ठ का प्राथमिक लक्ष्य बैच को प्लेसमेंट के लिए तैयार करना एवं साथ ही कौशल प्रवृत्तियों को बढ़ाने और दक्षताओं के निर्माण में सहायता करना है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **मेंटरशिप:** प्रकोष्ठ के परामर्शदाताओं ने अपने कनिष्ठ सदस्यों को कौशल–निर्माण प्रक्रिया पर मार्गदर्शन दिया।
- **डोजियर तैयारी सत्र:** जूनियर बैच को एमबीए पाठ्यक्रम के विविध ज्ञानक्षेत्रों से परिचित होने में मदद करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक संघों द्वारा सत्र लिए गए।
- **बायोडाटा की तैयारी:** जूनियर बैच को बायोडाटा प्रारूप और बायोडाटा में किस प्रकार की विषयवस्तु भरी जा सकती है, से परिचित होने के लिए निर्देशित किया गया।
- **व्यक्तिगत साक्षात्कार:** जूनियर बैच को उनके ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के लिए थोड़ा आत्मविश्वास और रचनात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए मॉक इंटरव्यू लिया गया।
- **समूह चर्चाएँ:** जूनियर बैच को समूह चर्चाओं का आदी बनाने के लिए मॉक जीडी (कृतिम समूह चर्चाएँ) आयोजित किए गए और उन्हें प्लेसमेंट तैयारी प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, सुधार के क्षेत्रों पर सुझाव दिए गए।

- **वॉरचेस्ट (युद्धकोश) अभ्यास:** जूनियर बैच को बाजार के विभिन्न उद्योगों और उन उद्योगों में उपलब्ध भूमिकाओं से अवगत कराने के लिए 'वॉर्चेस्ट' (युद्धकोश) अभ्यास का आयोजन किया गया।

प्रायोजन प्रकोष्ठ

शैक्षणिक दृढ़ता के बीच, जो तत्व परिसर को जीवंत रखते हैं, वह हैं परिसर में होने वाले असाधारण कार्यक्रम। ये आयोजन हमें मंत्रमुग्ध तो करते ही हैं, लेकिन इन्हें विशाल और उत्साह से भरपूर बनाने के पीछे इनके प्रायोजक होते हैं। रोमांचक नकद पुरस्कार और उपहार हमें हमेशा इन आयोजनों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के साथ अपनी किस्मत आजमाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाते हैं। हम इन प्रायोजकों को आकर्षक अनुबंधों के द्वारा उन्हें अपने पटल पर लाने के लिए पूरी तरह उत्तरदायी हैं।

प्रायोजन प्रकोष्ठ नए प्रायोजकों को जोड़कर एवं पुराने प्रायोजकों के साथ संबंध बनाए रखकर, आयोजनों के लिए अधिक से अधिक धन का संग्रह करते हुए, इन आयोजनों को भव्य, उज्जवल और बेहतर बनाने में सहायता करता है। हमारा लक्ष्य अपने संस्थान और उसके प्रायोजकों दोनों की पहुँच का विस्तार करना है।

गतिविधियाँ

- आयोजनों के लिए नए प्रायोजक जुटाना और वर्तमान प्रायोजकों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करना।
- विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर प्रचार के माध्यम से प्रायोजकों तक पहुँच बढ़ाना।
- हमारी ओर से प्रदेयता पर बल देते हुए संभाव्यता को सामर्थ्यवान प्रायोजकों में परिवर्तित करना।

टीमें

टीम कॉर्पस

टीम कॉर्पस को कॉर्पोरेट और बी–स्कूल केस प्रतियोगिताओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के अवसर पैदा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऐसी प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन आईआईएम काशीपुर की दृश्यता से जुड़े होते हैं और इस प्रकार यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि छात्र सही दक्षताओं से युक्त हैं। टीम छात्रों को इन चुनौतियों का सामना करने के दौरान अपने दृष्टिकोण को परिष्कृत करने के लिए सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करती है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- **मॉक प्रेजेंटेशन:** टीम कॉर्पस मॉक प्रेजेंटेशन आयोजित करती है, जिसमें छात्र अपने प्रस्तुतिकरण का पूर्वाभ्यास कर सकते हैं, साथ ही छात्रों को अपनी प्रस्तुति को बेहतर बनाने और निखारने के लिए टीम द्वारा सुधार के लिए सुझाव दिए जाते हैं।
- **कार्यशाला:** छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने और उनके दृष्टिकोण को रूपायित करने हेतु प्रशिक्षण देने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ सहयोग से कार्यशालाओं का संचालन करना। मामलों के नवीन समाधान तैयार करने के लिए परिकल्पना सोच आवश्यक है।
- **भूतपूर्व छात्र सत्र:** ऐसे सत्रों का आयोजन जिसमें कॉर्पोरेट केस प्रतियोगिताओं के विजेता भूतपूर्व छात्र, मामलों को सुलझाने के लिए अपना ज्ञान और अपनी कार्यप्रणाली प्रदान करते हैं।
- **ज्ञान भंडार:** यह छात्रों के लिए प्रेरणा प्राप्त करने और प्रतियोगिताओं में इन सीखों को लागू करने के लिए विचारों, रूपरेखाओं और रणनीतियों का भंडार रखता है।
- **डोमेन वारफेयर:** प्रतिस्पर्धाओं द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अनुभव को प्रतिकृत (रिपलिकेट) करने के लिए प्रबंधन कार्यक्षेत्र के विषयों को समाविष्ट करने वाली एक व्यावसायिक प्रश्नोत्तरी।

टीम इम्पैक्ट

टीम इम्पैक्ट का प्रमुख उद्देश्य काशीपुर डेवलपमेंट फोरम (केडीएफ) के बैनर तले उधम सिंह नगर, काशीपुर के विकास के लिए काम करना है। सामुदायिक विकास के संबंध में संस्थान एवं विभिन्न सरकारी और प्रशासनिक निकायों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करना।

हम काशीपुर में सामाजिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक समस्याओं की पहचान करने और उन पर शोध करने तथा प्राध्यापकों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से एक व्यवहार्य और कार्यान्वयन योग्य समाधान प्रदान करने के लिए उत्तरदायी हैं। प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं की पहचान करना एवं उन्हें छात्रों के लिए प्रबंधन परामर्श और सरकारी सलाहकारी परियोजनाओं में परिवर्तित करना।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

- आईआईएम काशीपुर के प्रतिनिधि के रूप में सड़क सुरक्षा श्रृंखला बैठक में भाग लिया।
- सड़क सुरक्षा शासनादेश के अनुसार रुद्रपुर और काशीपुर शहरों में हिट एंड रन मामलों की परियोजना हेतु अनुसंधान और विश्लेषण किया गया।
- ब्लॉक कार्यालय, काशीपुर में समान नागरिक संहिता के संबंध में बैठक में आईआईएम काशीपुर के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया।
- **चुनाव अभियान कार्यक्रमः** टीम ने चुनाव अभियान के दौरान जागरूकता गतिविधियों जैसे रेलवे स्टेशनों और बस डिपो पर नुक्कड़ नाटक, पैम्फलेट वितरण, हेल्पलाइन बूथ और जागरूकता वीडियो बनाना आदि का संचालन करके, काशीपुर और रुद्रपुर के लिए मतदाता मतदान बढ़ाने में सीडीओ कार्यालय एवं डीएम कार्यालय को सहयोग किया।

टीम इनसाइट

टीम इनसाइट एक छात्र निकाय है, जो आगामी बैच के भावी छात्रों के लिए संपर्क का प्रथम बिंदु होने एवं उनकी सीएपी प्रक्रिया के डब्ल्यूएटी–पीआई राउंड के माध्यम से उनका मार्गदर्शन करने के लिए उत्तरदायी है। यह टीम उन्हें कॉलेज तथा कॉलेज द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों से संबंधित प्रश्नों में भी उनकी सहायता करती है। यह टीम आगामी बैच के दाखिले की पुष्टि होने तक छात्रों को प्रवेश संबंधी सहायता प्रदान करती है। नए बैच के प्रवेश के बाद, यह टीम छात्रों को आईआईएम काशीपुर की संस्कृति और एमबीए कार्यक्रम से परिचित होने में मदद करने के लिए 8–10 दिवसीय प्रेरणा–सत्र भी आयोजित करती है।

गतिविधियाँ / आयोजन

- कॉन्फैब – सिटी मीट्स
- एस्पिरेंट मेंटरशिप प्रोग्राम
- सोशल मीडिया अभियान (लिंक्डइन, फेसबुक, इंस्टाग्राम, मीडियम, यूट्यूब, क्वोरा, पागलगाइ और टेलीग्राम पर)
- इंटर्न डायरीज (प्रशिक्षु दैनिकी), ब्लॉग्स, पीएचडी अंतर्दृष्टि, संकाय परिज्ञान, छात्र निकाय परिचय अभियान, वैट–पीआई किट, साक्षात्कार अनुभव, एमबीए एनालिटिक्स परिचय अभियान, प्रेप शॉट्स।
- सिटी मीट्स, सीएपी साक्षात्कार तैयारी और एमबीए पाठ्यक्रम पर वीडियो कैम्पेन (चलचित्र अभियान)।
- प्रेरण कार्यक्रम

आयोजन

अग्नित्रय

अग्नित्रय आईआईएम काशीपुर का वार्षिक सांस्कृतिक, खेल और प्रबंधन उत्सव है। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रमुख प्रबंधन संस्थानों और अन्य प्रमुख कॉलेजों से विविध प्रतिभाओं की भागीदारी देखी जाती है।

'अग्नित्रय' का शाब्दिक अर्थ है देवताओं को प्रसन्न करने के लिए प्रज्ज्वलित की गईं तीन पवित्र अग्नियाँ, जो सफलता के तीन अवयवों: 'विनम्रता, धीरज और समर्पण' का प्रतिनिधित्व करती हैं। ये अवयव अग्नित्रय के तीन पहलुओं में सन्निहित हैं:

- संस्कृति में विनम्रता
- खेल में सहनशक्ति
- व्यवसाय में समर्पण की आवश्यकता।

इस उत्सव में भारी भीड़ देखी जाती है, जिसमें प्रतिवर्ष भारत भर के 50 से अधिक शीर्ष कॉलेजों से 500 से अधिक प्रतिभागी भाग लेते हैं। अग्नित्रय 9.0 ने स्टार नाइट्स के लिए किंग, ओली एस्से और संदीप शर्मा की मेजबानी की।

प्रबंधन और गैर–प्रबंधन कार्यक्रमः इस उत्सव में प्रबंधन कार्यक्रमों के तहत संचालन, विपणन, वित्त और मानव संसाधन आदि जैसे प्रबंधन विषयों से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। साथ ही विभिन्न गैर–प्रबंधन कार्यक्रम जैसे खेल प्रतियोगिताएँ, कविता पाठ एवं साहित्यिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। ये कार्यक्रम विभिन्न शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक संघों द्वारा तीन दिनों की अवधि में आयोजित किए जाते हैं।

खेल आयोजनः इन आयोजनों में प्रतिस्पर्धी मैच कराए जाते हैं, जिनमें आमतौर पर टीमें या व्यक्तिगत खिलाड़ी भाग लेते हैं। देश भर के संस्थानों के छात्र बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल, टेबल टेनिस, आदि टूर्नामेंट्स में भाग लेते हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमः सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य प्रस्तुति, गायन प्रतियोगिताएँ, बैंड प्रदर्शन आदि शामिल हैं।

स्टार परफॉर्मेंसः स्टार परफॉर्मेंस में जाने–माने संगीतकार, हास्य अभिनेता, अभिनेता या अन्य हस्तियाँ शामिल होती हैं। अग्नित्रय 9.0 ने संगीत–प्रस्तुति के लिए किंग, संदीप शर्मा और ओली एस्से की मेजबानी की।

वार्षिक प्रतिवेदन 2022–23 भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

TEDx IIM काशीपुर

'TEDx IIM Kashipur' ऐसे महत्वपूर्ण 'विचारों' के विस्तारण के संबंध में चर्चा करता है, ऐसे विचार जो सामान्य लगते हैं लेकिन व्यवहार में कठिन हैं। आयोजन का उद्देश्य आईआईएम काशीपुर समुदाय एवं काशीपुर तथा उसके आसपास के क्षेत्रों की प्रगति के लिए, असाधारण विचारों का उत्थान और प्रसार करना है। हमारे आसपास के लोगों से हम सभी के पास सीखने के लिए बहुत कुछ है और TEDx IIM –काशीपुर एक ऐसा मंच है जहाँ हम ऐसे विचारों का उत्सव मनाते हैं।

पिछले वर्ष के संस्करण में, हमने जनवरी में 'टाइम एंड टाइम अगेन' विषय पर एकमात्र प्रमुख कार्यक्रम TEDx टॉक आयोजित किया था।

आंतरिक शिकायत समिति की रिपोर्ट

संस्थान ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के प्रति शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंश) रखता है एवं 'कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013' के प्रावधानों के अनुरूप, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर तथा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण के लिए बने नियमों के तहत बनी नीति का पालन करता है। संस्थान नस्ल, जाति, लिंग, धर्म, रंग, राष्ट्रीयता, विकलांगता आदि में भेद किए बिना सभी को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी महिलाएँ (स्थायी, अस्थायी, संविदात्मक और प्रशिक्षु), के साथ–साथ संस्थान के कार्यालय परिसर में आने वाली कोई भी महिला या महिला सेवा प्रदाता इस नीति के अंतर्गत आते हैं। सभी कर्मचारियों के साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार किया जाता है ताकि कार्यस्थल के वातावरण को किसी भी प्रकार के शारीरिक, मौखिक या मनोवैज्ञानिक यौन उत्पीड़न से मुक्त रखा जा सके।

निर्धारण वर्ष 2022–23 में, आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) को 25 अगस्त 2022 को आईआईएम काशीपुर के एक संकाय सदस्य के विरुद्ध एक पीएचडी छात्र द्वारा यौन और मानसिक उत्पीड़न की शिकायत मिली। तत्पश्चात आईसीसी द्वारा एक जाँच की गई। उस जाँच के आधार पर, आईसीसी ने अनुशासनात्मक प्राधिकरण, आईआईएम काशीपुर को संस्तुति दी। 6 मार्च 2023 को अनुशासनात्मक प्राधिकारण के आदेशानुसार यह मामला सुलझाया लिया गया और बंद कर दिया गया।

गतिविधियाँ / कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर ने 25 नवंबर 2022 को, 'महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया और 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2022 तक 'महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव पखवाड़ा' का आयोजन किया और निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित कीं:

- महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'कैंडल मार्च' और 'स्किट'।
- महिलाओं से संबंधित मुद्दों को उजागर करने के लिए खुले मंच पर प्रदर्शन।
- जागरूकता फैलाने के लिए संकाय सदस्यों, कर्मचारी और अकादमिक सहयोगियों के लिए 'POSH / पॉश कार्यशाला, POSH/ पॉश क्विज'।

कार्य

संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों में वृद्धि के अनुरूप, हमारी परिसर–क्षमता को विस्तारित करने की दृष्टि से परिसर की बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है, ताकि संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रबंधन विकास कार्यक्रमों में अधिक छात्रों, कर्मचारियों, प्रतिभागियों, प्रतिनिधियों और अन्य अतिथियों का समायोजन किया जा सके।

अत्याधुनिक आवासीय सुविधाओं से युक्त विद्यार्थी छात्रावासों की दो इमारतों और स्टाफ क्वार्टर (कर्मचारी निवास–स्थान) की एक इमारत का निर्माण कार्य बड़ी तेजी से हो रहा है। विद्यार्थी छात्रावास में 238 कमरे, प्रत्येक कमरे में संलग्न शौचालय, प्रत्येक मंजिल पर एक कॉमन रूम और दो लिफ्ट का निर्माण किया जा रहा है। जबकि प्रत्येक क्वार्टर में दो लिफ्ट और मॉड्यूलर किचन के साथ बारह स्टाफ क्वार्टर (कर्मचारी निवास–स्थान) (3–बीएचके और 2–बीएचके) पूरा होने के विभिन्न चरणों में हैं।

निर्माणाधीन विद्यार्थी छात्रावास

निर्माणाधीन नवीन पुस्तकालय

इसके अलावा, आधुनिक बुनियादी ढाँचे के साथ नए पुस्तकालय भवन के निर्माण को, जिसमें दो मंजिला पुस्तकालय, डेटा सेंटर, विजुअल स्टूडियो, परिचर्चा कक्ष, जिम, बच्चों के लिए पुस्तकालय, कैफेटेरिया (जलपान–गृह), मेडिकल वार्ड, फार्मेसी, सम्मेलन कक्ष, सामुदायिक भवन, सामान की दुकान शामिल है, अंतिम रूप दे दिया गया है।

निर्माणाधीन कर्मचारी निवास–स्थान

इन सबके अलावा, संस्थान पर्यावरण–अनुकूल लेकिन अत्याधुनिक परिसर भवनों और संरचनाओं के विकास के माध्यम से अपनी शैक्षणिक विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, अपने परिसर के बुनियादी ढाँचे के और अधिक विस्तार के लिए तैयार है।

संधारणीयता और हरित पहल

आईआईएम काशीपुर में, पर्यावरण जागरूकता और संधारणीय जीवन पर हमारा विशेष ध्यान है। हमारी इमारतें पर्यावरण–अनुकूल और स्थानीय रूप से प्राप्त सामग्रियों से बनाई गई हैं, हम अपनी अधिकांश ऊर्जा आवश्यकताओं को अपनी छत पर लगे सौर पैनलों के माध्यम से पूरा करते हैं। परिसर की सभी इमारतें छत पर स्थापित सौर पैनलों एवं सौर प्रणालियों से सुसज्जित हैं।

जल सतत विकास का मूल–बिन्दु है एवं यह सामाजिक–आर्थिक विकास, स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र और मानव अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। हमारा मानना है कि जल संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करना अवश्यंभावी है, इसलिए हम उपलब्ध जल संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग एवं जल संरक्षण की दिशा में सभी सार्थक प्रयास कर रहे हैं। हम परिसर में गिरने वाली बारिश की प्रत्येक बूंद का संचयन करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमने कई कुओं का पुनर्भरण किया है और साथ ही एक वाहित मल शोधन संयंत्र (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) का निर्माण कार्य भी चल रहा है।

संस्थान हरित परिसर के विकास के बारे में भी चिंतित है और उसने हरित आच्छादन में सुधार के लिए कई पहल की हैं, जिसमें वनस्पतियों एवं जीवों के विकास के लिए वृक्षारोपण और अन्य बागवानी पहल शामिल हैं।

निर्माणाधीन एचवीएसी प्लांट

ऐम्फिथीअटर

आईआईएम काशीपुर का हरा–भरा परिसर विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीवों का घर है। हमारे परिसर में एक सुंदर झील है जो पतले जंगलों और छोटे–बड़े पेड़ों से घिरी हुई है। यह झील लगभग 30 पक्षी प्रजातियों का घर है। परिसर में प्रकृति की सैर निश्चित रूप से इसके निवासियों को उत्साहित, मोहित और प्रेरित करेगी।

केदारताल

हमारे परिसर में कई उद्यान भी हैं जिनमें फूलों और स्थानीय सब्जियों की कई प्रजातियों की नियमित रूप से खेती की जाती है। बड़े–बड़े पेड़, फूलों वाली झाड़ियाँ और खिले हुए गुलाब बागवानों की कुशलता और समर्पण के प्रमाण हैं।

प्रधान शैक्षणिक खण्ड

इसके अलावा हम ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर भी चिंतित हैं और जिसके लिए हमने कचरे को उर्वरित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, जिसमें परिसर में उत्पन्न होने वाले सभी प्रकार के कचरे को पृथक्करण एवं पुनर्चक्रण किया गया जाएगा।

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

कैरियर

संकाय और गैर–संकाय पदों के लिए विशेष भर्ती अभियान का विवरण (यदि कोई हो)

संस्थान ने विशेष भर्ती अभियान/मिशन मोड भर्ती के तहत संकाय के लिए 23 प्रस्ताव पत्र और गैर–संकाय के लिए 7 प्रस्ताव पत्र जारी किए।

धारा 26 (1) (ई) के तहत संस्थान के अधिकारियों और संकाय सदस्यों की नियुक्तियाँ

शिक्षण कर्मचारी का विवरण
31 मार्च 2023 तक कुल कर्मचारीः 45
वित्त वर्ष 2022–23 में नई फैकल्टी की भर्ती

नाम	पदनाम
प्रो दीपक वर्मा	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)
प्रो ग्यासुद्दीन अंसारी	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)
प्रो गौतम पाल	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)
प्रो अनामिका कुमार कुलभास्कर	सहायक प्रोफेसर (ग्रेड II)

गैर–शिक्षण कर्मचारियों का विवरण
31 मार्च 2023 तक कुल कर्मचारीः 41
वित्त वर्ष 2022–23 में नए कर्मचारी की भती

नाम	पदनाम
सुश्री जया रावत	सहायक पुस्तकालय एव सूचना विज्ञान एग्जीक्यूटिव
श्री सौरभ पाठक	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
श्री राम मोहन गुप्ता	प्रशासनिक एग्जीक्यूटिव
श्री निपुण गर्ग	प्रशासनिक सहायक
श्री विजय पांडे	प्रशासनिक सहायक
श्री अमित प्रताप सिंह	प्रशासनिक एग्जीक्यूटिव

कर्मचारियों का विवरण, क्या ऐसा कोई कर्मचारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी सदस्य का रिश्तेदार है, और यदि हाँ, तो ऐसे सदस्य का नाम, और ऐसे अन्य विवरण जो धारा 26 (3) के तहत बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं)

आईआईएम अधिनियम 2017, की धारा 26 (3) के तहत, संस्थान को (कर्मचारी का विवरण) दी गई जानकारी, को शून्य के रूप में लिया जा सकता है।

धारा 26(4) के तहत आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी का विवरण

आईआईएम अधिनियम 2018 की धारा 26(4) के तहत, संस्थान को दी गई जानकारी (आरक्षण, योग्यता और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में निहित प्रतिकूल टिप्पणी) को शून्य के रूप में लिया जा सकता है।

राशि का विवरण, यदि कोई हो, जिसे धारा 26 (1) (बी) के तहत बैलेंस शीट में किसी अधिशेष आरक्षित में ले जाने का प्रस्ताव है

वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए, 21.15 करोड़ रुपये का अधिशेष, वित्त वर्ष 2022–23 के लिए बैलेंस शीट में शामिल किए गए।

लेखा परीक्षक धारा 26 (1) (सी) के तहत, आय या व्यय को कम या अधिक बताने पर टिप्पणी

वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए, लेखा परीक्षकों की ओर से आय या व्यय को कम या अधिक बताने जैसी कोई टिप्पणी नहीं है।

संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित, पाँच अधिकारियों के नाम, जिन्होंने सबसे अधिक पारिश्रमिक प्राप्त किया (ऐसे कर्मचारियों को किए गए भत्ते और अन्य भुगतान सहित) धारा 26 (2)

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान सबसे अधिक पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले संस्थान के संकाय/कर्मचारी के नाम इस प्रकार हैं

संकाय/कर्मचारी	आय	वेतन और परिवर्तनीय
प्रो कुलभूषण बलूनी	निदेशक	82,02,975
प्रो दिलीप कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर	77,61,509
प्रो कुणाल कांति गांगुली	प्रोफेसर	69,70,338
प्रो सफल बत्रा	एसोसिएट प्रोफेसर	62,46,399
प्रो सोमनाथ चक्रवर्ती	प्रोफेसर	59,08,136

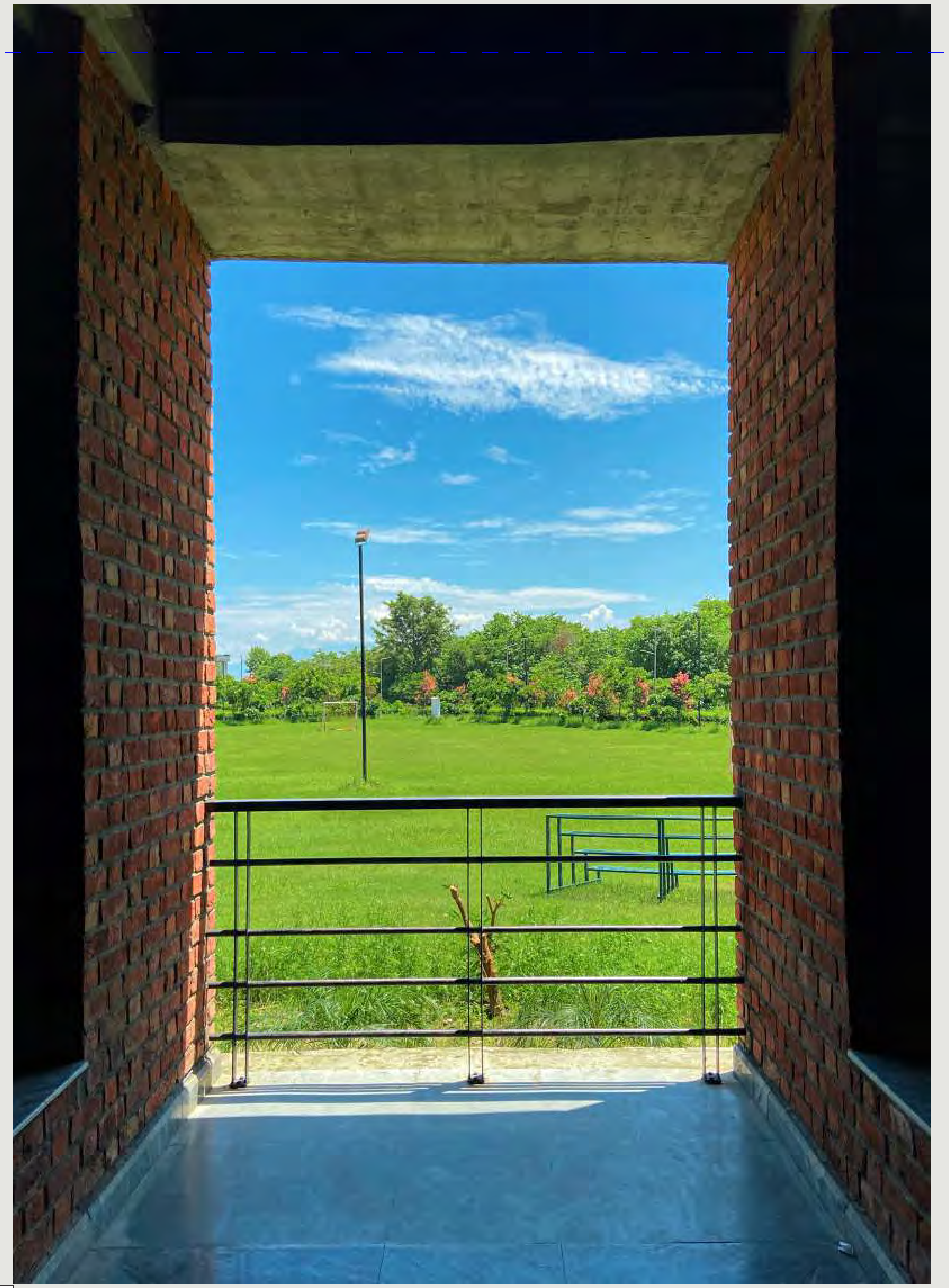

लेखा रिपोर्ट एवं तुलन पत्र

सत्यमेव जयते

BRANCH: DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL), LUCKNOW AT PRAYAGRAJ

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

Ltr No: Central Expenditure/2023-2024/DIS-1132009
Date: 20 Sep 2023

To,

1 Secretary, Department of Higher Education, Ministry of Education, Shastri Bhawan, New Delhi-110001

Subject: Issue of Separate Audit Report: PR-66276 on the Accounts of Indian Institute of Management Kashipur for the year 2022-23

Sir/Madam,

इस पत्र के माध्यम से भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, उत्तराखंड के वर्ष 2022-23 के लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) अग्रसारित किया जा रहा है।

2. कृपया सुनिश्चित करें की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं सम्बंधित लेखे संसद के दोनों सदनों के सम्मुख प्रस्तुत हुए।

3. कृपया पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखो को संसद के दोनों सदनों के समक्ष अंतिम रूप से प्रस्तुत करने की तिथि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के साथ साथ इस कार्यालय को भी सूचित करने का कष्ट करें।

संलग्नक उपर्युक्तानुसार।

भवदीय,

ह o/-
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

Letter No. DIS-1132009 Dated 20.09.2023

वर्ष 2022-23 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर, उत्तराखंड को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे, तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अंकित होना चाहिए : "प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरुप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"
हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

संलग्नकः उपर्युक्तानुसार।

Yours faithfully,

Jayakar Babu
Deputy Director

PDA(C)Lko_Br-PRG/CE/SARCELL/2023-24/SAR2023-24

I/385066/2023

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर के खातों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक की धारा 19(2) के तहत 31 मार्च 2023 तक भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर (संस्थान) की संलग्न बैलेंस शीट और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाते का ऑडिट किया है। जनरल (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 को भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23(3) के साथ पढ़ा जाए। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है।

2. इस अलग ऑडिट रिपोर्ट में केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुरूप, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन उपचार पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ शामिल हैं। वित्तीय लेनदेन पर ऑडिट टिप्पणियाँ कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) और दक्षता–सह–प्रदर्शन पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में, यदि कोई हो, निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से अलग से रिपोर्ट किया जाता है।

3. हमने अपना ऑडिट भारत में आम तौर पर स्वीकृत ऑडिटिंग मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए ऑडिट की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि वित्तीय विवरण भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं या नहीं। ऑडिट में परीक्षण के आधार पर वित्तीय विवरणों में रकम और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच करना शामिल है। ऑडिट में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ–साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमारा ऑडिट हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करता है।

4. हमारे ऑडिट के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

(i) हमने सारी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम क्षमता है हमारे ऑडिट के उद्देश्य के लिए ज्ञान और विश्वास आवश्यक थे;

(ii) इस रिपोर्ट से संबंधित बैलेंस शीट, आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाता मानव संसाधन मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित केंद्रीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए वित्तीय विवरण (प्रारूप) के प्रारूप में तैयार किया गया है। विकास, भारत सरकार; और

(iii) हमारी राय में, जहां तक ऐसा प्रतीत होता है, भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23 (1) के तहत आवश्यक खातों की उचित पुस्तकें और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड बनाए रखे गए हैं। ऐसी पुस्तकों की हमारी जाँच।

(iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं किः

(क) आय और व्यय खाता

मरम्मत एवं रखरखाव (अनुसूची–19) रु. 1.21 करोड़

संस्थान ने मरम्मत और रखरखाव (अनुसूची–19) के बजाय शैक्षणिक व्यय (अनुसूची–16.7 अनुसंधान एवं विकास व्यय) के तहत 'आईटी रखरखाव (एएमसी)' के रूप में 12.81 लाख। इसके परिणामस्वरूप 'शैक्षणिक व्यय' रुपये से अधिक बताया गया। 12.81 लाख और मरम्मत एवं रखरखाव में इतनी ही राशि कम बताई गई।

(ख) सामान्य

(ख.1) संस्थान ने अनुसूची–15ए 'कर्मचारी सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ' गलत तरीके से तैयार किया है। प्रारूप के अनुसार इस उप–अनुसूची में कुल आंकड़ा (क+ख+ग+घ+ङ) अनुसूची–15 के तहत कर्मचारी भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय) में 'सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ' के सामने का आंकड़ा होगा। सुधारने की जरूरत है.

(ख.2) छात्र आवासीय भवन की लागत रु. 54.50 लाख और संकाय आवासीय भवन रु. 10.24 करोड़, जो क्रमशः वर्ष 2018 और 2019 में पूर्ण और सौंपे गए हैं, अभी भी 'स्थिर संपत्ति' के बजाय 'कार्य प्रगति पर' में शामिल हैं। संस्थान को प्रविष्टियों में सुधार करने और इसे उपयुक्त रूप से शामिल करने की आवश्यकता है।

(ख.3) संस्थान ने अचल संपत्तियों की कई वस्तुओं को कार्यालय उपकरण आदि में गलत वर्गीकृत किया है जो संबंधित प्रमुखों से संबंधित नहीं हैं। संस्थान को इसे सुधारने की आवश्यकता है।

(ग) सहायता अनुदान

संस्थान को वर्ष 2022–23 के दौरान कोई अनुदान सहायता प्राप्त नहीं हुई है।

[1]प्रोजेक्टर, कैमरा, पानी की टंकी, अग्निशमन उपकरण, कूलर, आरओ जल शोधक, रेफ्रिजरेटर, साइकिल स्टैंड, एयर कंडीशनर, लॉन घास काटने की मशीन, घास काटने की मशीन, वॉशिंग मशीन, खेल उपकरण, माइक्रोवेव, माइक्रोफोन, सबमर्सिबल पंप, स्पीकर, डीजी सेट, जिम उपकरण , बायोगैस संयंत्र

PDA(C)Lko_Br-PRG/CE/SARCELL/2023-24/SAR2023-24

I/385066/2023

(घ) प्रबंधन पत्रः जिन कमियों को ऑडिट रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से ध्यान में लाया गया है।

(v) पिछले पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में शामिल बैलेंस शीट, आय और व्यय खाता और रसीद और भुगतान खाता खातों की किताबों के अनुरूप हैं।

(vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों और खातों पर नोट्स के साथ पढ़े जाते हैं और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन होते हैं। यह ऑडिट रिपोर्ट भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करती है।

(क) चूँकि यह 31 मार्च 2023 तक भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर के मामलों की तुलन पत्र से संबंधित है; और

(ख) चूँकि यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए 'अधिशेष' के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

कृते एवं भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के पक्ष से

Signed by Sanjay Kumar
Date: 13-09-2023 15:36:16
Reason: Approved

दिनांकः
स्थानः लखनऊ

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

PDA(C)Lko_Br-PRG/CE/SARCELL/2023-24/SAR2023-24

I/385676/2023

अनुबंध

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान का आंतरिक ऑडिट वर्ष 2022–23 के लिए एक चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म द्वारा आयोजित किया गया है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की अपर्याप्तता की विशेषता निम्नलिखित कमियाँ हैं:

क. 52 शैक्षणिक और 74 गैर–शिक्षण पदों के मुकाबले रिक्त पड़े क्रमशः छह शैक्षणिक और 29 गैर–शिक्षण पदों को न भरना।

ख. परिग्रहण पंजिका में उपहार स्वरूप प्राप्त 44 पुस्तकों का अद्यतन न होना।

ग. संस्थान द्वारा कैश बुक का रखरखाव न करना।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था

वर्ष 2022–23 के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।

4. इन्वेंटरी के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वर्ष 2022–23 के लिए इन्वेंटरी का भौतिक सत्यापन किया गया है।

5. वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

संस्थान वैधानिक बकाया भुगतान में नियमित है।

Signed by Jayakar Babu Katikala
Date: 13-09-2023 10:36:50
Reason: Approved

उप निदेशक (सीई)

PDA(C)Lko_Br-PRG/CE/SARCELL/2023-24/SAR2023-24

I/385676/2023

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ
शाखा कार्यालय – प्रयागराज
Office of the Principal Director of Audit (Central) Lucknow
Branch Office - Prayagraj
15–ए, दयानन्द मार्ग, सत्यनिष्ठा भवन, प्रयागराज
15-A, Dayanand Marg, Satyanishtha Bhawan, Prayagraj-211 001

पत्र संख्याः प्र0नि0ले0प0 (केन्द्रीय)/पृ.ले.प./2023–24/ दिनांकः. .09.2023

सेवा में,
निदेशक,
भारतीय प्रबन्ध संस्थान,
काशीपुर, उत्तराखण्ड–244713

विषय : सुधारात्मक उपायों हेतु प्रबन्धन–पत्र

महोदय,

हमने वर्ष 2022–23 के लिए भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर के वार्षिक खातों की लेखापरीक्षा की है तथा लेखापरीक्षा प्रतिवेदन जारी किया है। लेखापरीक्षण के दौरान परिलक्षित निम्नांकित खामियाँ, जिन्हे पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है, आपके संज्ञान में निरोधक/निवारक कार्यवाहियों हेतु लाया जा रहा है:

भाग कः **अनवरत अनियमितताएँ**
शून्य

भाग खः **अन्य छोटी अनियमितताएँ**
सामान्य

संस्थान ने बागवानी खर्चों को विभाजित नहीं किया है। 67.89 लाख (अनुसूची–17) रुपये की श्रम मजदूरी। 59.40 लाख व अन्य खर्च रु. 8.49 लाख. इसे सुधारने और उचित रूप से शामिल करने की आवश्यकता है।

भवदीय,

Signed by Sanjay Kumar
Date: 13-09-2023 15:38:23
Reason: Approved

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

वार्षिक वित्तीय विवरण
2022-23

IIM KASHIPUR

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

टी. नागर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
www.tncindia.org

सीए दीपांशु अग्रवाल
एफसीए, सीएस, बी. कॉम
भागीदार

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

आपकी नियुक्ति दिनांक 12.04.2023 के संदर्भ में, हमने 31 मार्च 2023 को भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर की बैलेंस शीट और उसके बाद समाप्त वर्ष के लिए संबंधित आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते की समीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी हमारी समीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक रिपोर्ट जारी करना है।

हमने अपनी समीक्षा द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी रिव्यू एंगेजमेंट्स (एसआरई) 2400, "वित्तीय विवरणों की समीक्षा करने के लिए एंगेजमेंट्स" पर संशोधित मानक और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार की है। उन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं और समीक्षा करें कि क्या वित्त विवरण भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं। समीक्षा में परीक्षण के आधार पर, वित्तीय विवरण में राशियों और प्रकटीकरणों का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच करना, साथ ही उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांत और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करना और वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना शामिल है। हमने कोई ऑडिट नहीं किया है और तदनुसार, हम ऑडिट राय व्यक्त नहीं करते हैं।

1. हम रिपोर्ट करते हैं कि:–

उपरोक्त उल्लिखित नियुक्ति पत्र में बताए अनुसार हमारी समीक्षा के आधार पर और इस रिपोर्ट के साथ अलग से संलग्न 'अनुलग्नक–ए' में बताए गए हमारे अवलोकन के अधीन, संस्थान के वित्तीय विवरण, संलग्न महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और नोट्स के साथ पढ़ें खातों पर।

क. हमारे ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें यह विश्वास हो कि संलग्न वित्तीय विवरण वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों के अनुसार सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण नहीं देता है।

2. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

क. हमने वह सारी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिया है जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार आयकर अधिनियम के फॉर्म 10बीबी के तहत रिपोर्ट के संदर्भ में खातों के विवरण की समीक्षा/प्रमाणीकरण के लिए आवश्यक थे।

ख. इस रिपोर्ट में दिए गए वित्तीय विवरण संस्थान कार्यालयों में रखे गए खातों की किताब के अनुरूप हैं।

टी. नागर एण्ड कं.
एफआरएन– 012198सी

सीए दीपांशू अग्रवाल
(भागीदार)
एम. नं. 410844
स्थान: बरेली
दिनांक: 25/04/2022
यूडीआईएन– 23410844बीजीडब्ल्यूएएसवी5191
ईएनसीएल: अनुबंध ए

भारत
मुख्य कार्यालय : एमएस–43, सेक्टर–डी, अलीगंज, लखनऊ–226024.
पत्रव्यवहारी का पता : 166, सिविल लाइन्स, स्टेशन रोड, बरेली–243001 (उ. प्र.)
ई–मेल : tncbly.99@gmail.com | मोबाईल : 9997302144

शाखा कार्यालय : लखनऊ, कानपुर, लखीमपुर, फैजाबाद, गोण्डा, गाजियाबाद, बरेली **(उ. प्र.)**, भोपाल **(म. प्र.)** गुरूग्राम **(हरियाणाा)** दिल्ली **(दिल्ली)**, भुवनेश्वर **(ओडिशा)**, कोलकाता **(वे. बं.)**, देहरादून **(उत्तराखण्ड)**, मुंबई **(महाराष्ट्र)**, जयपुर **(राजस्थान)**

अंतरराष्ट्रीय
जर्मनी : डाइटजेबर्गवेग 19, वोल्फसबर्ग, सुएलफेल्ड, वेनगार्टन, जर्मनी–38442
ऑस्ट्रेलिया : 413/16 एस्पिनॉल सेंट, नुंदा क्यूएलडी, ऑस्ट्रेलिया 4012, ऑस्ट्रेलियन कैपिटल, टेरीटोरी 4012

टी. नागर एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
www.tncindia.org

सीए दीपांशु अग्रवाल
एफसीए, सीएस, बी. कॉम
भागीदार

लेखापरीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक–ए

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर के लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों को जारी रखते हुए, हम 31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए हमारी समीक्षा के दौरान आए हमारे निष्कर्ष / सुझाव निम्नानुसार संलग्न कर रहे हैं:–

1. भवन का पूंजीकरण:

वित्तीय विवरण की समीक्षा से हमें ज्ञात हुआ कि संस्थान के भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। लेकिन हमारी यात्रा के दौरान, यह पाया गया कि संचालन और शैक्षणिक कक्षाएं उन इमारतों के नीचे चल रही हैं जिन्हें ठेकेदार ने अभी तक संस्थान को नहीं सौंपा है। हमें यह समझाया गया है कि भवन का हस्तांतरण / हैंड होल्डिंग नहीं किया गया है बल्कि पूर्ण रूप से निर्मित भवनों में संचालन चल रहा है। संस्थान भवन की टूट–फूट / मरम्मत / रखरखाव पर भी व्यय कर रहा है जिसे प्रगति पर पूंजीगत कार्य के रूप में दिखाया गया है। प्रबंधन को पूर्ण संपत्ति को सौंपने का निर्णय लेना चाहिए और खातों की पुस्तकों में पूंजी लगाना चाहिए और उन संपत्तियों पर मूल्यह्रास लेना शुरू करना चाहिए। यह सराहना की जाती है कि प्रबंधन ने चालू वर्ष में परिसंपत्तियों का पूंजीकरण शुरू किया है और परिसंपत्तियों की राशि रु. 15.72 करोड़ डब्ल्यूआईपी से संपत्ति में स्थानांतरित कर दिया गया है।

2. भवन और संपत्ति का बीमा:

संस्थान की इमारत और संपत्ति के लिए संस्थान द्वारा कोई बीमा नहीं लिया गया है। हम पिछले दो वर्षों से इस मामले पर रिपोर्ट कर रहे हैं। यह सराहनीय है कि प्रबंधन ने चालू वर्ष में कार्रवाई की और लाइब्रेरी की किताबों का बीमा कराया, लेकिन अन्य संपत्तियों का भी बीमा कराया जाना चाहिए।

3. विविध देनदार का शेष, अन्य प्राप्य, ऋण, अग्रिम और जमा, विविध लेनदार और अन्य वर्तमान देनदारियां पुष्टि के अधीन हैं।

भारत
मुख्य कार्यालय : एमएस–43, सेक्टर–डी, अलीगंज, लखनऊ–226024.
पत्रव्यवहारी का पता : 166, सिविल लाइन्स, स्टेशन रोड, बरेली–243001 (उ. प्र.)
ई–मेल : tncbly.99@gmail.com | मोबाईल : 9997302144
शाखा कार्यालय : लखनऊ, कानपुर, लखीमपुर, फैजाबाद, गोण्डा, गाजियाबाद, बरेली **(उ. प्र.)**, भोपाल **(म. प्र.)** गुरुग्राम **(हरियाणा)** दिल्ली **(दिल्ली)**, भुवनेश्वर **(ओडिशा)**, कोलकाता **(वे. बं.)**, देहरादून **(उत्तराखण्ड)**, मुंबई **(महाराष्ट्र)**, जयपुर **(राजस्थान)**

अंतरराष्ट्रीय
जर्मनी : डाइटजेबर्गवेग 19, वोल्फ्सबर्ग, सुएलफेल्ड, वेनगार्टन, जर्मनी–38442
ऑस्ट्रेलिया : 413 / 16 एस्पिनॉल सेंट, नुंदा क्यूएलडी, ऑस्ट्रेलिया 4012, ऑस्ट्रेलियन कैपिटल, टेरीटोरी 4012

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुबंध-I

15-4/2017-टीसी
भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
***

Pay Matrix Proposed for IITs/IISc/IIM/NITIE/IISER/NIT/IIIT-in 4 tier structure* (All figures are in Rupees)

Cadre Title	Asst. Prof. Grade II		Asst. Prof. Grade I		Associate Prof.	Professor		
6th PC Pay Band	PB3 15600-39100			PB4 37400-67000				67000-79000
Grade Pay –IIT etc.	6000	7000	8000	9000**	9500	10000	10500	HAG
Index of Rationalisation	2.67	2.67	2.67	2.67	2.67	2.72	2.72	2.72
Entry Pay IIT etc.	21600	25790	38000	49200	52300	53000	58500	67000
Cell No. / Pay Level	**10**	**11**	**12**	**13A1**	**13A2**	**14**	**14A**	**15**
1	57700	68900	101500	131400	139600	144200	159100	182200
2	59400	71000	104500	135300	143800	148500	163900	187700
3	61200	73100	107600	139400	148100	153000	168800	193300
4	63000	75300	110800	143600	152500	157600	173900	199100
5	64900	77600	114100	147900	157100	162300	179100	205100
6	66800	79900	117500	152300	161800	167200	184500	211300
7	68800	82300	121000	156900	166700	172200	190000	217600
8	**70900**	84800	124600	161600	171700	177400	195700	224100
9	73000	87300	128300	166400	176900	182700	201600	
10	75200	89900	132100	171400	182200	188200	207600	
11	77500	92600	136100	176500	187700	193800	213800	
12	79800	95400	140200	181800	193300	199600	220200	
13	82200	98300	144400	187300	199100	205600		
14	84700	101200	148700	192900	205100	211800		
15	87200	104200	153200	198700	211300			
16	89800	107300	157800	204700				
17	92500	110500	162500					
18	95300	113800	167400					
19	98200	117200						

भारतीय प्रबंध संस्थान–काशीपुर

कुंडेश्वरी, काशीपुर, उत्तराखंड–244713

(आईआईएम अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत)

31 मार्च 2023 तक तुलन पत्र

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2023	विगत वर्ष समाप्त 31.03.2022
निधियों का स्रोत			
कॉर्पस / पूंजीगत निधि	1		
कॉर्पस निधि		1,469,595,671	1,495,962,729
पूंजीगत निधि		3,519,930,547	3,335,532,380
		4,989,526,218	4,831,495,109
नामित / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	2	371,387,885	292,736,297
चालू देयताएं एवं प्रावधान	3	164,222,294	154,797,157
कुल		5,525,136,397	5,279,028,563
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल संपत्तियां	4		
मूर्त संपत्ति		560,046,621	429,581,961
पूंजीगत कार्य–प्रगति पर		2,936,716,330	2,887,342,425
अमूर्त संपत्ति		23,167,596	18,607,994
अचल संपत्तियां (शुद्ध खंड)		3,519,930,546	3,335,532,380
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि का निवेश	5	298,282,414	237,069,781
निवेश–अन्य	6	1,188,220,000	1,348,900,000
वर्तमान संपत्ति	7	47,716,187	171,210,114
ऋण, अग्रिम और जमा	8	470,987,251	186,316,288
कुल		5,525,136,397	5,279,028,563

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 23

आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां 24

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

स्थानः काशीपुर
दिनांकः 25.4.2023

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. नं. : 410844

भारतीय प्रबंध संस्थान–काशीपुर

कुंडेश्वरी, काशीपुर, उत्तराखंड–244713

31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2023		विगत वर्ष समाप्त 31.03.2022	
1. आय					
1.1 शैक्षणिक प्राप्तियां	9		677,110,539		553,258,799
एमबीए आय	9.1	525,364,677		507,064,140	
ईएमबीए आय	9.2	38,872,974		24,203,014	
ईएफपीएम आय	9.3	2,474,000		2,964,000	
एमडीपी–आय	9.4	37,469,500		18,397,560	
परामर्श आय	9.5	651,500		323,063	
एफपीएम प्राप्तियां	9.6	280,000		307,022	
ईएमबीएए आय	9.7	71,997,888			
1.2 अन्य आय			103,551,524		116,657,308
अनुदान एवं दान	10	-		-	
निवेश से आय	11	80,465,201		78,697,023	
अर्जित ब्याज	12	7,678,226		16,871,577	
अन्य आय एवं वसूली	13	2,782,882		1,961,789	
पूर्वावधि आय (सीएटी शेयर)	14	12,625,215		19,126,919	
कुल आय (क)			780,662,062		669,916,107
2. व्यय					
2.1 कर्मचारी भुगतान एवं लाभ	15		182,265,649		166,377,060
2.2 शैक्षणिक व्यय	16		259,415,739		199,810,036
एमबीए व्यय	16.1	145,538,248		132,062,982	
ईएमबीए व्यय	16.2	11,977,473		10,333,012	
ईएफपीएम व्यय	16.3	128		66,488	
एमडीपी–व्यय	16.4	16,629,245		9,090,737	
परामर्श व्यय	16.5	456,050		210,000	
एफपीएम व्यय	16.6	27,525,482		23,884,348	
शोध एवं विकास	16.7	26,377,792		24,162,469	
ईएमबीएए व्यय	16.8	30,911,321			
2.3 प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17		52,798,370		40,653,016
2.4 परिवहन व्यय	18		2,181,262		1,975,379
2.5 मरम्मत एवं रखरखाव	19		12,077,952		10,054,074
2.6 वित्त लागत	20		14,954		56,843
2.7 मूल्यह्रास	4		53,454,253		47,885,913
2.8 अन्य व्यय	21		-		-
2.9 पूर्वावधि व्यय	22		6,968,521		21,744,496
कुल व्यय (ख)			569,176,700		488,556,817
व्यय से अधिक आय		-	211,485,363		181,359,290
कुल		-	780,662,062		669,916,107

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां 23

आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां 24

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

स्थानः काशीपुर
दिनांकः 25.4.2023

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. नं. : 410844

अनुसूची–1 : कॉर्पस/पूंजी निधि

विवरण	2022-23	2021-22
1 कॉर्पस निधि		
प्रारंभिक शेष	1,495,962,728	1,470,417,622
जोड़ेः पूर्व छात्र निधि और छात्र कल्याण निधि का हस्तांतरण	-	14,263,675
जोड़ेः आय एवं व्यय खाते से स्थानांतरित	211,485,363	181,359,290
घटाएंः चल निधि क्षति के लिए ठेकेदार को देयता का भुगतान	-	60,484,931
घटाएंः पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग किया गया	237,852,419	109,592,928
कुल (1)	**1,469,595,671**	**1,495,962,728**
2 पूंजी निधि		
2.1 भवन निधि		
प्रारंभिक शेष	3,200,232,760	3,140,292,118
जोड़ेः सरकारी अनुदान से आवंटन/पूंजीगत व्यय के लिए अधिशेष	183,758,458	66,566,703
घाटाएंः मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	6,655,163	6,626,062
उप कुल (2.1)	**3,377,336,055**	**3,200,232,760**
2.2 सामान्य परिसंपत्तियां निधि		
प्रारंभिक शेष	135,299,620	133,319,124
जोड़ेः सरकारी अनुदान से आवंटन/पूंजीगत व्यय के लिए अधिशेष	54,093,962	43,240,347
घाटाएंः मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	46,799,090	41,259,851
उप कुल (2.2)	**142,594,492**	**135,299,620**
कुल (2)	**3,519,930,547**	**3,335,532,380**
कुल योग (1+2)	**4,989,526,218**	**4,831,495,108**

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–2: नामित/निर्धारित /बंदोबस्ती निधि

(राशि रु. में)

	निधिनुसार विवरण					कुल	
विवरण	कर्मचारी कल्याण निधि	मूल्यह्रास निधि	अवकाश नकदीकरण निधि	ग्रुप ग्रैच्युटी निधि	एमडीपी विकास निधि	चालू वर्ष	विगत वर्ष
क.							
क) प्रारम्भिक शेष	3,883,173	213,192,091	36,613,743	29,856,038	9,191,252	292,736,297	234,090,980
ख) वर्ष के दौरान परिवर्धन	1,361,277	53,454,253	5,036,650	1,400,408	1,192,383	62,444,971	62,863,995
ग) निधियों के निवेश से आय	100,801	3,391,667	2,652,563	2,085,632	335,665	8,566,328	2,576,873
घ) निवेश/अग्रिम पर अर्जित ब्याज	113,570	10,302,728	-		188,449	10,604,747	9,903,659
ङ) निवेश/अग्रिम पर अर्जित ब्याज			-			-	-
च) अन्य परिवर्धन (प्रकृति निर्दिष्ट करें)						-	-
	5,458,821	280,340,739	44,302,956	33,342,078	10,907,749	374,352,343	309,435,507
ख. कुल (क)							
निधियों के उद्देश्य के प्रति उपयोग/व्यय							
i. पूंजी व्यय (समायोजन)						-	91,130
ii. राजस्व व्यय (समायोजन)	1,003,972		520,323	742,297	697,866	1,960,486	15,326,437
कुल (ख)	1,003,972	-	520,323	742,297	697,866	1,960,486	15,417,567
वर्ष के अंत में शेष (क–ख)	4,454,849	280,340,739	43,782,633	32,599,781	10,209,883	371,387,885	292,736,297
निम्न द्वारा प्रतिनिधित्व							
नकद एवं बैंक शेष	2,341,279	583,758	-	-	6,121,434	9,046,471	-
निवेश	2,000,000	216,000,000	43,782,633	32,599,780	3,900,000	298,282,413	237,069,781
ब्याज अर्जित लेकिन देय नहीं	113,570	10,302,728	-	-	188,449	10,604,747	9,903,659

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–2क :
बंदोबस्ती निधि

1. क्रं. सं.	2. बंदोबस्ती का नाम	प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान परिवर्धन		कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	जमा शेष		कुल (10+11)
		3. बंदोबस्ती	4. संचित ब्याज	5. बंदोबस्ती	6. ब्याज	7. बंदोबस्ती (3+5)	8. संचित ब्याज (4+6)	9	10. बंदोबस्ती	11. संचित ब्याज	
1	कर्मचारी कल्याण निधि	3,883,173	-	1,361,277	214,371	5,244,450	214,371	1,003,972	4,240,478	214,371	4,454,849
2	मूल्यह्रास निधि	213,192,091	-	53,454,253	13,694,395	266,646,344	13,694,395	-	266,646,344	13,694,395	280,340,739
3	अवकाश नकदीकरण निधि	36,613,743	-	5,036,650	2,652,563	41,650,393	2,652,563	520,323	41,130,070	2,652,563	43,782,633
4	ग्रुप ग्रेच्युटी फंड	29,856,038	-	1,400,408	2,085,632	31,256,446	2,085,632	742,297	30,514,149	2,085,632	32,599,781
5	एमडीपी विकास निधि	9,191,252	-	1,192,383	524,114	10,383,635	524,114	697,866	9,685,769	524,114	10,209,883
कुल		292,736,297	-	62,444,971	19,171,075	355,181,268	19,171,075	2,964,458	352,216,810	19,171,075	371,387,885

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–3 : चालू देयताएं एवं प्रावधान

विवरण	2022-23	2021-22
क. चालू देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	444,387	571,152
2. विद्यार्थियों से जमा	23,329,654	21,592,254
3. विविध लेनदार		
क) माल एवं सेवाओं के लिए	6,445,201	-
4. अन्य से जमाराशियां		
क) प्रतिभूतियां एवं ईएमडी	7,004,990	12,840,442
5. सांविधिक देयताएं		
क) सांविधिक देयताएं (टीडीएस, जीएसटी, श्रम उपकर, एनपीएस)	7,991,613	6,626,034
6. अन्य चालू देयताएं		
क) परामर्शी परियोजनाएं	1,487,262	2,300,527
ख) प्रबंधन विकास कार्यक्रम	27,505,393	20,041,998
ग) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां	-	-
घ) अप्रयुक्त अनुदान (अनुसूची–3ग)	-	-
ङ) अनुसंधान परियोजनाएं	1,861,949	1,951,467
च) अन्य पार्टी की रसीदें	-	1,857,644
छ) अन्य देयदाएं	1,993,537	1,871,007
ज) परियोजना के प्रति	-	-
झ) एसजीएस बीजी नकदीकरण एवं अन्य	8,500,000	8,500,000
ञ) एसपीसीपीएल	-	5,196,482
ट) ईएमबीए एनालिटिक्स के प्रति	8,626,000	13,400,000
ठ) ईएमबीए शुल्क के प्रति	4,480,000	3,335,000
ड) बीजी एनकैशमेंट आर्कोप लिमिटेड	-	9,537,000
कुल (क)	99669985	109,621,007
ख. प्रावधान		
क) वेतन के लिए	1,227,194	-
ख) वर्ष के लिए प्रावधान	63,325,115	45,176,150
कुल (ख)	64,552,309	45,176,150
कुल (क+ख)	164,222,294	154,797,157

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–3(क) : प्रायोजित परियोजनाएं एवं अन्य कार्यक्रम

1. क्र.सं.	2. प्रोजेक्ट का नाम	01.4.2022 को प्रारम्भिग शेष		5. वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ / वसूलियाँ	6. कुल	7. वर्ष के दौरान व्यय	31.3.2023 को अंतिम शेष	
		3. क्रेडिट	4. डेबिट				8. क्रेडिट	9. डेबिट
	परामर्श परियोजनाएँ							
1	2018-19/एसआरसी/टी1 वेयरहाउस डिजाइन और प्रबंधन	90,910			90,910	-	90,910	-
2	20603के यूपीएचएसएसपी–परामर्श आय	65,205			65,205	-	65,205	-
3	20603वाई–इंडो कैनेडियन सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान	202,002		62,538	264,540	63,731	200,809	-
4	परामर्श एफआरसी	100,000			100,000	-	100,000	-
5	कंसल्टेंसी गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट	-		150,000	150,000	-	150,000	-
6	कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट आईआईएम अहमदाबाद	40,000			40,000	-	40,000	
7	मसूरी देहरादून डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमडीडीए)	200,000			200,000		200,000	
8	एमआईएम प्रोग्राम ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ डिजाइन	-	-	105,338	105,338	85,000	20,338	
9	स्टडी रिलेटेड टू क्लाईमेट चेंज इम्पैक्टस	500,000	-	-	500,000	-	500,000	
10	वेयरहाउस डिजाइन एण्ड मैनेजमेंट – आईआईएम अहमदाबाद	75,000	-	45,000	120,000	-	120,000	
	वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ							
10	20603ई वर्ल्ड बैंक फेस 1–इएआई	38,496	1,830,635	-	-1,792,139	-	38,496	1,830,635
11	2018-19-पी11 डीआईसी, आईआईटी रुड़की	3,164,339		164,269	3,328,608	524,302	2,804,306	
12	20602बी-फाईनेंसियल इनक्लूजन अंडर एमजीएनआरईजीए (एनआईआरडी)	543,033			543,033	-	543,033	
13	20603-सी वाटर कंजरवेशन एण्ड रेजुवेनेशन	246,789	-	-	246,789	-	246,789	
14	सेंटर डेवलपमेंट फंड डीआईसी	-	-	42,480	42,480	-	42,480	
15	रिसर्च स्टडी ऑन इम्पैक्ट ऑफ कोविड 19 ऑन उत्तराखण्ड टूरिज्म एण्ड सल्यूशन	17,480	-	-	17,480	-	17,480	
	कुल	5,283,254	1,830,635	569,625	4,022,244	673,033	5,179,846	1,830,635

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–3(बी) : प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्तियां

क्र. स.	2. प्रायोजक का नाम	01.4.2022 को प्रारम्भिग शेष		वर्ष के दौरान लेन–देन		31.03.2023 को अंतिम शेष	
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
1	जनजातीय मामलों के मंत्रालय	-	-	4,625,000	4,625,000	-	-
2	सामाजिक न्याय मंत्रालय	-	-	449,360	449,360	-	-
3	महाराष्ट्र राज्य	-	-	-	-	-	-
4	केरल राज्य	-	-	-	-	-	-
5	राजश्री शाहू महाराज	-	-	-	-	-	-
6	अन्य छात्रवृत्ति	-	-	1,100,000	1,100,000	-	-
कुल		-	-	6,174,360	6,174,360	-	-

अनुसूची–3(ग) : भारत सरकार से अप्रयुक्त अनुदान

विवरण	2022-23	2021-22
भारत सरकार से योजना अनुदान		
शेष अग्रेनीत	-	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
जीआईए – पूंजी सृजन	-	-
जीआईए – वेतन	-	-
जीआईए – सामान्य	-	-
कुल (क)	-	-
घटाएं: वापसी	-	-
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	-	-
क) वेतन	-	-
ख) सामान्य	-	-
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्तः	-	-
क) अचल परिसंपत्ति	-	-
ख) डब्ल्यूआईपी	-	-
कुल (ख)	-	-
अप्रयुक्त अनुदान (क)–(ख)	-	-

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–4

2022-23 के लिए (आईआईएम काशीपुर) अचल संपत्ति अनुसूची

क्र.सं.	परिसंपत्तियां शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
		दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2022 को प्रारम्भिग शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2023 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.03.23 को	31.3.2022 को
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	मूर्त संपत्ति		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1	भूमि (फ्री होल्ड)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	भवन	2.00%	101,481,835	134,384,553.00	-	235,866,388	9,031,520	2,789,639		11,821,159	224,045,229	92,450,315
3	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ आदि	2.00%	229,821,258	-	-	229,821,258	9,381,238	3,865,523	-	13,246,761	216,574,497	220,440,020
4	कार्यालय उपकरण	7.50%	62,707,014	2,129,749.00	-	64,836,763	24,250,825	4,862,757	-	29,113,582	35,723,181	38,456,189
5	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	20.00%	39,255,659	9,971,717.00	-	49,227,376	28,077,344	5,866,640	-	33,943,983	15,283,393	11,178,316
6	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग	7.50%	79,917,603	8,773,291.00	-	88,690,894	27,534,233	6,651,817	-	34,186,050	54,504,844	52,383,370
7	वाहन	10.00%	6,294,844	1,139,266.00	-	7,434,110	1,040,192	742,811	-	1,783,003	5,651,107	5,254,652
8	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएं	10.00%	33,411,805	1,316,211.93	-	34,728,017	23,992,706	2,470,941	-	26,463,647	8,264,370	9,419,099
9	छोटे मूल्य की संपत्ति	100.00%	501,345	467,905.00	-	969,250	501,345	467,905	-	969,250	-	-
	कुल (क)		553,391,364	158,182,693	-	711,574,057	123,809,403	27,718,034	-	151,527,436	560,046,620.59	429,581,961
ख.	पूंजी का कार्य प्रगति		-									-
10	भवन का निर्माण	0%	2,887,342,425	206,577,743	157,203,838	2,936,716,330	-	-	-	-	2,936,716,330	2,887,342,425
	कुल (ख)		2,887,342,425	206,577,743	157,203,838	2,936,716,330	-	-	-	-	2,936,716,330	2,887,342,425
ग.	मूर्त संपत्ति											
11	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	3,772,081	2,656,074	-	6,428,155	2,929,499	1,103,585	-	4,033,083	2,395,072	842,582
12	ई–जर्नल्स/वेब विकास	40%	79,211,735	27,639,747	-	106,851,482	61,446,324	24,632,635	0	86,078,958	20,772,524	17,765,411
	कुल (ग)		82,983,816	30,295,821	-	113,279,637	64,375,822	25,736,219	0	90,112,041	23,167,596	18,607,994
	कुल योग (क+ख+ग)		3,523,717,605	395,056,257	157,203,838	3,761,570,024	188,185,225	53,454,253	-	241,639,478	3,519,930,546.33	3,335,532,380

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–4क–योजना

2022-23 के लिए (आईआईएम काशीपुर) अचल संपत्ति अनुसूची

क्र.सं.	परिसंपत्तियां शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
		दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.4.2022 को प्रारम्भिग शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	31.03.2023 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्यह्रास	31.03.23 को	31.3.2022 को
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	मूर्त संपत्ति		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1	भूमि (फ्री होल्ड)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	भवन	2.00%	101,481,835	134,384,553	-	235,866,388	9,031,520	2,789,639		11,821,159	224,045,229	92,450,315
3	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ आदि	2.00%	229,821,258	-	-	229,821,258	9,381,238	3,865,523	-	13,246,761	216,574,497	220,440,020
4	कार्यालय उपकरण	7.50%	62,707,014	2,129,749	-	64,836,763	24,250,825	4,862,757	-	29,113,582	35,723,181	38,456,189
5	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	20.00%	39,255,659	9,971,717	-	49,227,376	28,077,344	5,866,640	-	33,943,983	15,283,393	11,178,316
6	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग	7.50%	79,917,603	8,773,291	-	88,690,894	27,534,233	6,651,817	-	34,186,050	54,504,844	52,383,370
7	वाहन	10.00%	6,294,844	1,139,266	-	7,434,110	1,040,192	742,811	-	1,783,003	5,651,107	5,254,652
8	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएं	10.00%	33,411,805	1,316,212	-	34,728,017	23,992,706	2,470,941	-	26,463,647	8,264,370	9,419,099
9	छोटे मूल्य की संपत्ति	100.00%	501,345	467,905	-	969,250	501,345	467,905	-	969,250	-	-
	कुल (क)		553,391,364	158,182,693	-	711,574,057	123,809,403	27,718,034	-	151,527,436	560,046,621	429,581,961
ख.	पूंजी का कार्य प्रगति		-									-
10	भवन का निर्माण	0%	2,887,342,425	206,577,743	157,203,838	2,936,716,330	-	-	-	-	2,936,716,330	2,887,342,425
	कुल (ख)		2,887,342,425	206,577,743	157,203,838	2,936,716,330	-	-	-	-	2,936,716,330	2,887,342,425
ग.	मूर्त संपत्ति											
11	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	3,772,081	2,656,074	-	6,428,155	2,929,499	1,103,585	-	4,033,083	2,395,072	842,582
12	ई–जर्नल्स/वेब विकास	40%	79,211,735	27,639,747	-	106,851,482	61,446,324	24,632,635	0	86,078,958	20,772,524	17,765,411
	कुल (ग)		82,983,816	30,295,821	-	113,279,637	64,375,822	25,736,219	0	90,112,041	23,167,596	18,607,994
	कुल योग (क+ख+ग)		3,523,717,605	395,056,257	157,203,838	3,761,570,024	188,185,225	53,454,253	-	241,639,478	3,519,930,546	3,335,532,380

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–4ख–गैर–योजना

2022-23 के लिए (आईआईएम काशीपुर) अचल संपत्ति अनुसूची

क्र.सं.	परिसंपत्तियां शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
	1	दर प्रति वर्ष (एसएलएम) 2	01.4.2022 को प्रारम्भिग शेष 3	वर्ष के दौरान परिवर्धन 4	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण) 6	31.03.2023 को शेष 7	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष 8	वर्ष के दौरान परिवर्धन 9	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण) 10	कुल मूल्यह्रास 11	31.03.23 को 12	31.3.2022 को 13
क.	मूर्त संपत्ति											
1	भूमि (फ्री होल्ड)											
2	भवन											
3	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ आदि											
4	कार्यालय उपकरण											
5	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण											
6	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग											
7	वाहन											
8	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएं											
9	छोटे मूल्य की संपत्ति											
	कुल (क)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख.	पूंजी का कार्य प्रगति		-									-
10	भवन का निर्माण		लागू नहीं									
	कुल (ख)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग.	मूर्त संपत्ति											
11	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर		लागू नहीं									
12	ई–जर्नल्स/वेब विकास											
	कुल (ग)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल योग (क+ख+ग)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–4ग

2022-23 के लिए (आईआईएम काशीपुर) अचल संपत्ति अनुसूची

क्र.सं.	परिसंपत्तियां शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
	1	दर प्रति वर्ष (एसएलएम) 2	01.4.2022 को प्रारम्भिग शेष 3	वर्ष के दौरान परिवर्धन 4	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण) 6	31.03.2023 को शेष 7	मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष 8	वर्ष के दौरान परिवर्धन 9	मायोजन/बट्टे खाते में (विभाग पद्धति परिवर्तन के कारण) 10	कुल मूल्यह्रास 11	31.03.23 को 12	31.3.2022 को 13
ग.	मूर्त संपत्ति											
1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	3,772,081	2,656,074	-	6,428,155	2,929,499	1,103,585	-	4,033,083	2,395,072	842,582
2	ई–जर्नल्स/वेब विकास	40%	79,211,735	27,639,747	-	106,851,482	61,446,324	24,632,635	-	86,078,958	20,772,524	17,765,411
	कुल (ग)		82,983,816	30,295,821	-	113,279,637	64,375,822	25,736,219	-	90,112,041	23,167,596	18,607,994

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–4 (ग) (i) : प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्तियां

	विवरण	प्रारम्भिक शेष	परिवर्धन	कुल	ऋणमुक्ति	शुद्ध ब्लॉक 20......	शुद्ध ब्लॉक 20......
क.	पेटेंट प्रदान किये गये						
1	2008–09 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.14 तक शेष	लागू नहीं					
2	2010–11 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.14 तक शेष						
3	2012–13 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.14 तक शेष						
4	चालू वर्ष के दौरान पेटेंट						
	कुल (क)						

	विवरण	प्रारम्भिक शेष	परिवर्धन	कुल	पेटेंट स्वीकृत / अस्वीकृत	शुद्ध ब्लॉक 2022–23	शुद्ध ब्लॉक 2021–22
ख.	आवेदन किए गए पेटेंट के संबंध में पेटेंट लंबित हैं	लागू नहीं					
1	2009–10 और 2011–12 के दौरान किया गया व्यय						
2	2012–13 के दौरान किया गया व्यय						
3	2013–14 के दौरान किया गया व्यय						
	कुल (ख)						
	कुल योग (क+ख)						

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–4(ङ) : अन्य

क्र.सं.	परिसंपत्तियां शीर्षक	दर प्रति वर्ष (डब्ल्यूडीवी)	सकल खंड: 01.4.2022 को प्रारम्भिग शेष	सकल खंड: 180 दिनों से अधिक के लिए अतिरिक्त	सकल खंड: 180 दिनों से कम के लिए अतिरिक्त	सकल खंड: मायोजन / बट्टे खाते में	सकल खंड: 31.03.2023 को शेष	मूल्यह्रास खंड: मूल्यह्रास प्रारम्भिक शेष	मूल्यह्रास खंड: वर्ष के दौरान परिवर्धन	मूल्यह्रास खंड: कटौतियाँ / समायोजन	मूल्यह्रास खंड: कुल मूल्यह्रास	निवल खंड: 31.03.23 को	निवल खंड: 31.3.2022 को
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	मूर्त संपत्ति		लागू नहीं										
2	भूमि (फ्री होल्ड)												
3	भवन												
4	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ आदि												
5	कार्यालय उपकरण												
6	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण												
7	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग												
8	वाहन												
9	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएं												
10	छोटे मूल्य की संपत्ति												
	कुल (क)												
17	पूंजी का कार्य प्रगति (ख)		लागू नहीं										
	कुल योग (क+ख)												

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–5 : चिन्हित/बंदोबस्ती निधियों से निवेश

निधियों	2022-23	2021-22
1. निवेश मूल्यह्रास निधि	216,000,000	158,000,000
2. निवेश एमडीपी विकास निधि	3,900,000	8,600,000
3. निवेश कर्मचारी कल्याण निधि	2,000,000	4,000,000
4. एलआईसी के साथ निवेश (एलआईसी के साथ) (समूह ग्रेच्युटी फंड)	32,599,781	29,856,038
5. एलआईसी के साथ निवेश (एलआईसी के साथ) (छुट्टी नकदीकरण)	43,782,633	36,613,743
कुल	298,282,414	237,069,781

अनुसूची–5 (क) : चिन्हित/बंदोबस्ती निधियों से निवेश (फंड के अनुसार)

निधियों	2022-23	2021-22
1. निवेश मूल्यह्रास निधि – बैंकों के पास सावधि जमा	216,000,000	158,000,000
2. निवेश एमडीपी विकास निधि – बैंकों के पास सावधि जमा	3,900,000	8,600,000
3. निवेश कर्मचारी कल्याण निधि – बैंकों के पास सावधि जमा	2,000,000	4,000,000
4. समूह ग्रेच्युटी फंड – एलआईसी के साथ निवेश	32,599,781	29,856,038
5. छुट्टी नकदीकरण – एलआईसी के साथ निवेश	43,782,633	36,613,743
कुल	298,282,414	237,069,781

अनुसूची–6 : अन्य निवेश

	2022-23	2021-22
1. बैंकों में सावधि जमा	1,188,220,000	1,348,900,000
कुल	1,188,220,000	1,348,900,000

अनुसूची–7 : वर्तमान संपत्ति

विवरण	2022-23	2021-22
1. मौजूदा स्टॉक (स्टेशनरी एवं विद्युत)		
स्टेशनरी, एमडीपी एवं विद्युत सामग्री	2,498,670	2,311,060
2. विविध देनदार	-	-
6 महीने से अधिक	4,792,983	3,420,343
6 महीने से कम	1,576,292	3,372,477
3. नकद एवं बैंक शेषः		
क) वर्तमान नकद	-	-
ख) अनुसूचित बैंकों में	-	-
पीएनबी खाता (4534000100028306)	7,557,290	33,747,201
पीएनबी खाता (4534000100085897)	2,797	3,982
पीएनबी 4534000100092491(आईसीएसएसआर इम्प्रेस 3615)	-	87
पीएनबी 4534000100093027(आईसीएसएसआर इम्प्रेस 0877)	86,264	84,006
आरबीएल बैंक (309006195247)	99,856	6,868,605
एसबीआई	14,670,694	105,092,597
एसबीआई (विश्व बैंक परियोजना)	821,600	799,786
एचडीएफसी बैंक (50100481655862)	8,557,217	13,185,379
एचडीएफसी बैंक (50100493650634) डीआईसी	42,784	-
4. प्राप्य		
शुल्क प्राप्य	6,909,750	1,499,501
अन्य प्राप्य	99,990	825,090
कुल	47,716,187	171,210,114

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–8 : ऋण, अग्रिम एवं जमा

विवरण	2022-23	2021-22
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (ब्याज रहित)		
क) वेतन/त्योहार/चिकित्सा अग्रिम	-	-
ख) अन्य (कर्मचारियों के लिए)	682,163	20,000
2. कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम (ब्याजवाला)		
क) गृह/वाहन/अन्य ऋण	-	-
3. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए		
क) पूंजी खाते पर	294,621,030	51,015,159
ख) ठेकेदारों को (मोबिलाइजेशन एवं अन्य)	-	20,506,694
ग) विद्यार्थियों के लिए	-	-
घ) अन्य	3,727,139	6,303,545
4. पूर्वदत्त व्यय		
क) बीमा एवं अन्य	8,092,976	12,295,455
ख) अन्य	-	-
5. जमा		
क) टेलीफोन	16,999	16,999
ख) लीज किराया	233,439	183,845
ग) बिजली	3,954,778	3,954,778
घ) अन्य (गैस)	49,550	49,550
6. अर्जित आयः		
क) निवेश पर – (ब्याज)	106,522,832	47,404,317
ख) स्वीप ब्याज – उपार्जित	8,291,500	4,647,111
7. अन्य प्राप्यः		
क) वसूली योग्य अनुदान (एमएचआरडी से)	-	-
8. प्राप्य दावे		
क) टीडीएस प्राप्य	44,725,450	39,849,440
ख) अन्य	69,395	69,395
कुल	470,987,251	186,316,288

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–9 : शैक्षणिक प्राप्तियां

विवरण	2022-23	2021-22
अनुसूची–9.1 एमबीए कार्यक्रम शुल्क		
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री, दीक्षांत समारोह एवं अन्य शुल्क	124,061,000	65,624,000
छात्रावास शुल्क	40,560,000	84,036,450
विद्यार्थियों की गतिविधियां / कल्याण	3,148,000	6,460,000
ट्यूशन शुल्क	193,308,500	201,731,625
कंप्यूटर शुल्क	15,740,000	24,080,000
पुस्तकालय शुल्क	-	8,220,000
प्लेसमेंट शुल्क	3,275,000	6,712,500
जुर्माना एवं अन्य शुल्क	2,784,537	3,757,065
चिकित्सा शुल्क	526,000	1,076,000
प्रवेश शुल्क	6,250,000	6,600,000
एमबीए एनैलिटिक्स	129,537,280	91,921,500
कुल शुल्क	519,190,317	500,219,140
अन्य से छात्रवृत्तियां		
अन्य से छात्रवृत्तियां (प्राप्त)	6,174,360	6,845,000
कुल (9.1)	525,364,677	507,064,140
अनुसूची–9.2 एग्जीक्यूटिव एमबीए (ईएमबीए)		
आवेदन शुल्क	-	-
पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	38,872,974	24,203,014
कुल (9.2)	38,872,974	24,203,014
अनुसूची–9.3 एग्जीक्यूटिव फेलो प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
आवेदन शुल्क	-	-
ट्यूशन शुल्क	2,310,000	2,920,000
अन्य शुल्क	164,000	44,000
कुल (9.3)	2,474,000	2,964,000
अनुसूची–9.4 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (एमडीपी)		
खुला कार्यक्रम शुल्क	-	-
प्रायोजित कार्यक्रम शुल्क	37,469,500	18,397,560
कुल (9.4)	37,469,500	18,397,560
अनुसूची–9.5 कंसल्टिंग आय		
कंसल्टिंग आय	651,500	323,063
कुल (9.5)	651,500	323,063
अनुसूची–9.6 एफपीएम प्राप्तियां		
आवेदन / अन्य शुल्क	280,000	307,022
कुल (9.6)	280,000	307,022
अनुसूची–9.7 ईएमबीए एनैलिटिक्स (ईएमबीएए)		
पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	71,997,888	-
कुल (9.7)	71,997,888	-
कुल योग (9.1 to 9.7)	677,110,539	553,258,799

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–10 : अनुदान एवं सब्सिडी (अप्राप्य अनुदान प्राप्त)

(राशि रु. में)

विवरण	भारत सरकार	कुल चालू वर्ष	कुल विगत वर्ष
शेष अग्रेसित	-	-	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान स्वीकृत / प्राप्त	-	-	-
कुल	-	-	-
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क)	-	-	-
शेष	-	-	-
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त (ख)	-	-	-
कॉर्पस में अंतरण			
शेष अग्रानीत (ग)	-	-	-

अनुसूची–11 : निवेश से आय

(राशि रु. में)

विवरण	चिन्हित / बंदोबस्ती निधियां		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	विगत वर्ष	चालू वर्ष	विगत वर्ष
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश				
1) निधियों की सावधि जमा पर ब्याज	8,566,328	2,576,873	80,465,201	78,697,023
2) बचत बैंक खातों पर ब्याज	-	-	-	-
कुल	8,566,328	2,576,873	80,465,201	78,697,023
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में अंतरण / आई / ई ए / सी	8,566,328	2,576,873	80,465,201	78,697,023
शेष	-	-	-	-

अनुसूची–12 : अर्जित ब्याज

(राशि रु. में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों के बचत खाते पर	7,215,697	13,505,975
2. देनदार एवं अन्य प्राप्तियां	462,529	3,365,602
कुल	7,678,226	16,871,577

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–13 : अन्य आय एवं वसूलियां

विवरण	2022-23	2021-22
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. किराया	1,269,632	1,205,774
2. लाइसेंस शुल्क	662,400	658,843
3. कर्मचारी कार वसूली	8,400	4,900
4. सभागार/खेल का मैदान/कॉनवेंशन सेंटर आदि का किराया प्रभार	-	-
कुल	1,940,432	1,869,517
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	-
ग. आयोजनों से आय	-	-
कुल	-	-
घ. अन्य		
1. आरटीआई फीस	-	70
2. (भर्ती) से आवेदन की बिक्री	-	-
3. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रसंस्करण शुल्क आदि)	28,780	25,800
4. पुस्तकालय की पुस्तकों को देर से जमा करने पर जुर्माना	20,894	54,701
5. विविध आय	244,056	11,701
6. आईटी पर ब्याज पैसे वापस करना	548,720	-
कुल	842,450	92,272
कुल योग (क+ख+ग+घ)	2,782,882	1,961,789

अनुसूची–14 : पूर्वावधि आय

विवरण	2022-23	2021-22
1. कैट शेयर	9,989,551	19,126,919
2. अन्य	2,635,664	-
कुल	12,625,215	19,126,919

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–15 : कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

विवरण	2022-23	2021-22
क) बेतन एवं भत्तें		
मूल वेतन	96,236,859	91,607,412
डी.ए.	32,086,504	22,845,457
एच.आर.ए.	2,224,567	1,672,397
परिवहन भत्ता	3,507,360	3,153,302
ख) अन्य लाभ		
मेडिकल	11,340,833	10,130,376
एल.टी.ए.	9,078,655	8,087,562
एक्स–ग्रेशिया	1,658,463	1,254,417
मनोरंजन	108,000	108,000
टेलीफोन	683,052	664,329
संकाय – अन्य प्रतिपूर्ति	428,632	-
ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूति (बाल शिक्षा भत्ता)	1,552,186	1,387,750
ग) टर्मिनल लाभ	-	
एनपीएस में योगदान	15,811,043	13,964,068
ग्रेच्युटी योगदान	2,139,402	4,096,928
अवकाश नकदीकरण योगदान	5,038,168	7,060,812
पीएफ में योगदान	371,925	344,250
कुल	182,265,649	166,377,060

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–15क : कर्मचारी सेवानिवृति और सेवांत लाभ

	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश नकदीकरण	कुल
01.04.2022 को प्रारम्भिक शेष		29,856,038	36,613,743	66,469,781
अतिरिक्तः अन्य संगठनों से प्राप्त योगदान का पूंजीकृत मूल्य	-	-	-	
कुल (क)	-	29,856,038	36,613,743	66,469,781
घटाएंः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	-	-	-	-
31.03.15 को उपलब्ध शेष ग=(क–ख)	-	29,856,038	36,613,743	66,469,781
वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03 को प्रावधान आवश्यक (घ)	-	-	-	-
क. चालू वर्ष में किया जाने वाला प्रावधान (घ–ग)		2,743,743	7,168,890	9,912,633
ख. नई पेंशन योजना में योगदान	-	-	-	-
ग. सेवानिवृत कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-	-	-
घ. सेवानिवृति पर गृहनगर की यात्रा	-	-	-	-
ङ जमा से जुड़े बीमा भुगतान	-	-	-	-
कुल (क+ख+ग+घ+ङ)	-	32,599,781	43,782,633	76,382,414

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–16 : शैक्षणिक व्यय

विवरण	2022-23	2021-22
अनुसूची–16.1 : एम बी ए कार्यक्रम व्यय		
प्रवेश व्यय	3,665,092	5,177,590
परिवहन व्यय	-	-
विजिटिंग फैक्ल्टी मानदेय	8,333,750	12,176,125
विजिटिंग फैक्ल्टी टीए	1,713,607	16,144
पुस्तकें एवं पाठयक्रम सामग्री	28,386,368	26,975,847
इंडक्शन व्यय	1,085,551	1,146,726
परीक्षा व्यय	2,062,161	2,701,900
दीक्षांत समारोह	6,023,374	1,497,287
चिकित्सा व्यय	4,643,301	3,707,290
छात्रावास व्यय	7,679,171	9,500,598
शिक्षण सहयोग कर्मचारी वेतन	5,136,873	5,417,402
आकस्मिकता एवं अन्य व्यय	262,249	335,752
प्लेसमेंट व्यय	7,029,356	2,991,293
विद्यार्थी गतिविधि	3,959,162	1,531,374
सीआरसी	-	3,304
फैकल्टी रिवॉर्ड पॉइंट	32,832,420	18,608,190
एमबीए एनैलिटिक्स प्रवेश/विविध व्यय	2,671,452	2,479,160
विद्यार्थी राहत	-	5,452,000
कुल (क)	115,483,888	99,717,982
एमबीए छात्रवृत्ति		
आवश्यकता–सह–योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	23,880,000	25,500,000
अन्य से छात्रवृत्ति (भुगतान किया गया)	6,174,360	6,845,000
कुल (ख)	30,054,360	32,345,000
कुल क+ख	145,538,248	132,062,982
अनुसूची–16.2 : ईएमबीए व्यय		
प्रवेश विज्ञापन एवं प्रचार एवं प्रेरण	598,886	364,798
पुस्तकें एवं सीखने का संसाधन	2,634,002	2,982,893
आतिथ्य भोजन एवं आवास	155,213	20,085
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	628,125	2,107,838
कार्यालय व्यय पी एंड एस और आकस्मिकता	703,347	396,537
किराया	2,622,600	888,000
विजिटिंग फैकल्टी टीए/डीए व्यय	933,916	12,650
परीक्षा व्यय	-	-
परिवहन व्यय	103,088	-
वेतन	2,575,236	2,521,157
सुरक्षा व्यय	1,023,060	1,039,054
कुल	11,977,473	10,333,012
अनुसूची–16.3 : इग्जेक्यूटिव फेलो प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
प्रवेश व्यय (विज्ञापन एवं प्रवेश)	-	-
पुस्तकें एवं सीखना	128	-
भोजन एवं आवास व्यय	-	-
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	-	60,889
विजिटिंग फैकल्टी यातायात व्यय	-	5,457
आकस्मिकता एवं अन्य	-	142
कुल	128	66,488

अनुसूची–16.4 : मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स (एमडीपी)

प्रचार व्यय	36,288	-
राजस्व व्यय	16,592,957	9,090,737
कुल	16,629,245	9,090,737
अनुसूची–16.5 : परामर्श व्यय		
परामर्श व्यय	456,050	210,000
कुल	456,050	210,000
अनुसूची–16.6 : एफपीएम व्यय		
पुस्तकें और सीखने के संसाधन	448,702	195,112
प्रवेश व्यय	1,780,716	1,076,404
आकस्मिकता/कर्मचारी वेतन व्यय	2,122,331	708,563
छात्रवृत्ति/वजीफा व्यय	17,478,408	18,453,074
आकस्मिक अनुदान	842,896	794,881
विजिटिंग फैकल्टी व्यय	508,780	82,316
किराया व्यय	2,638,165	1,726,500
उपकरण अनुदान	450,000	700,000
शैक्षणिक व्यय (सम्मेलन अनुदान)	1,255,485	147,498
कुल	27,525,482	23,884,348
अनुसूची–16.7 : अनुसंधान एवं विकास व्यय		
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	197,041	-
राष्ट्रीय सम्मेलन	16,002	-
संकाय विकास कार्यक्रम	1,672,075	-
एएसीएसबी	264,243	1,309,268
आईआरसी	43,882	3,166
एमपीआरसी	1,117,360	390,434
अन्य पुस्तकालय संसाधन	11,907,129	7,249,260
अनुसंधान एवं विकास व्यय	85,622	692,129
सॉफ्टवेयर लाइसेंस	1,417,596	1,151,222
वेब रखरखाव	3,048,841	5,886,196
संस्थागत सदस्यता शुल्क	87,760	89,923
प्रकाशन पुरस्कार	-	1,125,000
पूर्व छात्र व्यय	982,515	251,681
सामाजिक गतिविधि (सीएसआर)	-	-
एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी)	-	-
आईटी रखरखाव (एएमसी)	1,280,889	1,262,026
सीपीडीए	3,002,322	2,145,107
एफडीए	-	1,119,544
एसडीए	1,254,515	1,487,513
कुल	26,377,792	24,162,469
अनुसूची–16.8 : ईएमबीए एनैलिटिक्स व्यय		
पुस्तकें और सीखने के संसाधन	2,888,293	-
प्रवेश व्यय	470,005	-
आकस्मिकता/कर्मचारी वेतन व्यय	118,153	-
उद्घाटन व्यय	103,350	-
विजिटिंग फैकल्टी व्यय	375,000	-
वेतन व्यय	56,520	-
शुल्क साझाकरण (टीईईएल)	26,900,000	-
कुल	30,911,321	-
कुल योग (16.1 से 16.8)	228,504,418	199,810,036

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

अनुसूची–17 : प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

विवरण	2022-23	2021-22
क. आधारभूत संरचना		
विद्युत और बिजली और ईंधन	8,876,413	10,623,848
बीमा	-	9,703
ख. संचार		
डाक और स्टेशनरी व्यय	41,009	35,839
टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट शुल्क	38,013	34,544
ग. अन्य		
मुद्रण एवं स्टेशनरी	495,677	705,887
यात्रा एवं वाहन व्यय	6,615	4,320
आतिथ्य (अतिथ्य और गेस्ट हाउस व्यय)	984,428	503,484
लेखा परीक्षा शुल्क एवं व्यय	339,392	482,539
सुरक्षा व्यय	6,342,967	4,573,857
जॉइनिंग एवं अन्य टीए/डीए	1,188,023	944,538
बीओजी व्यय	2,189,337	635,281
सफाई एवं रखरखाव कार्यालय/कार्यालय रखरखाव	18,242,328	13,261,580
कानूनी व्यय	3,049,216	2,167,965
आधिकारिक कार्य	474,836	252,040
भर्ती व्यय	3,458,710	1,462,060
अन्य व्यय (प्रोफेशनल एवं विविध व्यय)	282,257	524,249
कर्मचारी कल्याण	-	91,296
बागवानी	6,789,148	4,339,986
भविष्य निधि में योगदान	-	-
कुल	52,798,370	40,653,016

अनुसूची–18 : परिवहन व्यय

विवरण	2022-23	2021-22
वाहन (संस्था के स्वामित्व में)		
क) संचालन व्यय	1,640,717	
ख) मरम्मत और रख रखाव	131,708	1,079,700
ग) बीमा व्यय	104,534	
2 किराये/पट्टे पर लिया गया वाहन		
क) किराया/पट्टा व्यय	304,303	895,679
3 वाहन (टैक्सी) किराए पर लेने का खर्च	-	
कुल	2,181,262	1,975,379

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23
भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

अनुसूची–19 : मरम्मत एवं रखरखाव

विवरण	2022-23	2021-22
क) भवन	9,648,792	7,822,295
ख) कार्यालय उपकरण	2,302,125	1,687,669
ग) फर्नीचर एवं अन्य	127,035	544,110
कुल	12,077,952	10,054,074

अनुसूची–20 : वित्त लागत

विवरण	2022-23	2021-22
क) बैंक प्रभार	4,438	48,489
ख) अन्य (एनपीएस रखरखाव व्यय)	10,516	8,354
कुल	14,954	56,843

अनुसूची–21 : अन्य व्यय

विवरण	2022-23	2021-22
क) अशोध्य और संदिग्ध ऋण/अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
कुल	-	-

अनुसूची–22 : पूर्वावधि व्यय

विवरण	2022-23	2021-22
क) शैक्षणिक व्यय	6,053,804	19,122,922
ख) प्रशासनिक व्यय	914,717	2,621,574
ग) अन्य व्यय	-	-
कुल	6,968,521	21,744,496

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

भारतीय प्रबंध संस्थान–काशीपुर
इस्कोर्ट फार्म, कुंडेश्वरी, काशीपुर, उत्तराखंड–244713
31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए रसीदें और भुगतान खाता

प्राप्तियां	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
I. प्रारम्भिक शेष			I. व्यय		
क) नकद शेष			क) स्थापना व्यय	182,265,649	166,377,060
ख) बैंक शेष			ख) शैक्षणिक व्यय	253,241,379	192,965,036
I. चालू खातों में			ग) प्रशासनिक व्यय	52,798,370	40,653,016
II. जमा खातों में			घ) परिवहन व्यय	2,181,262	1,975,379
III. बचत खातों में	159,781,643	152,379,651	ङ) मरम्मत और रखरखाव	12,077,952	10,054,074
			च) वित्तीय लागत	14,954	56,843
			छ) पूर्व अवधि व्यय	6,968,521	21,744,496
II. अनुदान प्राप्त हुआ			II. निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के विरुद्ध भुगतान	2,964,458	15,417,567
क) भारत सरकार से	-	-			
ख) राज्य सरकार से	-	-			
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)	-	-			
(पूंजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान/यदि उपलब्ध हो तो अलग से दिखाया जाए)					
III. शैक्षणिक प्राप्तियां	670,936,179	546,413,799	III. प्रायोजित परियोजना/योजना निधि के विरुद्ध भुगतान	64,606,033	44,876,210
IV. निर्धारित/बंदोबस्ती निधि के विरुद्ध रसीदें	81,616,046	75,344,527	IV. प्रायोजित फेलोशिप/छात्रवृत्ति के विरुद्ध भुगतान	6,174,360	6,845,000
V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं/कार्यक्रमों की रसीदें	71,166,644	56,025,165	V. निवेश और जमा किया गया		
			क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से	61,212,632	50,836,144
			ख) स्वयं की निधि से (निवेश–अन्य)	48,200,000	1,148,900,000
VI. प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के विरुद्ध रसीदें	6,174,360	6,845,000	VI. अनुसूची बैंकों के साथ सावधि जमा		
VII. निवेश पर आय से	-	-	VII. अचल संपत्तियों पर व्यय और		
क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	-	-	पूंजीगत कार्य प्रगति पर है		
ख) अन्य निवेश	80,465,201	78,697,023	क) अचल संपत्तियां	188,478,515	46,114,231
			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर है	49,373,905	63,601,689
VIII. ब्याज पर प्राप्त हुआ			VIII. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
क) बैंक के जमा	-	-			
ख) ऋण और अग्रिम	462,529	3,365,602			
ग) बचत बैंक खाते एवं अन्य	7,215,697	13,505,975			
IX. निवेश भुनाया गया	208,880,000	1,090,800,000	IX. अनुदान की वापसी	-	-
X. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा को भुनाया गया	-	-	X. जमा और अग्रिम	365,566,532	100,778,546
XI. अन्य आय (पूर्व अवधि की आय सहित)	15,408,097	21,088,708	XI. अन्य भुगतान	-	-
XII. जमा और अग्रिम	25,856,628	26,511,485	XII. अंतिम शेष		
			क) हाथ में नकद	-	-
			ख) बैंक शेष		
			चालू खातों में	-	-
			बचत खातों में	31,838,502	159,781,643
			जमा खातों में	-	-
कुल	1,327,963,024	2,070,976,935	कुल	1,327,963,024	2,070,976,935

स्थानः काशीपुर
दिनांकः 22.04.2023

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. नं. : 410844

वर्ष 2022–23 के लिए आईआईएम काशीपुर के वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची–23: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. खातों की तैयार करने का आधार

लेखा को परंपरागत लागत परिपाटी के तहत तैयार किया जाता है, जब तक कि इसका उल्लेख न किया गया हो तथा आम तौर पर लेखांकन की प्रोद्भवन पद्धति पर।

2. राजस्व मान्यता

2.1 विभिन्न पाठयक्रमों के विद्यार्थियों से शुल्क, एमडीपी शुल्क, बचत बैंक खातों पर ब्याज सहित अन्य आय एवं प्रपत्रों की बिक्री आदि को प्रोद्भवन के आधार पर लेखा किया जाता है, सिवाय कैट शेयर से आय को छोड़कर जो वास्तविक प्राप्ति के आधार पर दिखाया जाता है।

2.2 निवेश पर ब्याज (एफडी) का हिसाब भी केवल प्रोद्भवन के आधार पर होता है।

3. स्थिर परिसंपत्तियां एवं मूल्यह्रास

3.1 स्थिर परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर उल्लेख किया जाता है, जिसमें आवक भाड़ा, शुल्क, कर, आकस्मिक, स्थापना और प्रारंभ से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल है।

3.2 स्थिर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन लागत से संचित मूल्यह्रास को घटाकर किया जाता है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति पर निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है:

मूर्त परिसंपत्तियां

1.	चहारदीवारी	2%
2.	कार्यालय उपकरण	7.5%
3.	कम्प्यूटर एवं सहायक सामग्री	20%
4.	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%
5.	वाहन	10%
6.	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10%
7.	कम मूल्य की परिसंपत्ति	100%

अमूर्त संपत्ति (परिशोधन):

1.	वेब डेवलपमेंट / ई–जर्नल	40%

3.3 वर्ष के दौरान प्रारंभिक मूल्य के साथ–साथ परिवर्धन पर, पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

3.4 परिसंपत्ति, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य रु. 2,000/– या उससे कम (पुस्तकालय पुस्तकों को छोड़कर) को लघु मूल्य की संपत्ति के रूप में माना जाता है, उनके अधिग्रहण के समय ऐसी संपत्ति के संबंध में 100% मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। हालांकि भौतिक लेखांकन और नियंत्रण ऐसी संपत्ति के धारकों द्वारा जारी रखा जाता है।

4. अमूर्त संपत्तियां

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (वेब डेवलपमेंट सहित) और ई–पत्रिकाओं को अर्मूत संपत्ति के अंतर्गत समूहीकृत किया जाता है।

5. स्टॉक्स

स्टेशनरी/मुद्रण सामग्री की खरीद पर व्यय और कुछ विद्युत अनुरक्षण मदों को राजस्व व्यय के रूप में लेखा किया जाता है और 31 मार्च को स्टॉक्स में इन मदों के शेष को खरीद मूल्य पर मूल्यांकित स्टॉक के रूप में माना जाता है।

6. सेवानिवृति लाभ

सेवानिवृत्ति लाभ यानी ग्रेच्युटी एवं अवकाश नकदीकरण हर साल समूह ग्रेच्युटी योजना के माध्यम से योगदान के आधार पर प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही एलआईसी (फंड मैनेजर के रूप में) के माध्यम से स्वतंत्र निधि का गठन करके अवकाश नकदीकरण योजना स्थापित की जाती है जो गेच्युटी तथा सभी नियमित की अवकाश नकदीकरण की इन देनदारियों का प्रबंधन करती है। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ जैसे नई पेंशन योजना में योगदान का हिसाब प्रोद्भवन के आधार पर किया जाता है।

7. निवेश

लंबी अवधि के निवेश उनके बुक वैल्यू पर किए जाते हैं।

8. चिन्हित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधिः

इन निधियों को विशिष्ट उद्देश्यों के लिए निर्धारित किया जाता है। इनमें से कुछ फंड डेप्रिसिएशन फंड, ग्रेच्युटी फंड, लीव एनकैशमेंट फंड, एमडीपी डेवलपमेंट फंड, एलुमनी फंड और स्टाफ डेवलपमेंट फंड हैं। इन निधियों के संचय को अलग और सुरक्षित रखने के लिए, संस्थान ने इन संचयों को बैंकों के पास सावधि जमा में रखा है। संबंधित निधि में शेष राशि को आगे बढ़ाया जाता है और तुलन पत्र के देयता पक्ष में दर्शाया जाता है जबकि संबंधित निधि के निवेश को तुलन–पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।

9. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों का लेखांकन वसूली के आधार पर किया जाता है। हालांकि, जहां वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होती है और अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, ऐसे अनुदान का प्रोद्भवन के आधार पर लेखांकन किया जाता है और एक समान राशि को अनुदानकर्ता से वसूली योग्य के रूप में दर्शाया जाता है।

पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग की गई सीमा तक, (प्रोद्भवन के आधार पर) सरकारी अनुदानों को पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया जाता है। अप्रयुक्त अनुदान (ऐसे अनुदानों से भुगतान किए गए अग्रिमों सहित) को आगे बढ़ाया जाना है और तुलन पत्र में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। **इसके अलावा संस्थान को एमओई से चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोई योजना/राजस्व अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है।**

10. चिन्हित राशि का निवेश और ऐसे निवेशों पर अर्जित ब्याज आय

वर्ष के प्रावधान के रूप में वित्तीय वर्ष के अंत में जोड़े गए व्यय या राशि के लिए तत्काल आवश्यक सीमा तक, ऐसी निधियों के प्रति उपलब्ध राशि को बैंकों के साथ सावधि जमा में निवेश किया जाता है, शेष बचत बैंक खातों में छोड़ दिया जाता है (जहां लागू हो), प्राप्त ब्याज, उपार्जित ब्याज और देय और ब्याज उपार्जित लेकिन ऐसे निवेशों पर देय नहीं है, संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है और संस्थान की आय के रूप में नहीं माना जाता है।

11. प्रयोजित परियोजनाएं

11.1 जारी प्रायोजित परियोजनाओं (परामर्श, एमडीपी एवं शोध) के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को "वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान" समूह में क्रेडिट किया जाता है। जब कभी भी व्यय किया जाता है/ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम का भुगतान किया जाता है, या संबंधित परियोजना खाते को आवंटित ओवरहेड शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है, तो देयता खाते को डेबिट किया जाता है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर उसी की प्राप्तियों और व्यय को उस वर्ष के आय एवं व्यय खातों में स्थानांतरित कर दिया जाता है जिसमें ये बंद होते हैं।

11.2 प्रायोजित छात्रवृत्ति के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि "छात्रवृत्ति अन्य प्राप्तियों" में जमा की जाती है और विद्यार्थियों को इसके भुगतान पर इसे "छात्रवृत्ति अन्य भुगतान खाते" में डेबिट कर दिया जाता है।

12. आय कर

संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23ग) के तहत आयकर से मुक्त है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

स्थानः काशीपुर
दिनांकः 25.4.2023

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल एस.ए.ओ. (लेखाकार)	(सीए मृणाल सजवान) एफए–सह–सीएओ	(प्रो. कुलभूषण बलूनी) निदेशक	(सीए दीपांशु अग्रवाल) साझेदार एम. नं. : 410844

अनुसूची–24 : आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां

1. आकस्मिक देयताएं

31.03.2023 को संस्था के खिलाफ पूर्व/वर्तमान कर्मचारियों, छात्रों, किरायेदारों, ठेकेदारों और ठेकेदारों के साथ मध्यस्थता के मामले, फैसले के लिए लंबित थे। दावों की मात्रा लगभग कार्य विभाग द्वारा अनुमानित 5.31/– करोड़ रुपये।

2. पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

नए कैंपस को विकसित करने के लिए पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंधों का मूल्य प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि इन्हें बिलों के माध्यम से निष्पादित कार्य की प्रस्तुति पर ही बुक किया जाएगा।

3. स्थिर परिसंपत्तियां

अनुसूची 4 में वर्ष में अचल संपत्तियों में की गई अतिरिक्त राशि वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा उत्पन्न कॉर्पस फंड और अधिशेष से खरीदी जाती है। परिसंपत्तियों को भवन/सामान्य संपत्ति निधि में जमा करके स्थापित किया गया है।

4. पेटेंट :

संस्थान से संबंधित कोई पेटेंट नहीं है।

5. जमा देयताएं

बयाना राशि जमा एवं प्रतिभूति जमा के रूप में बकाया राशि को रु. 70,04,990 लाख की वर्तमान देनदारियों एवं प्रावधानों में दर्शाया गया है।

6. विदेशी मुद्रा में व्ययः

क.	यात्रा	कोई नहीं
ख.	रसायन आदि के आयात के लिए विदेशी ड्राफ्ट	कोई नहीं
ग.	अन्य	रु. 3,02,19,412/–

7. चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम एवं जमा

संस्थान की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों, अग्रिमों एवं जमाराशियों का मूल्य सामान्य पाठयक्रम में वसूली पर होता है, जो कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है।

8. जहां कहीं आवश्यक हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनर्ससमूहित किया गया है।

9. अंतिम लेखा के आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

10. अनुसूची 1 से 24 संलग्न हैं और 31 मार्च 2023 को तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा है।

11. नई पेंशन योजना में योगदान (रु. 1,58,11,043/–) को एनपीएस खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है।

12. आईआईएम काशीपुर क्षमता और सामर्थ्य:

i) छात्रों की संख्या –831

ii) शिक्षकों की संख्या–41

iii) भवन निधि और उसके व्यय के लिए संग्रह – शुन्य

iv) खेलकूद गतिविधियों और उसके व्यय के लिए संग्रह – शून्य

v) सह–पाठयक्रम गतिविधियों और उसके व्यय के लिए संग्रह – शून्य

vi) विकास शुल्क और उस पर व्यय के कारण संग्रह – शून्य

vii) चिकित्सा व्यय और उस पर व्यय के लिए संग्रह – शून्य

viii) ईपीएफ और ईएसआई–एनपीएस जैसे वैधानिक बकायों का अनुपालन (सरकारी नियमों के अनुसार)

ix) शिक्षकों की वेतन संरचना – वेतन मैट्रिक्स संलग्न

स्थानः काशीपुर
दिनांकः 25.4.2023

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सीए (डॉ.) मधुकर गोयल
एस.ए.ओ. (लेखाकार)

(सीए मृणाल सजवान)
एफए–सह–सीएओ

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. नं. : 410844